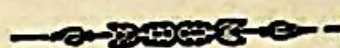
प्रासपुंज

'बेताब'



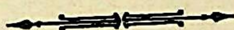
॥ ओ३म् ॥

प्रास-पुंज



प्रणेता

नारायण प्रसाद "बेताब"



प्रकाशक

हिन्दी पुस्तक एजेन्सी

१२६, हरिसन रोड, कलकत्ता



प्रथमबार] सं० वि० १९७६ [मूल्य १)

प्रकाशित और मुद्रित



DEDICATED

TO

M. B. Chhapgar Esq.

IN TOKEN OF DEEP AFFECTION

AND

LONG FRIENDSHIP.

"BETAB"

धन्यवाद

मेरे मित्र "माइल" महोदय (श्रीमान् पं० जनेश्वरदासजी जैनी देहलवी) प्रास-मीमांसाको सुनकर कहने लगे कि :-- "हिन्दी साहित्यमें अपने ढंगकी यह सबसे पहिली किताब होगी।"

यदि मित्र महाशयका अनुमान सत्य है तो मैं कहता हूं कि यह "नक्शे अव्वल" है इसके बाद जो विद्वान इस विषय पर क़लम उठाएंगे वह हर प्रकारसे "नक्शे सानी" होगा जो इससे कहीं सुन्दर होगा।

यथाशक्ति मैंने इसे ठीक समझकर ही लिखा है फिर भी "सर्वः सर्वं न जानाति" जीवकी स्वाभाविक अल्पज्ञतासे अनेक दोष रह गये होंगे, गुणग्राही पुरुष क्षमा करके कोई लाभ दायक बात देखें तो उसका प्रचार करें और अशुद्ध अंशको शुद्धकर के हिन्दी साहित्यका भण्डार भरें।

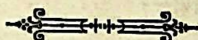
उक्त मुन्शी 'माइल' साहिबने इस पुस्तकको कवियोंके कामकी चीज़ बताकर मेरा साहस बढ़ाया, अपूर्णको पूर्ण करनेपर कटिबद्ध किया और काशी निवासी श्रीमान् हाफ़िज़ मोहम्मद यूसुफ़ साहिब "अफ़सूं" ने अपने अमूल्य परामर्शसे मुझे मदद दी अतएव मैं उक्त दोनों सज्जनोंका कृतज्ञ हूं।

विदुषामनुचरः

"बेताब"

ॐ

प्रास-मीमांसा



१—परम्परीय परिचय



वर्त्तमान हिन्दी साहित्य-महाभारतमें पाँच पांडवोंकी तरह तुकान्तके भी पाँच नाम हैं, अमुक अमुक चरणमें तुक होने, अमुक अमुकमें न होनेसे यह नाम बनते हैं। इन्हें जाननेके लिये पहिले यह जानना उचित है कि प्रत्येक छन्दके चार चरण होते हैं, इनमें पहिले और तीसरे चरणको विषमचरण कहते हैं और दूसरे, चौथेको समचरण। वह पाँचों नाम लक्षण सहित यह हैं :—

१—*सर्वान्त्य*—जिसके चारों चरणोंमें तुक हो। यथा—

मगर यह दयानन्दने भेद खोला
नहीं जन्मसे कुछ बिरहमनका चोला
सुख़न है ये वेदोंके कांटेमें तोला
अमलसे है छोटा, बड़ा, या मंझोला

२—*समान्त्य विषमान्त्य*—पहिलेका प्रास तीसरेसे और दूसरे का चौथेसे मिले। जैसे—

१ रहें सभासद विविध मत, २ होय न बेड़ा पार
३ कबहु बजत नहिं मधुर गत, ४ जो नहिं मिलत सितार

३—*समान्त्य*—जिसके सम अर्थात् दूसरे और चौथे चरणमें तुक हो। जैसे—

१ अबलहुके अवलम्बसों २ पूर्ण होत है आश
३ सूत सहारा देत जब ४ मोमहु करत प्रकाश

४—*विषमान्त्य*—केवल पहिले और तीसरेमें प्रास हो। जैसे—

१ दान दिये दिनरात २ विद्या-धन अधिकात है
३ खिंचत खिंचत बढ़ जात ४ जैसे पानी कूपका

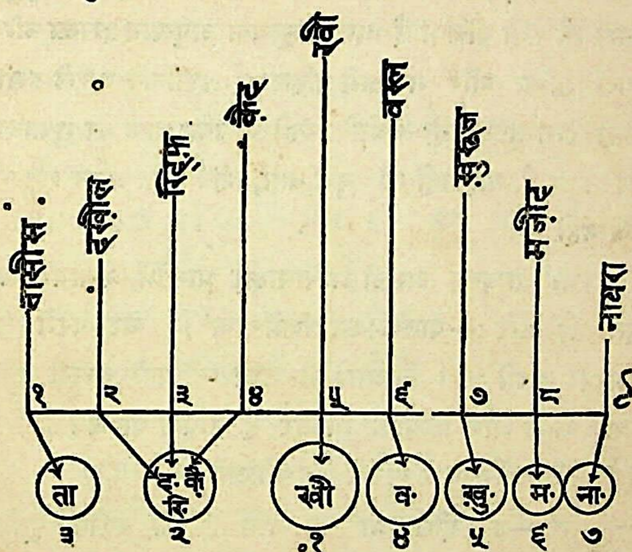
५—*सम विषमान्त्य*—जिसके पहिले चरणका प्रास दूसरेसे और तीसरेका चौथेसे मिले। जैसे—

यहि विधि राम सबहि समुझावा। गुरु-पद-पद्म हर्षि शिर नावा॥
गणपति गौरि गिरीश मनाई। चले अशीश पाय रघुराई॥
(तुलसी)

२—फ़र्माने-फ़ार्सी

उर्दू, फ़ार्सी तुकान्तका वृत्तान्त यह है कि इसका गोरख-धन्धा १५ नियमोंपर निर्भर है, जबतक इन १५ कड़ियोंके फन्दे समझमें न आजाएं, क़ाफ़ियेकी उलझन सुलझ नहीं सकती, बल्के क़ाफ़िया लिखनेवालेका क़ाफ़िया तंग हो जाता है। इन १५ में

६ स्वर और ६ अक्षर* हैं। ६ अक्षर नीचे नक़्शेमें दिये हैं, ६ स्वरोंकी ज़रूरत नहीं हैं।



उक्त नक़्शेसे मालूम होता है कि क़ाफ़ियेके ६ अक्षर ७ मण्डलोंमें विराजमान हैं। क, ख, ग, आदि किसी अक्षरका नाम तासीस या दख़ील नहीं है, बल्के अमुक स्थानपर आनेसे दख़ील वग़ैरा नाम होते हैं जैसे दारोग़ा, कोतवाल, जज, किसी व्यक्ति विशेषका नाम नहीं बल्के उस पदपर जो विराजमान होगा वही जज इत्यादि कहलायगा।

---

* शुभ स्वरके साथ व्यंजन शब्द लिखना चाहिये था परन्तु उन ६ अक्षरोंमें स्वरोंका निषेध नहीं है और व्यंजन कहनेसे स्वरोंका निषेध हो जाता है इसलिये "अक्षर" शब्द लिखा जाता है जो स्वर और व्यंजन दोनोंमें व्यापक है।

ऊपरके अङ्कोंमें पांचवां और नीचेके अङ्कोंमें पहिलौ 'रवी' (रकार वकार) है जिससे यह प्रकट होता है कि सरल शृङ्खला-नुसार तो रवी पांचवां है परन्तु मूल्यके अनुसार इसका आसन सबसे ऊँचा और गणनामें पहिला है इसलिये पहिले इसीको समझ लेना उचित है, क्योंकि यही प्रासका प्राण या तुकान्तका मूल अक्षर है, यह नहीं तो तुक नहीं, शेष आठ अक्षर शृङ्गार हैं प्राण नहीं।

"रवी" शब्दका अस्ली अन्तिमाक्षर प्रासोंमें स्थायी रूपसे रहता है जैसे :—पातक+स्नातकमें 'क'। घट+पटमें 'ट'। चामर+पामरमें 'र'। मिलता+छिलतामें 'ल' यही अस्ली अन्तिम है 'ता' काल और क्रियाका विकार है रविसे परिचय हो लिया तो अब सिलसिलेवार सबसे भेट कीजिये :—

१—*तासीस*—उस दीर्घ "आ" का नाम है जो रवीके पूर्ववाले लघु अक्षरसे पूर्व हो (देखो मण्डल ३) जैसे—पामर+ चामर के 'पा' और 'चा' (प्+आ= पा, च्+आ= चा) में "आ"

कवि वाध्य नहीं कि सदैव इस प्रवन्धका पालन करे, पामर+ बानर भी प्रास हो सकता है, किन्तु पामर+चामर उत्तम है और यह सामान्य।

२—*दख़ील*—रवीके पूर्ववाले उस अक्षरको कहते हैं जो रवी और तासीसके बीचमें हो (देखो मण्डल २) जैसे पामर+चामरमें 'म' छागल+पागल में 'ग'। परन्तु दख़ील उसी प्रासमें दख़्ल दे सकता है जिसमें तासीस भी हो। यदि तासीस नहीं है, दख़ील

भी दाख़िल न होगा। जैसे चमनका 'म' रविके पूर्व है परन्तु दख़ील नहीं क्योंकि 'म' के पूर्व 'आ' नहीं है।

३—*रिद्फ़*—दख़ील और रिद्फ़का स्थान एक ही है (देखो मंडल २) यह भी रवीके पूर्व रहता है, अन्तर यह है:—

(क) दख़ील, तासीस दोनों साथ आते हैं और यह तासीसके बग़ैर ही आ सकता है।

(ख) दख़ीलमें सर्व व्यञ्जन और ह्रस्व स्वर आते हैं, इसमें केवल दीर्घ "आ" "ई" "ऊ" आते हैं।

जैसे:— विशालके 'शा' (श्+आ=शा) में-आ
सुशीलके 'शी' (श्+ई=शी) में-ई
त्रिशूलके 'शू' (श्+ऊ=शू) में-ऊ

४—*क़ैद*—क़ैदका स्थान भी रवीके पूर्व ही है (देखो मण्डल २) रिद्फ़ और क़ैदमें यह अन्तर है कि उसमें रवीके पूर्व दीर्घ आ, ई, ऊ, आता है इसमें रवीके पूर्व हल् व्यञ्जन होता है। जैसे— पर्व+सर्व, में 'र्'। वत्स+बीभत्स में 'त्'। यह अक्षर स्थायी रहना चाहिये।

५—*रवी*—इसका वर्णन पहिले ही हो चुका।

६—*वस्ल*—रवीके बाद जो पहिला अक्षर उसी शब्दका अंश (असली नहीं किसी विकारसे बना हुआ) होगा उसे "वस्ल" कहेंगे जैसे-निकाला+सँभालामें अन्तका 'आ'। परन्तु रवीके बाद दूसरा शब्द शुरू हो जायगा तो वो वस्ल नहीं 'रदीफ़' (महाप्रास) माना जायगा। जैसे—निकाल देखो+सँभाल देखो में 'देखो।'

७—*ख़ुरूज*—वस्लके पश्चात् जो अक्षर हो वो ख़ुरूज है जैसे—दर्शनीयमें 'य' मिलता+छिलता में 'आ'

८—*मज़ीद*—ख़ुरूजके पश्चात् मज़ीद आता है।
९—*नायरा*—मज़ीद्के पश्चात् नायरा होता है।
} इनके उदाहरण दुर्लभ हैं।

रवीके बाद जो चार अक्षर आते हैं यह स्थायी रूपसे आते हैं, इनका वदलना वड़ा दोष है।

हिन्दी लिपिका गुण, गौरव भी वड़ा ही प्रशंसनीय है देखिये ६ अक्षर वयान करनेके बाद, ६ स्वरोंको वयान करनेकी आवश्यकता ही न रही, इन्हीं नियमोंमें छओं (स्वर भी) लीन हो गये हैं तथापि विषयको अपूर्णताके दोषसे वचानेके लिये लिख देता हूं। वह छः स्वर (हरकाते क़ाफ़िया) यह हैं। याद रहे कि छः नाम स्थान भेदसे होंगे, वर्नः ह्रस्व अ, इ, उ के अतिरिक्त कोई चौथा स्वर नहीं आ सकेगा।

१—*रस्स*—तासीसके आ (अ+अ= आ) में पहिला "अ"

२—*इश्वाअ*—दख़ीलका स्वर जैसे छागल+पागल के 'ग' (ग्+अ=ग) में "अ" शामिल+कामिलकी 'मि' (म्+इ=मि) में 'इ' इसी तरह 'उ' को समझो।

३—*हज़्व*—व्याकरणमें दो सजातीय ह्रस्व स्वर मिलनेसे दीर्घ स्वर हो जाता है, इस नियमको ध्यानमें रखकर, रिद्फ़के वयान में जो विशाल, सुशील, त्रिशूल ये तीन शब्द उदाहरणमें दिये हैं इनमें रिद्फ़ है आ, ई, ऊ, इन तीनोंको यदि ह्रस्व वनाएं तो

अ+अ=आ। इ+इ=ई। उ+उ=ऊ बनेंगे; बस इन दो ह्रस्वों में से पूर्व ह्रस्वका नाम "हज़ूव" है।

४--तौजीह--तौजीह और इश्बाअमें केवल इतना ही अन्तर है कि इश्बाअ दख़ीलका स्वर है और दख़ील तासीसके साथ आता है; तासीस न होनेसे दख़ील भी नहीं रहता; ऐसी अवस्थामें रवी-के पूर्वका स्वर तौजीह कहलायगा। जैसे शामिल+कामिलमें 'मि' की 'इ' इश्बाअ है परन्तु दिल+मिलमें 'इ' तौजीह है। यह भी स्थायी रहना चाहिये।

५--मज़रा--प्रासमें वस्ल अक्षर होने ही से यह आता है वर्नः नहीं, जैसे "सँभाला" के ल में "अ"

६--नफ़ाज़--यह स्वर अन्तके चार (६, ७, ८, ९, अङ्कोंमें वर्णित) अक्षरोंमें आता है।

३--निज निर्णय

मेरे निश्चयका जो कुछ निचोड़ है वह निवेदन करता हूं :—

अर्थ

प्रास शब्दका अर्थ है "भाला" शस्त्र विशेष, "प्रासस्तु कुन्तः" इत्यमरः। परन्तु मेरा संकेत साहित्य सम्बन्धी—प्रकर्षेणास्यते—अर्थ से है, अर्थात् जो अतिशय रूपसे फेंका जाता है वह प्रास अर्थात् तुक है, इसीको अन्त्य, प्रास, और तुक भी कहते हैं।

अरबी, फ़ारसी और उर्दू भाषामें इसका पर्य्याय "क़ाफ़िया" है जिसका अर्थ हैं 'पीछे चलनेवाला'। प्रास दिमाग़से कविताकी तरफ़ फेंका जाता है अथवा एकके पीछे दूसरा फेंका जाता है तो क़ाफ़िया पीछे २ चला आनेसे हर विश्रामपर मौजूद है, एक ही वात है। यह है हिन्दू मुसलमानोंके मिलाप काल (सन् १६१६ ई०) में अन्तर जातीय अर्थ मैत्री।

नाम

स्थान भेदसे प्रासके तीन नाम हैं—

१ प्रास २ अनुप्रास ३ महाप्रास

इन तीनों नामोंपर विचार करनेसे मालूम होता है कि मुख्य शब्द 'प्रास' है, उसपर 'अनु' उपसर्ग और 'महा' विशेषण चढ़ा दिये गये हैं। अनु—पश्चात्, सादृश्य, समीप, भाग, हीन, आदि अर्थोंमें आता है और महा, बड़ेका बोधक है।

यह तीनों शब्द (प्रास, अनुप्रास, महाप्रास) अपने अर्थोंके अनुकूल ही व्यवहारमें आते हैं। अक्षरोंकी पुनरावृत्ति, तीनोंमें समान धर्म है, इसी धर्मके आधारपर तीनोंमें प्रास शब्द विद्यमान है परन्तु समान धर्मके अतिरिक्त जो न्यूनाधिक चिह्न हैं वही भेद प्रकट करके तीन नाम बना देते हैं।

तीनों प्रासोंका वर्णन किया जाता है।

अनुप्रास

यह प्रासका छोटा भाई शब्दालङ्कारका एक भेद है इसमें

प्रासकी अपेक्षा कुछ हीनता होती है इसी वास्ते "अनु" का साइनबोर्ड इसके माथेपर लगा हुआ है।

यह महाशय अपने दोनों भाइयोंसे कुछ स्वतंत्र और मुक्त हैं बड़े भाई तो अपने अपने स्थानसे बाहर क़दम नहीं रखने पाते परन्तु यह मुर्शद जहां जी चाहे वहीं अड्डा जमा लेते हैं।

इसके मुख्य भेद ५ हैं—

१—छेक २—वृत्ति ३—श्रुति ४—लाट ५—अन्त्य

विशेष ज्ञानके लिये तो अलङ्कार ग्रन्थ देखिये, यहां दिग्दर्शन मात्र लिखता हूं। स्वरके विना व्यञ्जन वर्णका साम्य ही अनुप्रास है। यथा चतुर्थांश मनहरण

"चंचरीक चक्रवाक चकी चकवा चकोर"

मोर शोर करत हैं निज निज बोली में।

और भी— गदरा गया गोरा गात।

महाप्रास

निवेदन करना उचित है कि "महाप्रास" यह मेरा कल्पित नाम है। इसके घड़नेकी ज़ुरूरत मुझे इसलिये हुई कि संस्कृत ग्रन्थोंमें इस-रदीफ़-का उल्लेख कहीं नहीं है या कमसे कम मुझे नज़र नहीं आया। हिन्दी कवितामें इसका अधिक काम पड़ता है। संस्कृत श्लोकोंमें तो रदीफ़ क्या, क़ाफ़िया ही नदारद है,

दहनका ज़िक्र क्या यां सर ही ग़ाइब है गरीबांसे

(ग़ालिब)

इस अभावका कारण संस्कृत भाषाका स्वभाव, निज माधुर्य और सौन्दर्य्य ही है, जैसे रूपवती रमणीको आभूषणोंकी अपेक्षा नहीं रहती ऐसे ही संस्कृत साहित्य इन अल्पालङ्कारोंका ऋणी नहीं हैः—

नहीं मोहताज ज़ेवरका जिसे ख़ूबी ख़ुदाने दी
फ़लक पर खुशनुमा लगता है देखो चाँद बे गहने

यदि कोई विद्वान रदीफ़का पर्य्याय बता देंगे तो मैं द्वितीया-वृत्तिमें संशोधन कर दूंगा।

फ़ारसी रदीफ़ और क़ाफ़िये का पर्य्याय "छन्दः प्रभाकर" में अन्त और उपान्त दिया है परन्तु वह ठीक नहीं है उसमें लिखा है कि "अन्त रदीफ़, उपान्त क़ाफ़िया" परन्तु संस्कृत ग्रन्थोंमें क़ाफ़ियेका पर्य्याय "उपान्त" नहीं "अन्त्य" है और वह अनुप्रास-का भेद "अन्त्यानुप्रास" माना है

व्यञ्जनं चेद्यथावस्थं सहाद्येन स्वरेण तु
आवर्त्यतेऽन्त्य योज्यत्वा दन्त्यानुप्रास एवतत्

साहित्य दर्पण दशम परिच्छेद श्लो० ६

इसके उदाहरणमें यह पद्य दिया है।

केशः कास—स्तवक विकासः
कायः प्रकटित करभ—विलासः

यहां विकास+विलास पादान्त्य खुला हुआ क़ाफ़िया है, परन्तु श्रीमद्भानुजीके कथनानुसार इसे रदीफ़ कहना चाहिये क्योंकि रदीफ़ सदैव अन्त्य होती है, हां जहां रदीफ़ नहीं होती

केवल क़ाफ़िया ही होता है तो वह रदीफ़का क़ायंम मुक़ाम होता है ऐसी अवस्थामें 'उपान्त्य' शब्द (क़ाफ़ियेका बोधक) भ्रमोत्पादक हो जायगा, जैसेः—

कहि न जाय कछु *नगर* विभूती।
जनु इतनी *विरंचि* करतूती॥ (तुलसी)

यहां "नगर" और "विरंचि" उपान्त्य हैं परन्तु तुक नहीं। यदि विभूती और करतूती पर ध्यान दें—जो वास्तविक तुक —तो छन्दः प्रभाकर कथित लक्षणानुसार अन्त्यको रदीफ़ कहेंगे न कि क़ाफ़िया, और इस चौपाईमें रदीफ़ है ही नहीं। सारांश यह कि छन्दः प्रभाकरके लक्षणमें अव्याप्ति और अतिव्याप्ति दोनों दोष हैं अतः मान्य नहीं।

एक या अनेक शब्दोंका चरणके अन्तमें ज्योंका त्यों बारबार आना महाप्रास हैं जैसे शरीरसे। तीरसे। समीरसे। रघुवीरसे। आदिमें "से" या—प्यार किया करते हैं। विचार किया करते हैं। में "किया करते हैं" यह अपरिवर्तनशील और चिरस्थायी होता है। लक्षणमें, चरणके अन्तमें आना कंहा गया है अब यह बात अलग है कि सम चरणके अन्तमें हो या विषमके अथवा दोनोंके।

प्रास

प्रास, स्वर व्यञ्जनका ऐसा मिश्रित पिण्ड है जिसका अन्तिमांश स्थायी और आदिमांश परिवर्तनशील है। जैसेः—

नीर। वीर। तीर। चीर। आदिमें "ईर" स्थायी और न्, व्, त्, च्, परिवर्तनशील हैं। नल। दल। जल में न, ज, द, परिवर्तनीय और लकार स्थायी है। अमलके साथ विमलको प्रास करना अशुद्ध है,

क्योंकि इसमें "शायगां" नामका दोष आ पड़ा हैं 'मल' शब्द दोनोंमें एकही अर्थ वाला है (विशेष दोषके वयानमें देखिये) हां कमल+अमल प्रास शुद्ध है क्योंकि यहां 'मल' एकही अर्थमें नहीं है। कमल+जलको भी प्रास कर सकते है क्योंकि लकारके पूर्व दोनोंमें अकार है। कमल+विमल भी प्रास हो सकेगा इनमें दोनों जगह 'मल' होते हुए भी एकही अर्थ नहीं है कमल एकही शब्द है, विमल वि उपसर्ग पूर्वक मल मिश्रित है तो यहां लकार-के पूर्व अकार हीसे प्रयोजन है मलके पूर्व (अ, इ) से नहीं

तात्पर्य यह कि—

स्थायी अंशके पूर्व जो स्वर हो उसे बदलना न चाहिये

यद्यपि इसके विरुद्ध उस्तादोंके कलाममें स्थायो अंशके पूर्व स्वर वदल जानेकी मिसालें मौजूद हैं

करते हो शिकवा तुम सुहागके वक्त।
भैरवी गाते हो बिहागके वक्त॥ (दाग़—यादगारेदाग़)
वक़द्रे हुनर जस्त वायद महल
बुलन्दीओ नहसी मजो चूं ज़ुहल (सादी—बोस्तां)

परन्तु ये अपने अपने स्थानमें शुद्ध हैं, क्योंकि उस्ताद दाग़के शेरमें फ़ार्सी क़ायदेसे रवी और रिद्फ़ क़ाफ़ियेके दो अक्षर (ग, रवी और उसके पूर्व अ (अलिफ़) रिद्फ़) विद्यमान हैं, रिद्फ़का पूर्व स्वर सजातीय 'अ' भी मौजूद है बस फ़ैसिला हुआ, इसके पूर्व कुछ हो उससे प्रयोजन नहीं। महात्मा सादी ने जो महल+ज़ुहल लिखकर 'हल' अंशके पूर्व-स्वरको बदला है उसे कमल+विमलके समान समझिये।

अब वक्तव्य यह है मैं जो कह रहा हूं कि "स्थायी अंशका पूर्व स्वर न बदला जाय" यह तो फ़ार्सी क़ायदेसे अलग एक नया नियम पेश करता हूं इसका अर्द्ध-समर्थन तो फ़ार्सी भी कर रही है देखिये हरकाते-क़ाफ़ियामें "तौजीह" की आज्ञा क्या है? यही कि "रवीके पूर्व स्वरका बदलना अशुद्ध हैं" तात्पर्य निकल आया कि स्थायी अंशका पूर्व स्वर न बदला जाय क्योंकि रवी सदैव स्थायी होता है। मैं इसमें विशेषता यह चाहता हूं कि रवीके पूर्व और भी कोई अक्षर स्थायी हो तो उसका भी स्वर न बदला जाय इस रीतिसे लिखा हुआ प्रास हिन्दी या फ़ार्सी किसी वर्तमान क़ानूनके खिलाफ़ नहीं हो सकता बल्के सौन्दर्य अधिक हो जाता है, देखिये :—

चमन+समन+दमन अच्छे मालूम होते हैं? या
गमन+सुमन+चिमन?

इसके उपरान्त बीस बातें याद करनेकी आवश्यकता नहीं केवल एक दोहा याद रखिये बस क़ाफ़ियेकी मंज़िल आसान हुई, वह

दोहा यह है—अचल अंशके पूर्वका स्वर रख अचल नितान्त
कर्णमधुर, सुन्दर, ललित हो निर्दोष तुकान्त (बेताब)

यथामति सिद्धान्तोंका इत्र निकाल कर रख दिया है सूंघें न सूंघें आपकी इच्छा।

यदि दो या अधिक चरणोंमें एक ही शब्दका प्रयोग बारबार किया जाय तो उस शब्दका अर्थ अलग अलग होना चाहिये वर्नः उसकी गणना दोषोंमें होगी, यदि अर्थ अलग अलग है तो फिर गुण (यमकालङ्कार) है। जैसे अत्रि ऋषिकी पत्नी अनसूयाको वसन्तोत्सव मनाते हुए गृहस्थ कुलाङ्गनाएँ एक मोतियोंका हार भेंट करती हैं और वह इंकार करके वापस करती हुई कहती है

तुमको शोभा देत है रंग, किलोल, विहार
मुझे हार में हार है, तुमको हार बहार

फिर स्त्रियां वह हार अनसूयाके गलेमें जबरदस्ती डालकर कहती हैं:—

गले पड़ा यह आपके हुआ उचित व्यवहार
आप विमुक्ताहार हैं यह है मुक्ताहार (बेताब)

और भीः— तबीअत वहीं मूलशङ्करकी बदली १
मिटे कुफ्र बस दिलसे यह शर्त बद ली २
कुल्हाड़ी पये नख़्ले-अतवारे-बद ली ३
हुई सरबसर शिर्क की दूर बदली ४
(बेताब)

१—बदली—बदल गई, कुछसे कुछ हो गई
२—बदली—प्रतिज्ञा करली
३—बदली—कुप्रथा रूपी वृक्षोंके लिये कुल्हाड़ी सँभाली
४—बदली—घटा

जिस पद्यमें प्रास और महाप्रास दोनोंका व्यवहार हो उसमें प्रासवाला शब्द ऐसा आ पड़े जिसका पूर्वार्द्ध प्रास और उत्तरार्द्ध महाप्रास बन जाय तो यह रूप पद्यके गौरवको बढ़ाता है जैसेः—रावण कैलास पर्वतको जड़से उखाड़कर समुद्रमें फेंकना चाहता है परन्तु शङ्कर-प्रतापके सामने उसका ज़ोर नहीं चलता तो लज्जित होकर कहता है

बुरा हो इस घड़ीका, इस समयका, ऐसे अवसरका
महासागर बना पायाब जल सामान्यसे सरका
पसीना भी तो पहुंचा वहके एड़ीतक मेरे सरका
मगर अफ़सोस इसपर भी न पर्वत बालभर सरका
(बेताब)

चौथे चरणके "बालभर सरका" में सरका दो टुकड़े होकर पूर्वार्द्ध "सर" प्रास है और उत्तरार्द्ध "का" महाप्रास

प्रासके मुख्य दो भेद हैं "उत्तम" और "सामान्य"। फ़ार्सीमें इनका नाम "अहसन" और "वाजिब" है। किसी किसी ग्रन्थकारने एक तीसरा भेद "निकृष्ट" भी लिखा है परन्तु वह इतना निकृष्ट है कि मैं उसे प्रास-पंक्तिमें बिठाकर नियमको निकृष्ट करना नहीं चाहता।

१— उत्तम प्रासमें स्थायी अंश जितना बड़ा होगा उतना ही उत्तम और कर्ण मधुर होगा जितना कम होगा उतना ही कम। परन्तु कमसे कम दो व्यञ्जन (स्वरोंके साथ) स्थायी अवश्य हों जैसेः— पागल+छागल। हमीर+समीर। मोचन+लोचन। परन्तु कुमार+चमार उत्तम नहीं है। हां निधान+अभिधान उत्तम है। यदि तीन या चार व्यञ्जन, स्वर सहित स्थायी हों तो क्या कहना है जैसे दर्पण+अर्पण।

२— सामान्यमें उक्त प्रबन्धकी आवश्यकता नहीं, केवल जिस अक्षर (स्वर सहित व्यञ्जन अथवा केवल स्वर) पर प्रास समाप्त हो वह अक्षर और उसके पूर्वका स्वर स्थायी रहना चाहिये, जैसे रानी+पानी। ढोल+पोल। ढोल+पुल अशुद्ध। मार+प्यार=शुद्ध। मोर+मार अशुद्ध। अति+कुमति=शुद्ध। लंका+शंका=शुद्ध। सुमन+यौवन=शुद्ध। परन्तु मादक+कन्दुक अशुद्ध है। कहीं कहीं क़ाफ़िया केवल"अ" को छोड़कर एक स्वरपर—उसमें मिले हुए व्यञ्जनकी परवा किये बगैर भी--समाप्त किया जाता है जैसे चला+मिटा+बुझा+बुरा आदि, बदी+छुरी लगी+ घड़ी इत्यादि, ऐसे प्रासमें अन्तिम स्वरके पूर्व जो व्यञ्जन है (चलामें ल, छुरीमें र, लगीमें ग,) वह जरूर बदलना चाहिये वर्नः चला+घुला, छुरी+हरी=ग़लत हैं। उर्दूमें ऐसे प्रासका प्रचार दूसरे भेदोंके समान ही है परन्तु इस प्रकारके प्रासोंपर कँगाली सी बरस्ती है।

३— कवि स्वतन्त्र है कि चारों चरणोंमें—अथवा छन्दानुसार

दो चरणोंमें—उत्तम प्रास लिखे चाहे सामान्य, परन्तु एक प्रकार स्वीकार करनेके बाद दूसरे प्रकारपर हाथ डालनेकी स्वतन्त्रता उसे नहीं है, उत्तम लिखते लिखते बीचमें कोई सामान्य लाना अथवा सामान्यमें उत्तम लाना दोष है।

ध्यान रहे कि उत्तम और मध्यम एक दूसरेकी अपेक्षासे पहचाने जाते हैं, अकेला कोई प्रास हो, नहीं कह सकते कि किस श्रेणीका है।

स्थान

अनुप्रास—चरणके मध्यमें कहीं भी आ सकता है।

महाप्रास—यदि होता है तो चरणोंके अन्तमें ही होता है।

प्रास—महाप्रासकी मौजूदगीमें उपान्त्य, वर्नः अन्त्य।

इसपर शंका हो सकती है कि "साहित्य दर्पणमें तो—

"एष च प्रायेण पादस्य पदस्य चांते प्रयोज्यः।"

अर्थात् पादान्त और पदान्त दोनों जगह लिखा है तुम अन्त या उपान्त में ही कहते हो, पद उपान्तसे पहिले हर जगह आता है"

इसका समाधान यह है कि प्रास मध्यमें भी लालित्य बढ़ानेको आ सकता है जैसे त्रिभङ्गी छन्दके प्रत्येक चरणमें मध्यवर्त्ती प्रास मज़ा देता है—यथा

कलहंस विचारे, कुण्ड-किनारे, पंख पसारे, डोलत हैं।
शुक शोक विनाशक, मोद प्रकाशक, बोल विलाशक बोलत हैं॥
सवभ्रम संकट दुख; होत जात सुख, जब कोकिल मुख खोलत हैं
सुन तोतावोली, को चख होती, श्रोता मोती रोलत हैं॥

परन्तु ऐसे प्रासका पूर्व या उत्तर चरणोंसे कोई सम्बन्ध नहीं, सम्बन्ध पादान्तमें ही हो सकता है. इसी वास्ते पदान्त गौण और पादान्त मुख्य प्रास है।

तुलनात्मक विचार

हिन्दीभाषाको धन धाम, माधुर्य सौन्दर्य, शब्दागार, भाव भाण्डार, वीरादिरस, उपमा उत्प्रेक्षा, रूपकादि अलंकार, मुग्धा, मध्या, प्रगल्भादि नायिका भेद, यह जो कुछ सम्पत्ति मिली है वह संस्कृत मातासे मिली है, हां दूसरी भाषा नाम होनेसे शैलीमें कुछ अन्तर हो गया है। संस्कृत वाक्योंमें क्रियापद स्वतन्त्रता पूर्वक आगे पीछे प्रत्येक स्थानमें आते और वाक्यका लालित्य बढ़ाते हैं

अयमाचरत्यविनयं मुग्धासु तपस्विकन्यकासु। (शाकुन्तले)

वाचं न 'मिश्रयति' यद्यपि मद्वचोभिः
कर्णं 'ददात्य' वहिता मयि भाषमाणे
कामं न 'तिष्ठति' मदानन सम्मुखीयं
भूयिष्ठमन्य विषया न तु दृष्टिरस्याः। (शाकुन्तले)

'नमामि' भक्तोऽश्चरणाम्बुज द्वयं० (कादम्बरी)

'संभवामि' युगे युगे (गीता)

इसके विरुद्ध हिन्दी भाषामें क्रिया पदोंका अन्तमें ही आना बोलचालके अनुसार माना जाता है। यदि हम इस अंशमें संस्कृतका अनुकरण करें तो बोलचालका मज़ा किरकिरा हो जाय। हिन्दी कविता और कवि की उच्चता भी इसीमें है कि

रोज़मर्रा, बोलचाल विगड़ने न पाय। यथा संभव दूरान्वय न हो। सरलान्वयकी चेष्टा की जायगी तो कवि क्रियापद अन्तमें ही लानेके लिये वाध्य होगा और क्रियापद प्रायः रदीफ़ और क़ाफ़ियेका ही स्थान लेते रहेंगे। यदि यही वाधा संस्कृत कवियोंके सामने होती तो वह रदीफ़ क़ाफ़ियेके नियम भी अवश्य बना देते। इस कमीको मैं "कमीं" नहीं किन्तु "व्यर्थ-वाधा-विसर्ज्जन" कह सकता हूं। पतीलीमें होता तो थालीमें आता, न वहां था न यहां आया, इसलिये हिन्दीमें प्रास, महाप्रासकी व्याख्या कुछ न्यूनताके साथ हो तो आश्चर्य नहीं।

इस मीमांसाके "परम्परीण परिचय" में (पृष्ठ १) अन्त्यके सम्बन्धमें जितना लिखा गया है उससे इतना ही ज्ञान होता है कि दूसरे और चौथे चरणमें प्रास होगा तो यह नाम होगा, चारों चरणोंमें होगा तो यह नाम होगा इत्यादि और बस, परन्तु यह मालूम नहीं हो सकता कि प्रास है क्या चीज़। उसका निर्दोष स्वरूप क्या है? बनानेका नियम और शुद्धाशुद्ध जांचने-की कसौटी क्या है? अस्तु।

द्वितीय रीति है "फ़र्माने—फ़ार्सी" (पृष्ठ २) इसमें पूर्ण व्याख्या है परन्तु विद्यार्थीके लिये विस्तार—भार अधिक है।

तृतीय रूप है "निजनिर्णय" (पृष्ठ ७) आत्मश्लाघा नहीं किन्तु यथार्थ वात यह है कि फ़ार्सीके १५ नियम इसके 'उत्तम' और सामान्य दो ही रूपोंमें समा गये हैं, इस सूत्र-सङ्कलनमें हिन्दी लिपिका ही महत्व समझिये; हां वर्णनका ढङ्ग वुरा भला

जो कुछ है मेरा मन माना है। आशा है कि न्यायी नेत्र अवश्य इस गागरमें सागर देख सकेंगे।

प्रासके दोष

निज निर्णय लिखित नियमोंके अनुसार प्रास लिखा जाय तो दोषोंका आना सम्भव ही नहीं है तथापि फ़ार्सी विद्वानोंके मतानुसार संक्षेपमें दोषोंका वर्णन भी किया जाता है।

१—सिनाद—रवीके पूर्व दीर्घ स्वर (अर्थात् रिदुफ़के स्वर) का विरोध, जैसे विशाल+सुशील। यह दोष आजकल किसी सामान्य कविकी कवितामें भी दिखाई नहीं देता, हो तो प्रास अशुद्ध है।

२—इक़वा—रवीसे पहिला व्यञ्जन तो वही रहे परन्तु उसका ह्रस्वस्वर बदल जाय जैसे कम्बल+सम्बुल। रुधिर+मधुर। व्यञ्जन और स्वर दोनों बदलनेसे भी यही दोष रहता है जैसे मासिक+चातक।

३—इक्फ़ा—स्वयं रवी अक्षरका बदल जाना जैसे प्रकाश+माष। हिन्दीमें केवल श, ष ही ऐसे व्यञ्जन हैं जिनका उच्चारण अलग होते हुए भी एक सा ही प्रतीत होता है, परन्तु उर्दूमें अधिक अक्षर ऐसे ही हैं जिनके उच्चारणमें भेद मालूम नहीं होता:—से, सीन, स्वाद। ज़े, ज़ाल ज़्वाद (ज़्वाद) ज़ोय। ते, तोय। हाय हुत्ती, हाय हव्वज़ इत्यादि। इन अक्षरोंसे संयुक्त जो शब्द हैं यदि उनका सही इमला मालूम हो तो कवि

दोषसे सॉंफ़ वच जायगा वर्नः.........। रवीके स्थानमें जो अक्षर पहिले प्रासमें आया है वही अन्त पर्य्यन्त आना उचित है वर्नः "इक्फ़ा" नामका ऐब हो जायगा जैसे सलाह+गवाह। पहिलेमें हाय हुत्ती और दूसरेमें हाय हव्वज़ है।

४—ईता—इसके दो भेद हैं "ख़फ़ी" (सूक्ष्म) "जली" (स्थूल)

ख़फ़ी—शब्दका दो जगह एकही अर्थमें आना और ज़ाहिर न होना जैसे :—

जल+गंगाजल। उद्क+सरिदुद्क।

जली—शब्दका दो जगह एकही अर्थमें आना और ज़ाहिर हो जाना जैसे पाठशाला+रङ्गशाला।

स्त्रीलिङ्ग वहुवचनका "यां" जैसे घोड़ियां+ऊंट-नियां+स्त्रियां आदि।

पुल्लिङ्ग वहुवचनका "ए" जैसे लड़के+घोड़े+कुत्ते+पंखे आदि।

कर्त्ताका "क" पालक+उपदेशक+प्रकाशक+सेवक आदि।

परन्तु प्रकाशक+विनाशक कर्त्ताका 'क' अपने अंगमें रखते हुए भी निर्दोष हैं क्योंकि इनमें अस्ल प्रास तो प्रकाश+विनाश है जो निरन्तर शुद्ध है।

भूतकालका "आ":—पढ़ा+लगा+कहा+खाया+गाया+सुनाया आदि, हां भूतकालके "आ" को अस्ली "आ" से प्रास करें तो निर्दोष है जैसे घोड़ा+देखा। पंखा+लाया। आदि।

इसीका एक भेद "शायगां" नामसे मशहूर है जिसे हम अपनी भाषामें "प्रासाभास" कह सकते हैं यथाः—

चला है ओ दिले राह तलब ! क्या शादमां होकर ।
ज़मीने कूए जानां रंज देगी आसमां होकर ॥

"वज़ीर लखनवी"

शादमां और आसमांमें जो "मां" है दोनोका अर्थ मान्निन्द है यही शायगां ऐब है । और भीः—निराश होकर+हताश होकर

५—गुलू—रवी अक्षर एक चरणमें सस्वर हो दूसरेमें हलन्त जैसे

हज़ार बार जो हालत थी वो बयान् हुई
परन्तु दास पे सरकारकी दया न हुई

यदि किसी दोषको लिखते हुए जतानेका कुछ संकेत कर दिया जाय तो फिर वह दोष, दोष नहीं माना जाता । जैसे :—

तपोधन तापसोंकी कुदरती जागीर थी गङ्गा ।
"गुलूके साथ" थी यूं मौज-ज़न भागीरथी गङ्गा ॥

नम्र निवेदन

१—इस पुस्तकके प्रास सम्मेलनमें बीभत्स और अश्लील प्रतिनिधियोंको सम्मिलित नहीं किया गया है ।

२—यह प्रास-पुञ्ज दो भागोंमें विभक्त हैः—पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध । पूर्वार्द्धमें स्वरान्त प्रास दिये गये हैं और उत्तरार्द्धमें व्यञ्ज-नान्त । यूं तो जिन्हें मैं व्यञ्जनान्त कहता हूं वो भी स्वरान्तही हैं परन्तु प्रचरित प्रथानुसार उन्हें व्यञ्जनान्त कहना कोई

दोष नहीं है लेख-शैली भी इसकी आज्ञा देती है। हम, तुम अब, जब, देखकर, मकान, दुकान, चल, निकल आदि ये सब शब्द हलन्त बोले और अकारान्त लिखे जाते हैं अतएव मैं भी इन्हें व्यञ्जनान्त कहनेके लिये क्षमा चाहता हूं।

३—कोशमें जिस शब्दको देखना होता है उसके आदिमाक्षरसे देखते हैं, यहां कोशके विरुद्ध शब्दको अन्तिमाक्षरसे देखिये। राम देखना हो तो आममें, भीम देखना हो तो ईममें, कुशल देखना हो, तो अलमें, विशाल देखना हो तो आलमें मिलेगा।

४—जिन शब्दोंमें अक्षरोंके नीचे विन्दु लगा है वो फ़ार्सी अरबी शब्द हैं। मैंने निर्विन्दु (हिन्दी संस्कृत शब्दों) और सविन्दु (फ़ार्सी अरबी) शब्दोंको शामिल ही लिख दिया है। ध्यान रखिये कि उर्दू कवितामें निर्विन्दु+सविन्दुका प्रास नहीं हो सकता। हां सविन्दुको हिन्दी ख़ैराद पर छीलछाल कर निर्विन्दु बना लिया जाय तो हिन्दीमें अनुचित नहीं है जैसे

"दौलत "दराज" ऋतुराज महाराजकी"

अथवा विप्र ग्वालियर नगरको वासी है कविराज।
जासू शाह मया करे सदा "ग़रीब नवाज" ॥

(सुन्दर श्रृङ्गार)

५—कविता और तुकान्तमें "सम्वाय-सम्वन्ध" तो नहीं है किन्तु "पंगवन्ध" न्यायानुसार यह उसका, वह इसका सहायक अवश्य है इसलिये रसिक जनोंकी सुगमताके लिये मशहूर मशहूर पचाससे अधिक पिङ्गल छन्द भी—नियम, लक्षण,

उदाहरण सहित—लिख दिये हैं। जिनकी सूची यह है।

१ अनुकूला	१६ चामर	३७ मोतिय दाम्
२ अनुष्टुप	२० छप्पय	३८ मोदक
३ अरविन्द	२१ तोटक	३६ रूप् घनाक्षरी
४ अरसात	२२ तोमर	४० रोला
५ आभार	२३ त्रिभङ्गी	४१ वसन्त तिलका
६ इन्द्र वज्रा	२४ दुर्मिल	४२ वाम
७ इन्द्र वंशा	२५ दोहा	४३ विद्यु न्माला
८ उपेन्द्र वज्रा	२६ नराच	४४ वंशस्थ विलम्
६ उल्लाला	२७ पद्धरि	४५ शार्दूल विक्रीड़ित
१० कन्दुक	२८ प्रहर्षिणी	४६ शिखरणी
११ काव्य	२६ भुजङ्गप्रयात	४७ सार
१२ किरीट	३० भुजङ्गी	४८ सीता
१३ कुकुभ	३१ मत्तगयन्द	४६ सुख
१४ कुण्डलिया	३२ मदिरा	५० सुन्दरी
१५ गङ्गोदक	३३ मन्दाक्रान्ता	५१ सुमुखी
१६ गीतिका	३४ मन्दारमाला	५२ सोरठा
१७ घनाक्षरी	३५ मन हरण	५३ स्रग्विणी
१८ चकोर	३६ मंजुमालिनी	५४ हरिगीतिका

जो छन्द जिन प्रासोंके साथ मेल खाता है उन्हींके साथ लिखा गया है जैसे "मोतियदाम" राम, धामके साथ। "मत्तगयन्द" आनन्द, मकरन्दके साथ। "गङ्गोदक" मोदक अदिके साथ।

६—छन्दोंका ढांचा समझनेके लिये दोचार मोटी मोटी बातोंका लिख देना उचित है।

(क) अक्षर तीन प्रकारके होते हैं लघु, गुरु, प्लुत । पिङ्गलमें केवल लघु गुरुसे ही काम चलता है। प्लुतका सत्कार सङ्गीत शास्त्रने यथोचित किया है। हिन्दीमें अ, इ, उ, ऋ और 'क' से लेकर 'ह' तक सर्व व्यंजन लघु हैं। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः यह गुरु हैं।

(ख) शब्दके मध्य अथवा अन्तमें संयुक्त अक्षर आ जानेसे उस संयुक्ताक्षरका पूर्व, गुरु हो जाता है जैसे "सत्य" का 'स' लघु है परन्तु 'त्य' के बलसे गुरु माना जायगा इसी तरह धर्मका 'ध'। प्रवन्धका 'व'। संयोगी अक्षर अपने पूर्वको गुरु करता है और आप लघु है तो लघु ही रहता है गुरु है तो गुरु।

(ग) गुरु अक्षरका चिह्न "ऽ" और लघुका "।" है।

(घ) तीन अक्षरके पिण्डको "गण" कहते हैं लघु गुरुके भेदसे इसके आठ रूप हैं।

१—तीनों गुरु	ऽ ऽ ऽ	मगण	म—माताजी
२—तीनों लघु	। । ।	नगण	न—नगर
३—आदि गुरु	ऽ । ।	भगण	भ—भारत
४—मध्य गुरु	। ऽ ।	जगण	ज—जटायु
५—अन्त गुरु	। । ऽ	सगण	स—सरिता
६—आदि लघु	। ऽ ऽ	यगण	य—यशोदा
७—मध्य लघु	ऽ । ऽ	रगण	र—रामजी
८—अन्त लघु	ऽ ऽ ।	तगण	त—तातार

(ङ) लघु का संक्षिप्त रूप 'ल' और गुरुका "ग" है इन्हीं संकेतों से छन्दोंका रूप लिखा जायगा।

७—अन्दर बाहर दो तरफ़ द्यु ति दान करनेसे "देहरीदीपक" न्याय होता है, परन्तु प्रास-पुञ्जमें चार चमत्कारोंने चार चांद लगा दिये हैं इस लिये इस चौमुखे दीपकको चौराहेका चिराग कहनेमें कोई अत्युक्ति नहीं है। देखिये नाः—

एक तरफ़ क़ाफ़िया

दूसरी तरफ़ लिङ्गज्ञान

तीसरी तरफ़ कोश

चौथी तरफ़ पिंगल प्रकाशित है

८—लिङ्ग

सब जानते हैं कि संस्कृतमें तीन लिङ्ग (पुल्लिङ्ग, स्त्रीलिङ्ग, नपुंसकलिङ्ग) और हिन्दी उर्दूमें केवल दो हैं, इनमें नपुंसक सृष्टि नष्ट हो गयी है। परन्तु फ़ार्सीमें लिङ्गका लिङ्ग कुछ नहीं है, झगड़ा जड़सेही नदारद है। संस्कृत अपने नामों और विभक्तियोंमें लिङ्ग प्रकाशित करती है तो हिन्दी उर्दू नामों और क्रिया पदोंमें, परन्तु फ़ार्सी कहीं भी नहीं। मादरम आमदा बूद। पिदरम आमदा बूद। ज़ने मी रवद। मर्दे मी रवद।

समयके प्रभाव और पूजनीय श्री महात्मा गांधीजीके गुप्तोपदेशसे आजकल हिन्दू+मुसलमान परस्पर प्रीतिका वर्ताव कर रहे हैं, इसी हेतुसे मैंने भी इसलामी भाषाके

शब्दोंको प्रास पंक्तिमें बिठानेसे परहेज़ नहीं किया है। फ़ार्सी अरबी शब्द यदि हिन्दीमें लिये जायंगे तो लिङ्ग लिखे बिना छुटकारा न होगा इसलिये उनका लिंग उर्दू इस्तेमालके अनुसार लिख दिया है। नपुंसकलिङ्ग शब्दोंका प्रयोग हिन्दी में प्रायः पुल्लिङ्गके समान ही होता है इसलिये पु० न० को एकही मानिये। लिङ्ग चिह्न वही पुराने हैं यथाः—

(क) पुल्लिङ्ग पु०

(ख) स्त्रीलिङ्ग स्त्री०

(ग) नपुंसकलिङ्ग पु०

(घ) उभयलिङ्ग, इसके अन्तर्गत पांच प्रकार हैं :—

प्रथम—ऐसे शब्द जो उभय लिङ्गी हैं जैसे नक़ाब, झांझ।

द्वितीय—ऐसे शब्द जिनमें लेखकोंका मत भेद है जैसे ख़ला; समाज, साँस, आत्मा।

तृतीय—विशेषण जिनका लिङ्ग विशेष्यके अनुसार होता हैं जैसे बढ़िया, घटिया, चालाक, सुन्दर, दुर्बल, कमज़ोर।

चतुर्थ—द्योतक और वाचक दोनों प्रकारके अव्यय, इनके उपभेद—विभक्ति, उपसर्ग, क्रिया-विशेषण आदि जैसे को, ने, में, अनु, उप, अप, झट, आदि।

पञ्चम—धातु शब्द जिनका लिङ्ग क्रिया प्रत्यय लगाये बग़ैर स्थिर नहीं होता क्योंकि धातु क्रियाके तमाम रूपोंमें ज्यूंकी त्यूं वर्तमान रहती है कहीं इसका रूप नहीं बदलता, कुछ अपवाद वाले रूप भी हैं उनके लिये क्षमा चाहता हूं।

उक्त पांचों प्रकारके शब्द ऐसे हैं कि अपने स्वभावसे या लेखकोंके मत-भेदसे दोनों लिंगोंमें वर्ते जाते हैं इसलिये इन सबपर उभय लिङ्गी चिह्न "उ" और स्पष्ट अव्यय पर "अ" दिया है अर्थात् 'उ' के अन्दर उक्त पांच प्रकार शामिल हैं, यह पुस्तक व्याकरणकी पुस्तक नहीं है अपने अभीष्टकी हद तक लिखा है विस्तार पूर्वक जाननेके लिये व्याकरण ग्रन्थ देखिये ।

(ङ) यद्यपि धातु और आज्ञार्थ शब्दोंमें कोई अन्तर नहीं होता तथापि कहीं कहीं स्पष्ट लिख दिया है ।

(च) जो शब्द फ़ार्सी अरबी इंग्रेजी हैं (या यूं कहें कि हिन्दी नहीं हैं) उनके साथ यह चिह्न × अधिक कर दिया है ।

(छ) प्रसिद्ध शब्दोंका अर्थ लिखना व्यर्थ और हिन्दीकी चिन्दी करना अनुपयुक्त समझकर उनके सामने अर्थके स्थानमें स्पष्ट अथवा सरलका "स" अक्षर लिख दिया है ।

(ज) अनेक शब्द ऐसे हैं कि वो क्रिया कालादिका प्रत्यय लगाने अथवा प्रयोगका वाक्य लिखने हीसे सार्थक होते हैं जैसे गठ, सट, पक, पिल आदि परन्तु विस्तार भयसे प्रयोग नहीं लिखा है, मात्र प्रास याद दिलानेहीकी सेवासे सन्तुष्ट होकर कविजन इन अधूरोंसे पूरोंका काम ले सकते हैं ऐसे शब्दोंके अर्थमें भी केवल "स" लिखा है ।



प्रासपुंज

पूर्वार्द्ध

स्वरान्त प्रास

आकारान्त



आ

आ-उ० आनेकी आज्ञा

सुआ-पु० तोता। लाल और हरा रंग। बड़ी और मोटी सुई

जुआ-पु० हारजीतवाला खेल। हल गाड़ीमें लकड़ी का वह-भाग जो बैलोंके कांधे पर रक्खा जाता है

हुआ-पु० स

बुआ-स्त्री० पिताकी वहन। स्त्रियोंका सामान्य सम्बोधन।

दुआ×-स्त्री० आशीर्वाद। मांगना प्रार्थना करना

मुआ-पु० मृत। गाली।

छुआ-पु० स

मर्दुआ-पु० निकृष्ट-विशेषण। मर्द-तुच्छकार युक्त

का

ढक्का-स्त्री० ढोलक, डोंडी, मुनादी

उचक्का-पु० उठाइगीरा, चोर, जेवकतरा

चक्का-पु० जमा हुआ। ईंटोंका ढेर जो गिननेके

लिये चुनते हैं। प्रायः अच्छे जमे हुए दही के लिये भी बोलते हैं

भौचक्का-पु० हयरान। डरसे बद हवास। हक्का बक्का

पक्का-पु० कच्चेके विरुद्ध। पंका हुआ। होशयार। मजबूत। दृढ़। निडर वीर

छक्का-पु० छःसे सम्बन्धित

उछाल छक्का-स्त्री०कुलटा, व्यभिचारिणी, बदचलन स्त्री

धक्का-पु० हिचकोला। रेला। टोटा। नुकसान

हक्का बक्का-पु० देखो-"भौचक्का"

इक्का-पु० अकेला। एक घोड़े की बहलीनुमा सवारी

छिक्का-स्त्री० छींक

हिक्का-स्त्री० हिचकी। एक रोग

सिक्का-पु० धातुका ढला हुआ द्रव्य जो देशमें चले

मुक्का-पु० घूंसा

तुक्का-पु० बिना अनीका तीर

नुक्का-पु० नोक,—झाड़ना—फबती कहना

हुक्का×-पु० तम्बाकू पीनेका यन्त्र

लुक्का×-पु० बदमआश, शोहदा

रुक्का×-पु० चिट्ठी। प्रामेसरीनोट। उर्दू में हुक्का+रुक्का तुक अशुद्ध है।

हलका-पु० भारीके विरुद्ध। नीच। घटिया

ढलका-पु० नेत्रोंसे जल बहनेका रोग

फलका-पु० फपोला, छाला। चाकूमें लोहेका भाग

मुचलका-पु० स

लड़का-पु० स

तड़का-पु० प्रातःकाल

फड़का, धड़का, कड़का, भड़का, खड़का — पु० स

लपका-पु० आदत, टेव। जल्द चलनेका भूतकाल

टपका-पु० वह आम जो पककर स्वयं डालीसे गिरे। यकायक आ गया। चूने लगा। छतसे पानीकी बूंदोंका गिरना

छपका-पु० कबूतर पकड़नेका छोटा स जाल। सन्दूक बन्द करनेका साधन। स्त्रियोंका ज़ेवर। पानीका बड़ा छींटा

अटका-पु० रुक गया

खटका-पु० ख़ौफ़, डर, आहट। सन्देह। बुरा मालूम हुआ

लटका-पु० शोबदा। नुसख़ा। नख़रा। लटकनेका भूतकाल

सटका-पु० दबे पांव चला गया

पटका-पु० पटक दिया। पेटी, कमर पेच

झटका-पु० टक्कर। सदमा, मुसीबत, आफ़त। धक्का। सिक्खोंमें बकरेकी बली। छीना झपटीका माल,

मटका-पु० बड़ा घड़ा। मटकनेका भूत काल

चटका-पु० चटकनेका भूत काल

वसंत तिलका-स्त्री० पिंगलका वह छन्द जिसके हर चरणमें १४ अक्षर इस प्रकार हों

SSI+SII+ISI+ISI+SS

त+भ+ज+ज+ग+ग

चरणान्त यति, उ०

राखो तुकान्त पर

ध्यान कवित्त मांही

पताका-स्त्री० झण्डी, ध्वजा

बलाका-स्त्री० बगलोंकी क़तार

ढाका-पु० नगर विशेष। ढाक वृक्षका जंगल

काका-पु० चचा

शलाका-स्त्री० सलाई

दीप-शलाका-स्त्री० दिया सलाई, माचिस।

वराका-स्त्री०नाचीज़, दीन, ग़रीब, तुच्छ

धड़ाका-पु० धमसे आवाज़

ताका-पु० तक लिया, जांचा

नाका-पु० मोड़, रास्तेका कोना। ग्राह

लड़ाका-स्त्री० लड़ने वाली

फ़ाक़ा×-पु० भोजन न मिलनेसे भूका रहना, लङ्घन

इफ़ाक़ा×-पु०अवकाश, फुरसत, रोगकी कमी। फ़र्क़, आराम। सुभीता

इलाक़ा×-पु० मण्डल, ज़िला, प्रान्त। सम्बन्ध

ख़ाका×पु० चर्चा, चित्रकी कच्ची रेखा, ढांचा

झांका-पु० स

बांका-पु० तिर्छा, रंगीला, खूबसूरत

टांका-पु० टूटे हुए वर्तनमें जोड़। जोड़नेका मसाला। सीवन, पैवन्द

हांका-पु० हांकना का भूत काल

ढांका-पु० ढकदिया

फांका-पु० फांक लिया

अंगारिका-स्त्री० अँगीठी

अभिसारिका-स्त्री० छिनाल, नायिका भेदमें कृष्णाभिसारिका शुक्लाभिसारिका नामकी स्त्री

सारिका-स्त्री० मैना पक्षी

अट्टालिका-स्त्री० अटारी

अंबालिका-स्त्री० विचित्रवीर्यकी माता (महाभारतमें)

कपालिका-स्त्री० ठीकरा, छोटा खप्पर

दन्तालिका-स्त्री० लगाम

दीपमालिका-स्त्री० दिवाली, दीपकों

अम्बिका-स्त्री० धृतराष्ट्रकी माता

अवन्तिका-स्त्री० उज्जैन नगर.

कंठिका-स्त्री० कंठी, गलेका भूषण

कनीनिका-स्त्री० आंखकी पुतली

शिबिका-स्त्री० डोली, पालकी

प्रहेलिका-स्त्री० पहेली

शालिभञ्जिका-स्त्री० कठ पुतली, वेश्या

रोटिका-स्त्री० रोटी

मृत्तिका-स्त्री० मिट्टी

वाटिका-स्त्री० वग़ीचा

लासिका-स्त्री० नाचने वाली

विसूचिका-स्त्री० हैज़ा, कालरा

रक्तिका-स्त्री० रत्ती, $\frac{१}{८}$ माशा, गुञ्जा, चौंटली

गणिका-स्त्री० वेश्या

घटिका-स्त्री० घड़ी, २४ मिनिटका समय

चन्द्रिका-स्त्री० चांदनी। बड़ी इलायची

छुरिका-स्त्री० छुरी

यवनिका-स्त्री० क़नात, पर्दा, नाटकका ड्राप Drop

जीविका-स्त्री० रोज़ीका साधन, आमदनी

जुटिका-स्त्री० चोटी, जूड़ा

तूलिका-स्त्री० शय्या, विस्तर, सेज

नग्निका-स्त्री० नंगी, बच्ची

नवमल्लिका स्त्री० बहुत फूलों वाला वृक्ष

नायिका-स्त्री० युवती, वेश्या की मां

प्रसूतिका-स्त्री० ज़च्चा

गीतिका-स्त्री० पिंगलका एक छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें २६ मात्रा होती हैं १४+१२ पर यति, रगणसे शुरू, रगण पर समाप्त हो ३-१०-१७' और २४ वीं मात्रा लघु रहे। उ०

प्रासको भी प्राण समझें आप हिन्दी छन्दका

हरिगीतिका-उक्त चरणके आदि

में दो मात्रा बढ़ानेसे हरि-
गीत बन जाता है । उ०
इस प्रासको भी प्राण
समझें आप हिन्दी छन्दका
भूमिका-स्त्री० दीबाचा
मधुमक्षिका-स्त्री० शहदकी मक्खी
मसूरिका-स्त्री० चेचक रोग, कुटनी
मुद्रिका-स्त्री० अंगूठी
फीका-पु० नीरस, हलका, मन्द, बदरंग, उदास
टीका-स्त्री० अर्थ । तिलक पु०
बालबीका-पु०—न होना, कुछ न बिगड़ना
अमरीका-पु० देश विशेष
सलीक़ा×-पु० सुघड़ाई
तरीक़ा×-पु० रास्ता, विधि
नीका-पु० अच्छा
असिधेनुका-स्त्री० कटारी, छुरी
पदुका-स्त्री० जूती, खड़ाऊं
झुका-पु० स
भूका-पु० स
थूका-पु० स
चूका-पु० भूलगया
भबूका-पु० बहुत सफ़ेद । गर्म, कोप युक्त, शौला
शलूका-पु० छोटा कुर्ता, नीमास्तीन
जलूका-स्त्री० जोंक
एका-पु० इत्तफ़ाक़, सुलूक
टेका-पु० आश्रय, सहारा
ठेका-पु० ताल, काम करनेका ठैराव Contract,
रोका-पु० स
टोका-पु० स
ठोका-पु० मारा, ठोक दिया, पीट दिया
झरोका-पु० खिड़की, सूराख़
धोका-पु० फ़रेब,
जलौका-स्त्री० जोंक
नौका-स्त्री० नाव
शंका-स्त्री० डर, सन्देह, एतराज़
लंका-स्त्री० द्वीप विशेष, (रावण की राजधानी)

डंका-पु० ढोल। नक़ारा वजाने की लकड़ी।-वजना-नाम पाना,

फंका-पु० स

खा

खा-पु० खानेकी आज्ञा

सखा-पु० मित्र

चखा-पु० स

नौलखा-पु० नौलाख वाला

रामसखा-पु० सुग्रीव

शूर्पणखा-स्त्री० रावणकी वहन

शाखा-स्त्री० टहनी, डाली। अन्तर्गत भेद Branch

करशाखा-स्त्री०हाथकी उंगलियां

चाखा-पु० चखा

राखा-पु० रक्खा

विशाखा-स्त्री० एक नक्षत्र

लाखा-पु० एक रंग जो स्त्रियां होटों पर लगाती हैं

साखा-पु० नामवरीके क़ाविल युद्ध या विवाहोत्सव

समाखा-पु० अन्धेके विरुद्ध अच्छे नेत्रोंवाला

शिखा-स्त्री० चोटी

सिखा-उ० सिखानेकी आज्ञा

लिखा-पु० लिख दिया। लिखनेकी आज्ञा

दिखा-उ० दिखानेकी आज्ञा

सीखा-पु० सीख लिया, ?

तीखा-पु० तेज़, चर्परा, कटु। नुकीला। गुस्सेवाला। लड़ाका। बांका अलबेला। चुलबुला।

गन्धमुखा-स्त्री० छछूंदर

दुमुखा-पु० कहकर वदल जानेवाला आदमी। दुमुहा सांप

इकरुख़ा×पुं० एक तरफ़से

रूखा-पु० बेमुरौवत। नीरस। अलोना। जो चिकना न हो, अरसिक, निर्दय खुरदरा। घृतहीन

सूखा-पु० शुष्क, सुकड़ा हुआ।

पतला दुवला, अना वृष्टि स्त्री,—जवाव—साफ़ इंकार

रेखा-स्त्री० लकीर

लेखा-पु० हिसाव

देखा-पु० देख लिया

परेखा-पु० परीक्षा आज़माना गिला शिकवा।

ओखा-पु० खोटा चोखाके विरुद्ध

चोखा-पु० खरा ओखाके विरुद्ध

अनोखा-पु० निराला

सोखा-पु० सुखाने वाला

खंखा-स्त्री० डायन स्त्री चुड़ैल

पंखा-पु० स

गा

गा-उ० गानेकी आज्ञा

लगा-पु० लग गया- कितना धन, समय लगा ? अज्ञार्थ में उ०

तगा-पु० जाति विशेष

ठगा-
जगा-
पगा-
सगा- } पु० स

दग़ा-×स्त्री० धोका, विश्वासघात

सुरापगा-स्त्री० गंगा

समुद्रगा-स्त्री० नदी

निम्नगा-स्त्री० नदी

वागा-पु० दुल्हाका जामा

आगा-पु० पीछेके विरुद्ध

जागा-पु० स

भागा-पु० स

तागा-पु० स

धागा पु० स

लागा-पु० स

नागा- पु० स

त्यागा-पु० स

कागा-पु० स

पागा-पु० स

उगा-पु० पौदा पैदा हुआ ज़मीनसे वाहर निकला

पुगा-पु० पूर्ण होना, खेलका मुहाविरा

चुगा-पु० पक्षियोंका भोजन दाने
गङ्गा-स्त्री० स
झिलंगा-पु० टूटी हुई खाट
नङ्गा-पु० वस्त्र विहीन
भुजङ्गा-पु० सर्प । काला
चंगा-पु० तन्दुरुस्त, अच्छा
छंगा-पु० छः उंगलियां जिसके हाथमें हों
बेढंगा-पु० बेडौल, दुराकार
दंगा-पु० फ़साद, बच्चोंका झमेला
वंगा-स्त्री० सरसों
बरंगा-पु० छतमें दो कड़ियोंके बीचमें पटाव करनेको लकड़ीका टुकड़ा
अड़ंगा-पु० पच्चड़, रोक, ख़लल, विघ्न

घा

मघा-स्त्री० एक नक्षत्र
सरघा-स्त्री० शहदकी मक्खी
श्लाघा-स्त्री० तारीफ़
जंघा-स्त्री० जांघ, रान
कंघा-पु० शाना, स

चा

बच्चा-पु० स
कच्चा-पु० स
सच्चा-पु० स
ग़च्चा-पु० दाव । ज़र्ब । दाग़ । चोट । धोका
ज़च्चा-स्त्री० प्रसूता
चचा-पु०
रचा-पु०
मचा-पु०
जचा-पु०
त्वचा-स्त्री०
नचा-उ०
पचा-पु०
लचलचा-पु०

(चचा से लचलचा तक) स

वाचा-स्त्री०
तमाचा-पु०
सांचा-पु०
जांचा-पु०
ढांचा-पु०
खांचा-पु०

(वाचा से खांचा तक) स

नीचा-पु० नीचाइ । ज़िल्लत । तुच्छ । नीच

दरीचा×पु० खिड़की, छोटा दर्वाज़ा

बाग़ीचा×पु० छोटासा बाग़, चमन

बाज़ीचा×पु० खेल तमाशा

ग़ालीचा×पु० क़ालीन, एक बढ़िया फ़र्श

बचाखुचा-पु० स

कुचा-स्त्री० स्तन

कूचा-पु० गली

बूचा-पु० कान कटा हुआ

अलूचा-पु० आँवलेके जैसा एक फल

छा

अच्छा-पु० स

लच्छा-पु० तागोंकी लम्बी तय। रवड़ीके टुकड़े। पैरका ज़ेवर। सिलसिला

इच्छा-स्त्री० ख़ाहिश

मूर्छा-स्त्री० बेहोशी, ग़श

वाञ्छा-स्त्री० कामना

स्वेच्छा-स्त्री० अपनी इच्छा

ओछा-पु० पूराके विरुद्ध, नीच, बद, कमीना

अँगोछा-पु० बदन पोंछनेका कपड़ा

जा

जा-उ० जानेकी आज्ञा

बजा-उ० स

सजा-पु० सजावट वाला सजानेकी आज्ञा उ०

मलगजा-पु० मैला

अरगजा-पु० एक सुगन्ध वाला द्रव्य । उबटना

सज़ा×स्त्री० * दण्ड

मज़ा×पु०* स्वाद, आनन्द, लज़्ज़त

क़ज़ा×स्त्री० * मौत

रज़ा×स्त्री० * रज़ामंदी, प्रसन्नता

* सज़ा मज़ा प्रास है सज़ा क़ज़ा या मज़ा क़ज़ा या रज़ा मज़ा नहीं हां क़ज़ा रज़ा शुद्ध है

लज्जा-स्त्री० शर्म, हया

मज्जा-स्त्री० हड्डियोंका सार, मग़्ज़े-उस्तख़ां

प्रजा-स्त्री० रऐयत, रिआया,

आजा- उ० आनेकी आज्ञा

बाजा-पु० स

राजा-पु० स

खाजा-पु० एक मिठाई। खाकर चलाजा-चलीजा, उ०

लाजा-स्त्री० धानकी खीलें

ताज़ा×उ० तुर्तका बना हुवा, सर्सब्ज़ शादाब खिला हुआ। श्रम रहित

ग़ाज़ा×पु० उबटना, गुलगूना, सुगन्धित द्रव्य,

आवाज़ा×पु०-कसना-ताना उपालम्भ, छेड़

दरवाज़ा×पु० द्वार

अन्दाज़ा×पु० अनुमान

जनाज़ा×पु० मुसलमान मुर्देकी अर्थी-विमान

ख़मयाज़ा×पु० बुरा बदला, दुष्फल

भतीजा-पु० भाईका बेटा

तीजा-पु० तीसरा। मुसलमानोंमें मृत्युके तीसरे दिनवाली क्रिया

नतीजा×पु० परिणाम

पूजा-स्त्री० स

बेजा×उ० बे मौक़ा, अनुचित

कलेजा×पु० अंग विशेष

भेजा-पु० भेज दिया। गुजराती-दिमाग़

लेजा-उ० स

गोजा-स्त्री० भूमिसे उपजी हुई चीज़

धोजा-उ० धोकर जा

चिलग़ोज़ा-पु० एक मेवा

अलग़ोज़ा-पु० दो बांसरियोंसे संयुक्त बाजा

अंगोजा×स्त्री० हींग

रोज़ा×पु० व्रत, उपवास

मोज़ा-पु० स

बिरोज़ा-पु० दवा एक प्रकारका गोंद

पंजा-पु० स

खरंजा-पु० सड़क, खड़ी ईंटोंका फ़र्श। पक्का रास्ता

खंजा-पु० लँगड़ा

गंजा-पु० जिसके सरपर रोगसे बाल उड़ गये हों

गुंजा स्त्री० चौंटली रत्ती

झा

उलझा-पु० स

सुलझा-पु० स

ञा

प्रज्ञा-स्त्री० बुद्धि, अक़्ल

प्रतिज्ञा-स्त्री० नियम, इक़रार, वादा, अहूद

याञ्चा-स्त्री० मांगना, प्रार्थना

रसज्ञा-स्त्री० ज़बान

टा

लटा-स्त्री० लम्बे बाल, ज़ुल्फ़ें, जटा

घटा-स्त्री० बदली, अब्र, मेघ

अटा-पु० अटारीका संक्षिप्त, अट्टा भी बोलते हैं एक कोशमें स्त्री लिंग भी लिखा है। तुलसी और बिहारीने भी इस शब्दको मौज़ूं किया है परन्तु वहां लिङ्गका पता नहीं चलता

छिनक चलति ठिठकत छिनक,
भुज प्रीतम गर डारि।
चढ़ी अटा देखति छटा
विज्जु छटासी नारि॥
बिहारी।

एक भजनमें पुल्लिंग बांधा है :—

काहे चिनावत ऊंचे अटा रे (अज्ञात)

प्रगटहिं दुरहिं अटन पर भामिनि। चार चपल जनु दमकहिं दामिनि॥ "तुलसी"

पटा-स्त्री० फरी गदकेका खेल, तलवार चलानेका आदिमाभ्यास

चटपटा-पु० तेज़ मिर्चोंवाला। चांलाक, चुस्त

जटा-स्त्री० सिरके लम्बे बाल

त्रिजटा-स्त्री० एक राक्षसी।

छटा-स्त्री० खूबसूरती, सौन्दर्य

बट्टा-पु०तोलनेका बाट। मसाला पीसनेका बाट। कमी कटौती। नुक्स। खोटके सबब दामोंका कम मिलना। कलंक। दाग़

पट्टा-पु० कुत्ते बिल्लीका गुलूबंद। काश्तकारकी तरफ़से ज़मींदारके नाम लिखी हुई दस्तावेज़। वह पटड़ा जो दुल्हाके पट्टाफेर वाली रस्ममें बंदला जाता है, चपरासका कपड़ा। पेटी

गट्टा-पु० टखना, टांग और पैर के जोड़ वाली गांठ,

खट्टा-पु० तुर्श, एक फल

सट्टा-पु० एक प्रकारका व्योपारी जुआ

हट्टाकट्टा-पु० मज़बूत, तन्दुरुस्त

दुपट्टा-पु० वस्त्र विशेष मशहूर है

चेष्टा-स्त्री० इरादा, विचार

आटा-पु० पिसा हुआ अन्न

सन्नाटा-पु० दरियाके चढ़ाव या ज़ोरकी हवाका शोर। किसी बड़े पक्षीके ज़ोरसे उड़नेका शब्द। भयानक शब्द। सुनसान, चुपचाप। डर, भय, स्तब्धता,

काटा-पु: स

ढाटा-पु० डाढ़ी बांधनेका रूमाल या जाली

पाटा-पु० पटाव कर दिया

घाटा-पु० टोटा, नुकसान। जौका शोधन किया हुआ अन्न

चाटा-पु० चाटलिया ।
कांटा-पु०शूल । तोलनेका यंत्र
तुला । विघ्नरूप । कृश ।
गोटेमें एक क़िस्म
चांटा-पु० तमांचा
बांटा-पु० बांट लिया, तक़सीम
कर लिया
छांटा-पु० चुन लिया, अलग कर
दिया । धो लिया
डांटा-पु० धमकाया
कूटा-पु०
टूटा-पु०
बूटा-पु०
लूटा-पु० स
छूटा-पु०
फूटा-पु०
बेटा-पु० पुत्र
हेटा-पु० नीच नालायक़
लेटा-पु० लेट गया
लपेटा-पु० लपेट लिया
ओटा-पु० आड़ परदेकी छोटी-
सी दीवार। कपासकी
चर्खी चलानेवाला
ओटने वाला
खोटा-पु० नुक़्सवाला, ऐबी,
ख़राब, खराके विरुद्ध
गोटा-पु० पैमक गोखरू लैस
जवा इत्यादि, एक
नुक़्ल,
घोटा-पु० घोटनेका औज़ार,
छोटा-पु० बड़ाका विरोधी,
झोटा-पु० झूलनेका साधन झूल
का फन्दा
टोटा-पु० नुक़्सान, घाटा,
ख़िसारा
ढोटा-पु० लड़का
पोटा-पु० पक्षियोंका पेट । अंडेसे
निकला हुआ बच्चा,
शक्ति, मजाल
पपोटा-पु० आंखका ढेला
चमोटा-पु० नाइयोंके पास उ-
स्तरा तेज़ करनेका
चमड़ा
मोटा-पु० जो पतला न हो ।

ज़मीनका एक भेद जो कुँआँ खोदनेमें देखते हैं

लोटा-पु० स

सोटा-पु० छोटा लट्ठ

लंगोटा-पु० कोपीन

अंटा-पु० बड़ी गोली, अफ़यून-का गोला। कौड़ी जो चित्तपट न हो-ग़ाफील-बेहोश; विलियर्ड Billiard

टंटा-पु० लड़ाई झगड़ा

बंटा-पु० जलपात्र कलश

घंटा-पु० ढाई घड़ीका समय, बजनेकी प्रसिद्ध चीज़

ठा

गट्ठा-पु० वड़ी गठरी, जरीबका बीसवां भाग

पट्ठा-पु० शरीरमें नसोंकी तरह चपटा तस्मा जिसके द्वारा अवयव सुकड़ते फैलते, खिँचते तन्ते हैं। नवयुवक। उल्लू, मुर्ग़; कबूतरादिके बच्चेको भी कहते हैं। घीक्वार, तंबाकूका पत्ता। पहलवान-का शागिर्द। कागजका गत्ता जो पुस्तकोंकी जिल्द पर लगाया जाता है।

ठट्ठा-पु० हँसी, मज़ाख़, दिल्लगी

लट्ठा-पु० एक प्रकारका कपड़ा। शहतीर

मट्ठा-पु० छाछ। सुस्त चलने वाला

अट्ठा-पु० ताश गंजफ़ेमें आठ अंकका पत्ता

सोरठा-पु० एक छन्द, दोहाका उलटा, सम चरणको विषम विषमको सम रख कर बनता है।

प्रास-पुञ्ज रख पास, जो
कविताका शौक़ है
उत्तमउत्तम प्रास,
प्रास-पुञ्जमें हैं बहुत

प्रतिष्ठा-स्त्री० इज़्ज़त, आबरू
मंजिष्ठा-स्त्री० एक दवा मजीठ
विष्ठा-पु० मल, पुरीष, (संस्कृत स्त्री०)

ड्डा

अड्डा-पु० कारचोबका चौखटा। हाथपर पले हुए पक्षियोंके बैठनेकी लकड़ी। चौकी, गाड़ियों बहलियोंके जमा रहनेकी जगह अड़गड़ा। चकला कस्बियोंके रहनेकी जगह।
खड्डा-पु० गढ़ा, ग़ार
चड्डा-पु० रानकी जड़, अण्डकोशके समीपका अंग। मसख़रा आदमी।
टिड्डा-पु० एक उड़नेवाला कीड़ा
पँड्डा-पु० घी, तेल आदि पतली वस्तु तोलनेके लिये पहिले बरतनकी तोल। अकड़ कर जँभाई लेना
गैंडा-पु० प्रसिद्ध पशु, जिसके पुट्ठोंकी ढाल और खाल की छड़ियां बनती हैं
कैंडा-पु० अन्दाज़ा, माप, डौल, नमूना, ख़ाका, ढांच, नक़्शा
बलेंडा-पु० छप्पर टिकानेका शहतीर
भेंडा-पु० जिसकी आंखमें टेढ़ हो
खलेंडा-पु० गौ भैंसोंके लिये खल भिगोनेका घड़ा
अण्डा-पु० पक्षियोंका प्रथम कलेवर
सरकंडा-पु० मोटी तिलियां, जिनके मूंढे और पर्दे बनते हैं
गंडा-पु० गांठ जो किसी रस्सी या तागेमें लगाई जाय। बटा हुआ तागा-जिसे धूर्त्त स्याने भूत प्रेतकी बाधा दूर करनेका उपा

य बताते हैं। चार कौ
ड़ी या चार पैसे। पक्षि
योंके गलेकी रंगीनधारी
संडा मुसंडा-पु० हट्टा कट्टा तै
यार पुष्ट
झंडा-पु० बड़ी ध्वजा
हंडा-पु० बड़ी हांडी
मुरंडा-पु० चकनाचूर, ढेर, दब-
कर पिस जाना।
दिवाला निकल जाना,
नुकसान
कुंडा-पु० कड़ा हल्का
गुंडा-पु० लुच्चा बदमआश,
लुंगाड़ा

ड़ा

अड़ा-पु० स
कड़ा-पु० स
खड़ा-पु० स
गड़ा-पु० चारे या ईंधनका गट्ठा
घड़ा-पु० घट, बना दिया
छड़ा-पु० अकेला। पैरका
भूषण। अन्नको मिट्टी
कंकरीसे अलग किया
जड़ा-पु० जड़ दिया। तमांचा
जड़ा-मारा
झड़ा-पु० स
धड़ा-पु० पाँच सेरका बाट।
गुरोह, मंडल
पड़ा-पु० स
बड़ा-पु० दही बड़ा। छोटेके
विरुद्ध
लड़ा-पु० स
सड़ा-पु० स
रगड़ा-पु० बच्चोंकी आंखोंमें ल-
गानेकी दवा। घिस्सा
झगड़ा-पु० स
अकड़ा-पु० स
छकड़ा-पु० छोटी गाड़ी बह-
लोंकी
पकड़ा-पु० स
जकड़ा-पु० बांध दिया
मकड़ा-पु० बड़ी मकड़ी
चीथड़ा-पु० फटा पुराना कपड़ा

अड़गड़ा-पु० झमेला देखो "अड्डा"
छीछड़ा-पु० मांसखंड
फेफड़ा-पु० श्वाससे सम्बन्ध रखनेवाला अंग
आड़ा-पु० तिरछा
वाड़ा-पु० घेरा हुआ जंगल मैदान, वह खेत जो आबादीके करीब हो
ताड़ा-पु० डांटा मारा, भांपा
लताड़ा-पु० फटकारा
जाड़ा-पु० सर्दी
उजाड़ा-पु० उजाड़ दिया
अखाड़ा-पु० कुश्ती लड़नेकी जगह
पछाड़ा-पु० पछाड़ दिया, गिरा दिया
झाड़ा-पु० झाड़ दिया, फटकारा, जामातलाशो
फाड़ा-पु० फाड़ दिया
दुगाड़ा-पु० दुनाली वन्दूक—तमंचा
दहाड़ा-पु० शेरकी आवाज़ शेर गरजा
सिंघाड़ा-पु० पानीका प्रसिद्ध फल। तिराहा, तिकौना
पनवाड़ा-पु० वबूलकी पतली लकड़ियां जिनकी छाल (कस्सा) उतर गयी हो
पहाड़ा-पु० गणितमें गुण क्रिया
कीड़ा पु० जन्तु
पीड़ा-स्त्री० तकलीफ, दर्द दुःख
बीड़ा-पु० पानकी गिलौरी
ईड़ा-स्त्री० स्तुति
क्रीड़ा-स्त्री० खेल
उड़ा-पु० स
पुड़ा-पु० बड़ी पुड़िया
जुड़ा-पु० स
छुड़ा-पु० स
चूड़ा-पु० चोटी, कलाईमें पहननेका अलंकार हाथी दांतकी चूड़ियोंका समूह
जूड़ा-पु० चोटी, वेणी
पूड़ा-पु० गुलगुला, पूप

बेड़ा-पु० नाव, किश्ती, कई जहा ज़ोंका लांगाटेर समूह • गुरोह । सिपाहियोंका जथा, थोक
पेड़ा-पु० मावेकी मशहूर मिठाई
छेड़ा-पु० छेड़ दिया
भेड़ा-पु० नर भेड़
उधेड़ा-पु० उधेड़ डाला, खूब मारा।
उखेड़ा-पु० उखाड़ दिया
बखेड़ा-पु० झमेला, सामान,
खेड़ा-पु० ग्राम सीमा
बछेड़ा-पु० घोड़ीका नर बच्चा
तोड़ा-पु० कमी। टुकड़ा। हज़ार रुपये। संगीतमें समके पूर्व की जवें। गाय भैंसके वच्चा देनेके बाद निकलने वाली जरायु (आंवल) झिल्ली
कोड़ा-पु० हंटर
जोड़ा-पु० साथी
मोड़ा-पु० मोड़ दिया
अलमोड़ा-पु० पहाड़ विशेष
घोड़ा-पु० स
फोड़ा-पु० स
रोड़ा-पु० ईंटका टुकड़ा
झँजोड़ा-पु० स
सकोड़ा-पु० स
मरोड़ा-पु० स
निचोड़ा-पु० स
गोड़ा-पु० घुटना
निगोड़ा-पु० नर्म गाली
कीड़ामकोड़ा-पु० जीव जन्तु
चौड़ा-पु० अर्ज़
हतौड़ा-पु० लोहेका औज़ार
कौड़ा-पु० बड़ी कौड़ी
गिंदौड़ा-पु० खांडकी मिठाई
दौड़ा-पु० भागा

ढ़ा

कढ़ा, चढ़ा, पढ़ा, बढ़ा, गढ़ा } पु० स

णा

घृणा-स्त्री० नफ़रत
वीणा-स्त्री० बीन बाजा
धारणा-स्त्री० आत्मामें चित्तकी स्थिति। इरादा, ख़ियाल
मृग तृष्णा-स्त्री० फरेबे सुराब, रेतका जल प्रतीत होना
तृष्णा-स्त्री० हवस। प्यास
करुणा-स्त्री० दया, महरवानी, आजिजी

ता

लता-स्त्री० शाखा, टहनी
बता-उ० बतानेकी आज्ञा
पता-पु० निशान खोज,
ख़ता×स्त्री० अपराध, कुसूर
क्षमता-स्त्री० शक्ति। योग्यता। लियाक़त
जनता-स्त्री० जनसमूह, ख़लक़त Public
दुता-स्त्री० ज़ीरा
देवता-पु० यह शब्द संस्कृतमें स्त्रीलिंग होते हुए भी हिन्दीमें पुल्लिङ्ग लिखा जाता है। विद्वान परोपकारी सूर्यादि ३३
पतिव्रता-स्त्री० सती पतीकी आज्ञा माननेवाली
प्रसन्नता * स्त्री० खुशी
मन्दता-स्त्री० कुन्द होना, आलस्य, मन्दपन
मन्दाक्रान्ता-स्त्री० पिङ्गलका एक छन्द, छन्द और वृत्त शब्दके आधारपर कवि लोग इसे पुल्लिंग भी बोलते हैं इस छन्दमें १७ अक्षर इस प्रकार होते हैं,

* जिन शब्दोंके अन्तमें प्रत्यय-का "ता" है वो जरा सावधानीपूर्वक बांधने योग्य हैं। नियमका ध्यान रखकर लिखिये।

SSS+SII+III+SSI+SSI+SS
म + भ + न + त + त + ग + ग
४, ६, ७ यति उ०
होगी तेरी, सरस कविता,
प्रास-पुञ्जानुगामी ।
कालीदास कृत मेघदूत इसी
वृत्तमें है ।

शान्ता-स्त्री० शान्त स्वभाववाली
ममता-स्त्री० मेरापन, स्नेह, प्यार
मुक्ता-पु० मोती, (संस्कृत स्त्री)
योग्यता-स्त्री० लियाक़त
स्निग्धता-स्त्री० चिकनाहट
वाग्देवता-स्त्री० सरस्वती
शठता-स्त्री० दुष्टता
सहायता-स्त्री० मदद
सिकता-स्त्री० बालू, रेत
रस्ता-पु० राह मार्ग, विधि, तरीक़ा
वस्ता×पु० किताबें बाँधनेका कपड़ा, बँधा हुआ
सस्ता-पु० स
पत्ता-पु० पल्लव, वर्ग। कर्ण भूषण
कलकत्ता-पु० प्रसिद्ध शहर
खत्ता-पु० ढेर, गडमड भरा हुआ
गत्ता-पु० कागजका पट्ठा
छत्ता-पु० पटा हुआ रास्ता । ततैयों और शहदकी मक्खियोंका घर, गुच्छा
तत्ता-पु० गर्म
भत्ता-पु० खूराक और मकानके किरायेके बदले मिले हुए दाम
लत्ता-पु० कपड़ा
सत्ता-स्त्री० सत्व, शक्ति, हुकूमत
हत्ता-पु० दस्ता बेंटा,—मारा-लूटा
पचहत्ता-पु० पाँच हाथ लम्बा
वाग्दत्ता-स्त्री० वह कन्या जिसकी सगाई-मंगनी हुई हो
दाता-पु० देनेवाला, सखी, उदार, दानी
आता-पु० स
माता-स्त्री० स
काता-पु० कातनेका भूत काल

जामाता-पु० जँवाई, दामाद
छाता-पु० छत्री
भ्राता-पु० भाई
पाता-पु० नाव चलानेका नागफना डंडा
खाता-पु० हिसाबकी एक बही लेजर Ledger
गाता-पु० स
जाता-पु० स
नाता-पु० रिश्ता
भाता-पु० पसन्द होता
विधाता-पु० दैव, ब्रह्मा
विमाता-स्त्री० सौतेली माँ
पिता-पु० जनक
चिता-स्त्री० मुर्दा फूकने०
सविता-पु० सूर्य
सज्जिता-स्त्री० सजी हुई
वनिता-स्त्री० स्त्री
समिता-स्त्री० गेहूंका आटा
चिन्ता-स्त्री०शोक, दुःख, फिक्र,
जीता-पु० जिन्दा, फतह पाई, विजन

गीता-स्त्री० प्रसिद्ध ग्रन्थ
सुभीता-पु० आसानी
रीता-पु० ख़ाली
सीता-स्त्री० श्रीरामचन्द्र महाराजकीपत्नी, जनक तनया। एक पिंगल छन्द जिसमें १५ वर्ण इस प्रकार होते हैं

ऽ।ऽ+ऽऽ।+ऽऽऽ+।ऽऽ+ऽ।ऽ
र + त + म + य + र

उ० प्रास शोभा छन्दकी है
मूर्ति है आनन्द की।
ध्वनि यही रहे और बीचके गणोंमें गड़बड़ हो जाय तो गीतिका छन्द कहलाता है देखो पृष्ठ ३३
चीता-पु० व्याघ्र भेद, पिलङ्ग,
फ़ीता-पु० रेशमी, सूती, चपटी डोरी, पतली लैस
ख़रीता-पु० थैली

बीता-पु० गुज़र गया

सुता-स्त्री० लड़की

जूता-पु० उपाहत् पापोश, जूती

अछूता-पु० अनोखा, जिसे किसीने छुआ न हो

बलबूता-पु० शक्ति भरोसा ताकत

कूता-पु० अन्दाजा किया, अन्दाजा करनेवाला

लूता-स्त्री० मकड़ी

तोता-पु० शुक

पोता-पु० बेटेका बेटा

जोता-पु० जोत लिया, वह चमड़े या रस्सेका टुकड़ा जो गाड़ीके जुएमें बैलोंके गलेमें बांधा जाता है। खेत जोतने वाला

सोता-पु० सोया हुआ

होता-पु० हवन कुण्डमें हवन सामग्री डालनेवाला यज्ञ करनेवाला

बोता-पु० ऊंटका बच्चा। बोने की क्रिया

इकलौता-पु० अकेला ही बेटा

सरौता-पु० सुपारी काटनेका औज़ार

चुकौता-पु० बेचाकी फ़ैसिला,

नौता-पु० निमन्त्रण, निमन्त्रण दिया

था

कथा-स्त्री० कहानी, बात

यथा-अ० जैसा

व्यथा-स्त्री० दर्द, दुःख, तकलीफ़

तथा-अ० उसी तरह, वैसे ही,

मथा-पु० मथ डाला, छान बीन कर ली

सर्वथा-अ० सब तरह

वृथा-अ० बेफ़ायदा, झूट, निरर्थक

गाथा-स्त्री० कथा

कन्था-स्त्री० गुदड़ी

व्यवस्था-स्त्री० इन्तजाम, सनद, धर्म द्वारा निश्चित आज्ञा

दा

सदा-अ० सर्वदा, हमेशा
सदा×स्त्री० आवाज़
गदा-स्त्री० गुर्ज़ शस्त्र विशेष
गदा×पु० फ़क़ीर
अदा×स्त्री० सजधज, उऋण
प्रमदा-स्त्री० रमणी, युवती
सर्वदा-अ० हमेशा, सबकालमें
नर्मदा-स्त्री० रेवा नदी
सारदा-स्त्री० सरस्वती
इरादा×पु० विचार,नीयत, चेष्टा
चित्रपादा-स्त्री० सारिका, मैना
मर्यादा-स्त्री० हद, सीमा
लबादा×पु०बरसाती कोट, चुग़ा
ज़ियादा×उ० अधिक
बुरादा×पु० चूरा, काटनेमें जो
आरीसे झड़ता है
प्यादा×पु० पैदल
कुशादा×उ० खुला हुआ
वादा×पु० इक़रार, प्रतिज्ञा
जादा×स्त्री० बटिया, पगडंडी
ज़ादा×पु० बेटा
सादा×उ० रंगीन और नक्शका-
रीके विरुद्ध । पगनेसे
पहिले मिठाई
निन्दा-स्त्री० बुराई, मज़म्मत
जुदा×उ० अलग
ख़ुदा×पु० परमेश्वर
गुदा-स्त्री० मलत्यागका स्थान,
पायु, मिक़अद
तूदा×पु० ढेर
आज़मूदा×उ० परीक्षित, आज़-
माया हुआ
फ़ालूदा×पु० एक खाना
गूदा×पु० मग़ज़
आसूदा×उ० ख़ुशहाल, अमीर,
फ़र्बा
मैदा-स्त्री० गेहूंके आटेका सार
पैदा-उ० पैदाहोना उत्पत्ति
शैदा-पुं० आशिक़, प्रेमी,
हुवैदा-पु० ज़ाहिर
ककरौंदा-पु० एक फल
घरौंदा-पु० छोटासा घर
सौंदा-पु० नमकीन

रौंदा-पु० रौंद डाला
गन्दा-पु० नापाक अशुद्ध,
चन्दा-पु० चन्द्र, भाग, हिस्सा, वांट, वो धन जो किसी कामके लिये अनेक आदमियोंसे लेकर जमा कियाजाय
धन्दा-पु० रोज़गार
नन्दा-पु० नाम
फन्दा-पु० स
वन्दा×पु० गुलाम, दास, मैं
मन्दा-पु० कम, सस्ता
रन्दा-पु० छीलनेका औज़ार
पुलन्दा-पु० गठरी

धा

श्रद्धा-स्त्री० विश्वास, भक्ति, अक़ीदा
वृद्धा-स्त्री० बुढ़िया, ज़ईफ़ा
योद्धा-पु० वहादुर, लड़ायक, वीर
नवधा-स्त्री० नव प्रकरकी
पंचधा-स्त्री० पांच प्रकारकी
आधा-पु० अर्द्ध, निस्फ़
राधा-स्त्री० रायण वैश्यकी स्त्री, नाम
बाधा-स्त्री० रुकावट
साधा-पु० साधन किया
अनुराधा-स्त्री० एक नक्षत्र
सुधा-स्त्री० अमृत। चूना, कलई अमृतके आधार पर कोई कोई पुल्लिंग भी बोलते हैं
वसुधा-स्त्री० पृथ्वी
क्षुधा-स्त्री० भूक
मेधा-स्त्री० बुद्धि
गोधा-स्त्री० गोह
लोधा-पु० एक जाति

ना

ना-अ० इंकार, निषेध
तना-पु० खिंचा हुआ। वृक्षका थड़ अर्थात् जमीनसे वहां तकका भाग जहां

तक गुद्दे और डालियां न निकलें

बना-पु० बना हुआ, बन गया, सजा हुआ, दूल्हा, व्याज स्तुतिसे किसी का प्रसन्न होना,

अंगना-स्त्री० नारी

सना-पु० लिथड़ा। एक दस्तावर दवा स्त्री०

बतबना-पु० बातें बनाने वाला, गप्पी

कल्पना-स्त्री० फ़र्ज़ करलेना

गुम्फना-स्त्री० गूंधना, रचना

घटना-स्त्री० वाक़आ, वारिदात, बनाव

ज्योत्स्ना-स्त्री० चांदनी, चमक ज्योति

पूतना-स्त्री० एक राक्षसी

प्रार्थना-स्त्री० अर्ज़, गुज़ारिश, दुआमांगना

भावना-स्त्री० ध्यान, नीयत, इच्छा,

मूर्च्छना-स्त्री० बेहोशी। संगीत का एक अंग

यातना-स्त्री० तकलीफ़, पीड़ा

वेदना-स्त्री० ,, ,,

रचना-स्त्री० तसनीफ, बनाना विन्यास

रसना-स्त्री० ज़बान

वामलोचना-स्त्री० स्त्री

वासना-स्त्री० ख़ाहिश

व्रजाङ्गना-स्त्री० व्रजकी स्त्री

सास्ना-स्त्री० गायके गलेकी लटकती हुई खाल

चिकना-पु० स

चिकना-पु० स

टिकना-पु० स

कहना-पु० कथन करना

सहना-पु० सहन करना

बहना-पु० जलमें बहना

रहना-पु० स

पहना-पु० स

उलहना-पु० ताना, उपालम्भ,

टहना-पु० गुद्दा, बड़ी टहनी

गहना-पु० ज़ेवर, आभूषण
अन्ना×स्त्री० दाई, खिलाई, दूध पिलाई
कन्ना-पु० कोन्ध, कान, पतंग उड़ानेकी एक हरकत
खन्ना-पु० ख़ानदान, कुल
गन्ना-पु० ऊख, ईख
छन्ना-पु० छाननेका कपड़ा या औज़ार
तमन्ना×स्त्री० आशा, आर्ज़ू
पन्ना-पु० पृष्ठ, पत्र। इमली या आमके रसकी चटनी। एक रत्न
आना-पु० चार पैसे, आना
बाना-पु० लिबास कपड़ेकी बुनाईमें चौड़ाईके तागे
ताना-पु० उलहना, उपालम्भ। कपड़ेकी बुनाईमें लम्बाईके तागे। खींचा। घीको गर्म करना
स्याना-पु० होशयार, झाड़ फूंक करनेवाला धूर्त्त
थाना-पु० पुलिस स्टेशन,
गाना-पु० संगीत,
पुराना-पु० नयेके विरुद्ध
घराना-पु० ख़ानदान, कुल
काना-पु० एकाक्षी, काण
नाना-पु० माताका पिता। तरह तरहका
ज़नाना-पु० पर्देका स्थान। ज़नखा, हीजड़ा, नपुंसक वो पुरुष जिसमें औरतोंके से लच्छन हों।
ठिकाना-पु० पता निशान, स्थान
बचकाना-पु० बच्चोंका जूता, बच्चोंके योग्य पदार्थ।
सुहाना-पु० खुशगवार, अच्छा
खिसियाना-पु० लज्जित
खाना-पु० भोजन, भोजन करना
मखाना-पु० भुआ हुआ कमलगट्टा
तालमखाना-पु० एक दवा

दाना×पु० बुद्धिमान, होशयार
दाना-पु० अन्न, बीज, फलोंपर भी प्रयोग होता है। अंगूरका दाना। रवा
शाना×पु० कंघा
पैमाना×पु० माप, प्याला, शराब का प्याला।
परवाना×पु० पतंग जन्तु जो दीपकका प्रेमी है
मस्ताना×पु० मस्त, उन्मत्त
दस्ताना×पु० हाथका मोज़ा
बहाना×पु० हीला
बयाना×पु० साई, सौदा पक्का करनेकी पेशगी रक़म
अफ़साना×पु० कहानी, दास्तान
वीराना×पु० जंगल, ऊजड़ जगह
दीवाना×पु० पागल, विक्षिप्त
ज़माना×पु०संसार, समय, काल
मसाना×पु० पेड़ू, नाभीसे नीचे-का अङ्ग
किराना-पु० पंसारे का सौदा
ताज़ियाना×पु० कोड़ा, हंटर

निशाना×पु० लक्ष्य
शामियाना×पु० कपड़ेका साय-बान
दहाना×पु०मुं:, प्रायः मोरीका मुं
ख़ज़ाना×पु० कोश
कारख़ाना×पु० कार्य्यालय
रवाना×उ० चलना, जैसे—हो चुका-चल पड़ा भेज ना, जैसे—कर दो भेज दो
शादियाना-पु० खुशीका गीत

इनके उपरान्त संस्कृत सकर्मक धातुओंके अर्थ, फार्सी मुतअद्दी मसादर जैसे पढ़ाना, जलाना, सुंघाना बुलाना इत्यादि।

विना-अ० सिवा, वग़ैर
ज़िना×पु० व्यभिचार
हिना×स्त्री० मँहदी
मीना×पु० जड़ाऊ और नक्शी काम। शराबका शीशा
कमीना×पु० नीच, पाजी
सीना×पु० छाती, वक्षस्थल
पीना-पु० पीनेकी क्रिया

पसीना-पु० स्वेद, अरक़े वदन
छीना-पु० छीन लिया
महीना-पु० मास, माह
कीना×पु० ईर्ष्या, द्वेष, अन्तर्दाह
नगीना-पु० रत्न
चीना-पु० चीन देशका रहनेवाला
ज़ीना×पु० सीढ़ी, सोपान
जीना-पु० जिन्दा रहना
मलीना }
मरीना } पु० एक कपड़ा
मदीना×पु० नगर विशेष
सफ़ीना-पु० नाव
दफ़ीना-पु० गड़ा हुआ, ख़ज़ाना
क़रीना-पु० रीति, विधि, युक्ति
देरीना×उ० पुराना-नी
पशमीना-पु० बढ़िया ऊनी वस्त्र
आईना-पु० दर्पण, ज़ाहिर, रोशन
गंजीना-पु० ख़ज़ाना
हसीना-स्त्री० रूपवती स्त्री
यमुना-स्त्री० प्रसिद्ध नदी जमना
सुना-पु० स
घुना-पु० घुना हुआ बोझा हुआ

चुना-पु० संग्रह क्रिया, बीन लिया, छाँट लिया
धुना-पु० पिंजारा, रूई धुन्ने वाला
अधुना-अ० अब
झुनझुना-पु० बच्चोंका खिलौना
गुनगुना-पु० कम गर्म
खटवुना-पु० चारपाई बुन्ने वाला
पढ़ागुना-पु० चतुर होशयार
भुना-पु० भुना हुआ, बिरियां
शूना }
सूना } स्त्री० बूचड़ख़ाना, मज़्बह, पशु-वध-स्थान खाली
बाबूना×पु० एक दवा
नमूना×पु० स Sample
गुलगूना×पु० उबटन
सेना-स्त्री० फ़ौज
लेना-पु० स
देना-पु० स
मैना-स्त्री० सारिका
चबैना-पु० भुना अन्न
पैना-पु० तेज, चलता हुआ
चैना-पु० एक छोटे दानेका अन्न,

चना नहीं, यह चिकना
चपटा दूसरा अन्न है
सोना-पु० हेम
रोना-पु० स
वोना-पु० स
होना-पु० स
डवोना-पु० स
गौना-पु० द्विरागमन, मुकलावा
औनापौना-पु० सस्ता, मन्दा, जैसे वना
बौना-पु० वामन, छोटे क़दका
खिलौना-पु० स
दौना-पु० द्रोण, खलौवा
छौना-पु० वेटा, वच्चा
विछौना-पु० स

पा

क्षपा-स्त्री० रात्रि
त्रपा-स्त्री० लज्जा शर्म
छपा-पु० छपा हुआ
आपा×स्त्री० वड़ी वहन। अपना शरीर, पु०
वुढ़ापा-पु० स
छापा-पु० स
सरापा×पु० नखसिख
अलापा-पु० गाया
टापा-पु० मुर्ग़ियोंके ढकनेका लम्बा टोकरा
पुजापा-पु० पूजन सामग्री
जलापा-पु० ईर्ष्या, जलन
रंडापा-पु० वैधव्य, विधवापन
स्नुपा-स्त्री० पुत्र वधू, वेटेकी स्त्री
अनुकम्पा-स्त्री० दया। कुछ हिलना
चम्पा-स्त्री० एक पुष्प
पम्पा-स्त्री० एक नदी; एक तालाब पु०
सम्पा } स्त्री विजली
शम्पा } " "

फा

ख़फ़ा×उ० नाराज़, क्रुद्ध
सफ़ा×उ० शुद्धता, शुद्ध, साफ़
वफ़ा×स्त्री० प्रतिज्ञा पूर्ति, मित्रताको निबाहना, पूरा करना
जफ़ा×स्त्री० ज़ुल्म, अत्याचार

लिफ़ाफ़ा×पु० काग़ज़ का वो ख़रीता जो चिठ्ठियां इत्यादि भेजनेके काममें आता है

क़याफ़ा×पु० अनुमान

नाफ़ा×पु० कस्तूरी की थैली जो हरिण के पेटसे निकलती है

गुफा-स्त्री० कन्दरा

बा

वबा×स्त्री० बला, वबाल, महामारी

सवा×स्त्री०पवन, प्रातः कालकी हवा

क़बा×स्त्री० लिबास

मरहबा×स्त्री० धन्य, प्रशंसाका शब्द है

चोबा×पु० चतुर्वेदी का अपभ्रंश

तोबा×स्त्री० पश्चात्ताप, फिर वह काम न करने की प्रतिज्ञा

अम्बा-स्त्री० माता

खम्बा-पु० सितून, स्तंभ Pillar

बम्बा-पु० रजवहा, नहरकी शाख

लम्बा-पु० स

भा

सभा-स्त्री० परिषद, कमेटी, अंजुमन

प्रभा-स्त्री० चमक, रोशनी

प्रतिभा-स्त्री० बुद्धि, प्रत्युत्पन्न बुद्धि

नाभा-पु० नगर का नाम

शोभा-स्त्री० रौनक़, सजावट

रम्भा-स्त्री० एक अप्सरा

मा

रमा-स्त्री० लक्ष्मी

पद्मा-स्त्री० लक्ष्मी

क्षमा-स्त्री०मुआफ़, सहन शीलता

समा-पु० वत्सर, साल।

×आस्मान

ज़ामा-पु० पोशाक
ख़ामा×पु० क़लम, लेखिनी
नामा×पु० खत, पत्र
अमामा×पु० सरसे बाँधनेका दुपट्टा
हंगामा×पु० समय, भीड़, शोर
क़त्तामा×स्त्री० कामुका, बद-चलन औरत
सुदामा-पु० कृष्णके सहपाठी और भक्त
सत्यभामा-स्त्री० श्रीकृष्णकी स्त्री
प्रतिमा-स्त्री० मूर्ति
ख़ादिमा-स्त्री० टहलनी, दासी
सीमा-स्त्री० हद
बीमा-पु० जोखोंका ज़िम्मा, ठेका ज़मानत Insurance
करीमा×स्त्री० शेख सादीकी एक किताब
क़ीमा×पु० रेज़ा रेज़ा किया हुआ मांस
उमा-स्त्री० पार्वती, भवानी
खुशनुमा-उ० सुन्दर

या

दया-स्त्री० महरबानी, कृपा
गया-पु० जानेका भूतकाल, एक तीर्थस्थान
ढया-पु० मिस्मार, गिर पड़ा,
बया-पु० एक चिड़िया
तया-पु० पिघला,
नया
हया×स्त्री० शर्म, लज्जा
कृपया-उ० कृपा करके, महर-वानीसे,
सन्ध्या-स्त्री० शामका वक़्त, पूजा, इबादत,
शय्या-स्त्री० सेज, बिस्तर
व्याख्या-स्त्री० शरह, तशरीह, विशेष कहा हुआ
विजया-स्त्री० भङ्ग
मृगया-स्त्री० आखेट, शिकार
मिथ्या-अ० असत्य, झूठ
भार्या-स्त्री० पत्नी
हत्या-स्त्री० हिन्सा, बध करना
द्वि हृदया-स्त्री० गर्भवती

समस्या-स्त्री० छन्द पूरा करने-
के लिये चौथे
चरणका अन्ति-
मांश कहना
क्रिया-स्त्री० कर्म, कार्य करना
कौशल्या-स्त्री० रामचन्द्रजीकी
माता
कन्या-स्त्री० अविवाहिता लड़की
जाया-स्त्री० स्त्री, पत्नी
आया-पु० आनेका भूत काल
दाया-स्त्री०
गाया-पु० गानेका भूत काल
काया-स्त्री० शरीर, जिस्म
पाया-पु० चारपाईका एक चरण,
पा चुका
माया-स्त्री० कपट, छल, इन्द्र-
जाल। लक्ष्मी, अद्भुत
शक्ति। ईश्वरको उ-
पाधि
साया×पु० छाया, आसेब-प्रेत-
का ख़लल,
लाया-पु० ला चुका

छाया-स्त्री० धूपका न होना। एक
रागनी। असर
पराया-पु० जो अपना न हो
किराया-पु० स
दाया×स्त्री० दाई
गदराया-पु० पकनेके क़रीब *
किया-पु० कर चुका
पिया-पु० पति, पीचुका
जिया-पु० ज़िन्दा रहा, जीव
दिया-पु० चिराग़, दीपक। दे
दिया
लिया-पु० ले लिया
सिया-पु० सी चुका, सीता-स्त्री०
तूतिया×पु० एक दवा
लोभिया-पु० एक अन्न
कीमिया-स्त्री० रसायन
संखिया-पु० ज़हर, विष
तिया-स्त्री० स्त्री
बोरिया-पु० चटाई

* इनके उपरान्त सकर्मक क्रिया-ओंका सामान्यभूत जैसे उठाया, बुलाया आदि

तौलिया-पु० अँगौछा

मालीख़ौलिया×पु० पागलपन

मोतिया-पु० पुष्प विशेष

छालिया-स्त्री० सुपारी

चालिया-पु० चालबाज़, चालाक

सपोलिया-पु० सांपका बच्चा

भेड़िया-पु० एक हिन्सक पशु गुर्ग

बखेड़िया-पु० बखेड़ा फैलानेवाला

बटिया-स्त्री० पग डण्डी, जादा, तोलनेका छोटा बाट

नटिया-पु० छोटा सा बैल

घटिया-उ० कम दर्जा, बढ़ियाके विरुद्ध

कटिया-स्त्री० भैंसकी बच्ची

खटिया-स्त्री० छोटी सी खाट

टटिया-स्त्री० „ „ टट्टी

पटिया-स्त्री० शिला

लुटिया-स्त्री० छोटा लोटा

कुटिया-स्त्री० कुटी

झुटिया-स्त्री० वो भैंस जो पहलीवार ब्याही हो या ब्याहने वाली हो

कुण्डलिया-पु० पिंगलाका वो छन्द जिसमें पहले एक दोहा फिर रोला छन्द जोड़ देते हैं। दोहेका चौथा चरण वही रोला के पहले चरणका शुरू होना चाहिये।

दोहा देखो पृष्ठ ८०

रोला देखो पृष्ठ ७५

घीया-पु० शाक विशेष कदू

ठीया-पु० ठिकाना, जमी हुई दुकान

सोया-पु० शाक विशेष। सोता हुआ

रोया-पु० रोनेका भूत काल। आंखोंका एक रोग

गोया×अ० मानो, उत्प्रेक्षा सूचक

खोया-पु० खोगया। मावा

समोया-पु० गर्म पानीमें ठण्डा मिलाया

बिलोया-पु० मथा
भिगोया-पु० पानीसे तर किया
धोया-पु० धो दिया

रा

जरा-स्त्री० बुढ़ापा
ज़रा×उ० कम, थोड़ा, अंश, थोड़ी देर
सरा×-स्त्री० सराय, मकान, स्थान, महल
हरा-पु० सब्ज़
भरा-पु० भरपूर
इकदरा-पु० एक दरवाज़े वाला
चूनोचरा×-स्त्री० हील हुज्जत, बहस तकरार रद्दोबदल, क्यूं, किस लिये
खरा-पु० जो खोटा नहो, साफ़ शुद्ध,
परा-पु० क़तार
दरदरा-पु० जरा मोटा पिसा हुआ
शर्करा-स्त्री० शक्कर, खाँड

शिरोधरा-स्त्री० गर्दन
वसुन्धरा-स्त्री० पृथ्वी
मसरा-स्त्री० मसूरकी दाल
धरा-स्त्री० पृथ्वी
पतिम्वरा-स्त्री० वो लड़की जो अपने आप पति को स्वीकार करे
परम्परा-उ० वंश, सन्तति, लगातार सिलसिला
कन्दरा-स्त्री० गुफ़ा
त्वरा-स्त्री० जल्दी, शीघ्रता
निद्रा-स्त्री० नींद
मुद्रा-स्त्री० अँगूठी
यात्रा-स्त्री० सफ़र
इन्द्रवज्रा-पु० पिंगलका छन्द, जिसमें ११ अक्षरका एक चरण होता है:-

SSI + SSI + ISI + SS
त + त + ज + ग + ग

पादान्त यति, उ०
है क़ाफ़ियोंका इसमें ख़ज़ाना

उपेन्द्रवज्रा-पु० यह छन्द इन्द्रवज्राके समान ही है केवल अन्तर यह है कि उसमें पहला अक्षर गुरु है इसमें पहला लघु है शेष सारा अंग एकही है उ० तुकान्तका है इसमें ख़ज़ाना

सुमित्रा-स्त्री० लक्ष्मणजीकी माता

भस्त्रा-स्त्री० फूकनी, धोकनी

इकहरा-पु० एक तय वाला, पतले बदनका

बहरा-पु० बधिर, न सुननेवाला

चहरा-पु० मुंः, आनन

पहरा-पुं० चौकी, निगहबानी, ड्यूटी

दसहरा-पु० ज्येष्ठ सुदी १० और आश्विन शुक्ला १० का त्यौहार

लहरा-पु० बाजेकी एक ध्वनि, बीनका अलाप जो सांप खिलानेको बजाया जाता है

महरा-पु० कहार

गहरा-पु० नीचा, अमीक़। ज़ियादा रंग

फरहरा-पु० ध्वजा

सुनहरा-पु० सोनेके रंगका

खरहरा-पु० घोड़ेको साफ़ करने और खुजाने का औज़ार

कटहरा-पु० काठका जँगला

खर्रा-पु० कच्चा हिसाब, लम्बा चौड़ा पत्र

घर्रा-पु० मृत्युकालकी आवाज़

दर्रा-पु० रवा

छर्रा-पु० बन्दूकमें भरनेकी छोटी छोटी गोलियां

ढर्रा-पु० रास्ता, ढब

टर्रा-पु० एंठू

ज़र्रा×पु० परमाणु

रोज़मर्रा×पु० नित्य, बोलचाल, मुहाविरा,

आरा-पु० लकड़ी चीरनेका दांतेदार औज़ार

पुचारा-पु०साफ़ करनेका कपड़ा
पिटारा-पु० बड़ी पिटारी
किनारा-पु० सिरा, कोर, तीर
गवारा×उ० सहन, झेलना
भपारा-पु० वाष्प-चिकित्सा
करारा-पु० मज़बूत, सख्त, महंगा
इन्दारा-पु० कुंआं, गहरा कूप
ललकारा-पु० स
अंगारा-पु० दहकती हुई आग
वनजारा-पु० व्यापारी
दुतकारा-पु० स
भटियारा-पु० स
फव्वारा×पु० स
इशारा×पु० संकेत
पुश्तारा× पु० गठरी
मीनारा×पु० शिखर
गहवारा×पु० पालना, बच्चोंका झूला
इजारा×-पु० ठेका
हेचकारा×पु० नालायक़,
आवारा×पु० लुच्चा, गुण्डा, वाही तबाही, परीशान

देशसे विछड़ा हुआ गया गुज़रा
गोशवारा×पु० हिसावका कोष्ठक
कफ्फ़ारा×पु० प्रायश्चित
मक्कारा×स्त्री० चालबाज़ स्त्री
चिकारा-पु० छोटी सारङ्गी, दुतारा, हरिणके प्रकारका एक फुर्तीला पशु
मारा-पु० स
पारा-पु० सीमाब, रसराज, पारद
तारा-पु० नक्षत्र,
उतारा-पु० टोटका किया हुआ पदार्थ जोधूर्त स्यानों के बतानेसे स्त्रियां चावल इत्यादि बच्चों पर उतार कर मार्गमें रख देती हैं
दारा-स्त्री० आश्चर्यकी बात है कि पत्नी अर्थ होने पर भी यह शब्द

संस्कृतमें पुलिङ्ग माना है

वारा-पु० न्यौछावर किया। वदला

चारा-पु० पशुओंकी खूराक, × इलाज

सारा-पु० तमाम, पूर्ण

हारा-पु० हार गया

वारा न्यारा-पु० नफ़ा नुकसान रद्दोबदल

सहारा-पु० आश्रय

तुम्हारा-पु० स

हमारा-पु० स

प्यारा-पु० स

दुलारा-पु० प्यारा

धारा-स्त्री० धार, जैसे गङ्गाकी, पानीकी, दूधकी धार

डकारा-पु० स

गुबारा×-पु० रंगीन चश्मा। आकाशमें उड़नेका यन्त्र

सितारा×पु० नक्षत्र, नसीब

पुकारा-पु० स

सँवारा-पु० सजाया, शुद्ध किया

बुख़ारा×-पु० नगरका नाम

आलू बुख़ारा×पु० एक दवा

नज़ारा×पु० दृश्य

उभारा-पु० उचकाया, भड़काय

ग़ारा-स्त्री० एक रागनी

गारा-पु० मिट्टी पानी सनाहुआ

किदारा-पु० एक रागनी

तरारा-पु० छलांग

किरकिरा-पु० रेतीला, ख़राब, मिट्टी मिला

सिरा-पु० किनारा

मुँडचिरा-पु० सर चीरकर मांगने वाला

झिरझिरा-पु० टूटा हुआ

फिरा-पु० फिर गया

गिरा-पु० गिर गया, बाणी-स्त्री

मदिरा-स्त्री० शराब, पिंगलाका वह छन्द जिसमें २२ अक्षर इस प्रकार होते हैं

SII + SII + SII + SII
SII + SII + SII + S
भ + भ + भ + भ +
भ + भ + भ + गु
दोषन ते तुम दूर बचो
नित प्रास विहीन न
छन्द रचो

इसके अन्तमें एक गुरु बढ़ानेसे मत्तगयंद, एक लघु बढ़ानेसे चकोर, आदिमें एक लघु बढ़ानेसे सुमुखी बनजाता है

शीरा-पु० शर्बत, चाशनी, पतला गुड़ जो तम्बाकूमें डाला जाता है

हीरा-पु० प्रसिद्ध मणि-हीरक

प्रतिसीरा-स्त्री० क़नात, परदा

खीरा-पु० एक फल

उठाईगीरा-पु० गठकटा, उचक्का

चीरा-पु० ओपरेशन Operation पगड़ी, पगड़ीका एक कपड़ा

मंजीरा-पु० एक जन्तु, एक बाजा

धीरा-स्त्री० धैर्य वाली स्त्री, प्रौढ़ा नायिकाका भेद

कतीरा-पु० एक गोंद

गौंगीरा-पु० स्वार्थी, मतलबी

ज़ीरा-पु० गर्म मसालेका एक प्रसिद्ध द्रव्य

हमशीरा×स्त्री० बहन, भग्नि

तीरा-पु० कमीसका पुश्तीबान

ज़ंजीरा×पु० पोतोंकी माला, कोई भी बुना हुआ जालीदार भूषण, बेल,

हरीरा×-पु० मीठा-पेय-पदार्थ

वतीरा×पु० ढंग, आदत, दस्तूर

कश्मीरा×-पुं० एक ऊनी कपड़ा

जज़ीरा×-पुं० टापू, द्वीप,

ख़मीरा×-पु० औषधि-पाक़

बुरा-पु० बद, ख़राब

धुरा-पु० गाड़ीमें वह लोहेका डण्डा जिसमें पहिया घूमता है

सुरा-स्त्री० शराब, मद्य
मथुरा-स्त्री० एक नगरी, कृष्ण-जन्म-भूमि
मन्दुरा-स्त्री० तवेला, अस्तबल
छुरा-पु० स
भुरभुरा-पु० ख़स्ता
मुरमुरा-पु० चावलोंका भुना हुआ चबेना
कुरकुरा-पु० ख़स्ता कड़कसे टूटने वाला
खुरखुरा-पु० जो चिकना न हो
इकलखुरा-पु० अपनाही पेट भ-रने वाला
चूरा-पु० चूर्ण, टूटन
पूरा-पु० पूर्ण
घूरा-पु० तका, कूड़ा डालनेकी जगह
भूरा-पु० सफ़ेद, श्वेत
बूरा-स्त्री० खाँडका संस्कृत रूप
लंडूरा-पु० दुम कटा
अधूरा-पु० अपूर्ण
बिसूरा-पु० बच्चेने होंट निकाल कर कुछ रोते हुए देखा
कनखिजूरा-पु० चहल पाया, अनेक पाउँ-वाला कीड़ा
मेरा-पु० स
तेरा-पु० स
घेरा-पु० स
फेरा-पु० स
सवेरा-पु० स
अंधेरा-पु० स
कसेरा-पु० वर्तन बेचनेवाला
बसेरा-पु० बासा, बसना, रहना
सपेरा-पु० सांपोंका खिलाड़ी
लुटेरा-पु० लूटनेवाला
डेरा-पु० तम्बू रहठान
ठटेरा-पु० तांबे पीतलके वर्तन बनानेवाला
चेरा-पु० दास, चेला
चचेरा-पु० चचाका बेटा
कटोरा-पु० प्याला-धातुका, या कांचका

कोरा-पु० जो बर्तावमें न आया हो, बग़ैर धुला

शोरा-पु० एक खार

गोरा-पु० गौराङ्ग, योरुपीन सिपाही

सकोरा-पु० मिट्टीका प्याला

डोरा-पु० तागा

छिछोरा-पु० बच्चोंकीसी आदत वाला, सिफ़ला, ओछा, पेटका हलका

चटोरा-पु० चाटका शौक़ीन

होरा-स्त्री० मिनिट, राशिका अर्द्धभाग

ला

कमला-स्त्री० लक्ष्मी

चला-स्त्री० लक्ष्मी धन, चलने वाली

बला-स्त्री० बलवाली ×बबाल

मेखला-स्त्री० तगड़ी, कौंधनी

रजस्वला-स्त्री० मासिक- धर्म वाली स्त्री

शकुन्तला-स्त्री० दुष्यन्तकी स्त्री

शशिकला-स्त्री० चन्द्रकला

शीतला-स्त्री० ठंडी, रोग विशेष चेचक

समुद्र मेखला-स्त्री० पृथ्वी

आंवला-पु० आमलक प्रसिद्ध फल

सांवला-पु० स्याही माइल

बावला-पु० पागल, दीवाना

पावला-पु० चार आने

उतावला-पु० जल्दबाज़

खावला-पु० गदला

ख़ला×स्त्री० पोल आकाश

मला×उ० ठोस,

ख़लामला×उ० मिलाजुला

बरमला-उ० साफ़ साफ़

जला-पु० स

तला-पु० जूतेके नीचेका चमड़ा नीचेका भाग, पैंदा

टला-पु० स

ढला-पु० स

थला-पु० दुकानदारोंकी गद्दी

दूला-पु० स

पला-पु० गलासड़ा। पोषित

फला-पु० फलान्वित होना और फुन्सी फोड़े निकल आना

मला-पु० स

छला-पु० स

परतला-पु० वानात या चमड़ेका वो टुकड़ा जो पेटीके साथ कांधेपर डाला जाता है

गला-पु० हल्क़, गर्दन, ग्रीवा। सड़ा हुआ

मनचला-पु० दिलावर आशिक़

अगला-पु० आगेका

वगला-पु० एक श्वेत पक्षी, —भगत-मक्कार पुजारी

पगला-पु० दीवाना, पागल

दगला-पु० अंगरखा, कोट

नगला-पु०गांवका नाम

जाला-पु० वो सफेद झिल्ली जो मकड़ी कागज़की तरह वनाती है, मकड़ीके थूकसे वना हुआ तंतु-ओंका जाल। आंख का रोग

चन्द्रवाला-स्त्री० वड़ी इलायची

तन्तुशाला-स्त्री० कपड़े वनानेकी जगह Cottonmill

नाट्यशाला-, रंगशाला- } स्त्री० थियेटर Theatre

पाठशाला-स्त्री० पढ़नेका स्थान School

पर्णशाला-स्त्री० कुटी, झोंपड़ी

पाकशाला-स्त्री० रसवती, रसोई, बावरचीख़ाना

शिल्पशाला-स्त्री० आर्ट स्कूल Artschool

विद्युन्माला-स्त्री० पिंगलका एक छंद जिसके हर चरणमें दो मगण दो गुरु हों, यथा

ऽऽऽ + ऽऽऽ + ऽऽ

दूना खेले हारा ज्वारी

दिवाला-पु०–निकलना-ऋण न चुका सकना अपनी मुफ़लिसी ज़ाहिर करना, टप्पर उलटना

हवाला-पु० प्रमाण, सपुर्द

प्याला-पु० कटोरा

[illegible]ला×पु० रेखा गणितका भाग

आला×उ० उत्तम, श्रेष्ठ

रिसाला-पु० फ़ौज, पुस्तक, मासिक पत्र

बाला-स्त्री० स्त्री। ×बुलन्द पु० कानका ज़ेवर पु०

ज्वाला-स्त्री० अग्नि

लाला-पु० महाजनोंकी उपाधि और सम्बोधन। बचा। कहीं कहीं दामादका सम्बोधन

दल्लाला×स्त्री० कुटनी

भाला-पु० बरछा

रिज़ाला×पु० कमीना, दुराचारी

झाला-पु० धोका

छाला-पु० आबला, फुल्ला

बेताला-पु० तालच्युत

माला-स्त्री० सिलसिला, लड़ी, तसबीह

मन्दारमाला-स्त्री० पिंगलका वह छन्द जिसमें २२ अक्षर इस प्रकार हों

SSI+SSI+SSI+SSI+
SSI+SSI+SSI+S

त + त + त + त +
त + त + त+ गु, उ०

वा क़ाफ़िया काव्यकी जो कली हो कलीकी कली हो भलीकी भली। इसके अन्तमें SI गुरु लघु दो अक्षर बढ़ानेसे आभार छन्द होता है। उ० आठबार "हे राम।"

पाला-पु० बर्फ़, हिम, पोषण किया,—पड़ना—काम पड़ना

चाला-पु० रवानगीका मुहूर्त

निवाला×पु० ग्रास, लुक़मा
दुशाला×पु० पशमीनेकी चादर
क़बाला×पु० दस्तावेज़
उछाला-पु० उछाल दिया
काला-पु० श्याम
ख़ाला×स्त्री० मांवसी, मां की वहन
गाला-पु० रुईका पहल
टाला-पु० टाल दिया
उठाला-उ० उठा लानेकी आज्ञा
डाला-पु० डाल दिया
नाला-पु० बड़ी नाली
मराला-स्त्री० हंसनी
साला-पु० पत्नीका भाई
शाला-स्त्री० स्थान
मतवाला-पु० पागल
निराला-पु० अनोखा, अजीब
सँभाला-पु० मरनेके समय वे होशीके वाद कुछ होश आ जाना। सँभाल लिया
परनाला-पु० छतके पानी जानेका रस्ता

उबाला-पु० जोश दिया
कौड़ियाला-पु० एक क़िस्मका सांप
पटियाला-पु० एक नगर
उल्लाला-पु० पिंगलका वो छन्द जिसके विषम चरणोंमें १५ मात्रा और सम चरणोंमें १३ मात्रा होती हैं किसी किसी का मत है कि चारोंमें १३—१३ हों, छप्पयका पांचवां और छटा चरण पूरा उल्लाला होता है। उ० अब भी कवितामें देर हो, तो पूरा अंधेर है। जब भांति भांतिके प्रासको, पांति पांतिमें ढेर है॥
कोकिला-स्त्री० कोयल पक्षी
मिथिला-स्त्री० जनककी राजधानी
मुक़ाबिला×पु० सामना, युद्ध

खिला-उ० स
गिला-पु० शिकवा
छिला-पु० स
ज़िला-पु० मण्डल, इलाक़ा। एक रागनी
मिला-पु० मिल गया
डिला-पु० छोटा पत्थर, कुलूख़
तिला×पु० सोना, नपुंसकत्व नाशक तेल
पिला-पु० पिल चुका, पिलाना
पिलपिला-पु० स
बिला-अ० बग़ैर, निषेध वाचक
मिला-पु० मिल चुका
शिला-स्त्री० पत्थर
हिला-पु० हिल गया
लीला-स्त्री० खेल, माया
गीला-पु० नम, भीगासा
सीला-पु० „ „
प्रमीला-स्त्री० आखें बन्द करना उँघना
रसीला-पु० रसवाला, रसिक
ढीला-पु० तंगके विरुद्ध

नीला-पु० एक रंग, नीलगूं
पीला-पु० „ „ ज़र्द
टीला-पु० ऊंचीठेक
कसीला-पु० कसवाला
रंगीला-पु० रंगीं मिज़ाज
छबीला-पु० „ „
नुकीला-पु० नोकवाला, सजा हुआ जवान
पतीला-पु० बड़ी पतीली
बीला-पु० ज़नाना
सुरीला-पु० स्वरमें गानेवाला
हीला×पु० बहाना
जमीला×स्त्री० अच्छे रूपवाली
वसीला×पु० ज़रीआ, द्वारा, सहायता
क़बीला-स्त्री० कुटुम्ब
तुला-स्त्री० तराज़ू, मीज़ान
गुलगुला-पु० पूड़ा
चुलबुला-० शोख़, चंचल
बुलबुला-पु० पानीका आवला
खुला-पु०जो बंधा न हो, हलका रोशन

घुला-पु० पिघल गया
धुला-पु० धुला हुआ
झुला-उ० स
बुला-उ० स
भुला-उ० स
झुला-उ० स
वसूला-पु० बढ़ईका एक औज़ार तेशा
अनुकूला-स्त्री०मुआफ़िक़। पिंगलका एक छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें ११ अक्षर इस प्रकार हों
ऽ।।+ऽऽ।+।।।+ऽ+ऽ
भ + त + न+ग+ग
५, ६, पर यति उ०
मौक्तिकमाला, अरु अनुकूला। सान्द्रपदा भी, कविन कबूला॥
लूला-पु० खञ्ज, टूटी टांगवाला
भूला-पु० स
आग बवूला-उ० गुस्से होना, अत्यन्त क्रोधित

मेला-पु० किसी त्यौहार या पर्व पर आदमियोंका मजमा
सन्धिवेला-पु० प्रातः सायंकाल
हेला-स्त्री० उपहास, दिल्लगी अनादर
अलबेला-पु० बांका जवान, अपनी मौजका
ढेला-पु० छोटा पत्थर या मिट्टीका टुकड़ा
धेला-पु० आधा पैसा
रेला-पु० धक्का, रौ, पानीका रेला
झेला-पु० सहन किया
अकेला-पु० तनहा
केला-पु० प्रसिद्ध वृक्ष
खेला-पु० स
झमेला-पु० झगड़ा, उलझन
सेला-पु० वस्त्र विशेष, मंदील पगड़ी
चेला-पु० शिष्य
सौतेला-पु० सोतनका बेटा
करेला-पु० मशहूर तरकारी

ठेला-पु० सामान ढोनेकी तख्त-
नुमा गाड़ी
एला-स्त्री० इलायची
मैला-पु० मलगजा, मल युक्त
मल
लैला-स्त्री० मजनूंकी प्रेमपात्री
छैला-पु० सजीला शौक़ीन
थैला-पु० बड़ी थैली
फैला-पु० फैला हुआ
ओला-पु० पानीका जमा हुआ
टुकड़ा जो आकाशसे
बरसता है, ठंडा।
परदा। निरी मिस्री-
का लड्डू
खोला-पु० खोल दिया, गंगा
किनारेका गढ़ा
गोला-पु० तोपमें भरनेका लोह
पिंड, बड़ी गोली,
तागोंका बंडल।
खोपरा। पक्का कुंआं
बोला-पु० स
टटोला-पु० स

झोला-पु० बड़ी झोली
ममोला-पु० एक पक्षी
फपोला-पु० आवला, छाला
डोला-पु० पालकी, सुखपाल—
देना—अपनी लड़की
किसी राजाको देना
हिंडोला-पु० झूलनेका साधन
रोला-पु० पिंगलका एक छन्द
जिसमें प्रत्येक चरण
२४ मात्राका होता है
११, १३ यति। उ०
जिस पदमें हो प्रास,
उसे सुन्दर पद जानो।
कला ग्यारवीं ह्रस्व,
होय तो काव्य बखानो॥
घोला-पु० घोल दिया
होला-पु० वो भुना हुआ चना
जो अपने वृक्ष टाट
और पत्तों सहित
भूना जाता है।
खटोला-पु० छोटीसी चारपाइ
मंझोला-पु० बड़े और छोटेके
बीचका दर्म्यानी

भोला-पु० स

हिचकोला-पु० दचका, धक्का

वा

रवा-पु० सूजी । चीनी । चांदी सोनेका गोल अणु

दवा×स्त्री० औषधि

हवा×स्त्री० पवन, वायु

सवा-उ० एक और चौथाई

लवा-पु० एक पक्षी

तवा-पु० रोटियां सेंकनेका लोहेका गोल चकत्ता

अवा-पु० मिट्टीके बर्तन पकानेका भट्टा

बलवा-पु० हुल्लड़, ग़दर

हलवा-पु० स

कलवा-पु० काला । नाम

ललवा-पु० नाम

जलवा×पु० दर्शन, सौन्दर्य

तलवा-पु० पाऊंके तलेका भाग, कफ़पा

नलवा-पु० टीन या बांसकी नली जिसमें कुछ रखते हैं

दूर्वा-स्त्री० घास, दूब

जिह्वा-स्त्री० ज़बान

वड़वा-स्त्री० घोड़ी,—ग्नि—समुद्रकी आग

विधवा-स्त्री० जिसका पति मर गया हो

सधवा-स्त्री० जिसका पति जिन्दा हो

धावा-पु० कूच, बेग पूर्वक कूच

मावा-पु० दूधका खोया, मग्ज़

दावा×पु० प्रतिज्ञा, नालिश,

बढ़ावा-पु० उभारना,

पहनावा-पु० पोशाक

बुलावा-पु० निमंत्रण, तलबी

तुर्शावा-पु० नीबू आदि खट्टे फल

बावा-पु० पिताके पिता, मुसलमान पिताको बोलते हैं

पचतावा-पु० पश्चात्ताप

चढ़ावा-पु० पूजनमें आया हुआ माल, रिशवत, घूंस, भेट

छलावा-पु० छल देनेवाला आसेव, भूत प्रेत, माशूक़, चंचल

दिवा-पु० दिन, यह अव्यय है परन्तु पु० प्रयोग होता है

सिवा×अ० अतिरिक्त

ग्रीवा-स्त्री० गर्दन

रूपजीवा-स्त्री० वेश्या

सेवा-स्त्री० ख़िदमत

मेवा-पु० स

लेवा-पु० लेनेवाला

देवा-पु० देनेवाला

शा

दशा-स्त्री० हालत

कशा-स्त्री० चाबुक, कोड़ा

कर्कशा-स्त्री० कलहकारिणी स्त्री

आशा-स्त्री० उम्मीद

लाशा×पु० शव, मुर्दा

तमाशा×पु० स

ताशा×पु० एक कन फोड़ा बाजा

तराशा×पु० बनाया, काटा

बेतहाशा×पु० अन्धाधुन्द

पाशा×पु० पादशाहका संक्षिप्त

पेशा×पु० धन्दा, रोज़गार

रेशा×पु० सूत, फूंसड़ा, तुस, नसें

अन्देशा×पु० डर, भय

तेशा×पु० वसूला

बेशा×पु० जंगल, वन

हमेशा×अ० सदा

इन्द्रवंशा-पु० पिंगलका एक छंद जिसमें १२ अक्षर इस प्रकार होते हैं SSI+SSI+ISI+SIS त + त + ज + र हैं प्रास लाखों इस प्रास पुञ्जमें

क्षा

रक्षा-स्त्री० हिफ़ाज़त, निगरानी

वर्षा-स्त्री॰ बारिश, मेंह
मृषा-अ॰ मिथ्या, झूट
द्राक्षा-स्त्री॰ किशमिश
भाषा-स्त्री॰ ज़बान (जिह्वा नहीं) जैसे हिन्दी, संस्कृत उर्दू, फ़ार्सी आदि
लाक्षा-स्त्री॰ लाख द्रव्य विशेष
भिक्षा-स्त्री॰ भीक
शिक्षा-स्त्री॰ तालीम, उपदेश
लिक्षा-स्त्री॰ लीख, छोटी जूं
दीक्षा-स्त्री॰ संस्कार, उपदेश
परीक्षा-स्त्री॰ इमतिहान, जांचना
प्रतीक्षा-स्त्री॰ इन्तज़ार, राह देखना
समीक्षा-स्त्री॰ समालोचना
भूषा-स्त्री॰ सजावट
मंजूषा-स्त्री॰ सन्दूक़ची
हेषा-स्त्री॰ हिन हिनाना घोड़ेकी आवाज़
प्रेक्षा-स्त्री॰ सोचना
अपेक्षा-स्त्री॰ आकांक्षा, निस्बत
उत्प्रेक्षा-स्त्री॰ एक अर्थालङ्कार
योषा-स्त्री॰ स्त्री
वार योषा-स्त्री॰ रंडी, वेश्या

सा

लालसा स्त्री॰ आशा, लोभ
वसा-स्त्री॰ चर्बी
सहसा-अ॰ अचानक, अकस्मात्
रस्सा-पु॰ मोटी डोरी
मस्सा-पु॰ काली मिर्च बराबर जो दाना बदनमें उछल आता है और कोई दुःख नहीं देता
कस्सा-पु॰ बबूलकी छाल
दस्सा-पु॰ वैश्य भेद, जाति भेद
पिपासा-स्त्री॰ प्यास, ख़ाहिश
दिलासा-स्त्री॰ तसल्ली
मीमांसा-स्त्री॰ तहक़ीक़ात, छानबीन, एक शास्त्र
नवासा-पु॰ बेटीका बेटा
बतासा-पु॰ स
लासा-पु॰ चिड़ीमारोंका एक औज़ार
गँडासा-पु॰ चारा काटनेका

औज़ार

दासा-पु० छज्जेका अंग

नासा-स्त्री० नासिका, नाक

कासा×पु० भीक मांगनेका प्याला, प्याला

प्यासा-पु० तृषित

वासा-पु० रहठान, बसना

व्यासा-स्त्री० एक नदी

दम दिलासा-पु० झूटी तसल्ली, लल्लो पत्तो

ऐसा-पु० स

वैसा-पु० स

कैसा-पु० स

जैसा-पु० स

पैसा-पु० स

ऐसातैसा-पु० कोमल गाली

कोसा-पु० स

पालापोसा-पु० स

समोसा-पु० त्रिकोण, नमकीन खानेकी चीज तिकौना

भरोसा-पु० एतबार, आशा

मसोसा-पु० मसोस डाला

बोसा-पु० चुम्बन

प्रशंसा-स्त्री० तारीफ़

हिंसा-स्त्री० हत्या

स्पृहा-स्त्री० चाह, इच्छा

स्वाहा-अ० देवोद्देशसे आहुति देना, अच्छा कहा,

आहा-अ० प्रशंसा सूचक, आनन्द सूचक शब्द

फाहा-पु० मर्हम लगा हुआ कपड़ेका टुकड़ा जो ज़ख्मपर लगाते हैं, रुईका गाला

चाहा-पु० इच्छाकी, प्यार किया

शाहा-पु० हे बादशाह संबोधन,

सियाहा-पु० हिसाबी काग़ज़

निवाहा-पु० निर्वाह किया

सराहा-पु० प्रशंसा की

दुराहा-पु० जहां दो रस्ते फटें

दरमाहा-० मासिक तन्खाह

कराहा-पु० दुःखमय शब्द से बोला

लोहा-पु० प्रसिद्ध धातु

दोहा-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके पहले और तीसरे चरणमें १३ मात्रा, दूसरे और चौथेमें ११ मात्रा, अन्त लघु उपान्त्य गुरु हो, विषम चरणकी आदि जगण न आना चाहिये यदि दो शब्दोंसे जगण प्रकट होता हो तो सन्देह नहीं

इकारान्त

धातु शब्दके अन्तमें ह्रस्व 'इ' लगा देनेसे अर्थमें "करके" बढ़ जाता है। कविजन ऐसे क़ाफ़िये इच्छानुसार बनालें

रुचि-स्त्री० इच्छा, ख़ाहिश

शुचि-पु० नेकचलन । अग्नि । ज्येष्ठ आषाढ़का महीना

स्पृष्टि-स्त्री० दुन्या, रचना, बनाना, मख़लूक़

वृष्टि-स्त्री० वर्षा, बारिश

दृष्टि-स्त्री० नज़र

पृष्ठ दृष्टि-पु० रीछ, भल्लूक

अनावृष्टि-स्त्री० खुश्कसाली, वर्षाका न होना

पुष्टि-स्त्री० मज़बूती

मुष्टि-स्त्री० मुट्ठी, बन्धा हुआ हाथ, मुक्का

बद्धमुष्टि-उ० कंजूस

मणि-स्त्री० रत्न, जवाहर

गृहमणि-पु० दीपक

चूड़ामणि-उ० चोटीका रत्न

तरणि-स्त्री० संस्कृतमें पुल्लिंग नाव, डोंगा, सूर्य

धरणि स्त्री० जमीन, पृथ्वी

नभोमणि-पु० सूर्य, चन्द्र

पेषणि-स्त्री० पीसनेकी सिल

फाणि-पु० गुड़ विकार, शीरा

शस्त्रपाणि-पु० जिसके हाथमें हथियार हो

अति-अ० बहुत, ज़ियादा

गति-स्त्री० चाल, हालत

मति-स्त्री० बुद्धि
सति-स्त्री० पतिव्रता स्त्री, व्याकरणमें सप्तमीका भेद
पति-पु० मालिक, शौहर, धव, रमण
यति-पु० योगी, छन्दमें विश्राम का स्थान-स्त्री०
उन्नति-स्त्री० तरक्की, बढ़ती
सम्मति-स्त्री० सलाह, राय
तति-स्त्री० पंक्ति, श्रेणी, क़तार
सौभाग्यवती-स्त्री० सुहागन, खुशनसीब औरत
अधिपति-पु० मालिक
तारापति-पु० चन्द्र
दिनपति-पु० सूर्य
दुर्गति-स्त्री० बुरी हालत, बुरा परिणाम
दुर्मति-उ० शठ, बुरी अक़्लवाला
नरपति-पु० राजा
पद्धति-स्त्री० बटिया, रास्ता, पोथी
वसुमति-स्त्री० जमीन, पृथ्वी
संहति-स्त्री० समूह, मेल
संगति-स्त्री०मेल संगम, मिलाप, अनुकूलता
सन्तति-स्त्री० औलाद, सन्तान, विस्तार
स्थिरमति-उ० क़ायम मिज़ाज
रति-स्त्री० प्रीति, श्रृङ्गार-केलि, कामदेवकी स्त्री
सम्पत्ति-स्त्री० धन, अतिविभव, दौलत
निष्पत्ति-स्त्री० समाप्ति, सिद्धि, नतीजा
पत्ति-पु० पैदल चलने वाली फ़ौज
वृत्ति-स्त्री० जीविका, रोज़ी
व्युत्पत्ति-स्त्री० पैदाइश
जाति-स्त्री० वर्ण, क़ौम, गुरोह, क़िस्म, जिनका जन्म समान रीतिसे हो
पदाति-पु० पैदल
सम्पाति-पु० जटायुका भाई

शांति-स्त्री० शमन, ख़ामोशी, सुख चैन सन्तोष, तृप्ति, कल्याण

भ्रांति-स्त्री० शक, सन्देह

कांति-स्त्री० चमक, रौनक़, ज्योति

संक्रांति-स्त्री० सूर्यका एक राशिसे दूसरीमें प्रवेश

क्षिति-स्त्री० पृथ्वी

समिति-स्त्री० सभा, युद्ध, संकेत

स्थिति-स्त्री० क़याम, ठेराव, हालत

प्रीति-स्त्री० मुहब्बत, प्रेम

नीति-स्त्री० न्याय, क़ानून, तरीक़ा, हितोपदेशादि ग्रन्थ

रीति-स्त्री० तरीक़ा, रिवाज, रस्म

अनीति-स्त्री० अन्याय, नीति विरुद्ध

भीति-स्त्री० डर, भय

च्युति-स्त्री० गिरना, भ्रष्ट होना

जनश्रुति-स्त्री० कहावत

द्युति-स्त्री० चमक, ज्योति

हुति-स्त्री० हवन, होम

स्तुति-स्त्री० तारीफ़, प्रशंसा

व्याजस्तुति-स्त्री० बहानेसे तारीफ़

पूति-स्त्री० पवित्रता पाकीज़गी

विभूति-स्त्री० ऐश्वर्य, ख़ाक

प्रकृति-स्त्री० स्वभाव, कारण, सत—रज—तम तीनों गुणोंकी साम्यावस्था, माद्दा

प्रभृति-अ० वग़ैरा, इत्यादि

विकृति-उ० रोग, तबदीली

विस्तृति-स्त्री० फैलाव

मूर्ति-स्त्री० तस्वीर, चित्र, बुत

छेकोक्ति-स्त्री० पेचदार बात, अलङ्कार भेद

पंक्ति-स्त्री० क़तार, श्रेणी

प्राप्ति-स्त्री० आमदनी, हासिल होना

भक्ति-स्त्री० इबादत भजन, श्रद्धा

व्यक्ति-स्त्री० शख़्स
शक्ति-स्त्री० ताक़त
व्याप्ति-स्त्री० मौजूदगी, उपस्थिति, रहना
सुषुप्ति-स्त्री० तीसरी अवस्था—गहरी नींद, जागने और स्वप्नके परेकी हालत
स्वस्ति-अ० कल्याण, क्षेम, दुआ
ग्रन्थि-स्त्री० गांठ
सारथि-पु० रथ हांकनेवाला कोचमेन
अनादि-उ० जिसका शुरू न हो
वेदि-स्त्री० साफ़ जमीन, यज्ञार्थ शुद्ध किया हुआ स्थान
दधि—पु० दुग्ध विकार, दही
उदधि-पु० समुद्र
जलधि „ „
औषधि-स्त्री० दवा
वालधि-पु० लांगूल; दुम, पूंछ
व्याधि-स्त्री० रोग

उपाधि-स्त्री० पदवी, इज़्ज़त, डिग्री
समाधि-स्त्री० योगका आठवां अङ्ग, मुराक़बा
कलानिधि-पु० चन्द्र
विधि-पु० ब्रह्मा। रीति, तरकीब स्त्री०
निधि-पु० ख़ज़ाना, कोश
परिधि-स्त्री० घेरा, दायरा, गोल
प्रतिनिधि-पु० क़ायम—मुक़ाम, एवज़ी, वैसाही
ऋद्धि-स्त्री० बढ़ना, विभूति
सिद्धि-पु० साफल्यता, कामयाबी, अणिमादि आठ शक्तियां
वृद्धि-स्त्री० वढ़ोतरी, तरक्क़ी,
बुद्धि-स्त्री० अक़्ल
समृद्धि-स्त्री० देखो ऋद्धि
पयोधि-पु० समुद्र
सन्धि-स्त्री० जोड़, सुलह। दो शब्दोंको मिलाना

सुगन्धि-स्त्री० खुशबू
शनि-पु० सनीचर, एकग्रह शनिश्चर
ध्वनि-स्त्री० आवाज़
ग्लानि-स्त्री० नफ़रत, हानि, अवनति, कमी
हानि-स्त्री० नुक़सान
जमदग्नि-पु० परशुरामके पिताका नाम
प्रतिध्वनि-स्त्री० सदाए-बाज़गश्त, गुम्बदकी आवाज़, लौटता हुआ शब्द
वड़वाग्नि-स्त्री० समुद्रकी आग
दावाग्नि-स्त्री० बनकी आग
जठराग्नि-स्त्री० पेटकी आग, हरारते ग़रीज़ी
मन्दाग्नि-स्त्री० कूवते हाज़िमाका कम होना
मुनि-पु० स्थिर चित्त, वीतराग,

दुःखेष्वनुद्विग्न मनाः
सुखेषु विगत स्पृहः ।
वीत राग भय क्रोधः
स्थिरधीर्मुनि रुच्यते ॥

योनि-स्त्री० आकर, कारण, खानि, स्त्रियोंका खास चिह्न, क़ालिब
धूमयोनि-पु०मेघ । मोथा । गीली लकड़ी
कपि-पु० बन्दर
वापि स्त्री० बावली वह कुँआँ जिसमें सीढ़ियोंद्वारा जलतक पहुंच सकें
तथापि-अ० तोभी
कदापि-अ० कभी भी, किसी तरह भी
नाभि-स्त्री० नाफ़, टूंडी
दुन्दुभी-स्त्री० नक्कारा
रश्मि-स्त्री० किरण; लगाम
तमि-स्त्री० अन्धेरी रात
अरि-पु० दुश्मन
करि-पु० हाथी
पद्धरि-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरण

में १६ मात्रा हों परन्तु चौपाईसे इसकी ध्वनि अलग है अंतमें यति और जगण चाहिये, उ०
कविमित्र मान
यह प्रास-पुंज

वारि-पु० जल

दैत्यारि-पु० राक्षसोंका शत्रु

गिरि-पु० पहाड़

रात्रि-स्त्री० रात

बलि-स्त्री० कुर्बानी, भेट

शालि-पु० धान

गालि-स्त्री० गाली, दुर्वाक्य

शाल्मलि-पु० वृक्ष विशेष

केलि-स्त्री० खेल, क्रीड़ा

वेलि-स्त्री० बेल

धूलि-स्त्री० ख़ाक

गोधूलि-स्त्री० सूर्यास्त समय, सन्ध्या

मौलि-उ० चूड़ा चोटी

कवि-पु० शाइर, कविता करने वाला

रवि-पु० सूर्य

हवि-स्त्री० हवन द्रव्य, सामग्री

भारवि-पु० किरातार्जुनीयके प्रणेता

छवि-स्त्री० शोभा, कान्ति चमक

राशि-स्त्री० संस्कृतमें पु० है समूह, ढेर

ऋषि-पु० मन्त्र द्रष्टा, वेदार्थज्ञाता,

कृषि-स्त्री० खेती

असि-स्त्री० संस्कृतमें पु० तलवार

मसि-स्त्री० रोशनाई, लिखनेकी स्याही

व्रीहि-पु० धान, चावल

बहुव्रीहि-पु० एक समास

ईकारान्त

काई-स्त्री० जलका मैल जो नील गूं ऊपर आ जाता है

खाई- शहरके गिर्द या किलेके चारों तरफ़ गहरा चौड़ा गढ़ा, ख़ंदक़

घाई-स्त्री० उंगलियोंके बीचकी सन्धि, चोट, धोका, चालबाज़ी

जाई-स्त्री० लड़की

ताई-स्त्री० ताउकी स्त्री

दाई-स्त्री० दाया

नाई-पु० नापित, हज्जाम

पाई-स्त्री० तिहाई पैसा

बाई-स्त्री० स्त्रियोंका साधारण सम्बोधन

भाई-पु० बन्धु, भ्राता

माई-स्त्री० माता

राई-स्त्री० एक दवा, मसालेका पदार्थ

लाई-स्त्री० साबुन बनानेकी तेज़ी खार। एक शाक

आशनाई×स्त्री० मित्रता, प्रेम सम्बन्ध, रिश्तेदारी

बेवफ़ाई×स्त्री० प्रतिज्ञाका पूरा न करना, दगा

बेनवाई×स्त्री० वैभव-हीनता, दरिद्रता

दानाई×स्त्री० बुद्धिमानी

बीनाई×स्त्री० दृष्टि, आंखोंका तौर

तनहाई×स्त्री० एकान्त

रुसवाई×स्त्री० बदनामी

तमाशाई×पु०तमाशा देखनेवाले

बालाई×स्त्री० दूधकी मलाई। ऊपरी

हरजाई×स्त्री० छिनाल

सौदाई×उ० दीवाना

सहराई× उ० जंगली

जुदाई×स्त्री० वियोग

खुदाई×स्त्री० सृष्टि। ईश्वरत्व

पारसाई×स्त्री० साधुता

हिनाई×उ०मँहदीके रंगका, सुर्ख

बेहयाई×स्त्री०निर्लज्जता,

दिलरुबाई×स्त्री०मनोहरता

रसाई×स्त्री०पहुंच

रहनुमाई×स्त्री०राह दिखाना

रिहाई×स्त्री०छुटकारा, मुक्ति

गदाई×स्त्री०फ़क़ीरी

रोशनाई×स्त्री०लिखनेकी स्याही,

तवानाई×स्त्री०ताकत, शक्ति
हवाई×स्त्री०झूटी ख़बर, ग़प,
हवासे सम्बन्धित
बुराई-स्त्री०बदी, चुग़ली, अनिष्ट
भलाई-स्त्री०नेकी, सुलूक, इष्ट
सफ़ाई×शुद्धता, बचाव, चालाकी
दुलाई-स्त्री०ज़नाना चादर दोहरी
रज़ाई×स्त्री०लिहाफ़, हलका
लिहाफ़
सलाई-स्त्री०शलाका, चारपाईके
पाए पट्टीका जोड़ना
सिलाई-स्त्री०सीना
अंगड़ाई-स्त्री०सुस्तीसे बदनका
एंठना
दुहाई-स्त्री०फ़र्याद, शोर,
अंगनाई-स्त्री०छोटा सहन
मलाई-स्त्री०मालिश
कलाई-स्त्री०पंजे और कुहनीके
बीचका अंग
ढलाई-धातुका ढलना
धुलाई-स्त्री०धोना, धोनेकी
उजरत

दूध पिलाई-स्त्री०दाया,
खिलाई-स्त्री०दाया
ढिटाई-स्त्री०ढीटता, शठता
क़साई×पु०पशुवोंको वध करने
वाला, मांस बेचनेवाला
समाई-स्त्री०गुनजाइश
कमाई-स्त्री०पैदावार, आमदनी
खटाई-स्त्री०तुर्शी
मिठाई-स्त्री०शीरीनी, मिठास
उबकाई-स्त्री०मितली, वमन,
वामिट
इकाई-स्त्री०१से ९ तक इकहरा
हिन्दसा
दहाई-स्त्री०१०से ९९ तक दोहरा
अंक
नानबाई×पु०रोटी बेचनेवाला
दाई-स्त्री०दाया
शहनाई×स्त्री० एक बाजा
सपरदाई-पु०वेश्याकी संगतवाले,
नाचनेवालीके साथ
तबला सारंगी बजा-
ने वाले

साई-स्त्री० बयाना
मुंःभराई-स्त्री० रिशवत, लांच
पिसाई-स्त्री० पीसनेकी उजरत
तिपाई-स्त्री० तीन पायोंका टूल
तराई-स्त्री०नमी, गीली ज़मीन, खादर
चराई-स्त्री०पशुवोंको खूराक खिलाना
गहराई-स्त्री०गहरापन, अन्तर्भाव
लगाई बुझाई-स्त्री०चुग़लख़ोरी
चटाई-स्त्री०बोरिया
बटाई-स्त्री०बाँटना
बधाई-स्त्री०मुबारकबादी
लड़ाई-स्त्री०युद्ध
लड़ाई भिड़ाई-स्त्री०युद्ध
हाथापाई-स्त्री०लड़ाई, मारपीट
चौथाई-स्त्री०चतुर्थांश
तिहाई-स्त्री०तृतीयांश
सवाई-स्त्री०सवाया
बिवाई-स्त्री०पाँउंका स्वयं फटना
बड़ाई-स्त्री०गौरव
घड़ाई-स्त्री० ज़ेवर बनानेकी उजरत, बनानेकी मज़दूरी
जगहँसाई-स्त्री०लोकनिन्दा
चारपाई-स्त्री०छोटा पलंग, खाट
लोई-स्त्री०ऊनी कपड़ा। रोटी पूरीके लिये जो पहले थोड़ा गुंधा हुआ आटा लेकर गोला बनाते हैं। आबरू
कोई-उ० स
खोई-स्त्री० स
सोई-स्त्री० स
दिलजोई×स्त्री०दिलासा
डोई-स्त्री० लकड़ीका चमचा
अटकी-स्त्री०अटकगयी, रुकी
मटकी-स्त्री०घड़िया, छोटा घड़ा
लटकी-स्त्री० स
खटकी-स्त्री० स
झटकीस्त्री० स
जानकी-स्त्री० सीता जनकपुत्री
सप्तकी-स्त्री० तगड़ी, मेखला
चालाकी×स्त्री० चुस्ती, तेज़ी, होशयारी, मक्कारी

बेबाकी×स्त्री० निडरपन, अभ-
यता
नापाकी×स्त्री० अशुद्धता
ख़ाकी×उ० मिट्टीका, पार्थिव
शाकी×उ० शिकायत करनेवाला
ताकी-स्त्री० तकली
चाकी-स्त्री० चक्की
फीकी-स्त्री० रसहीन, उदास,
मन्द
टीकी-स्त्री० टीका, बिन्दी, सि-
तारा जो ज़रीके साथ
कपड़ोंमें टकता है,
टिकली
नीकी-स्त्री० अच्छी
नज़दीकी×स्त्री० समीपता, पास
होना
बारीकी×स्त्री० सूक्ष्मता
तारीकी×स्त्री० अंधेरा
सखी-स्त्री० सहेली
चखी-स्त्री० स
अनोखी-स्त्री० निराली
चोखी-स्त्री० खरी, तेज़ शराब

ओखी-स्त्री० खोटी, ख़राब
सगी-स्त्री० ख़ास, रिश्तेदार,
कुनबेवाली
लगी-स्त्री० स
जगी-स्त्री० जागी
पगी-स्त्री० सानी हुई
त्यागी-पु० छोड़नेवाला, विरक्त
वैरागी-पु० „ „
अनुरागी-पु० प्रेमी
रागी-पु० गवैया
जंगी-पु० फ़ौजी, योद्धा
भुजंगी-पु० देखो भुजंगप्रयात
तंगी-स्त्री० मुफ़लिसी, कमी,
कंजूसी
बेढंगी-स्त्री० स
नंगी-स्त्री० स
मृदंगी-पु० पखावजी
नारंगी-उ० रंग पु०, फल स्त्री०,
सारंगी-स्त्री० बाजा
भंगी-पु० प्रसिद्ध नीच जाति
त्रिभङ्गी-पु० पिंगलका वह छन्द
जिसके प्रत्येक चरणमें

३२ मात्रा होती हैं, १०+८+८+६ पर यति परन्तु जगण न आवे अंतमें गुरु। हर यति पर प्रास, उ० देखो पृष्ठ १७ अन्तिम ४ पंक्तियां

घी-पु० घृत

वग्घी-स्त्री० एक सवारी

कंघी-स्त्री० स

बची-स्त्री० शेष रही, बाकी रही

पची-स्त्री० हज्म हुई

रची-स्त्री० बनी, हुई, मंहदी सुर्खी लायी

मची-स्त्री० जैसे धूम मची

जची-स्त्री० अन्दाजा की गयी, ठीक

बच्ची-स्त्री० छोटी लड़की

सच्ची-स्त्री० सत्य

कच्ची-स्त्री० जो पक्की न हो,

पच्ची-उ० चिपका हुआ, जड़ा हुआ, सटा हुआ, पुख़्ता, पैवंद

मग़ज़पच्ची-उ० मग्ज खाना, बकवाससे दिमाग़ थकाना

अच्छी-स्त्री० श्रेष्ठ, उत्तम

कच्छी-उ० कच्छ देशका

मच्छी-स्त्री० मछली,

लच्छी-स्त्री० बारीक लच्छा

राजी-स्त्री० पंक्ति, रेखा

राज़ी×उ० खुश

माज़ी×उ० गुज़रा हुआ, भूत

क़ाज़ी×पु० मुसलमानोंका विवाह संस्कार कराने वाला विद्वान,

फ़ैयाज़ी×स्त्री० उदारता

नब्बाज़ी×स्त्री० नाड़ी परीक्षा

रियाज़ी×स्त्री० गणित

तेज़ी×स्त्री० गरानी, चरपरापन, अतिवेग

अंग्रेज़ी×स्त्री० स English

रंगामेज़ी×रंगीन करना, रंग मिलाना

ख़ूंरेजी×स्त्री० रक्त बहाना

परहेज़ी×पु० परहेज़वाला
जहेज़ी×पु० जहेज़ वाला, वह सामान जो कन्या के विवाहोत्सवमें कन्याका पिता दे
गंजी-स्त्री० जिसके सरपर वाल न हों,
कंजी-स्त्री० सफ़ेद पुतलियों-वाली
शतरंजी×स्त्री० बिछानेका एक कपड़ा
बिरंजी×पु० चोवा, छोटीसी कील
नारंजी×पु० मशहूर रंग
शकर रंजी×स्त्री०मीठी तकरार, युंही सी अनवन
भंजी-स्त्री० फूटी कौड़ी
करंजी-स्त्री० नीली आंख,नीली
मौंजी-स्त्री० तगड़ी, मेखला
कटी-स्त्री० कटगयी
अटी-स्त्री० गर्दसे भर गयी
नटी-स्त्री० सूत्रधारकी स्त्री
वटी-स्त्री० गोली
धूर्जटी-पु० महादेव, शिवजी
चट्टी-स्त्री० जुर्माना, दण्ड, टैक्स धौंस नुक़सान, ख़र्च, मद्रासमें एक जाति,
अट्टी-स्त्री० सूतका वंडल जो अटेरन पर वनता हैं
खट्टी-स्त्री० तुर्श
गट्टी-स्त्री० टिकिया, नीलकी टिकिया
जट्टी-स्त्री० जाटनी, ग्रामीण— जैसे जट्टी दवा
टट्टी-स्त्री० वांस या सरकंडों-का वंधा हुआ छो-टा टट्टा, आड़, दी-वार, पाखाना शि-कारियोंका औज़ार
पट्टी-स्त्री० चारपाईकी वाई, ज़ख्म पर वांधने का लम्बा कपड़ा, कम चौड़ा लम्बा कपड़ा—पढ़ाना-वहकाना

वट्टी-स्त्री० वटिया, तोलने का छोटा वाट
भट्टी-स्त्री० हलवाइयों, भटियारों, मनिहारों और शराब खाने का अग्निकुण्ड
हट्टीकट्टी-स्त्री० मज़बूत, तनदुरुस्त, मुष्टंडी
पाटी-स्त्री० पट्टी, छतको पाट दिया
काटी-स्त्री० स
चाटी-स्त्री० स
घाटी-स्त्री० पहाड़ी रास्ता
परिपाटी-स्त्री० रिवाज, दस्तूर, तरीक़ा
कर्णकीटी-स्त्री० कन खजूरा
वीटी-स्त्री० पानका बीड़ा
कुटी-स्त्री० झोंपड़ी, साधुआश्रम
गुटी-स्त्री० गोली
पटकुटी-स्त्री० छोलदारी, कपड़ेकी झोंपड़ी
भ्रकुटी-स्त्री० भौंका चढ़ाना
बूटी-स्त्री० जड़ी, भंग
फूटी-स्त्री० स
टूटी-स्त्री० स
झूटी-स्त्री० स
छूटी-स्त्री० स
कूटी-स्त्री० स
लूटी-स्त्री० स
बेटी-स्त्री० लड़की
पेटी-स्त्री० कमर कसनेका—चमड़े या कपड़ेका साधन
लपेटी-स्त्री० तय कर दी, शामिल कर ली
हेटी-स्त्री० नीची, ज़िल्लत, हीन
कमेटी-स्त्री० सभा अंजुमन Committee
रोटी-स्त्री० स
बोटी-स्त्री० मांसका टुकड़ा
खोटी-स्त्री० ख़राब
छोटी-स्त्री० स
लंगोटी-स्त्री० बच्चोंका कोपीन
घोटी-स्त्री० घोट डाली

चोटी-स्त्री० शिखा
झोटी-स्त्री० देखो झुटिया पृ० ९२
मोटी-स्त्री० स
लोटी-स्त्री० स
अंटी-स्त्री० धोती बांधनेका लपेट
चिरंटी-स्त्री० जवान स्त्री
कोठी-स्त्री० साहूकारोंके व्यापार का स्थान, बड़ीहवेली, छोटीसी कोठरी जिसमें किसान अन्न भर लेते हैं
गोष्ठी-स्त्री० सभा, मजमा
अड्डी-स्त्री० कुछ कूटनेकी जगह
हड्डी-स्त्री० अस्थि
कबड्डी-स्त्री० लड़कोंका एक दौड़ धूपका खेल
गड्डी-स्त्री० बंडल, जैसे चांदीके वरक़ोंकी, पत्तलों की गड्डी
पगड़ी-स्त्री० दस्तार, पाग, अमामा

तगड़ी-स्त्री० मेखला
रगड़ी-स्त्री० स
अड़ी-स्त्री० अड़गयी, मुसीबत
बड़ी-स्त्री० स
कड़ी-स्त्री० सख़्त, छतमें डालने की लकड़ी। लोहेका कड़ा
पड़ी-स्त्री० स
जड़ी-स्त्री० जड़दी। बूटी
सड़ी-स्त्री० स
लड़ी-स्त्री० लड़पड़ी। लट। सिलसिला
झड़ी-स्त्री० झड़गयी, भरन जो बन्द न हो
धड़ी-स्त्री० पांचसेर वजन
खड़ी-स्त्री० स
घड़ी-स्त्री० २४ मिनटका समय, समय देखनेका यंत्र
फुलझड़ी-स्त्री० फूलोंका झड़ना एक आतशबाज़ी
छड़ी-स्त्री० हाथकी लकड़ी, यष्टि

हथकड़ी-स्त्री० अपराधियोंको बांधनेके लोहेके ताले सहित कड़े

ककड़ी-स्त्री० एक फल

पकड़ी-स्त्री० स

मकड़ी-स्त्री० मशहूर जन्तु, अनकबूत

लकड़ी-स्त्री० स

जकड़ी-स्त्री० स

अकड़ी-स्त्री० स

पलंगड़ी-स्त्री० नाजुक बनी हुई छोटी चारपाई

लंगड़ी-स्त्री० स

टंगड़ी-स्त्री० स

आड़ी-स्त्री० तिर्छी, औरेब

गाड़ी-स्त्री० स

अगाड़ी-उ० आगे

पिछाड़ी-उ० पीछे

खिलाड़ी-पु० खेलनेवाला

ताड़ी-स्त्री० ताड़का मादक रस। ताड़ ली

अनाड़ी-पु० कारीगरके विरुद्ध नावाक़िफ़

कुल्हाड़ी-स्त्री० लकड़ियां चीरने-का औज़ार

झाड़ी-स्त्री० कांटेदार वृक्ष। विशेष सघनबन

पहाड़ी-उ० छोटा पहाड़-स्त्री० पहाड़में रहनेवाला पु० पहाड़की चीज़ें

किवाड़ी-स्त्री० छोटी किवाड़

निवाड़ी-उ० निवाड़का

नाड़ी-स्त्री० नब्ज़

उड़ी-स्त्री० स

गुड़गुड़ी-स्त्री० हुक्केकी फ़र्शी

जुड़ी-स्त्री० स

मुड़ी-स्त्री० स

खेड़ी-स्त्री० एक क़िस्मका लोहा

एड़ी-स्त्री० पगभाग

बेड़ी-स्त्री० लोहेके कड़े डंडे जो चोरोंके पाऊंमें भरे जाते हैं

गेड़ी-स्त्री० लड़कोंके खेलकी लकड़ी

छेड़ी-स्त्री० स

उधेड़ी-स्त्री० स
डंडी-स्त्री० तराज़ूकी लकड़ी
रंडो-स्त्री० वेश्या
झंडी-स्त्री० ध्वजा
संडी-स्त्री० मस्त औरत, तैयार पुष्ट स्त्री
वंडी-स्त्री० जाकिट
ठंडी-स्त्री० सर्द शीतल
वढ़ी-स्त्री० स
चढ़ी-स्त्री० स
कढ़ी-स्त्री० मट्ठे और वेसनसे वना हुआ भोज्य पदार्थ
गढ़ी-स्त्री० छोटा क़िला
पढ़ी-स्त्री० स
गृहणी-स्त्री० पत्नी, घरवाली
धरणी-स्त्री० पृथ्वी
शिखरणी-स्त्री० पिंगलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें १७ अक्षर इस प्रकार हों। ६+११ यति
।SS+SSS+।।।+।।S+S।।+।S
य + म +न+ स + भ +लग

करो हे विद्वानो !, सरस कविता प्रास वलसे
संग्रहणी-स्त्री० रोग विशेष
देववाणी-स्त्री० संस्कृत भाषा
प्राणी-पु० जङ्गम, प्राणधारी
कल्याणी-स्त्री० कल्याण करने वाली
करिणी-स्त्री० हथनी
गर्भिणी-स्त्री० गर्भवती, हामिला
तरंगिणी-स्त्री० लहरोंवाली नदी
धारिणी-स्त्री० पृथिवी
प्रहर्षिणी-स्त्री० हल्दी। पिंगलका एक छन्द जिसमें १३ अक्षर इस प्रकार होते हैं
SSS+।।।+।S।+S।S+S
म + न + ज + र + ग
उदा० प्रासोंके हित नित प्रास-पुञ्ज बाँचो
स्रग्विणी-स्त्री० पिंगलका वह छन्द जिसके हर चरणमें चार रगण १२ अक्षर हों
S।S+S।S+S।S+S।S

प्रास श्रृङ्गार है गद्य औ पद्यमें।

इसके दो चरणको एक मान लें तो गंगोदक हो जाता है।

रोहिणी-स्त्री० एक नक्षत्र

श्रेणी-स्त्री० क्लास, दर्जा, वर्ग

वेणी-स्त्री० केश रचनाका भेद

गर्भवती-स्त्री० हामिला, सगर्भा

जम्पती- } पु० मियां बीवी

दम्पती- } स्त्री पुरुष

भारती-स्त्री० सरस्वती, संस्कृत भाषा

मालती-स्त्री० जवान स्त्री, पुष्प विशेष

रसवती-स्त्री० रसोई, बावरची खाना

रेवती-स्त्री० एक नक्षत्र। वलदेवजीकी स्त्री

धरती-स्त्री० ज़मीन

भरती-स्त्री० स

करती-स्त्री० स

डरती-स्त्री० स

मरती-स्त्री० स

कुरती-स्त्री० स्त्रियोंका छोटा कुर्ता

फुरती-स्त्री० सुस्तीके विरुद्ध, तेज़ी

बत्ती-स्त्री० स

पत्ती-स्त्री० बारीक छोटे पत्ते। व्यापारमें शरीक होनेका भाग

दुलत्ती-स्त्री० दो लातोंकी ज़र्ब

पचहत्ती-स्त्री० पांचहाथ लम्बी

हत्ती-स्त्री० दस्ता, हेण्डिल

रत्ती-स्त्री० $\frac{1}{8}$ माशा, गुञ्जा

जत्ती-स्त्री० धातुके तार बढ़ाने का औज़ार

ख़राबाती×पु० शराबी, ज्वारी

तिलिस्माती×पु० इन्द्रजालवाला

मुलाक़ाती×पु० मित्र

बेसबाती×स्त्री० असारता

नाशपाती×स्त्री० फल विशेष

ज़ाती×ड० निजका

सिफ़ातीx उ० गौणिक
चपातीx स्त्री० रोटी
क़स्बातीx उ० क़स्बेका रहने वाला
देहातीx उ० ग्रामीण
ख़ैरातीx उ० दानखाते
बानातीx उ० बानातका
बरसातीx उ० ओवरकोट। वर्षा के समय सबसे ऊपर छायादार कमरा
तुरसाती-स्त्री० स
मदमाती-स्त्री० मदमें चूर, मस्तानी
छाती-स्त्री० सीना
गाती-स्त्री० छातीपर कपड़ा लपेटना
मेवाती-पु० मेव जाति
कानाबाती-स्त्री० कानाफूसी, कानकी बातें
अछूती-स्त्री० अक्षत, जो अभी छुई न गयी हो
याक़ूती-स्त्री० याक़ूत रत्नसे सम्बन्धित

जूती-स्त्री० स
सूती-उ० सूतकी-का
दूती-स्त्री०
बबरूती-स्त्री० बबूलके पत्ते
धोती-स्त्री० स
होती-स्त्री० स
पोती-स्त्री० बेटेकी बेटी
गोती-पु० सहगोत्र
होती सोती-स्त्री० गाली—सगी
सोती-स्त्री० स
रोती-स्त्री० स
खोती-स्त्री० स
पिरोती-स्त्री० स
समोती-स्त्री० ठंडा गर्म पानी मिलाती
मोती-पु० मुक्ता, गौहर
जोती-स्त्री० ज्योतिका अपभ्रंश
ढोती-स्त्री० स
तोती-स्त्री० तोतेकी मादा
बोती-स्त्री० स
जयन्ती-स्त्री० पताका, ध्वजा
दमयन्ती-स्त्री० नलकी स्त्री

भागीरथी-स्त्री० गंगा
वीथी-स्त्री० गली, पंक्ति
नदी-स्त्री० सरिता
षट्पदी-स्त्री० छप्पय-छन्द जो चार चरण रोलाके और दो चरण उल्लालाके मिलकर छः चरणका बनता है। नाभादासजी इस छन्दके रचनेमें बड़ा कमाल कर चुके हैं
रोला देखो पृ० ७५
उल्लाला देखो पृ० ७२
बदी-स्त्री० बुराई, निन्दा, कुकर्म
लदी-स्त्री० भरी हुई
सदी×स्त्री० शताब्दी
देवनदी-स्त्री० सुरगंगा
सर्दी-स्त्री० शीत
बेदर्दी×पु० निर्दय
हमदर्दी×स्त्री० सहवेदना
जवांमर्दी×स्त्री० बहादुरी, वीरता
ज़र्दी×स्त्री० पीलापन
दश्तगर्दी×स्त्री० जंगलोंमें फिरना, अटवी-अटन

वर्दी×स्त्री० लिबास
आबादी×स्त्री० बसापत
दादी-स्त्री० पिताकी मां
शादी×स्त्री० खुशी, विवाह
आज़ादी×स्त्री० स्वतंत्रता
बरबादी×स्त्री० तबाही
बेदादी×स्त्री० अन्याय
बुन्यादी×उ० जड़वाला
फ़र्यादी×पु० प्रार्थी, दुःखनिवेदक
फ़ौलादी×उ० लोहेका-की
ख़ैरादी×पु० खैरादपर उतारने वाला कारीगर
उस्तादी×स्त्री० गुरुपन, चालाकी, कमाल
शहज़ादी×स्त्री० राजकुमारी
मालज़ादी×स्त्री० गाली
कौमुदी-स्त्री० चांदनी
भेदी-पु० राज़दां, भेद जानने वाला
सफ़ेदी-स्त्री० क़लई, सफेद रंग
वेदी-पु० वेदपाठी, शुद्ध किया हुआ स्थान, यज्ञस्थान, व्याख्यान देनेकी जगह,

आर्यों के अन्त्येष्टी संस्कारका स्थान
द्विवेदी-पु० दो वेदोंका ज्ञाता
चतुर्वेदी-पु० चारों वेदोंका ज्ञाता, चौबेजी
नाउमेदी-स्त्री० निराशा
हिन्दी-स्त्री० स
चिन्दी-स्त्री० कत्तर, चीथड़ा, धज्जी
बिन्दी-स्त्री० टिकली
कालिन्दी-स्त्री० यमुना
सन्दी-स्त्री० चारपाई, खाट
धी-स्त्री० बुद्धि
अद्धी-स्त्री० आधी दमड़ी, एक नैनसुख कपड़ा
बद्धी-स्त्री० फूलोंका वह हार जो दुल्हाके गलेमें जनेउवा डालते हैं। तलवारका आड़ा घाव, कोड़े कमचीकी मार का उभरा हुआ निशान
सुधी-स्त्री० अक्लेसलीम, अच्छी बुद्धि
मेन्धी-स्त्री० मेंहदी, हिना
अन्धी-स्त्री० जिसको दीखता न हो
गन्धी-पु० इत्रफ़रोश
अनी-स्त्री० नोक
कनी-स्त्री० टुकड़ा किर्च, हीरे का टुकड़ा, चावलका वह भाग जो गलनेसे रह गया हो
जनी-स्त्री० बेटी
घनी-स्त्री० अधिक, सघन
छनी-स्त्री० छनी हुई, गहरी छनी—अच्छी भंग घुटी—खूब लड़ाई हुई।
रामजनी-स्त्री० हिन्दू वेश्या
बनी-स्त्री० स
बनी ठनी-स्त्री० सजी हुई
तनी-स्त्री० खिची हुई। अँगरखे आदिका बन्द। रूठी

हुई, क्रोधमय, तूल पकड़ना
धनी-पु० धनवान, मालिक
सनसनी-स्त्री० सन्नाटा
चाँदनी-स्त्री० कौमुदी । सफ़ेद फ़र्श
कंचनी-स्त्री० वेश्या
सावनी-स्त्री० सावन माससे सम्बन्ध रखने वाली फ़स्ल
छावनी-स्त्री० फ़ौजी स्थान, कन्टुन्मेंट
बावनी-स्त्री० ५२ वाली
लावनी-स्त्री० गानेका विशेष ढंग और छन्द
सम्मार्जनी-स्त्री० झाड़ू बुहारी
हवनी-स्त्री० यज्ञकुण्ड
चटनी-स्त्री० स
नटनी-स्त्री० स
वीरपत्नी-स्त्री० बहादुर वीरकी स्त्री
शतघ्नी-स्त्री० तोप
चालनी-स्त्री० चलनी
जननी-स्त्री० माता
टिप्पनी-स्त्री० टीका, तशरीह
तर्जनी-स्त्री० अँगूठेके पासकी उंगली
धर्मपत्नी-स्त्री० जाया, स्त्री
पति वत्नी-स्त्री० जिसका पति मौजूद हो
रजनी-स्त्री० रात्रि
सजनी-स्त्री० सखी, स्त्री
भवानी-स्त्री० गिरिजा देवी, पार्वती
जवानी-स्त्री० तरुणाई
राजधानी-स्त्री० दारुस्सल्तनत
हिमानी-स्त्री० बर्फ़का समूह -
पानी-स्त्री० जल । आबदारी । ताक़त । जौहर । आब्रू । शर्म
कानी-स्त्री० जिसकी आंखमें विकार हो, खनिज-उ
बानी×पु० बुन्याद डालने वाला आरम्भ करने वाला

सानी×पु० दूसरा, जवाब, उप-
मान
जानी×पु० प्यारा
रानी-स्त्री० राजाकी स्त्री
फ़ानी×उ० नाशवान
मानी×पु० एक प्रसिद्ध चित्रकार
अमानी×उ० निजमें, जो काम
ठेके पर न हो
नातवानी×स्त्री० कमज़ोरी दुर्ब-
लत्व
रेशा दवानी×स्त्री० प्रेरणा
ज़बानी×स्त्री० मौखिक
म्यानी×स्त्री० पजामेमें दोनों
पांयचोंके वीचका भाग,
लस्सानी×स्त्री० ज़बांदराज़ी
वाचालता
कमानी-स्त्री० मशीनका पुर्ज़ा।
चश्मेका फ्रेम
बदगुमानी×स्त्री०मिथ्या सन्देह,
बेजा शुबह
गरानी×स्त्री० मँहगाई
महरबानी×स्त्री० दया, कृपा

निशानी×स्त्री० चिह्न, यादगार
नागहानी×स्त्री० यकायक,
ख़ामख़ाह
बे दहानी×स्त्री० मुंः फटपन
खुश बयानी×स्त्री० सुवक्तृत्व,
सुन्दर बयान
करना
निहानी×स्त्री० गुप्त, वढ़ईका
एक औज़ार
दरमियानी×उ० मध्यस्थ
पासवानी×स्त्री० रक्षा करना
हुक्मरानी×स्त्री० हुक्म चलाना,
हुकूमत
शादमानी×स्त्री० खुशी
आस्मानी×उ० नीला-ली, दैविक
ज़ाफ़रानी×उ० केसरिया
बद ज़बानी×स्त्री० दुर्भाषण
अर्ज़ानी×स्त्री० सस्ता होना
बेईमानी×स्त्री० अधर्म
नादानी×स्त्री० मूर्खता
ईरानी×उ० ईरान देशीय
रूहानी×उ० आत्मिक

दर्बानी×स्त्री० द्वार रक्षा
तुग़यानी×स्त्री० चढ़ाव, जोश
मुसलमानी×स्त्री० मुसलमानत्व खतना, इसलामसे सम्बन्धित
पेशानी×स्त्री० मस्तक
हैरानी×स्त्री० तकलीफ़, आश्चर्य
दीवानी×स्त्री० पगली। अदालत
जिस्मानी×उ० शारीरिक [भेद
मुलतानी×स्त्री० एक मिट्टी, मुलतानका-उ०
आसानी×स्त्री० सुगमता
क़ाआनी×पु० एक विद्वान फ़ार्सी कविका नाम
लासानी×उ० अद्वितीय
सुखनदानी×स्त्री० काव्यमर्मज्ञता
निगरानी×स्त्री० रक्षा
ख़फ़क़ानी×पु० विक्षिप्त*
रमज़ानी×पु० इसलामी नाम, प्रायः उन लोगोंका जिनका जन्म रमज़ान महीनेमें हुआ है *

* इन दोनों शब्दों—फ, म—को सस्वर बांधना चाहिये हल् लिखना अशुद्ध है।

जामदानी-स्त्री० } कपड़ेका नाम
कामदानी-स्त्री० } कपड़ेका नाम
बन्धानी-पु० भारी पत्थर आदि उठानेवाले कुली
कहानी-स्त्री० कथा, हिकायत, गल्प
नानी-स्त्री० मांकी मां
मुमानी×स्त्री० मातुली, मामी
स्यानी-स्त्री० चतुर
चायपानी-पु० स
नशापानी-पु० स
महतरानी-स्त्री० भंगन, चमारी
सुर्मेदानी-स्त्री० स
खत्रानी-स्त्री० खत्री स्त्री
उस्तानी-स्त्री० अध्यापिका, गुरु-पत्नी
वाहिनी-स्त्री० सेना, फ़ौज
विलासिनी-स्त्री० विलास-प्रिय-स्त्री
सरोजिनी-स्त्री० कमलोंका समूह
हंसगामिनी स्त्री० } अच्छी चाल वाली, खुश-ख़िराम
गजगामिनी-स्त्री० } अच्छी चाल वाली, खुश-ख़िराम

सागर गामिनी-स्त्री० नदी
हस्तिनी-स्त्री० स्त्री भेद
जैमिनी-पु० मीमांसाकार
तपस्विनी-स्त्री० तप करनेवाली साध्वी, आबिदा
तमस्विनी-स्त्री० रात्रि
नन्दिनी-स्त्री० वसिष्ठजीकी गाय। सुता
पद्मिनी-स्त्री० स्त्रीभेद
पयस्विनी-स्त्री० दूधवाली गाय
प्रबोधिनी-स्त्री० बुद्धि देनेवाली
भगिनी-स्त्री० बहन
भामिनी-स्त्री० सुन्दरी
मानिनी-स्त्री० नाज़ करनेवाली, रूठनेवाली
मेदिनी-स्त्री० ज़मीन
मोदिनी-स्त्री० खुश करनेवाली। अजवाइन
यामिनी-स्त्री० रात
मंजुमालिनी-स्त्री० पिंगलका वह छन्द जिसमें १५ वर्ण इस प्रकार हों

III + III + SSS + ISS + ISS
न + न + म + य + य
८+७ पर यति उ०
सरस चरण धारे,
प्रासपुंजानुसारे

भीनीभीनी-स्त्री० गन्धका विशेषण, शीतल-मन्द सुगन्ध-वायु
झीनी-स्त्री० बारीक
दीनी×उ० धार्मिक
रंगीनी×स्त्री० स
चीनी×स्त्री० चीनी मिट्टी, खांड, रवा
सीनी×स्त्री० थाल
बीनी×स्त्री० नाक
शुनी-स्त्री० कुतिया,
गुनी-पु० गुणवान, हुनरमन्द
बुनी-स्त्री० बुनी हुई
घुनी-स्त्री० बीभी, घुन लगीहुई,
चुनी-स्त्री० छांटी हुई, इन्तख़ाब की हुई
भुनी-स्त्री० भुनी हुई

सुनी-स्त्री० सुनली
सतगुनी-स्त्री० सातगुनी
अफ़यूनी×पु०अफ़यून खानेवाला
खूनी×पु०खून करनेवाला, क़ातिल
अन्दरूनी×उ० अन्दरका
बेरूनी×उ० वाह्य, वाहरका
जुनूनी×पु० दीवाना
साबूनी-स्त्री० निरी खांडकी एक मिठाई
ऊनी-उ० ऊनका-की
वातूनी-उ० वतवनी, गप्पी
दूनी-स्त्री० दुचन्द, द्विगुण
सूनी-स्त्री० ख़ाली, ग़ैरआवाद
धूनी-स्त्री० अग्निराशि
छैनी-स्त्री० लोहेका औज़ार जिस्से लोहा काटते हैं
पिक बैनी-स्त्री० सुन्दर आवाज़ वाली, शीरीकलाम नारी
मृग नैनी-स्त्री० सुन्दर नेत्रवाली आहूचश्म
रैनी-स्त्री० भुसका तलछट। कुसुमसे रंग निकालने की क्रिया
बेचैनी-स्त्री० व्याकुलता
टैनी-स्त्री० पस्तक़द। छोटा मुर्ग़
त्रिवैनी-स्त्री० गंगा-यमुना-सरस्वति-सम्मेलन
लौनी-स्त्री० दहीसे निकला हुआ वह घी जो ताया न गया हो
सलौनी-स्त्री० नमकीन
अलौनी-स्त्री० फीकी, जिसमें नमक न हो
हौनी-स्त्री० शुदनी
अनहौनी-स्त्री० जो न हो सके, ना मुमकिन, असम्भव
पौनी-स्त्री० छोटा कफ़गीर, तीन चौथाई वस्तु
बौनी-स्त्री० पस्तक़द वाली,
काफ़ी×उ० पर्याप्त, बस
मुआफ़ी×स्त्री० क्षमा
तलाफ़ी×स्त्री० वदल
बे इन्साफ़ी×स्त्री० अन्याय
ग़वी×पु० कुन्द ज़हन, मन्द मति
दवी-स्त्री० दवी हुई

नबी×पु० इस्लामी आप्त पुरुष, रसूल ईश्वरके भेजे हुए सुधारक

शकर लबी-स्त्री० अधरामृतपन

अरबी-स्त्री० अरब देशीय, प्रसिद्ध भाषा जो कुरआने करीमकी है

मज़हबी-उ० धार्मिक

हलबी-उ० हलबका

आबी-उ० जलका

रकाबी-स्त्री० तश्तरी

चाबी×स्त्री० कुंजी, ताली

शराबी×पु० मद्यप, शराब पीनेवाला

कबाबी×स्त्री० कबाब बेचनेवाला

उन्नाबी×उ० उन्नाबके रंगका

बे हिजाबी×स्त्री० बे शर्मी

बे नक़ाबी×स्त्री० घूंघटका न होना, बे पर्दा

ख़राबी×स्त्री० बुराई

शिताबी×स्त्री० जल्दी, शीघ्रता

जवाबी×उ० जवाब वाला

किताबी×उ० पुस्तकका

बेख़ाबी×स्त्री० नींद न आना

बेताबी×स्त्री० बेक़रारी, आकुलता

ख़ूबी×स्त्री० गुण, सौन्दर्य, कमाल

महबूबी×स्त्री० माशूकी, स्नेह—सामग्री

जेबी×उ० जेबमें रहने योग्य, छोटा

फ़रेबी×पु० चालाक, धोकेबाज़

जलेबी-स्त्री० प्रसिद्ध मिठाई

धोबी-पु० कपड़े धोनेवाला, रजक, गाज़ुर

चोबी×उ० लकड़ीका

सीनाकोबी×स्त्री० छाती कूटना, मातम करना

शमी-स्त्री० छेकुर वृक्ष

अमी-पु० अमृत

कमी×स्त्री० कसर, न्यूनता

ग़मी×स्त्री० रंज, मौत

जमी-स्त्री० जम गयी

मातमी-स्त्री० शोक सूचक

थमी-स्त्री० रुक रही

नमी-स्त्री० सील, तरी, गीलापन
रमी-स्त्री० रम रही
बरहमी-स्त्री० आज़ुर्दगी, नारा-
ज़गी । तित्तर बित्तर
कामी-पु० कामुक, शहवतपरस्त,
ख़ामी×स्त्री० कचाई
वेश्या गामी-पु० रंडीवाज़
गरुड़ गामी-पु० श्रीविष्णु भग-
वान
जामी×पु० एक फ़ार्सी शाइरका
नाम
मुदामी×अ० हमेशा वाला
नामी×पु० मशहूर, प्रसिद्ध
सियः फ़ामी×स्त्री० शामलता,
अन्तर्यामी-पु० ईश्वर
हरामी×पु० व्यभिचार जन्य,
गाली
गुलामी×स्त्री० दासत्व
पयामी-पु० दूत
सलामी-स्त्री० सत्कार, सलाम,
शस्त्रों द्वारा स-
लाम करना, 'तोपों

की आवाज़ से
सत्कार, भेट,
ढलवां
मुक़ामी×उ० स्थानीय
असामी×स्त्री० साहुकारोंसे कर्ज़
लेनेवाला
निज़ामी×पु० नाम, तख़ल्लुस
नाकामी×स्त्री० हताशता
गुमनामी× × अप्रसिद्धी
बादामी×उ० बादामका
हज्जामी×स्त्री० नाईपन
इस्लामी×उ० मुसलमानोंका-की
खुश कलामी×स्त्री० मधुरभाषण
अच्छी कविता करना
बे इन्तज़ामी×स्त्री० बुरा प्रवन्ध
गर्मी×स्त्री० उष्णता
नर्मी×स्त्री० कोमलता
बे शर्मी×स्त्री० निर्लज्जता
अधर्मी-पु० पापी
कुकर्मी-पु० पापी
बरी×उ० मुक्त
परी×स्त्री० काल्पनिक (ख़ियाली)

परों वाली स्त्री, खूब सूरत
तरी×स्त्री० नमी
जरी×पु० वीर बहादुर
ज़री×स्त्री० रुपहरी तार
दरी×स्त्री० फ़र्शका कपड़ा
बहतरी×स्त्री० भलाई
अफसरी×स्त्री० प्रमुखपन
सरसरी×उ० मामूली, सामान्य
रहवरी×स्त्री० राह वताना
दिलबरी×स्त्री० मन हरना
लशकरी×पु० सेनाका
सितमगरी×स्त्री० अत्याचार
खरी-स्त्री० जो खोटी न हो
दफ्तरी×पु० जिल्दें बनानेवाला, दफ़तरका सामान सँभालने वाला
फरी×स्त्री० ढाल
नरी×स्त्रीचमड़ा
सौदागरी×स्त्री० तिजारत, व्या-पार
चरी-स्त्री० ज्वारके पेड़ जो चारे के काममें आते हैं

हरी-स्त्र० सब्ज़
जादूगरी×स्त्री० शौबदेवाज़ी इन्द्रजाल
नागरी-स्त्री० शहरी । हिन्दीलिपि
कोठरी-स्त्री० छोटा कमरा
छोकरी-स्त्री० दासी । लड़की
टोकरी-स्त्री० छोटा टोकरा
बारह दरी-स्त्री० जिसमें १२ दर वाज़े हों
जनवरी-पु० अंग्रेज़ी महीनेका नाम
फ़रवरी-पु० „ „ नाम
नम्बरी-पु० संख्यांकित
चंचरी-स्त्री० भौंरी
झल्लरी-स्त्री० ढोलकी
मन्दोदरी-स्त्री० रावणकी पत्नी
सुन्दरी-स्त्री० रमणी, स्त्री, पिंगल का वह छन्द जिसमें २५ अक्षर इस प्रकार हों
IIS+IIS+IIS+IIS+IIS
+IIS+IIS+IIS+S
स+स+स+स+स+स
+स+स+गु, उ०

मुखसे कविता—कलि
बोल उठे
यदि प्रास निवास करे
कलि माहीं
इसके अन्तका एक अक्षर
कम करनेसें दुर्मिल बन
जाता है

विभावरी-स्त्री० रात्रि, कुटनी

शस्यमञ्जरी-स्त्री० नये अन्नकी
वाल

शाम्बरी-स्त्री० इन्द्रजाल,बाज़ीगरी

गायत्री-स्त्री० एक वैदिक छन्द
जिसमें २४ वर्ण होते हैं
८+८+८ पर यति
अग्निमीळे पुरोहितं=८
यज्ञस्य देवमृत्वजम्=८
होतारं रत्न धातमम्=८
ऋग्वेद मं० १ २४
तत्सवितुर्वरेण्यम्=७
भर्गोदेवस्य धीमहि=८
धियो योनः प्रचोदयात्=८
यजुर्वेद ३६।३ २३
ऋ० मं० ३ सू० ६२ मं० १०
सा० उ० ६।३।१०
यह गुरु मन्त्रभी गायत्री
छन्दमें है अधिक महत्व
पूर्ण होनेसे इस मंत्रका
ही नाम गायत्री कहने
लगे हैं। मैंने इसपर
वाद विवाद होते देखा
है कि गायत्री छन्द २४
अक्षरका होता है इसमें
२३ ही हैं इसका समा-
धान यह है कि गायत्री
के अनेक भेदोंमें एक
निचृत् है यदि नियत
वर्णों से एक अक्षर कम
हो तो निचृत कहलाता
है,दो कम होंतो विराट्।
एक अधिक हो तो
भूरिक्, दो अधिक होतो
स्वराट् गायत्री है।

गोदावरी-स्त्री० एक नदी

घनाक्षरी-स्त्री० पिंगलका वह

छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें ३१वर्ण हों लघु गुरुका नियम नहीं परन्तु ध्वनि न विगड़े १६+१५ पर यति, अन्त गुरु।
उ० कवियोंके कामकी है कविताकी कलक हो, प्रासनकी पोथी जाको नाम प्रासपुञ्ज है।
घनाक्षरीके चरणान्तमें एक लघु वढ़ानेसे "रूप-घनाक्षरी" वन जाता है

रात्री-स्त्री० रात

शास्त्री-पु० शास्त्रोंका ज्ञाता, एक विद्या पदवी

सामग्री-स्त्री० सामान, हवनद्रव्य

स्त्री-स्त्री० औरत

श्री-स्त्री० लक्ष्मी

शहरी-उ० शहरका

नहरी-उ० नहरसे सेराब होने वाला, नहरवाला

ज़हरी-उ० जिसमें विष हो

महरी-स्त्री० कहारी

गहरी-स्त्री० नीची, गहराई

इकहरी-स्त्री० एकहरी

लहरी-उ० मौजी, लहरवाली, तरङ्गवाली

वहरी-स्त्री० न सुन्नेवाली

गिलहरी-स्त्री० एक जानवर

कचहरी-स्त्री० अदालत

मसहरी-स्त्री० पलंगपर लगानेका छपरखट

सुनहरी-उ० सोनेके रंगका, सोनेका

गान्धारी-स्त्री० दुर्योधनकी माता

मार्ज़ारी-स्त्री० बिल्ली

बारी-स्त्री० नम्बर, ओसरा

जारी×-उ० स

कारी×-पु० गहरा। पूर्ण

यारी×-स्त्री० मित्रता

ज़ंगारी× उ० नीलगूं रंग

दर्बारी×-पु० राज—सभासद। एक रागनी

बाज़ारी×स्त्री० वेश्या। बाज़ार बिकती

सरकारी×उ० राज सम्बन्धी
सरदारी×-स्त्री० वड़प्पन
अत्तारी×-स्त्री० औषधियोंकी दुकान
ऐयारी×-स्त्री० मक्कारी
बेक़रारी×-स्त्री० व्याकुलता
आरी-स्त्री० लकड़ी चीरनेका दांतेदार औज़ार
वफ़ादारी-स्त्री० सत्यनिर्वाह, धर्मपालन
गिरिफ्तारी×स्त्री० पकड़
सियाहकारी×स्त्री० कुकर्म करना
उम्मीदवारी×स्त्री० आशा करना
परहेज़गारी×स्त्री० पवित्रता, बुराईसे वचना
भारी-उ० स
हारी-स्त्री० स
कहारी-स्त्री० कहारकी स्त्री
प्यारी-स्त्री० स
क्यारी-स्त्री० खेत और बागमें बनाए हुए चौकोण भाग
अचारी-स्त्री० अचार रखनेका कांचका बर्तन

कुमारी-स्त्री० लड़की कन्या
ज्वारी-पु० जुआ खेलने वाला, क़िमार-बाज़
दुलारी-स्त्री० लाडली
तुम्हारी-स्त्री० स
हमारी-स्त्री० स
सितारी-स्त्री० छोटा सितार
पिटारी-स्त्री० स
चमारी-स्त्री० चमारकी स्त्री
सवारी×-स्त्री० रथ और रथी दोनोंपर यह शब्द बोला जाता है।
शिकारी×-पु० शिकार खेलनेवाला
विहारी-पु० विहारका रहनेवाला, विहारसे सम्बन्धित, हिन्दीके एक महोत्तम कविका नाम, जिनकी सतसई प्रसिद्ध है *

*श्रीमान् पं० पद्मसिंहजी शर्माने इसकी अपूर्व, सर्वोत्तम व्याख्या छपवायी है हिन्दी पुस्तक एजेन्सी १२६ हरिसन रोड कलकत्तासे २) में मिलती है

नहारी×स्त्री० नाश्ता, दिनका खाना

बीमारी×स्त्री० रोग

बेगारी-पु० रईस-ज़िमींदारोंकी पकड़में काम करने वाला

लाचारी×स्त्री० विवशता, मजबूरी

आज़ारी×उ० रोगी

हुशयारी×स्त्री० अक़्लमन्दी, सावधानी

तरकारी×स्त्री० शाक भाजी

मक्कारी×स्त्री० छल, दग़ा, फ़रेब

ख़ाकसारी×स्त्री० नम्रता

आबकारी×स्त्री० शराब बनानेका कारख़ाना

आबदारी×स्त्री० चमक, सफ़ाई

गुनहगारी×स्त्री० पापीपन

ख़िदमतगारी×स्त्री० सेवाकर्म

अटारी-स्त्री० बालाख़ाना

कटारी-स्त्री० छुरी

गंवारी-स्त्री० ग्रामीण स्त्री ग्रामीण

कुम्हारी-स्त्री० कुम्भकारकी स्त्री

पिचकारी-स्त्री० स

चिंगारी-स्त्री० स

भटियारी-स्त्री० स

पंसारी-पु० किरानेका माल बेचनेवाला

व्यापारी-पु० व्यौपार करनेवाला

सुपारी-स्त्री० छालिया

भण्डारी-पु० भण्डार-रक्षक

पनिहारी-स्त्री० पानी भरने वाली

फुलवारी-स्त्री० स

पिसनहारी-स्त्री० आटा पीसने वाली

शाइरी×स्त्री० कविता

ज़ाहिरी×उ० बाह्य; जो देखनेमें आता हो

मुसाफ़िरी×स्त्री० यात्रा

हाज़िरी×स्त्री० उपस्थिति

झिरी-स्त्री० जोड़ोंमें खुला हुआ भाग

किरकिरी-स्त्री० बेइज़्ज़ती। मिट्टी मिली हुई

मौलसिरी-स्त्री० पुष्प विशेष
अमीरी×स्त्री० दौलतमन्दी
पीरी×स्त्री० बुढ़ापा
असीरी×स्त्री० क़ैद, बन्धन
फ़क़ीरी×स्त्री० साधुता, भीक मांगना
दस्तगीरी×स्त्री० मदद करना
तक़दीरी×उ० दैवाधीन, भाग्यकी
तक़रीरी×उ० मौखिक ज़बानी
तहरीरी×उ० लेख बद्ध
कश्मीरी×उ० कश्मीरका
ख़मीरी×उ० ख़मीरका
अहीरी-स्त्री० अहीर जातिकी स्त्री
नफ़ीरी×स्त्री० बांसरीकी तरह का बाजा
टटीरी-स्त्री० पक्षीविशेष
पंजीरी-स्त्री० बरफ़ीकी तरह जमाया हुआ पाक
मीरी-उ० अव्वल, सबसे पहिला
बुरी-स्त्री० जो अच्छी नहीं, निकृष्ट
छुरी-स्त्री० स

खुरी-स्त्री० हरिण बकरी आदिके पाऊं
धुरी-स्त्री० गाड़ीमें लोहेका डंडा जिसमें पहिया घूमता है
झुरझुरी-स्त्री० टूटी सी
इकलखुरी-स्त्री० अपनाही पेट पालने वाली
भुरभुरी-स्त्री० ख़स्ता
बेसुरी-स्त्री० स्वरहीन
तुरी-स्त्री० बिगुलनुमा बाजा
सुरपुरी-स्त्री० देवधाम, स्वर्ग लोक
मधुपुरी-स्त्री० मथुरा
चातुरी-स्त्री० बुद्धिमानी, चतुराई
दूरी×-स्त्री० फ़ासिला, अन्तर, वियोग
पूरी-स्त्री० सम्पूर्ण, कचोरीकी बहन
अधूरी-स्त्री० अपूर्ण
हुज़ूरी×-स्त्री० सेवा, नज़दीकी, सामने

ज़ुरूरी×-उ० आवश्यक
मजबूरी×-स्त्री० लाचारी
मंज़ूरी×-स्त्री० स्वीकार
दस्तूरी×-स्त्री० कमीशन, बट्टा, दल्लाली
मज़दूरी+स्त्री० उजरत, महनतका बदला
तनूरी×-उ० तनूरका
भूरी-स्त्री० सफेद
दिलेरी×स्त्री० बहादुरी, वीरता
अंधेरी-स्त्री० स
बेरी-स्त्री० बेरका दरख़्त
फेरी-स्त्री० स
ढेरी-स्त्री० राशि
बहुतेरी-स्त्री० बहुत
मेरी-स्त्री० स
तेरी-स्त्री० स
चेरी-स्त्री० दासी
महेरी-स्त्री० एक रीतिसे पकाया हुआ अन्न जो बैल घोड़ों को दिया जाता है।
मुंडेरी-स्त्री० दीवारका छतसे कुछ ऊंचा भाग

पनसेरी-स्त्री० पांचसेरका बाट
चन्देरी-पु० नगर विशेष
गंडेरी-स्त्री० गन्नेके छोटे छोटे टुकड़े, एक मिठाई
चचेरी-स्त्री० चचाकी लड़की
ख़लेरी-स्त्री० ख़ालाकी लड़की
भेरी-स्त्री० एक बाजा
चोरी-स्त्री० स
कोरी-स्त्री० जो अभी इस्तेमालमें न आयी हो, बे धुली
डोरी-स्त्री० स
लोरी-स्त्री० बच्चोंको सुलानेके गीत
कटोरी-स्त्री० प्याली
गोरी-स्त्री० सफ़ेद,। स्त्री
किशोरी-उ० नाम, किशोरावस्था को प्राप्त
छिछोरी-स्त्री० देखो छिछोरा
चटोरी-स्त्री० चाट चाटनेवाली
पुंश्चली-स्त्री० छिनाल औरत
मुक्तावली-स्त्री० मोतियोंका हार
रत्नावली-स्त्री० जवाहरातका हार

रोमावली-स्त्री० रोम-पंक्ति
वृषली-स्त्री० नीच स्त्री
सम्भली-स्त्री० कुटनी, व्यभिचारिणी
अली-उ० भौंरा-पु, सखी-स्त्री० क़तार-स्त्री०
जली-स्त्री० जलनेका भूतकाल
वली-पु०वलवान। कुर्बानी, भेट
सन्दली-उ० सन्दलके रंगका, संदलका, काठकी सीढ़ी जो अपने ही सहारे से दीवारका आश्रय लिये वग़ैर वीच कमरेमें लगती है
गली-स्त्री० कूचा। गली हुई
कली-स्त्री० मुकुल, गुञ्चा
कदली-स्त्री० केला
वदली-स्त्री० घटा
चली-स्त्री० स
टली-स्त्री० स
डली-स्त्री० स
तली-स्त्री० पैंदी। घी तेलमें सेंकी
थली-स्त्री० बैठनेकी जगह, शेर का निवास स्थान
दली-स्त्री० दली गयी
नली-स्त्री० पाइप
पली-स्त्री० लोहेका चमचा जिस में खड़ी डंडी लगती है जिस्से घी तेल निकालते हैं। पोषित
फली-स्त्री० स
भली-स्त्री० अच्छी
मली-स्त्री० स
मली दली-स्त्री० मसोसी हुई
रामकली-स्त्री० एक रागनी
बेकली-स्त्री० बेचैनी
भँवरकली-स्त्री० एक प्रकारका लोहेका कड़ा जो पशुओंके गलेमें बांधते हैं हर तरफ़ घूमता रहता है पशुके घूमनेसे रस्सेमें वल नहीं चढ़ने देता
चम्पाकली-स्त्री० एक ज़ेवर
ताली-स्त्री०चावी। हाथपर हाथ मारनेकी ध्वनि

जाली-स्त्री० जाल, तार, सूत, रस्सी, आदिसे जो बनती है, लोहेकी ढली हुई, लकड़ी पत्थर ईंट आदि अनेक प्रकारकी होती है

हाली-पु० हल चलाने वाला, हालतसे सम्बन्धित,

ख़ालीxउ० रीता, रिक्त

आली-स्त्री० सखी। गीली

शाली-स्त्री० काला ज़ीरा

माली-पु० बाग़बान

वालीxपु० वारिस मालिक

लाली-स्त्री० सुर्ख़ी, आबरू

दल्लाली-स्त्री० दल्लालपनका काम, कमीशन खानेका व्यवसाय, आढ़त, दस्तूरी, सौदा पटवा देनेका हक़

कोतवाली-स्त्री० पुलिस स्टेशन, दारोग़ाका पद

मवाली-पु० फक्कड़

ख़ियाली-उ० काल्पनिक, ख़यालसे सम्बन्धित

बहाली-स्त्री० फिर ओहदेपर मामूर होना। ताज़गी, प्रफुल्लता

हलाली-पु० हरामीके विरुद्ध

उजाली-स्त्री० चांदनी

मतवाली-स्त्री० दीवानी, मस्तानी

बाली-स्त्री० कानका ज़ेवर। अवस्थाका विशेषण छोटी उम्र

प्याली-स्त्री० कटोरी

थाली-स्त्री० स

पाली-स्त्री० मुर्ग़ बटेर आदिका अखाड़ा। चपनी, भर्तियेका ढकना

डाली-स्त्री० शाखा

काली-स्त्री० शामा, स्याह

गाली-स्त्री० स

दुनाली-स्त्री० दो नालकी बन्दूक़

जुगाली-स्त्री० केवल नीचेके दांतवाले पशु चारा पेटमें डालनेके बाद जो फिर उसे निकाल निकाल

कर बारीक करनेके लिये जवड़ा चलाते हैं और खाते हैं

भूपाली-स्त्री० एक रागनी। भूपाल नगरकी उ०

डफ़ाली-पु० दफ़ बजानेवाला

दिवाली-स्त्री० कार्तिक कृष्ण ३० का त्यौहार दीपमालिका

देखाभाली-स्त्री० स

कर्णपाली-स्त्री० कानका ज़ेवर —बाली

पंचाली-स्त्री० गुड़िया

पाञ्चाली-स्त्री० द्रोपदी

मैथिली-स्त्री० जानकीजी

झिलमिली-स्त्री० किवाड़ या खिड़कीमें पटरियोंके दिले

पिलपिली-स्त्री० ढीली, नर्म

खिली-स्त्री० विकसित

मिली-स्त्री० स

छिली-स्त्री० स

पिली-स्त्री० स

बिल्ली-स्त्री० मार्जारी

दिल्ली-स्त्री० भारतकी राजधानी प्रसिद्ध नगर इन्द्र-प्रस्थ

शेखचिल्ली-पु० बेवुकूफ़ोंका सरदार

खिल्ली-स्त्री० हंसी दिल्लगी

सिल्ली-स्त्री० उस्तरा तेज़ करनेकी पथरी। बर्फ़की पटिया। चांदी सोनेका बड़ा टुकड़ा। शिला

तिल्ली-स्त्री० बाईं कोकमें अंग विशेष, तिहाल प्लीह-इसका बढ़ना रोग है

मिल्ली-स्त्री० समधियोंके मिलापकी भेट जो नक़द नज़राना दिया जाता है

झिल्ली-स्त्री० पतली खाल

रसीली-स्त्री० सरस, प्यारी

रंगीली-स्त्री०शोख़, रंगीं मिज़ाज

जुकीली-स्त्री० शोख़ रंगों मिज़ाज, नोकवाली
ढीली-स्त्री० तंगके विरुद्ध
नीली-स्त्री० आस्मानी रंगकी
पीली-स्त्री० ज़र्द रंगकी
तीली-स्त्री० सींक, शलाका
पतीली-स्त्री० देगची, कसेंडी
कीली-स्त्री० खड़ी गड़ी हुई खूंटी
गीली-स्त्री० नम, तर
सीली-स्त्री० नम, तर
छबीली-स्त्री० रंगीन मिज़ाज, सजी हुई
कुली-×पु० मज़दूर
तुली-स्त्री० तोली हुई
खुली-स्त्री० स्पष्ट
घुली-स्त्री० स
मिली जुली-स्त्री० मिश्रित
चुलबुली-स्त्री० चंचल, चालाक
चुल्ली-स्त्री० चूल्हा
मामूली-उ० साधारण
मूली-स्त्री० एक शाकका नाम
लूली-स्त्री० जिसकी टांग टूट गयी हो

भूली-स्त्री० स
क़ुबूली-स्त्री० एक प्रकारकी खिचड़ी। स्वीकार की
फूली-स्त्री० स
सूली-स्त्री० मशहूर सज़ा
अलबेली-स्त्री० बांकी, बनीठनी, अनोखी सुन्दरी,
सेली-स्त्री० रेशमी-सूती-बालों की लड़ी जो फ़क़ीर गलेमें डालते हैं
जेली-स्त्री० एक खाना
चँबेली-स्त्री० एक पुष्प वृक्ष
अकेली-स्त्री० तनहा, जहां दूसरा न हो
सौतेली-स्त्री० सौतनकी
तेली-पु० तेल पेलनेवाली जाति
अटखेली-स्त्री० खेल, छेड़
पहेली-स्त्री० पहेलिका
सहेली-स्त्री० सखी
बोली-स्त्री० भाषा, गुफ्तगू
तंबोली-पु० पान बेचनेवाला
बोली ठोली-स्त्री० आवाज़ा

कसना, ताना, व्यङ्ग रूपसे आक्षेप
टोली-स्त्री० गुरोह, झुंड
ढोली-स्त्री० पानोंकी गठरी
झोली-स्त्री० स
डोली-स्त्री० स
गोली-स्त्री० स
भोली-स्त्री० स
रोली-स्त्री० मस्तक पर टीका लगानेका लाल द्रव्य-कुङ्कुम
खटोली-स्त्री० छोटीसी खाट
ठिटोली-स्त्री० मज़ाक़, दिल्लगी
मँझोली-स्त्री० दो वहलोंसे चलने वाली प्राचीन सवारी
चोली-स्त्री० कंचुकी, आँगी
प्रतोली-स्त्री० गली, कूचा
जाह्नवी-स्त्री० गंगा
तन्वी-स्त्री० स्त्री
देवी-स्त्री० विदुषी स्त्री, दुर्गा, देव-पत्नी
पदवी-स्त्री० रुतबा, दर्जा, ओहदा
विन्ध्याटवी-स्त्रीं० विन्ध्याचल का वन
देहलवी×उ० दिल्लीका
लखनवी×उ० लखनऊका
साध्वी-स्त्री० साधुस्त्री
काशी-स्त्री० बनारस, वाराणसी
अविनाशी-पु० परमेश्वर-जिस का कभी नाश न हो
दाक्षी-स्त्री० पाणिनी मुनिकी माता
मृगाक्षी-स्त्री० सुन्दर नेत्रवाली स्त्री
महिषी-स्त्री० पटरानी, भैंस
अभिलाषी-पु० चाहनेवाला
मितभाषी-पु० हदमें रहकर बोलनेवाला कमगो
तुलसी-स्त्री० एक छोटासा वृक्ष रामायणके रचनेवाले गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज-पु०
मसी-स्त्री० रोशनाई, लिखनेकी स्याही

आर्सी-स्त्री० दर्पण, अँगूठेमें पहन्नेका औरतोंका एक ज़ेवर
इटार्सी-स्त्री० एक नगरका नाम
वनार्सी-उ० काशीका-की
फ़ार्सी-स्त्री० भाषा विशेष
वासी-पु० रहनेवाला
प्यासी-स्त्री० स
पासी-स्त्री० रस्सियोंकी जाली जिसमें भुस या उपले वांधते हैं
उन्नासी-उ० संख्या ७९
चपरासी-पु० सिपाही
दासी-स्त्री० वांदी, टहलनी
रासी-उ० जो वहुत वढ़िया न हो विचली वस्तु
रूशनासी×स्त्री० पहचान
उदासी-स्त्री० सुस्ती, फीकापन, वेआव
कपासी-स्त्री० हलवाइयोंकी चाशनीका एक भेद

भीम पलासी-स्त्री० एक रागनी
सत्यनासी-पु० मनहूस, उजाड़ू, एक जंगली वृक्ष कटेली-स्त्री
वांसी-स्त्री० वांसकी छोटी पौद
कांसी-स्त्री० एक धातु
खांसी-स्त्री० प्रसिद्ध रोग
हांसी-स्त्री० हंसी दिल्लगी
फांसी-स्त्री० गलेमें फन्दा डाल कर फिर लटका कर मार डालनेकी सज़ा
झांसी-स्त्री० एक नगरका नाम
वही-स्त्री० किताव, वह गयी
रही-स्त्री० स
रही सही-स्त्री० स
गही-स्त्री० पकड़ी
सही-स्त्री० माना
वाराही-स्त्री० सूअरिया, सूकरी
वाही×पु० आवारा
तवाही×स्त्री० वर्वादी
वादशाही०उ० स

सियाही×स्त्री० कालख, रोश-
नाई, मसी
बेगुनाही×स्त्री० निरपराधता
सिपाही×पु० चपरासी, चौकी-
दार, सैनिक
गवाही-स्त्री० साक्षी, शहादत
गुमराही-स्त्री० रास्ता भूलना
वैदेही-स्त्री० जानकीजी
लेही-स्त्री० चिपकानेकी मशहूर
चीज़

उकारान्त

कंकु-पु० कंगनी, जन्नभेद
त्रिशङ्कु-पु० राजा हरिश्चन्द्रके
पिताका नाम
रघु-पु० सूर्यवंशी एक राजा
जिसके कुलमें श्रीराम
चन्द्रजी महाराजका
जन्म हुआ
लघु-पु० छोटा, पिङ्गलमें एक
मात्रा वाला अक्षर जिस
का चिह्न प्रायः "।" है

मञ्जु-उ० सुन्दर, मनोहर
कटु-उ० कड़वा
वटु-पु० बालक
पलाण्डु-पु० प्याज़
अणुं-पु० ज़र्रा
परमाणु-पु० अणुका भी सूक्ष्म
भाग
स्थाणु-पु० बूढ़ा, सूखा वृक्ष, थड़
विष्णु-पु० हरि
जिष्णु-पु० हरि
सहिष्णु-पु० सहनेवाला, धृति
वान
रेणु-स्त्री० धूलि, ख़ाक, पराग
वेणु-पु० बांस
करेणु-पु० हाथी, गज
वस्तु-स्त्री० चीज़
मस्तु-पु० मट्ठा, छाछ
जतु-पु० लाख, लाक्षा
ऋतु-स्त्री० मौसिम, दो मासका
समय
पितु-पु० पिता
धातु-स्त्री० सोना चांदी आदि

शरीरके सात विकार—
रस, रुधिर, मांस, मेद,
अस्थि, मज्जा, शुक्र।
शिवधातु-पु० पारा
जन्तु-पु० कीड़े मकोड़े
तन्तु-पु० तार
परन्तु-अ० लेकिन, मगर
किन्तु-अ० „ „
हेतु-पु० कारण, दलील
सेतु-पु० पुल
केतु-पु० ग्रह——राहुके शरीरका भाग। पताका, ध्वजा
इन्दु-पु० चन्द्र
विन्दु-पु० विन्दी, शून्य चिह्न
साधु-पु० अच्छा, महात्मा
सिन्धु-पु० समुद्र
बन्धु-पु० भाई
कर्कन्धु-स्त्री० बेर, बदरी फल
हनु-स्त्री० ठोड़ी
शान्तनु-पु० भीष्मके पिता
भानु-पु० सूर्य
ज़ानु-पु० घुटना
कृशानु-पु० अग्नि
वृषभानु-पु० राधाके पिताका नाम
धेनु-स्त्री० गौ
रिपु-पु० शत्रु, दुश्मन
अम्बु-पु० जल
कम्बु-पु० हाथी, शंख
जम्बु-पु० इस द्वीपका नाम। जामन
प्रभु-पु० मालिक, स्वामी
शयु-पु० अज़दहा, अजगर सांप
आयु-स्त्री० उम्र
वायु-स्त्री० हवा, पवन (सं०पु०)
पायु-स्त्री० गुदा
गोमायु-पु० गीदड़, शृगाल
मरु-पु० रेगस्तान, निर्जल देश
डुमरु-पु० एक प्रकारकी डुगडुगी
तरु-पु० वृक्ष
शत्रु-पु० दुश्मन
चारु-पु० मनोहर, सुन्दर
दारु-पु० लकड़ी
देवदारु-पु० एक वृक्ष

गुरु-पु० ज्ञानदाता, अध्यापक
भीरु-पु० डरपोक
मेरु-पु० एक पहाड़
नमेरु-पु० रुद्राक्ष वृक्ष
फेरु-पु० गीदड़
भालु-पु० रीछ
दयालु-पु० दयावान
कृपालु-पु० „
अंडालु-स्त्री० मछली
तालु-पु० मुखके अन्दर स्थान विशेष जहांसे तवर्गा-दिका उच्चारण होता है
तन्द्रालु-उ० सोऊ, बहुत सोने वाला
पतयालु-उ० पतन शील, गिर-ने वाला
लज्जालु-उ० शर्मीला
शयालु-उ० सोऊ; निद्राशील
संशयालु-उ० शंकाशील
पीलु-पु० हांथी, परमाणु
शिशु-पु० बच्चा
सुधांशु-पु० चन्द्र

भिक्षु-पु० भिकारी
मुमुक्षु-पु० मुतलाशी मुक्तिकी इच्छा करनेवाला
तरक्षु-पु० भेड़िया, वृक
पिपासु-पु० प्यासा
जिज्ञासु-पु० जान्नेकी इच्छा करने वाला
बाहु-स्त्री० भुजा
राहु-पु० ग्रह
अग्नि वाहु-पु० धुआं
कू×स्त्री० गली
चाकू×पु० स
डाकू×पु० स
हलाकू×पु० वधक, हलाक करने वाला
तम्बाकू×पु० स
ताकू-पु० तकने वाला
पृदाकू-पु० विच्छू-सर्पादि ज़ह-रीले जानवर
नक्कू-पु० बड़ी नाकवाला, अंगु-श्तनुमाईके लायक़
कूचक्कू-उ० गली गली

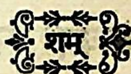
ख़ू×स्त्री० आदत
गुफ्तगू×स्त्री० स
चञ्चू-स्त्री० चौंच, मिनक़ार
छू-अ० मंत्र मारनेकी फूंक
उड़ंछू-उ० भाग जाना, ग़ाइव होना
बिच्छू-पु० वृश्चिक, अक़रव
बिज्जू-पु० एक जंगली जानवर जो क़ब्रोंसे मुर्दे निकाल लेता है
जू×स्त्री० नदी
तराज़ू-स्त्री० तुला, मीज़ान
बाज़ू×पु० भुजदण्ड
माज़ू+पु० एक दवा
जुस्तजू×स्त्री० तलाश
आरज़ू× „ आशा, उम्मीद, ख़ाहिश
लट्टू-पु०मशहूर खिलौना,आशिक़
टट्टू-पु० छोटा घोड़ा
पट्टू-पु० ऊनी थान विशेष
बजरबट्टू-पु० एक खिलौना
निखट्टू-पु० मूर्ख
पेटू-पु० बड़े पेटवाला
मियांमिट्ठू-पु० तोता, अच्छा
कण्डू-स्त्री० खुजली
आड़ू-पु० मशहूर फल
झाड़ू-स्त्री० सम्मार्जनी, बुहारी
साढ़ू-पु० सालीका पति
तू-उ० द्वितीय पुरुष
सत्तू-पु० भुने हुए अन्नका आटा
उत्तू-पु० रेशमी या सूती वस्त्र पर जो विशेष रीतिसे निशान डाले जाते हैं
अरस्तू×पु०एक विद्वानका नाम
पालतू-उ० पला हुआ
फ़ालतू-उ० ज़ायद, अधिक, ज़रूरतसे ज़ियादा
कद्दू-पु० मशहूर फल-शाक
दूबदू×उ० सामने, मुक़ाबिलेपर
उर्दू×स्त्री० प्रसिद्ध भाषा
जादू×पु० स
हिन्दू×पु० स
लद्दू-पु० लदनेवाला
जुगनू-पु० खद्योत, पटबीजना

टापू-पु० जज़ीरा, द्वीप
कम्पू×पु० सेनाका निवास स्थान
चम्पू-पु० गद्य+ पद्यमय काव्य
रफ़ू×पु० बेमालूम जोड़
बू×स्त्री० गन्ध
ख़शबू× „ सुगन्धि
बदबू× „ दुर्गन्धि
सुबू×पु० घड़ा, घट
शब्बू×पु० एक फूल
बाबू×पु० सम्मानसूचक शब्द जो बंगालमें प्रचरित है
क़ाबू×पु० वस
याबू×पु० एक घोड़ा
आबू-पु० एक पहाड़
नीबू-पु० मशहूर फल
तम्बू-पु० कपड़ेका डेरा
रू×पु० चहरा
अबरू×स्त्री० भवें, भ्रकुटि
आबरू× „ इज़्ज़त, प्रतिष्ठा
दारू× „ दवा
कसेरू-पु० पानीका एक फल
गबरू-पु० ख़ूबसूरत जवान

रूबरू+उ० आमने सामने, मुँह दर मुँः
ख़ूबरू×उ० ख़ूबसूरत
गेरू-पु० एक लाल मिट्टी
पखेरू-पु० पक्षी
श्वश्रू-स्त्री० सास
पहलू×पु० पार्श्व, करवट
आलू-पु० मशहूर तरकारी
कचालू-पु० „ „
शफ़तालू-पु० „ „
ब्यालू-पु० खाना
ज़र्दालू-पु० एक दवा
तालू-पु० तालवा
ख़ालू-पु० मौसा, माताकी बहनका पति
बालू-पु० रेणुका, रेत
सँभालू-पु० एक वृक्ष
झगड़ालू-उ० झगड़ा करनेवाला
पीलू-पु० एक रागनी
उल्लू-पु० मशहूर जानवर-उलूक
चुल्लू-पु० अर्द्धाञ्जली, चौंच
लूलू+पु० मोती। हव्वा। पागल

पल्लू-पु० किनारा
लल्लू-पु० नाम
कल्लू-पु० नाम
सू×स्त्री० तरफ़
आंसू-पु० स
गेसू×पु० अलक, ज़ुल्फ़
पिस्सू-पु० खटमलोंके भाई-जन्तु
वीरसू-स्त्री० वीरोंको जन्म देने वाली मां

हूबहू-उ० ज्यूं का त्यूं, बिल्कुल वैसा ही
बहू-स्त्री० स
हू×पु० परमेश्वरका नाम
आहू×पु० कुरङ्ग
काहू×पु० एक दवा
साहू×पु० साहुकार



आकारान्त पुल्लिङ्ग एक बचनको बहु बचन बनानेसे एकारान्त प्रास बन सकते हैं जैसे घोड़ा, लड़का, बच्चा, कुत्ता आदिसे घोड़े, लड़के, बच्चे, कुत्ते इसी तरह उक्त नामोंका सम्बोधनान्त करनेसे ओकारान्त प्रास बन जाते हैं जैसे लड़को, बच्चो आदि, इनमें कहीं २ अन्तर भी होगा वो कविजन स्वयं सँभाल सकते हैं। इत्योश्म्

पूर्वार्द्ध समाप्त

प्रासपुंज

उत्तरार्द्ध

व्यंजनान्त प्रास

ककारान्त

टङ्कक-पु० रजत मुद्रा, चाँदीका सिक्का रुपया ।

लेखक-पु० लिखनेवाला

उचक-उ० स

लचक-स्त्री० स

चेचक-स्त्री० सीतलारोग, माता रोग

पेचक-स्त्री० तागोंकी गोली

रेचक-उ० दस्तावर, मुसहिल

याचक-पु० मांगनेवाला

पाचक-उ० हाज़िम, पचानेवाला

कीचक-पु० बाँस, विराटराजका सेनापति और साला

लोचक-पु० मांसका गोला, आँख की पुतली कज्जल

वञ्चक-पु० खल, दुष्ट । गीदड़

पञ्चक-पु० पञ्जा, पाँचकी गिनती

रजक-पु० धोबी

याजक-पु० यज्ञ करनेवाला

दन्तवीजक-पु० अनारका वृक्ष, दाड़िमतरु

अटक-स्त्री० रुकावट

लटक-स्त्री० स

खटक-स्त्री० ख़लिश, दुःख, संदेह

पटक-स्त्री० स

सटक-स्त्री० सीधी, पतली, हुक्के की नय जो गोलतय हो जाती है। जाना

झटक-स्त्री० सदमा, झड़काना
चटक-स्त्री० शोख़ी
मटक-स्त्री० स
कटक-पु० सेना, राजधानी
फाटक-पु० दरवाज़ा
नाटक-पु० दृश्य काव्य, नाटक Drama
भाटक-पु० भाड़ा, किराया, महसूल
घोटक-पु० घोड़ा, टट्टू
स्फोटक-पु० फोड़ा
तोटक-पु० पिङ्गलका वह छन्द जिसके हर चरणमें १२ अक्षर इस तरह हों ॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ स + स + स + स कविता कटु है यदि प्रास नहीं
जलकण्टक-पु० सिंघाड़ा
यौवनकण्टक-पु० मुहासा
वण्टक-पु० बाँटनेवाला
लुण्टक-पु० लुटेरा, चोर
पाठक-पु० पढ़नेवाला, पढ़ानेवाला
बैठक-स्त्री० नशस्तगाह, बैठनेका कमरा
मुण्डक-पु० नाई, हज्जाम
गण्डक-पु० गैंडा
मेंडक-पु० मंडूक, भेक
सड़क-स्त्री० रास्ता, पक्का मार्ग
फड़क-स्त्री० फड़कना, तड़पना
भड़क-स्त्री० स
कड़क-स्त्री० स
धड़क-स्त्री० स
बेधड़क-उ० निडर
हड़क-स्त्री० स
मस्तक-पु० माथा, पेशानी, भाल
पुस्तक-स्त्री० किताब
दन्तक-पु० दाँत बनानेवाला, डेनटिस्ट Dentist
नर्तक-पु० नाचनेवाला
प्रवर्तक-पु० काममें लगानेवाला
मृतक-पु० मरा हुआ
वर्तक-स्त्री० बटेर पक्षी, इसका पु० बटेरा है

विषदन्तक-पु० साँप
विषान्तक-पु० ज़हरमोहरा
नवनीतक-पु० घी
गाथक-पु० किस्सा गो, गवैया
निरर्थक-उ० अर्थशून्य, मुहमल
उदक-पु० जल
भेदक-पु० फाड़नेवाल, अलग २ करनेवाला
मादक-उ० नशेवाला पदार्थ
मोदक-पु० खुश करनेवाला, लड्डू। पिङ्गलका वह छन्द जिसके हर चरणमें १२ अक्षर यूं हों
ऽ॥+ ऽ॥+ ऽ॥+ ऽ॥
भ+ भ+ भ+ भ
मोदक होत सप्रास प्रमोदक
गङ्गोदक-पु० पिङ्गलका वह छंद जिसमें ८ रगण हों स्रग्विणीके दो चरणोंको एक मानने से बन जाता है देखो "स्रग्विणी" पृ० ६५
साधक-उ० साबित करनेवाला, मददगार
बाधक-उ० साधकके विरुद्ध, विघ्नकारक
गन्धक-स्त्री० एक दवा
कनक-पु० सोना
जनक-पु० पिता
भयानक-उ० डरावना, ख़ौफ़नाक
लपक-स्त्री० स
झपक-स्त्री० स
टपक-उ० स
थपक-उ० स
व्यापक-उ० सब जगह रहनेवाला
अध्यापक-पु० पढ़ानेवाला
चम्पक-पु० चम्पा-पुष्प
लेपक-पु० लिपाई करनेवाला
क्षेपक-उ० मिलावट, फेंकनेवाला
दीपक-पु० चिराग़। एक राग
अम्बक-पु० आँख, नेत्र

चुम्बक-पु० अयस्कान्तमणि, मिकनातीस
नमक-पु० लवण
चमक-स्त्री० स
दमक स्त्री० स
गमक-स्त्री० सङ्गीतमें आवाज़का भेद
धमक-स्त्री० स
दीमक-स्त्री० वह जन्तु जो किताबों, कपड़ों और लकड़ीको खा जाता है
कुमक-स्त्री० मदद
ठुमक-स्त्री० स
अर्भक-पु० बालक
भ्रामक-पु० झमा
भ्रामक-पु० घूमनेवाला । गीदड़
नायक-पु० श्रेष्ठ, सरदार
विनायक-पु० गणेशजी
शायक-पु० बाण, तीर
अदरक-पु० एक दवा
नरक-पु० स्वर्गके विरुद्ध, दुःख, दोज़ख़
मुद्रक-पु० छापनेवाला
दारक-पु० पुत्र, पुत्री, सन्तान
परिचारक-पु० सेवक, नौकर
भट्टारक-पु० पूजनीय । राजा
भारक-पु० बोझ उठानेवाला
मारक-उ० मारनेवाला, क़ातिल
प्रचारक-पु० प्रचार करनेवाला
विदारक-पु० फाड़नेवाला
पलक स्त्री० आँखके बाल, पल
झलक-स्त्री० स
छलक-उ० स
ढलक-उ० स
अलक-स्त्री० ज़ुल्फ़, बाल
आमलक-पु० आँवला
तिलक-पु० टीका, चन्दन
कीलक-पु० मेख़, कील
झल्लक-पु० मँजीरा
डल्लक-पु० टोकरा
पुलक-पु० रोमाञ्च
लमक-पु० जार, लम्पट, ऐयाश
हस्तामलक-पु० शब्दार्थ—हथेली पर आँवला,

भावार्थ-सर्वाङ्ग नज़र आना
पालक-पु० पालनेवाला
बालक-पु० बच्चा
कालक-स्त्री० सियाही
लेपालक-पु० लेकर पाला हुआ
अट्टालक-पु० अट्टा, अटारी
गोलक-स्त्री० बिकरीके दाम डालते जानेकी सन्दूक़ची
ढोलक-स्त्री० ढोलकी
पावक-पु० अग्नि, आग
नावक×पु० तीर
सेवक-पु० सेवा करनेवाला, नौकर
रङ्गजीवक-पु० रँगरेज़
मशक-पु० मच्छर
दर्शक-पु० देखनेवाला
तोशक-स्त्री० बिछानेका एक कपड़ा
तक्षक-पु० बढ़ई। सर्पभेद
रक्षक-पु० रक्षा करनेवाला
भक्षक-पु० खानेवाला
विदूषक-पु० निन्दक, नाटकमें हँसानेवाला
परीक्षक-पु० परीक्षा लेनेवाला, जांचनेवाला, मुमतहिन
मुख निरीक्षक-पु० मुः—देखनेवाला, अलस
मूषक-पु० चूहा
कसक-स्त्री० चोट, मीठा दर्द
मसक-स्त्री० स
खसक-स्त्री० सरकना
सिसक-उ० दम तोड़ना
उपासक-पु० पूजा करनेवाला
चिकित्सक-पु० वैद्य, हकीम
नपुंसक-पु० हीजड़ा, नामर्द
महक-स्त्री० खुशबू, सुगन्धि
वहक-उ० स
लहक-उ० स
दहक-उ० स
दाहक-पु० जलानेवाला
बलाहक-पु० बादल, मेघ

झक-स्त्री० बकवास
तक-अ० हद सूचक, देख-क्रि०
बकवक-स्त्री० बकवास
थक-उ० स
धक-स्त्री० डर, सदमा, धड़कन
धकधक-स्त्री० धड़कना
हक़×पु० ईश्वर। सच। सिला।
बदला
मुं: फ़क़×पु० चहरा उतर जाना
रमक़×स्त्री० थोड़ी जान,अन्तिम
श्वास
अदक़×पु० गूढ़, सूक्ष्म
क़लक़×पु० दुःख
सवक़×पु० पाठ
वरक़×पु० पृष्ठ, पत्र, पत्रा
तबक़×पु० परत, तय। लोक।
पर्दा
शफ़क़×स्त्री सन्ध्याकालमें आ-
काशकी लाली
अबलक़×उ० श्वेतशाम, कबरा
अहमक़×पु० मूर्ख
मुतलक़×उ० बिलकुल

ख़न्दक़×स्त्री० खाई
रौनक़×स्त्री० शोभा
शक×पु० शुब्ह सन्देह
यकायक×अ० अकस्मात्
ऐनक×स्त्री० चश्मा
दस्तक×स्त्री० ताली, दर्वाज़ा ठो-
कना, धक्का देना।
कर, दण्ड
अबरक×पु० स.
आतशक×स्त्री० उपदंश रोग
पिनाक-पु० शिवजीका धनुष
मैनाक-पु० एक पहाड़
धाक-स्त्री० रौब
शाक-पु० भाजी, तरकारी
ख़ाक-स्त्री० धूल, पराग
वेबाक×उ० निडर, निर्भय
काक-पु० कौवा, ज़ाग़
छाक-स्त्री० भोजन, तृप्ति, वक्त
सूज़ाक×पु० मूत्रकृच्छ्र रोग
ताक-स्त्री० तलाश, टोह, टिक-
टिकी
ताक×पु० अंगूरकी बेल

ढाक-पु० पलाश
नाक-स्त्री० नासिका
ख़ूराक×स्त्री० आहार, भोजन, ग़िज़ा
चालाक-उ० होशयार, चलता-पुर्ज़ा
पाक-पु० क़वाम, पञ्जीरी, शुद्ध
बेबाक़×उ० कुछ बाकी न रहना
साक़×स्त्री० पिण्डली
शाक़×उ० नागवार, असह्य
ताक़×पु० आला। जो जुफ्त न हो अर्थात् दो पर पूरा न बँट सके जैसे ३, ५, ७। कामिल, पूरा वाकिफ़
मुश्ताक़×पु० अभिलाषी
तिरयाक़×पु० ज़हरमोहरा
सियाक़×पु० बही खातेका क़ा-यदा
इत्तफ़ाक़×पु० मिलाप, मेल। बनाव। दैवयोग
मज़ाक़×पु० हँसीदिल्लगी
निफ़ाक़×पु० फूट, लड़ाई,झगड़ा
फ़िराक़×पु० जुदाई, वियोग
रज़्ज़ाक़×पु० रोज़ी देनेवाला, ईश
मश्शाक़×पु० अभ्यासी
क़ज़्ज़ाक़×पु० चोर, डाकू
बुलाक़×पु० स्त्रियोंकी नाकका ज़ेवर
वाक×पु० दहशत, भय। गाय भैंसके थनोंका ऊपरी भाग, दुग्धाशय
चाक-पु० कुम्हारका चक्र। फटा हुआ
मिसवाक×स्त्री० दाँतन
हलाक-उ० मरना
पोशाक×स्त्री० लिबास, वस्त्र
इमसाक×पु० रुकावट, कंजूसी
डाक-स्त्री० स
आँक-पु० अङ्क
बाँक-पु० बहलीकी एक लकड़ी। गोटेमें एक प्रकार। पटाका एक हुनर जिसे बांकबिछुआ कहते हैं

टाँक-उ० सीनेकी आज्ञा
फाँक-उ० फङ्कीकी आज्ञा
झाँक-उ० झाँकनेकी आज्ञा
हाँक-उ० हांकनेकी आज्ञा
पिक-पु० कोकिल पक्षी
धिक्-अ० धिक्कार, लानत
रसिक-पु० रसज्ञ, मज़ा लेनेवाला
लौकिक-उ० लोकका
अलौकिक-उ० जो लौकिक न हो, उत्तम, अपूर्व
मालिक-पु० स्वामी
कौशिक-पु० विश्वामित्र।
ख़ज़ानची
मासिक-उ० माहवारी
वार्षिक-उ० सालाना
पाक्षिक-उ० पन्द्रह दिनवाला
साप्ताहिक-उ० हफ्तेवार
दैनिक-उ० रोज़ाना
मुमालिक×पु० मुल्कका बहुवचन
मुहलिक×उ० मारडालनेवाला
अधिक-उ० ज़ियादा
मन्तिक़×स्त्री०न्याय-दर्शन Logic
मशरिक़×पु० पूर्व दिशा
दिक़×स्त्री० क्षयरोग, दुखी, हैरान
ख़ालिक़×पु० बनानेवाला, सृष्टि कर्त्ता, ईश्वर
आशिक़×पु० आसक्त, प्रेमी
राज़िक़×पु० रिज़क़ देने वाला
साबिक़×पु० भूत पूर्व
मुताबिक़×उ० अनुसार
सारिक़×पु० चोर
आकस्मिक-उ० अचानक
भौतिक-उ० भूतोंका विकार
आधुनिक-उ० अबका, आज-कलका
आस्तिक-पु० इश्वरवादी
नास्तिक-पु० अनीश्वरवादी, काफ़िर
कणिक-पु० गेहूंका बारीक आ-टा, मैदा
वणिक्-पु० व्यापारी, वैश्य
कार्तिक-पु० कातक महीना
कारुणिक-पु० दयालु

काल्पनिक-उ० बनावटी, फ़र्ज़ी
तार्किक-पु० तर्क बुद्धि वाला
दार्शनिक-पु० दर्शन शास्त्रों वाला
शारीरिक-पु० शरीरसे सम्बन्धित
ठीक-उ० सही, सच, दुरुस्त
पीक-स्त्री० पान खाकर थूकना
लीक-स्त्री० गाड़ी बहलीके चलनेका कच्चा रास्ता
पुण्डरीक-पु० कमल
सटीक-उ० अर्थ सहित
नज़दीक×अ० पास
भीक-स्त्री० भिक्षा
खटीक-पु० खालसे चलनी आदि मँढने वाली जाति
शरीक×उ० साझी, शामिल
बारीक×उ० पतला, सूक्ष्म, गूढ़
तारीक×उ० अँधेरा, काली
अनीक-पु० लशकर, सेना
रफ़ीक़-पु० दयालु, स्नेही
शफ़ीक़×पु० दयालु, स्नेही

रक़ीक़-उ० पतला, बहने वाला
दक़ीक़×उ० अतिगूढ़
फ़रीक़-पु० विपक्षी
ख़लीक़-पु० अच्छे स्वभाववाला
तौफ़ीक़-स्त्री० श्रद्धा, शक्ति
तहक़ीक़-उ० निश्चय, छानबीन
तफ़रीक़-स्त्री० भेद
तसदीक़-स्त्री० यथार्थ होनेकी साक्षी, सिद्ध
तुक-स्त्री० क़ाफ़िया, प्रास, तुकान्त
शुक-पु० तोता
चाबुक×पु० हंटर, कोड़ा
नाज़ुक×उ० कोमल
झुक-उ० झुकनेकी आज्ञा
तमस्सुक×पु० दस्तावेज़, कर्ज़े का काग़ज़
अमुक-उ० फ़लां, वह
अंशुक—पु० बारीक कपड़ा
उत्सुक—पु० उत्साह वाला
कंचुक—पु० ज़िरा बकतर
कामुक—पु० कामी, ऐयाश

कौतुक—पु० आश्चर्य, खेल तमाशा

कन्दुक—पु० गेंद। पिङ्गलका वह छन्द जिसके हर चरणमें १३ वर्ण इस प्रकार हों
ISS + ISS + ISS + ISS + S
य + य + य + य + ग
रचो छन्द हिन्दी सदा प्रास वाला ही

उल्लूक—पु० उल्लू

भल्लूक—पु० रीछ

बन्दूक़—स्त्री० प्रसिद्ध अस्त्र अग्निबाण

सन्दूक़×पु० स

चूक—स्त्री० भूल, ख़ता, खट्टा

थूक—पु० स

माशूक़×पु० प्यारा, प्रेमपात्र

मण्डूक—पु० मेंडक

भूक—स्त्री० क्षुधा

मूक—पु० गूंगा

हुक़ूक़×पु० हक़का बहु वचन

मख़लूक़×स्त्री० सृष्टि

सुलूक×पु० भलाई, मदद

कूक—स्त्री० कोकिलादि पक्षियोंकी आवाज़

हूक—स्त्री० दर्द भरी आवाज़

एक—उ० एक की संख्या १

नेक×उ० अच्छे चलनवाला

टेक—स्त्री० आबरू। गानेमें स्थायी

विवेक—पु० समझ, ज्ञान

प्रत्येक-उ० हरएक

अभिषेक-पु० राजतिलक

अविवेक-पु० अज्ञान

रोक-स्त्री० स

टोक-उ० स

ठोक-पु० मारनेकी आज्ञा। सिरा

ओक-स्त्री० अंजलि। वमन

झोक-स्त्री० स

कोक-स्त्री० कुक्षा

त्रिलोक-पु० तीनों लोक

लोक-पु० स

शोक-पु० अफ़सोस, रंज

थोक-पु० जथा, समूह, इकट्ठा

डरपोक-पु० बुज़दिला, डरने वाला

फोक-पु० भूसी, फ़ुज़ला

शौक़-पु० इच्छा, शग़ल, व्यसन से पूर्वकी दशा, रग़बत

तौक़-पु० गलेकी कंठी, गलेमें लोहेका हँसला

अङ्क-पु० हिन्दसा

कलङ्क-पु० पाप, बदनामी, बुराई धब्बा

डंक-पु० स

निश्शङ्क-पु० निडर

रङ्क-पु० धनहीन; ग़रीब

पर्य्यङ्क-पु० पलंग, चारपाई

आतङ्क-पु० रोग

पङ्क-पु० कीचड़

कंक-पु० बनवास समय युधिष्ठिरका बदला हुआ नाम

खकारान्त

चख-उ० चखनेकी आज्ञा

रख-उ० स

कमरख-स्त्री० एक फल

लख-उ० देख

नख-पु० नाख़ून

लाख-उ० संख्या विशेष १०००००

साख-स्त्री० इज़्ज़त, यक़ीन, विश्वास

राख-स्त्री० धूल, ख़ाक

चाख-उ० चख

सूराख़-पु० छेद, छिद्र

आख-पु० फावड़ा

शाख़×स्त्री० शाखा, टहनी, ब्रांच

गुस्ताख़×पु० ढीट, बे अदब

नखसिख-पु० सरापा

लिख-उ० लिखनेकी आज्ञा

सीख-उ० स

ईख-स्त्री० गन्नोंका खेत

चीख़-स्त्री० चिल्लानेकी आवाज़

तारीख़×स्त्री० तिथि

सुख-पु० स

दुख-पु० स

मुख-पु० मुंः

रुख़-पु० चहरा,कपोल। इरादा, तवज्जह

अभिमुख-पु० सामने

रूख-पु० वृक्ष

सूख-उ० खुश्क

देख-उ० स

देखरेख-स्त्री० निगरानी

लेख-पु० मज़मून

मेख़-स्त्री० खूंटा

बेख़-स्त्री० जड़

जोख-उ० तोल

मोख-स्त्री चोरेका कौना

शंख,-पु० प्रसिद्ध है—नाकूस

संख-उ० संख्या शब्दोंमें उपान्त्य

पंख-पु० पक्ष, पर

गकरान्त

रग-स्त्री० नस, नाड़ी

मग-पु० रस्ता

जग-पु० संसार

खग-पु० पक्षी

ठग-पु० ठगने वाला

डग-स्त्री० एककदक फ़ासिला, पैंड

नग-पु० नगीना

पग-पु० पाऊं

लग-अ० तक

तुरग-पु० घोड़ा

विहग-पु० पक्षी

सग×पु० कुत्ता

अलग-उ० स

अलग थलग-उ० स

लगभग-उ० क़रीब क़रीब, अनुमान

आग-स्त्री० अग्नि, आंच

काग-पु० काक, कव्वा

घाग-पु० चालाक, मीठा ठग

छाग-पु० बकरा

जाग-उ० स

झाग-पु० फेन

ताग-पु० तागा

दाग़×पु० धब्बा, निशान, कलंक

नाग-पु० सर्प, हाथी

पाग-स्त्री० पगड़ी

फाग-पु० होली, होलीका खेल तमाशा
बाग-स्त्री० लगाम
बाग़×पु० उद्यान
भाग-पु० हिस्सा। नसीब
प्रयाग-पु० इलाहाबाद
राग-पु० गाना, धोका, चाल। प्यार
अनुराग-पु० प्रेम
लाग-स्त्री० औषधिकी मिलावट, ओझलसे काम करना शौवदेवाज़ी
विभाग-पु० डिपार्टमेंट
त्याग-पु० छोड़ना
विहाग-पु० एक रागका नाम
दिमाग़×पु० भेजा, बुद्धि
सुराग़×पु० खोज
चिराग़×पु० दीपक
साग-पु० शाक
खटराग-पु० बखेड़ा, झगड़ा
टांग-स्त्री० स
मांग-स्त्री० केशोंकी बनावट। चाह, मांगना
सांग-पु० स्वांग
रांग-पु० धातु विशेष
ऊटपटांग-उ० ऊल जुलूल
भूनीभांग–स्त्री० तुच्छ वस्तु–घरमें न होना–कंगाली
ढिग-अ० पास
दिग्-स्त्री० तरफ़, दिशा
बालिग़-उ० आयुका परिपक्व
फ़ारिग़-उ० निवृत, निवटना
मींग–स्त्री० मग़ज़
सींग-पु० श्रृङ्ग, शाख़
डींग-स्त्री० शेख़ी
रींग-उ० वहुत आहिस्ता चलना
धींग-पु० ज़वरदस्त
पींग-स्त्री० लम्बा झोटा
रेग-स्त्री० रेणुका
देग-स्त्री० वड़ा पतीला
तेग़×स्त्री० तलवार
दरेग़×पु० आना कानी
नेग-पु० सेवकोंका हक़
आवेग-पु० जोश
वेग-पु० ज़ोर, चाल

लोग-पु० स
योग-पु० स
रोग-पु० स
उद्योग-पु० महनत, यत्न
सोग×पु० रंज
भोग-पु० कर्मफल । खाना
वियोग-पु० जुदाई, हिज्र
संयोग-पु० मिलाप, वस्ल
अभियोग-पु० मुक़द्दमा
प्रयोग-पु० लगाना, इस्तेमाल
अङ्ग-पु० शरीर । हिस्सा
गङ्ग-पु० कविकुल—मार्तण्ड श्रीमान् पं० गंगाधर जी ब्रह्मभट्ट, तख़ल्लुस "गङ्ग"
गङ्ग-स्त्री० गंगा
चंग-पु० दफ़ बाजा
जङ्ग×स्त्री० युद्ध, लड़ाई
ढंग-पु० तरीक़ा, रीति
तंग-उ० ढीलेके विरुद्ध, घोड़ेकी पेटी पु०, मुफ़लिस, दुखी
दंग-उ० हैरान, चकित

नंग-पु० बदमआश
बंग-पु० बंगाल देश । रांग
भंग-स्त्री० विजया, नशीली बूटी
उमंग-स्त्री० उत्साह
रंग-पु० स
निषङ्ग-पु० तर्कश
संग-पु० साथ
कुसंग-पु० बुरी सोहबत
सत्संग-पु० अच्छी सोहबत
विहंग-पु० पक्षी
कुरङ्ग-पु० हरिण
मातंग-पु० हाथी । भील, शबर
भुजंग-पु० सर्प
तरंग-स्त्री० लहर, मौज
निहंग×पु० ग्राह, मगर
कुलंग-पु० लम्बी गर्दन और लम्बी टांगोंवाला जल पक्षी
अनङ्ग-पु० कामदेव, मदन
सुरंग-स्त्री० जमीनके अन्दर अन्दर रास्ता
लङ्ग-स्त्री० लंगड़ापन

पलङ्ग-पु० चारपाई
पिलंग×पु० चीता
मलंग-पु० मस्तराम
सारङ्ग-पु० हरिण, हाथी, भौंरा मोर, राजहंस, कामदेव, कमान, केश, सोना, भूषण, पद्म, शंख, चन्दन, कपूर, पुष्प, कोकिल, मेघ, सिंह, एक रागका नाम
औरंग×पु० तख्त
फ़रहंग×पु० कोश, डिक्शनरी Dictionary
पतंग-पु० पर्वाना जन्तु जो चिराग़का आशिक मशहूर है, काग़ज़का एक रूप जिसमें डोर बांध कर आकाशमें उड़ाते हैं
जलतरंग-स्त्री० प्यालोंमें पानी डाल कर बजानेका बाजा
मृदङ्ग-पु० पखावज

घकारान्त

अघ-पु० पाप
अनघ-पु० निष्पाप
बाघ-पु० व्याघ्र
निदाघ-पु० झड़झिस्सा
मेघ-पु० बादल
अमोघ-पु० जो रुक न सके
ओघ-पु० जलकावेग, रौ, समूह
सङ्घ-पु० सजातीय-समूह

चकारान्त

सच-पु० सत्य
कच-पु० केश
खचाखच-उ० घिचपिच, खूब भरा हुआ
गच-पु० चूना आदिसे ज़मीनको पुख़्ता करनेका मसाला
जच-उ० निगाहमें तोलना
पच-उ० हज़म
वच-उ० वचने की आज्ञा
मच-उ० स
रच-उ० स

कवच-पु० ज़िरा वकतर
लालच-पु० लोभ
खम्माच-पु०एक रागनीका नाम
नराच-पु० पिङ्गलका वह छन्द
जिसमें १६ वर्ण इस
क्रमसे हों
ISI+SIS+ISI+SIS+ISI+S
ज + र + ज + र + ज + ग
अनेक प्रास पास
पास विद्यमान हैं यहां
आँच-स्त्री० आग
पाँच-उ० संख्या ५
साँच-पु० सच
जाँच-स्त्री० अन्दाज़ा
ढाँच-पु० डौल, क़ालिब, ख़ाका
ठाटर
काँच-पु० प्रसिद्ध द्रव्य
कुलाँच-स्त्री० छलाँग
वीच-पु० मध्य, दरमियान
नीच-उ० अधम
सीच-उ० पालना, पानी छिड़क
कीच-स्त्री० पंक

मारीच-पु० एक राक्षस
सचमुच-अ० सत्य सत्य
कुच-पु० स्तन
पुचपुच-स्त्री० पुचकारनेकी आ-
वाज़
वेच-उ० स
पेच-पु० स
हेच×पु० तुच्छ
सोच-पु० फ़िक्र, विचार
पोच-उ० अदृढ़, कमज़ोर
संकोच-पु० भिचना, तअम्मुल
मोच-स्त्री० पांऊँमें झटका लग-
नेसे तकलीफ़ हो
जाना
लोच-पु० चिपक, मज़ा, रस
बिलोच-पु० मुसलमानोंकी जा-
ति विशेष
उत्कोच-पु० रिशवत, घूंस
उल्लोच-पु० चांदनी
पञ्च-पु० पांच। वज़ुर्ग
प्रपञ्च-पु० फ़रेब, चालबाज़ी
मञ्च-पु० टाँड, खेतोंकी रक्षाके

लिये बहुत ऊंचा बनाया हुआ आसन

जकारान्त

अज-पु० जिसका जन्म न हो ईश्वर
कज×पु० ख़म, टेढ़
गज-पु० हाथी
गज़×पु० १६ गिरह, ३६ इंच लम्बाई
तज-पु० एक दवा, छोड़
भज-उ० भजनेकी आज्ञा
रज-स्त्री० ख़ाक
अण्डज-पु० जिसकी पैदाइश अंडेसे हो
स्वेदज-पु० जिसकी पैदाइश पसीनेसे हो
पंकज-पु० जिनकी पैदाइश कीचड़से हो, कमल
सजधज-स्त्री० सजावट
सतलज-स्त्री० एक नदी
अपाहज-पु० मोहताज, अंगहीन
उपज-स्त्री० पैदाइश, आमदनी
पखावज स्त्री० मृदङ्ग
सूरज-पु० स
अन्त्यज-पु० अतिशूद्र
गंज×पु० ख़ज़ाना
गंज-स्त्री० सरपे बाल न होनेका रोग
रंज×पु० शोक, दुःख
खञ्ज-पु० लँगड़ा
शतरंज×स्त्री० मशहूर खेल
नारंज-×पु० एक रंग
पंज×उ० पांच
आज-अ० वर्तमान दिवस
काज-पु० कार्य, काम। बटन लगानेका सूराख़
खाज-स्त्री० खुजली
गाज-स्त्री० एक कपड़ा, गरज
ताज-पु० मुकुट
नाज-पु० अन्न
नाज़-पु० नख़रा
बाज-पु० घोड़ा
बाज़×पु० एक शिकारी पक्षी,

फिर।—आना—
रुकना।
राज-पु० हुकूमत, राज्य
राज़×पु० भेद
लाज-स्त्री० शर्म
व्याज-पु० सूद, कुसीद
मोहताज×पु० अपाहज, रंक, दरिद्र
ख़िराज×पु० कर, महसूल
ताराज×उ० बर्बाद
रिवाज×पु० तरीक़ा, रस्म
इलाज×पु० प्रतिकार, चिकित्सा, संज्ञा
मिज़ाज×पु०स्वभाव, चित्त, ग़ुरूर
कामकाज-पु० स
पुखराज-पु० प्रसिद्ध रत्न
आवाज़×स्त्री० शब्द, ध्वनि
दमबाज़×पु० चालबाज़
शीराज़×पु० एक देश, जहांके शेख़सादी थे
दराज़×उ० लम्बा
गुदाज़×उ० घुलावट, गूदेवाला
नमाज़×स्त्री० इस्लामी सन्ध्या जो ५ वक्त पढ़ी जाती है
बज़ाज़×पु० कपड़ा बेचने वाला
प्याज़×स्त्री० पलाण्डु
पिशवाज़-स्त्री० नाचनेके वक्तकी रंडियोंकी पोशाक
साज़-पु० बाजा, सामान, बनावट, घोड़ोंका ज़ीन आदि
कबूतर बाज़-पु० स
पाअन्दाज़-पु० रस्से और सूत आदिका बना हुआ वो पदार्थ जो दर्वाज़ोंमें पाऊं पौंछनेके लिये डाला जाता है कि फ़र्श मैला न हो
चारासाज़×पु० इलाज करने वाला
जानमाज़×स्त्री० नमाज़ पढ़नेकी दरी चटाई
अधिराज-पु० शहनशाह चक्रवर्त्ती राजा
नागराज-पु० देखो "नराच" छन्द

ख़ारिज×उ० निकलना, मिटना
फ़ालिज×पु० लक़वेका भाई रोग
कालिज×पु० महा विद्यालय
मुआलिज×पु० इलाज करने वाला
निज-पु० अपना, ज़ाती
चीज़×स्त्री० वस्तु
तमीज़×स्त्री० शऊर, ज्ञान, सलीक़ा, पहचान
बीज-पु० तुख़्म
छीज-उ० नुक़सान, कम होना
तीज-स्त्री० थिथि ३
अज़ीज़×पु० प्यारा
हीज़×पु० हीजड़ा
दहलीज़×स्त्री० देहरी, देहली, दरवाज़ा
तजवीज़×स्त्री० स
अनुज-पु० छोटा भाई
दनुज-पु० राक्षस
मनुज-पु० मनुष्य
चतुर्भुज-पु० चार भुजा वाला, विष्णु भगवान

अम्बुज-पु० कमल
अरुज-पु० नीरोग, तन्दुरुस्त
दूज-स्त्री० द्वितीया तिथि
पिसूज-स्त्री० सिलाईका एक प्रकार
गूंज-स्त्री० तारकी लपेट दार अँगूठी। प्रतिध्वनि, एक प्रकारका शब्द
मूंज-स्त्री० वह घास जिसके बान बनते हैं
सेज-स्त्री० बिस्तर, शय्या
भेज-उ० स
तेज-पु० आग, रोशनी, इक़बाल
मेज़×स्त्री० टेबल Table
दस्तावेज़×स्त्री० स्टाम्पके काग़ज़ पर लिखा हुआ इक़रार
गुरेज़×पु० बचाव, भागना, इंकार
आमेज़×उ० मिला हुआ
लबरेज़×उ० छलकता हुआ
तबरेज़×पु० ईरानके सूबेमें एक नगर
फ़ालेज़×स्त्री० ख़रबूज़े, तरबूज़ ककड़ी आदिकी खेती

ख़ूँरेज़-उ० ख़ून बहानेवाला
परहेज़×पु० अहतियात, बचना, रोगमें हानिकारक पदार्थों का न खाना
नौख़ेज़×उ० नया उठा हुआ
जहेज़×पु० विवाह संस्कारमें लड़कीके पिताकी ओरसे दिया हुआ सामान
शब्देज़×पु० घोड़ा
दुमरेज़×स्त्री० दुवारा आयी हुई फ़स्ल
खोज-पु० सुराग़, निशान
भोज-पु० राजा भोज
रोज़×पु० दिन, प्रतिदिवस, नित्य
सोज़×पु० जलन, मर्सियेका एक भेद
फ़तीलसोज़×पु० पीतलकी दीवट
रौनक़ अफ़रोज़×उ० शोभा बढ़ाना, आना
नौ रोज़×पु० नया दिन
हनोज़×अ० अवतक
अम्भोजपु० कमल

बांझ-स्त्री० वन्ध्या, अक़ीमा, वह स्त्री जिसके बच्चे पैदा न हों
सांझ-स्त्री० शाम, सायंकाल
झांझ-उ० दो तश्तरियोंके आकारका बाजा जो प्रायः ढोल ताशोंके साथ या मंदिरोंमें शंख घड़ियालके साथ बजाया जाता है। क्रोध

टकारान्त

कट-उ० स
खट-उ० ध्वन्यात्मक शब्द
गटगट-उ० पीनेका विशेषण
घट-पु० घड़ा
चट-अ० फ़ौरन, नाखुनके पास की खालका उपड़ आना—स्त्री०
छट-उ० अलग अलग
जट-पु० जाटका संक्षिप्त
झट-उ० फ़ौरन
डट-उ० थम जाना

तट-पु० किनारा
नट-पु० ऐकटर, अभिनेता
पट-पु० कपड़ा, परदा
फट-उ० फटना
रट-उ० कंठ करनेको बारबार-
कहना, धुन
लट-स्त्री० जुल्फ़, लड़ी
षट-उ० छः ६
हट-स्त्री० ज़िद, दुराग्रह
करवट स्त्री० पार्श्व, पहलू
तलपट-पु० अस्तर, जोड़
सरपट-उ० भागना, दौड़
झंझट-पु० झगड़ा, बखेड़ा
खटपट-स्त्री० लड़ाई, विग्रह
घूंघट-पु० नक़ाब, परदा
सिलवट-स्त्री चुरस, शिकन,
सुकड़ना, चीन
कपट-पु० छल, दग़ा
ठट-पु० हुजूम, भीड़
झटपट-अ० जल्दी
सिमट-उ० सुकड़, लपेट
लिपट-उ० स

झपट-स्त्री० हमला, दौड़
लपट स्त्री० आगके शौले
डपट स्त्री० डांटना, घुड़की
चौखट स्त्री० दरवाज़ेमें कलड़ी
या पत्थरका भाग
नटखट-उ० शोख़, चालाक
पनघट-पु० पानी भरनेका घाट
छपरखट-पु० मसहरी
रुकावट-स्त्री० स
लगावट-स्त्री० स
बनावट-स्त्री० स
घुलावट-स्त्री० स
फैलावट-स्त्री० स
उलटपलट-स्त्री० स
काया पलट-स्त्री० चोला बदलना
मरघट-पु० श्मशान
चौपट-उ० उजाड़
तलछट-स्त्री० नीचेका मैल
मुंःफट-उ० दरीदा दहन
घबराहट-स्त्री० स
आहट-स्त्री० हलकी आवाज़,
चाप

खूसट-पु० मनहूस, बूढ़े का विशेषण
विकट-पु० टेढ़ा
निकट-उ० नज़दीक
काट-स्त्री० काटना, काटनेकी क्रिया
खाट-स्त्री० चारपाई
घाट-पु० नदी तालाब पर स्नानादि की जगह
चाट-स्त्री० मज़ा, दहीवड़े आदि, आदत
जाट-पु० जाति विशेष
टाट-पु० सनका थान। बैलके काँधेके पास ऊंचा उठा हुआ अंग। चनोंकी कुद्रती थैली जिसमें दो या तीन चने पैदा होते हैं
ठाट-पु० ठटरी, ढाँचा, ढंग, भड़क, ज़ुलूस आराइश, धन दौलत, सितारके पर्दों का रागनीके अनुसार क़ायम करना
डाट-स्त्री० बोतलके मुंः बन्द करनेका काक, Cork रौब, लताड़, कड़ियोंके वग़ैर मकान पाटनेकी क्रिया। गुम्बद
पाट-पु० दरियाकी चौड़ाई। कपड़ेका अर्ज़। चक्की का एक पत्थर
बाट-पु० तोलनेके बट्टे। पगडंडी-स्त्री०
सम्राट-पु० शहन्शाह, चक्रवर्ती राजा
लाट-स्त्री० शीरा तम्बाकूमें मिलानेका, लार्डका अपभ्रंश Lord
हाट-स्त्री० दुक़ान
सपाट-स्त्री० चिकनी, साफ़, पड़ी वग़ैरके जूते
कपाट-स्त्री० किवाड़
उच्चाट-उ० दिलका उखड़जाना मन न लगना बेचैनी,
बारहबाट-उ० तित्तर वित्तर

क़वाट-स्त्री० किवाड़
आंट-स्त्री० रोक टोक
बांट-पु० हिस्सा, बांटनेकी आज्ञा
छांट-स्त्री० तराश। चुन्ना। संग्रह। चलाजाना
डांट-स्त्री० घुड़की
काटछांट-स्त्री० छील छाल, कतर ब्योंत
मारपीट-स्त्री० स
कीट-पु० कीड़ा
बीट-स्त्री० पक्षियोंका मल
ढीट-उ० शठ
काष्ठकीट-पु० घुन
किरीट-पु० मुकुट, पगड़ी। पिङ्गलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें २४ वर्ण इस क्रमसे हों
ऽ।। + ऽ।। + ऽ।। + ऽ।।
ऽ।। + ऽ।। + ऽ।। + ऽ।।
भ + भ + भ + भ
भ + भ + भ + भ
उ०—छन्द किरीट रचैं कवि कोविद, तो प्रति पाद सुप्रास सुधारत।
ईंट-स्त्री० स
छींट-स्त्री० छपा हुआ कपड़ा। पानीके छींटे
खुटखुट-स्त्री० किसी ज़र्बकी आवाज़
छुट-उ० स
जुट-उ० स
संपुट-पु० सहारा, सहेजा
लुट-उ० स
कूट-उ० स
छूट-उ० स
जूट×स्त्री० सन Jute
झूट-पु० असत्य
टूट-उ० स
फूट-स्त्री० नाइत्तफ़ाक़ी
बूट×पु० जूता, Boot
रूट×स्त्री०जड़, मूल, धातु Root
रंगरूट×-पु० सीखतड़, नो आ-मोज़

लूट-स्त्री० स

शूट×-उ०गोली मारदेना Shoot

कालकूट-पु० विष, ज़हर

ऊंट-पु० मशहूर पशु, शुतर, उष्ट्र, क्रमेल

घूंट-पु० एक सांसमें आया हुआ पानी या दूध आदि, जुरअ, पीना

बूंट-पु० चने अपने वृक्ष सहित

भेट-स्त्री० मुलाक़ात, नज़्र, कुर्बानी

अलसेट-स्त्री० धांदल, वेपरवाई,

रेट×-पु० निर्ख़ भाव Rate

लेट×-उ० देरसे, पीछे Late लेटना,

चपेट-स्त्री० धक्का, एककी दौड़में दूसरेका उलझना

पेट-पु० उदर, शिकम

आखेट-पु० शिकार, अहेर, मृगया

लपेट-उ० स

कोट-पु० Coat प्रसिद्ध कपड़ा। क़िला

ओट-स्त्री० आड़, ओझल

खोट-स्त्री० नुक्स, ख़रावी, ऐब

गोट-स्त्री०हाशिया, मग़ज़ी। नर्द

घोट-उ० घोटनेकी आज्ञा

चोट-स्त्री० स

जोट-स्त्री० जोड़ा, दो बैल

नोट-पु० काग़ज़ी सिक्का, टिप्पणी' याद

पोट-स्त्री० गठरी

वोट-उ० नाव जो इंजिनसे चले Boat

रोट-पु० वड़ी मोटी रोटी

लोट-उ० स

सोट-स्त्री० सीधा तना

कफ़नखसोट-पु० स

लङ्गोट-पु० कोपीन

आगवोट-पु० स्टीमर Steam-ship

लोटपोट-उ० मरजाना, आशिक़

अख़रोट-पु० मशहूर मेवा, गिर्दगां

ले लोट-पु० क़र्ज़ ले कर न देने वाला

अक्षोट-पु० अखरोट
अठ-उ० आठका संक्षिप्त
शठ-पु० दुष्ट, पाजी
गठ-स्त्री० गांठ, क्रिया प्रत्ययके साथ-उ०
मठ-पु० गुम्बद वाला कमरा आश्रम, महन्तोंकी गद्दी
लठ-पु० लट्ठ
कमठ-पु० कछुवा
कर्मठ-उ० कार्य कुशल, चतुर
काठ-पु० काष्ठ
साठ-उ० ६०
आठ-उ० ८
पाठ-पु० सबक़
दण्ड-पु०जुर्माना, सज़ा। लकड़ी
घमण्ड-पु० ग़ुरूर
खुरण्ड-पु० ज़ख़्मका छिलका
अरण्ड़-पु० एक वृक्ष
खण्ड-पु० टुकड़ा
अखण्ड-उ० साबत, बेजोड़,
अण्डबण्ड-उ० बेहूदा बकवास
अण्ड-पु० अण्ड। एक वृक्ष
गण्ड-पु०गाल, हाथीका गाल। गैंडा
प्रचण्ड-उ० तेज़, उग्र
ज़ण्ड-पु० एक वृक्ष
झण्ड-पु० लोहेकी कील जड़ना
मार्त्तण्ड-पु० सूर्य
ठण्ड-स्त्री० सर्दी
पाखण्ड-पु० आडम्बर, ठगईका जाल
कोदण्ड-पु० धनुष
अड़-स्त्री० ज़िद, लाग
घड़-उ० स
छड़-स्त्री० लम्बा पतला बांस
जड़-स्त्री० मूल, बेख़। चैतन्यके विरुद्ध
झड़-पु० लगातार बारिश, ताले की कल स्त्री०
तड़ातड़-उ० मारनेकी आवाज़
थड़-पु० वृक्षका तना
धड़-पु० गर्दनसे नीचेका बदन
धड़ाधड़-उ० मारने गिरानेका शब्द

पड़-उ० स
फड़-स्त्री० सफ़, क़तार, लबे सड़क दुकानसे नीचे सोदा बेचनेकी जगह
बड़-स्त्री० ऊल जुलूल मजज़ूबकी बातें
बड़-पु० बरगद, वट वृक्ष
लड़-उ० लड़नेकी आज्ञा, लड़ी स्त्री०
सड़-उ० सड़नेकी आज्ञा
हड़-स्त्री० एक दवा
अक्खड़-पु० उजड्ड, उद्दंड
अल्हड़-उ० नातजुर्बाकार, निर्द्वन्द, मन मौजी
लक्कड़-पु० स
थप्पड़-पु० तमांचा
धग्गड़-पु० व्यभिचारिणीकायार
पग्गड़-पु० बड़ी पगड़ी
झक्कड़-पु० आंधी
सुकड़-उ० आकुंचन
उखड़-उ० स
बिगड़-उ० नाराज़गी, तबाही, बुरा होनेका आज्ञार्थ रूप
पकड़-उ० स
अकड़-उ० स
अनघड़-उ० अक्खड़
चौपड़-स्त्री० चौसर
बीहड़-पु० भयानक जंगल
रगड़-स्त्री० स
झगड़-उ० स
गूदड़-पु० गूदड़े, चिन्दियां
कीचड़-स्त्री० पंक
लीचड़-पु० कमहौसिला, अनुदार
मक्कड़-पु० बड़ी मकड़ी
फक्कड़-पु० आज़ाद, बेधड़क
भंगड़-पु० भंग पीने वाला
फूहड़-स्त्री० बदसलीक़ा औरत
थूहड़-पु० एक वृक्ष
दुहत्तड़-स्त्री० दोनों हाथकी मार
बालछड़-स्त्री० एक खुशबूदार दवा, संबुल, बिल्ली लोटन

पापड़-पु० स
बूचड़-पु० क़साई
आड़-स्त्री० परदा, ओझल, छुपाव
उखाड़-स्त्री० स
पछाड़-स्त्री० स
झाड़-पु० एक वृक्ष
ताड़-पु० एक वृक्ष ताड़ना, तकना
धाड़-स्त्री० हल्ला
पाड़-स्त्री० मकान चुनने को बाँसों का बंधा हुआ ठाटर
फाड़-उ० स
बाड़-स्त्री० किनारा
भाड़-पु० अन्न भूनने की भट्टी, गिलखन
राड़-स्त्री० तकरार
लाड़-पु० प्यार
हाड़-पु० हड्डियां
पहाड़-पु० स
किवाड़-स्त्री० स
उजाड़-उ० स

दराड़-स्त्री० स
उपाड़-पु० स
पछाड़-स्त्री० ग़श, गिराना
छेड़छाड़-स्त्री० स
मारधाड़-स्त्री० लड़ाई
खिलाड़-उ० खेलनेवाला
निवाड़-स्त्री० पलंग बुन्नेकी सूती पट्टी
चिंघाड़-स्त्री० हाथीकी आवाज़
काट कवाड़-पु० स
अड़वाड़-स्त्री० किसी गिरती हुई चीज़का सहारा
बिगाड़-पु० लड़ाई, अनबन
चिड़-स्त्री० चिड़ाने वाली बात, नाराज़गी
पिड़-स्त्री० गुरोह, धड़ेबन्दी
भिड़-स्त्री० पीला ततैया।
मिलना
सिड़-स्त्री० ख़फ़क़ान, दीवानगी
पीड़-स्त्री० दर्द
चीड़-स्त्री० एक लकड़ी
भीड़-स्त्री० हुजूम

उछीड़-स्त्री० भीड़के विरुद्ध
उड़-उ० स
जुड़-उ० स
गुड़-पु० क़न्दे सियाह
मुड़-उ० स
गरुड़-पु० विष्णुभगवानका वाहन, खगेश
एड़-स्त्री० एड़ी, घोड़ेको तेज़ चलानेके लिये पाँऊ का इशारा (ज़ीन सवारीमें)
उखेड़-स्त्री० स
खचेड़-स्त्री० स
छेड़-स्त्री० स
अधेड़-उ० पुख्ता उम्र, जवानी और बुढ़ापेके बीचकी अवस्था
निबेड़-स्त्री० निर्वाह
पेड़-पु० वृक्ष
भेड़-स्त्री० मेष, बकरीकी सहेली, भोलेकी उपमा हिक़ारतके साथ
रेड़-स्त्री० सत्या नास
उधेड़-उ० स
लथेड़-स्त्री० ज़िल्लत, पख़, विकार
खदेड़-स्त्री० भगाना
जोड़-पु० स
तोड़-पु० तोड़नेकी आज्ञा, खंडन, उतार
मरोड़-स्त्री० स
निचोड़-पु० सार, खुलासा
अखोड़-स्त्री० बचाखुचा खराब माल
छोड़-उ० स
झंजोड़-उ० स
फ़ोड़-उ०
होड़-स्त्री० हिर्स, रीस
हँसोड़-स्त्री० हंसमुखस्त्री
मोड़-पु० कौना, गोशा, किनारा रास्तेका मुड़ाव
सकोड़-स्त्री० आकुंचन
बँदोड़-स्त्री० दासी, बांदी
चचोड़-उ० चूसना
गोड़-उ० घुटना

ढ़कारान्त

गढ़-पु० क़िला

चढ़-उ० आरोह

पढ़-उ० स

बढ़-उ० स

काढ़-उ० निकाल

गाढ़-उ० गहरी

आषाढ़-पु० एक महीनेका नाम

गूढ़-उ० गहरा, मुश्किलसे समझमें आनेवाला, अदक़

मूढ़-पु० बेवुक़ूफ़

कूढ़-पु० कुन्द ज़हन, ठस, जाहिल

अध्यारूढ़-पु० चढ़नेवाला

णकारान्त

कण-पु० रवा, ज़र्रा, किनका, अन्न

गण-पु० समूह, झुण्ड, जथा। कोटि। पिंगलमें तीन अक्षरोंका समूह, मात्राओंकी गिन्तीसे टगण आदि ५ प्रकार

क्षण-पु० थोड़ा समय, सेकण्ड

अवतरण-पु० उतरना

रण-पु० संग्राम

शरण-स्त्री० पनाह

चरण-पु० पाँऊं, चौथाई छन्द, मिसरा

अन्वेषण-पु० तालाश, ढूंढना

रमण-पु० पति, ख़ाविंद

अपक्षेपण-पु० नीचेको फेंकना

अपवारण-पु० अन्तर्द्धान, छुपना

अघमर्षण-पु० पापोंका नाशक, सन्ध्याके कुछमंत्र

दूषण-पु० दोष, ऐब

अवदारण-पु० कुदाल, खोदनेका औज़ार

अवधारण-पु० निश्चय करना

कारण-पु० सवव, इल्लत

आभरण-पु० ज़ेवर

आभूषण-पु० „

भाषण-पु० लेकचर, स्पीच, उपदेश, तक़रीर

आवरण-पु० परदा

निरीक्षण-पु० देखना
उदाहरण-पु० मिसाल
कंकण-पु० कंगन, हाथका ज़ेवर
लवण-पु० नमक
कृपण-पु० कंजूस
मनहरण-पु० पिंगलका एक छन्द जिसमें ३१ वर्ण लघु गुरुका नियम छोड़ कर ध्वनिके आधारपर ८ + ८ + ८ + ७ पर यति वाले हों इसे कवित्त भी कहते हैं। उ०
तोतेको पढ़ावनमें,
गणिकाने बाँधलियो,
बाँध लियो कुंजरने,
प्रेमकी पुकारोंमें।
कल्याण-पु० मंगल, भलाई, शुभ
प्रमाण-पु० सुबूत
भाण-पु० नाटकका एक भेद
घ्राण-स्त्री० नाक
बाण-पु० तीर। ब्रह्मभट्ट ब्राह्मण कुलके एक महाकवि का नाम जिनका रचा हुआ कादम्बरी ग्रन्थ और हर्ष चरित्र है
परिमाण-पु० मिकदार, नाप
पुराण-पु० पुराना। वैदिक मतानुसार ऐतरेय, शतपथ आदि ब्राह्मण ग्रन्थोंका नाम:-
ब्राह्मणानीतिहासा
न् पुराणानि कल्पान्
गाथा नाराशंसीरिति
सनातन धर्मके मतसे मत्स्य, कूर्म, नारद शिव, अग्नि आदि १८ पुराणोंका नाम
पाषाण-पु० पत्थर
कृपाण-स्त्री० तलवार (सं० पु०)
काण-पु० काना, कव्वा
आघ्राण-पु० सूंघना
प्रवीण-उ० निपुण, कामिल
क्षीण-उ० दुबला, घटा हुआ

गुण-पु० हुनर, खूबी। रस्सी। सत, रज, तम

अरुण-उ० लाल, सुर्ख

निपुण-उ० पूरा, कामिल

अवगुण-पु० ऐब

कोण-पु० कौना

द्रोण-पु० दौना, पत्तेका खलव्वा

तकारान्त

तबीअत×स्त्री०, मिज़ाज, आदत, स्वभाव

ताक़त×स्त्री० शक्ति

लियाक़त×स्त्री० योग्यता

नज़ाकत×स्त्री० कोमलता, नाज़ुकपन

लागत-स्त्री० ख़र्चा

रंगत-स्त्री० रंग

संगत-स्त्री० सोहबत, संग, रंडियोंके साथ साज़ बजानेवाले

अनागत-उ० आनेवाला, भविष्यत, मुस्तक़बिल

कनागत-पु० श्राद्ध, आश्विन कृष्ण पक्ष

बचत-स्त्री० बचरहना, नफ़ा, पसन्दाज़ होना

छत-स्त्री० स

हुज्जत×स्त्री० दलील, झगड़ा

इज़्ज़त×स्त्री० प्रतिष्ठा

इजाज़त×स्त्री० आज्ञा

शहादत×स्त्री० गवाही, साक्षी, धर्मार्थ कटमरना

आदत×स्त्री० स्वभाव, टेव

महनत×स्त्री० परिश्रम

अमानत×स्त्री०धरोर, रक्षार्थसौंपी हुई चीज़

ख़यानत×स्त्री० चोरी, अमानतमेंसे कुछ चुरा लेना

द्यानत×स्त्री० ईमानदारी

ज़मानत×स्त्री०ज़िम्मेदारी, किफ़लत, आड़

पत-स्त्री० इज़्ज़त

चम्पत-उ० चलदेना

चपत-स्त्री० तमाचा, थप्पड़ जो चांद पर पड़े

खपत-स्त्री० खपजाना, ख़र्चमें आना

नौवत×स्त्री० बाजा गाजा,-पहुंचना-वात यहाँ तक आयी

मुसीवत×स्त्री० संकट, दुःख

मुहव्वत×स्त्री० प्रेम

शर्वत×पु० मीठा मिला पानी

मत-अ० इंकारकाशव्द, निषेध वाचक। मज़हव-पु०

हिकमत×स्त्री० वैद्यक, वुद्धिमानी

क़ीमत×स्त्री० मूल्य

हिम्मत×स्त्री० साहस

ख़िदमत×स्त्री० सेवा

क़िस्मत×स्त्री० भाग्य, नसीव

आयत-उ० लम्वा, तूल

शिकायत×स्त्री० गिला, चुग़ली

हिकायत×स्त्री० कहानी

निहायत×अ० अत्यन्त

किफ़ायत×स्त्री० जुज़रसी, सोच समझ कर ख़र्च करना

हज़रत×पु० सम्मान वाचक शव्द, व्यङ्ग रूपसे वदमआश

इमारत×स्त्री० मकान, महल, हवेली

अकारत-उ० व्यर्थ, निष्फल

हिक़ारत×स्त्री० तुच्छता

ग़ारत×उ० वरवाद, लूट

भारत-पु० हमारा देश, हिन्दुस्तान

आरत-उ० दुखी, दीन

कुदरत-×स्त्री० शक्ति, माया, निसर्ग

नफ़रत×स्त्री० घृणा, द्वेष

अनवरत-उ० लगातार, निरन्तर

दौलत×स्त्री० धन, लक्ष्मी

अदालत×स्त्री० न्यायालय

विकालत×स्त्री० वकीलपन

अलालत×स्त्री० वीमारी

हालत×स्त्री० अवस्था

जहालत×स्त्री० उद्दण्डता, बेवु-कूफ़ी, मूर्खता

इल्लत×स्त्री० कारण, बुरी आदत

ज़िल्लत×स्त्री० बेइज़्ज़ती

क़िल्लत×स्त्री० कमी, न्यूनता

मिल्लत×स्त्री० मेल, मज़हब

अदावत×स्त्री० दुश्मनी, शत्रुता

दावत×स्त्री० निमन्त्रण, भोजन खिलाना, खाना

सख़ावत×स्त्री० उदारता

कहावत-स्त्री० जर्बुलमसल

महावत-पु० हाथीवान

धैवत-पु० सात स्वरोंमेंसे एक स्वर

दहशत-स्त्री० भय, डर

वहशत×स्त्री० दीवानापन

अक्षत-उ० जो टूटा न हो। चावल

रुख़सत×स्त्री० विदा

नहूसत× दरिद्रता, अशुभता

फ़ुर्सत×स्त्री० अवकाश

रियासत×स्त्री० स्टेट, मिल्क, ज़िमींदारी

कात-उ० कातनेकी आज्ञा और अपूर्ण क्रिया

गात-पु० अंग, बदन

घात-स्त्री० कार्य सिद्धिके लिये अवसर तकना, बुराई, दांव। धक्का ज़र्ब-पु०

जात-उ० जाते हुए। पैदा

तात-पु० मृदुसम्बोधन, पिता

दवात-स्त्री० मसीपात्र

पात-पु० पत्ते, गुड़की पतली चाशनी जो प्रसूताको पिलाते हैं

भात-पु० चावल, ओदन। भग्नि सन्तानके विवाहमें दिया हुआ माल

रात-स्त्री० रात्रि

लात-स्त्री० स

बात-स्त्री० स

सात-उ० ७

बरात-स्त्री० स

परात-स्त्री० थालीके आकारका बड़ा बर्तन
बनात-स्त्री० मशहूर ऊनी कपड़ा
विख्यात-उ० मशहूर, प्रसिद्ध
प्रभात-पु० प्रातः काल
किरात-पु० भील, शबर
क़नात×स्त्री० कपड़ेका पर्दा
मात×उ० बाज़ी हारना
मुलाक़ात-×स्त्री० स
करामात्×स्त्री०माया, करिश्मा, चमत्कार
गुजरात-पु० देश विशेष
बरसात-स्त्री० वर्षा ऋतु
इस्पात-पु० फ़ौलाद
अकस्मात-अ० अचानक, यका यक
अलात-पु० कोयला
अवदात-पु० श्वेत रंग, चिट्टा
आघात-पु० चोट, प्रहार
उत्पात-पु० उपद्रव, झगड़ा
अरसात-पु० अलस, आलस्य, पिंगलका वह छन्द जिसमें २४ वर्ण इस क्रमसें हों

SII + SII + SII + SII
SII + SII + SII + SIS
७ भगण+१ रगण, उ०

सुन्दर स्वच्छ सुकोमल
अच्छ तुकान्त लगाय
कवित्त सजाइये

भुजङ्गप्रयात-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके एक चरणमें १२ अक्षर इस क्रमसे हों

ISS + ISS + ISS + ISS
य + य + य + य

अनायास ही प्रास है
छन्द-शोभा।

इसका अन्तिम वर्ण कम करनेसे भुजंगी छन्द हो जाता है, उ०

मज़ा दे गया क़ाफ़िया
छन्दमें

आँत-स्त्री० अँतड़ियां
दाँत-पु० रदन, दन्त

तांत-स्त्री० रग पट्ठेकी बटी हुई डोरी
शान्त-उ० स
कान्त-पु० पति
क्लान्त-उ० थका हुआ
इत-अ० इधर
कित-अ० किधर
चित-पु० दिल, हृदय, मन
संचित-उ० जमा किया हुआ
कल्पित-उ० फ़र्ज़ी, कल्पना किया हुआ
कुपित-उ० नाराज़, क्रुद्ध
शोधित-उ० संशोधन किया हुआ
प्रचरित-उ० प्रचार पाए हुए, मशहूर
चरित-पु० चरित्र, चाल चलन, जीवन वृत्तान्त
हित-पु० फ़ायदा, लाभ
पित-पु० तीन दोषोंमेंसे एक पित्त
नित-अ० रोज़, नित्य, हमेशा

सुशोभित-उ० ज़ेबा, शोभा पाए हुए
संकुचित-उ० भिची हुई-हुआ
सरित्-स्त्री० नदी
शत्रु जित-पु० दुशमनको जीतने वाला
अंकित-उ० लिखा हुआ
प्रफुल्लित-उ० खुश, प्रसन्न
अनुचित-अ० नामुनासिब
भूषित-उ० सजा हुआ-हुई
प्रसारित-उ० फैलाए हुए
पण्डित-पु० विद्वान
खंडित-उ० टूटा हुआ
ललित-उ० सुन्दर, मनोहर
अर्पित-उ० भेट की हुई-हुआ
अर्चित-उ० पूजी हुई-हुआ
कम्पित-उ० कांपता हुआ
उचित-अ० मुनासिब
क्षालित-उ० धोया हुआ
कुत्सित-उ० बदनाम, निन्दित
निन्दित-उ० „ „
अकालपीड़ित-उ० क़हतजदा, दुष्कालका मारा हुआ

शार्दूल विक्रीड़ित-पु० पिंगलका
वह छन्द जिसके हर
चरणमें १६ वर्ण इस
प्रकार हों
ऽऽऽ + ।।ऽ + ।ऽ। × ।।ऽ,
ऽऽ। + ऽऽ। + ऽ
म+स+ज+स+त+त+ग
१२, ७ पर यति। उ०
हिन्दीमें रच प्रास युक्त
कविता, शोभा बढ़े
छन्दकी

जीत,-स्त्री० फ़तह, विजय

गीत-पु० गाना

व्यतीत-उ० गुज़रना

नवनीत-पु० मक्खन

पीत-उ० पीला, ज़र्द

यज्ञोपवीत-पु० जनेऊ

अधीत-उ० पढ़ा हुआ

शीत-पु० ठंड, सर्दी

प्रणीत-उ० बनाया हुआ, तस-
नीफ़ किया हुआ

संगीत-पु० गान विद्या

बातचीत-स्त्री० गुफ्तगू

शिलाजीत-स्त्री० शिलाजतु मश
हूर दवा

पीलीभीत-स्त्री० एक नगरी

अतीत-उ० भूतकाल

अभिनीत-उ० सीखा हुआ,
शिक्षित

अद्भुत-० अजीब, विचित्र

च्युत-उ० गिरा हुआ

सुत-पु० बेटा

मारुत-पु० पवन

जुत-उ० जुतनेकी आज्ञा और
अपूर्ण क्रिया

प्रस्तुत-उ० मौजूद

विद्युत-स्त्री० बिजली

सुश्रुत-पु० वैद्यकका प्रसिद्ध ग्रन्थ
कर्त्ताके नाम पर

ऊत-पु० बे औलादा, गाली,
मूर्ख

कूत-स्त्री० अन्दाज़ा

छूत-स्त्री० स

अछूत-उ० स

पूत-पु० पुत्र
सुपूत-पु० लायक़ बेटा
कुपूत-पु० नालायक़ बेटा
शहतूत-पु० एक वृक्ष और उस का फल
भूत-पु० पृथ्वी आदि पंच भूत। गुज़रा हुआ। प्रेतादि वहमी हस्ती
भबूत-स्त्री० भस्म, धूल
सूत-पु० स
प्रसूत-उ० जनना
अवधूत-पु० औघड़, मस्त साधु
सुबूत-पु० प्रमाण
अन्तर्भूत-उ० छुपा हुआ
खेत-पु० क्षेत्र, अन्न बोनेका स्थान मैदान। समर भूमि
चेत-उ० होशयार हो
देत-उ० देता है, देनेमें
लेत-उ० लेता है, लेनेमें
हेत-उ० वास्ते। प्रेम
संकेत-पु० इशारा
रेत-उ० रेणुका, रेता
श्वेत-उ० सफ़ेद
प्रेत-पु० शव
निकेत-पु० घर
कुम्मैत-उ० तेलिया सियाह रंग
फिकैत-पु० पटावाज़
पटैत-पु० „
डकैत-पु० डाकू
चैत-पु० एक हिन्दी महीना चैत्र
ओतप्रोत-उ० अन्तर्व्याप्त, ओत का अर्थ तागा-गुथा हुआ-बुना हुआ, प्रोतका अर्थ पोत-मोती, जैसे मोतियोंमें तागा व्याप्त रहता है ऐसेही ईश्वर सर्व जड़चैतन्यमें व्याप रहा है इसी लिये ईश्वरके विशेषणमें आता है
गोत-पु० गोत्र
खद्योत-पु० पटवीजना, जुगनू
जोत-स्त्री० ज्योति, चमक
सोत-पु० स

कपोत-पु० कबूतर
पोत-पु० जहाज़, छोटे मोती ।
ओत-स्त्री० नफ़ा, फ़ायदा, बचत
मौत×स्त्री० मृत्यु
फ़ौत×उ० मरना
सौत-स्त्री० सौतन, सौकन
रसौत-पु० एक दवा
कौत-पु० तअल्लुक़ सम्बन्ध
अन्त-पु० अख़ीर
कन्त-पु० पति
सन्त-पु० साधु
अत्यन्त-अ० निहायत
पर्य्यन्त-अ० तक
पढ़ंत-स्त्री० पढ़ना, मंत्र पढ़ना
सीमन्त पु० एक संस्कार
हन्त-अ० अफ़सोस
महन्त-पु० मठाधीश
वसन्त-पु० ऋतुराज
लड़न्त-पु० कुश्ती
तन्त-पु० तत्व, तारका बाजा
एकदन्त-पु० गणेशजी

थकारान्त

अथ-अ० ग्रन्थके आरंभ में मांगलिक शब्द, आरंभ-सूचक शब्द
कथ-उ० निर्माण की आज्ञा, कहना
रथ-पु० मशहूर सवारी स्यन्दन
पथ-पु० रास्ता
मथ-उ० मथन करना
मन्मथ-पु० कामदेव
नथ-स्त्री० स्त्रियोंकी नाकका ज़ेवर
साथ-अ० संग
हाथ-पु० कर
क्वाथ-पु० काढ़ा, जोशांदा
यूथ-पु० समूह
कर्णगूथ-पु० कानका मैल, घूग

दकारान्त

सद×उ० सौ १००
रद×उ० निकम्मा, ख़ारिज, रद्दी
बद×उ० बुरा

मद-पु० नशा
नद-पु० समुद्र, स्वाभाविक जल प्रवाह
मदद×स्त्री० सहाय
हद×स्त्री० सीमा
पद-पु० पदवी, ओहदा, चरण
सनद×स्त्री० सार्टिफ़िकट Certificate
हसद×पु० ईर्ष्या
क़द×पु० शरीरकी लम्बाई
रसद×स्त्री० सेना या सरकारी आदमियोंको खाने पीनेका सामान पहुंचाना
मसनद×स्त्री० उच्चासन, सिंहासन
गुम्बद×पु० लदावका गोल चुना हुआ स्थान
खुशामद×स्त्री० चापलोसी
बरगद-पु० वट वृक्ष, वड़
धुरपद-पु० गानभेद जो प्रायः चौताले में गाया जाता है

अगद-स्त्री० दवा (सं० पु०)
अङ्गद-पु० वालीपुत्र जो रावण-की सभामें रामचन्द्र-जीका दूत बनकर गया था
विवाद-पु० बहस, झगड़ा, कलह
प्रमाद-पु० आलस्य, बेपरवाई, असावधानी
प्रसाद-पु० महरवानी, तवर्रुक
खाद-स्त्री० खेतोंमें डालने योग्य पदार्थ *
गाद-स्त्री० तलछट, नींचे बैठा हुआ मैल
प्रह्लाद-पु० प्रसिद्ध हरिभक्त
मर्याद-स्त्री० सीमा
याद-स्त्री० स्मृति
फ़रयाद×स्त्री० स
दाद×स्त्री० इन्साफ़ । दद्रु रोग
उन्माद-पु० बदमस्ती

---

* इस विषयकी एक अत्युत्तम और अपूर्व पुस्तक 'खाद" हिन्दी पुस्तक एजेन्सी १२६, हरिसन रोड कलकत्तासे १) में मिलती है

निषाद×पु० एकजाति कहार धीवरके समान।

एक स्वर

विषाद-पु० ज़हरी, जड़ता, खेद

बुनियाद×स्त्री० जड़, मूल

जल्लाद×पु० वधक, फांसी या सूली लागाने वाला

नाद-पु० आवाज़, संगीत

पाद-पु० मिसरा, छन्द का एक चरण

औलाद×स्त्री० सन्तान

उस्ताद×पु० गुरु

फ़ौलाद×पु० उत्तम लोहेका भेद

आह्लाद-पु० आनन्द, प्रसन्नता

शाद×उ० खुश

इर्शाद×पु० आज्ञा, हुक्म

मुराद×स्त्री० अभिलाषा

फ़साद×पु० झगड़ा, विकार

स्वाद×पु० ज़ायक़ा

आज़ाद×उ० स्वतंत्र

बरबाद×उ०उजड़ना तबाह, होना

आबाद×उ० बसना

इमदाद×स्त्री० मदद

दामाद-पु० जामातृ, जमाई

ईजाद×उ० आविष्कार

बेदाद×स्त्री० अन्याय

ख़ैराद } स्त्री० गोल वस्तु छीलनेका औज़ार लेट मशीन Lathe
ख़र्राद }

अनुवाद×पु० तर्जुमा

अपवाद-पु० विरोध, मुस्तस्ना

अभिवाद-पु० प्रणाम, वन्दना

कलाद-पु० सुनार, स्वर्णकार, ज़रगर

कोविद×पु० पंडित

ज़िद×स्त्री० दुराग्रह, हठ

क़ासिद×पु० दूत, पेग़ाम्बर

हासिद×पु० ईर्ष्या करनेवाला

मसजिद×स्त्री० ईश्वरके सामने सिजदा करनेकी जगह, इबादतगाह

अरविन्द-पु० पिङ्गलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें

२५ वर्ण इस क्रम से हों
ऻऽ + ऻऽ + ऻऽ + ऻऽ
ऻऽ + ऻऽ + ऻऽ + ऻऽ+।
स + स + स + स
स + स + स + स+ल
यदि प्रास निवास करें
पदमें, अति सुन्दर छन्द
कहैं कवि ताहि

पलीद×उ० अशुद्ध, नजिस
ताकीद×स्त्री० ज़ोर देकर कहना
रसीद×स्त्री० पहुँच
मुरीद×पु० चेला
ज़नमुरीद×पु० स्त्रीलम्पट, औरत का गुलाम
जदीद×उ०नई-नया
बईद×उ० दूर
ईद×स्त्री० मुसलमानोंका मशहूर त्यौहार
दीद×दर्शन
हमीद×उ० प्रशंसित
तरदीद×स्त्री० खण्डन
ताईद×स्त्री० अनुमोदन
मरवारीद×पु० मोती
ख़रीद×स्त्री० मोल लेना
ख़ुरशीद×पु० सूरज
उम्मीद×स्त्री० आशा
कुसीद×पु० सूद, व्याज
ख़ुद×उ० स्वयं
हुदहुद×पु० एक पक्षी
ज़मुर्रुद×पु० रत्न विशेष
अम्बुद-पु० मेघ, बादल
कुमुद-पु० कमल
सूद×पु० व्याज, लाभ, फ़ायदा
कूद-उ० कूदनेकी आज्ञा और अपूर्ण क्रिया
अमरूद-उ० मशहूर फल
वुजूद-पु० अस्तित्व
ऊद×पु० एक खुशबूदार लकड़ी, अगर
मर्दूद×पु० रद किया हुआ, निकाला हुआ, बेइज़्ज़त
मौजूद×उ० उपस्थित
खेलकूद-पु० स
वेद-पु० ईश्वरकृत धर्म पुस्तक

भेद-पु० क़िस्म, राज़, फ़र्क़
छेद-पु० सूराख़
स्वेद-पु० पसीना
अभेद-पु० एकता
विनोद-पु० कौतूहल, क्रीड़ा
प्रमोद-पु० प्रसन्नता
गोद-स्त्री० स
सरोद×पु० सितारके ढबका एक बाजा
अजमोद-पु० एक दवा अजवाइनके रूपकी
खोद-उ० खोदना
अम्भोद-पु० मेघ, बादल
आमोद-पु० आनन्द
आनन्द-पु० प्रसन्नता, ख़ुशी
बन्द-पु० रुकावट, उर्दू कविता का एक अंश । जोड़ । निरुत्तर
कन्द-पु० वृक्षमात्रकी जड़, जमीनके अन्दरको बढ़ने वाला शाक
मन्द-उ० मलिन
मकरन्द-पु० पुष्परस
नन्द-पु० श्रीकृष्णके (पालक) पिता
छन्द-पु० कविता करनेको पिंगलके नियमोंसे बना हुआ माप, बहर
सौगन्द-स्त्री० क़सम
फन्द-पु० फन्दा
बुलन्द×उ० ऊंचा
स्पन्द-पु० थोड़ा हिलना, आंख का फड़कना
पसन्द×स्त्री० स
परन्द×पु० पक्षी
फ़रज़न्द×पु० बेटा, सन्तान
पैवन्द×पु० जोड़, थिगली
दर्दमन्द×पु० दुखी
समन्द×पु० घोड़ा, घोड़ेका एक रङ्ग
समरक़न्द×पु० एक नगर
ज़िमींक़न्द×पु० शाक विशेष
दानिशमन्द×पु० बुद्धिमान
असगन्द-पु० एक दवा

रेवन्द-पु० एक दवा

कमन्द-स्त्री० सरक फांसी, चमड़ेका वो रस्सा जो शत्रु की गर्दनमें डाल कर खींचनेके काम आता है, चोरोंका रस्सा जिस्से कोठे पर चढ़ जाते हैं

हरचन्द-अ० वहुत कुछ

शकरक़न्द-पु० शकरक़न्दी मशहूर कन्द

अवस्कन्द-पु० छावनी

आक्रन्द-पु० ऊंचे स्वरसे रोना

मत्तगयन्द-पु० पिंगलका एक छन्द सवैया जिसके एक चरणमें २३ वर्ण इस प्रकार हों

ऽ।। + ऽ।। + ऽ।। + ऽ।।
ऽ।। + ऽ।। + ऽ।। + ऽऽ
७ भगण+गु गु। उ०
मत्तगयन्द रचो कवि-वृन्द पदान्त तुकान्तहु धारि सुधारो

धकारान्त

वध-पु० मारना क़त्ल करना

अवध-पु० प्रान्त विशेष

अगाध-उ० वहुत गहरा

साध-पु० साधन, साधुका अपभ्रंश

अपराध-पु० कुसूर, ख़ता पाप

व्याध-पु० वधक, सय्याद, चिड़ीमार

अवाध-उ० जिसमें वाधा न हो

वुध-पु० होशयार, एक दिनका नाम

सुध-स्त्री० होश

आयुध-पु० हथियार

अश्वमेध-पु० एक यज्ञ जिसमें घोड़ा छोड़कर शत्रु और मित्रकी परीक्षा करते हैं, जो घोड़ेको रोकता है वह प्रतिकूल समझा जाता है उसके साथ संग्राम होता है

वेध-पु० वींधना
मच्छवेध-पु० काग़ज़ी मछलीको मुं: फेर कर वींधना जैसा द्रोपदी स्वयम्बरमें अर्जुनने निशाना उड़ाया था
कर्णवेध-पु० कनछेदन संस्कार
बोध-पु० समझ, ज्ञान
अनुरोध-पु० मीठी ज़िद
क्रोध-पु० गुस्सा
अन्ध-पु० अन्धा
प्रबन्ध-पु० इन्तज़ाम
गन्ध-स्त्री० बू
बन्ध-पु० मोक्षके विरुद्ध बन्धन

नकारान्त

अवलोकन-पु० देखना, दर्शन
मसकन×पु० रहनेकी जगह रहठान
धड़कन-स्त्री० स
अचकन×स्त्री० अंङ्गरखे और कोटसे मिश्रित वस्त्र
लटकन-पु० नाकमें पहननेका भूषण। लटकानेवाला लम्प
चिकन-स्त्री० एक फूल वेलवाला कपड़ा
मक्खन-पु० स
गगन-पु० आकाश, नभ
मगन-उ० खुश, आनन्दित
लगन-स्त्री० अति प्रेम
रोग़न-पु० स
कंगन-पु० करभूषण
जोगन-स्त्री० योगिनी
मोचन-पु० छुड़ाने वाला, मोची की स्त्री स्त्री०
लोचन-पु० आंख
विरोचन-पु० सूर्य, प्रह्लादका पुत्र
कंचन-पु० सोना, वेश्याका कुल
खुर्चन-स्त्री० जो छील छालसे प्राप्त हो, वालाई आमदनी
वंसलोचन-पु० वांसका सत्व औषधि

प्रयोजन-पु० मतलब
अञ्जन-पु० सुर्मा
मञ्जन-पु० दांतोंमें मलनेका चूर्ण
खंजन-पु० ममोला पक्षी
गञ्जन-उ० नाश करने वाला
रंजन-उ० आनन्द देने वाला
भंजन-उ० तोड़ने वाला
सोज़न×स्त्री० सुई, सूचि
मख़ज़न×पु० ख़ज़ाना, भण्डार
मुतंजन×पु० एक मुसलमानी खाना
सूजन-स्त्री० स
महाजन-पु० बड़ा आदमी, वणिक्
पूजन-पु० स
तन-पु० शरीर
वतन×पु० देश, जन्म भूमि
सौतन-स्त्री० पतिकी दूसरीस्त्री
बरतन-पु० स
अदन×पु० अरबकी तरफ़ एक नगर
बदन-पु० चहरा, शरीर
कुन्दन-पु० सोना, जवाहिरात जड़नेका मसाला
चन्दन-पु० स
ओदन-पु० भात, रंधे हुए चावल
क्रन्दन-पु० रोना
धन-पु० दौलत, माल
साधन-पु० वसीला, औज़ार
बन्धन-पु०मुक्तिके विरुद्ध फंसाव
समधन-स्त्री० समधीकी स्त्री, औलादकी सास
आनन-पु० मुख, चहरा
कानन-पु० वन
मनन-पु० मनमें विचार करना, रटना
उद्दीपन-पु० प्रकाशन, रोशनी
बचपन-पु० स
फन-पु० सांपका मुः
फ़न×पु० हुनर, कला, विद्या
गोफन-पु० गोफिया वह रस्सी का हथयार जिसमें कंकर रखकर जानवरोंको मारते हैं, फ़लाख़ुन

अनवन-स्त्री० लड़ाई, बिगाड़, शकररंजी

अवलम्बन-पु० लटकना, सहारा लेना

बन-पु० जंगल

जोबन-पु० यौवन

फबन-स्त्री० सुन्दरता

मन-पु० इन्द्रिय द्वारा विषयको जान्ने वाला

चमन×पु० बग़ीचा

दमन-स्त्री० नलकी स्त्री, दवाना पु०

ख़िर्मन×पु० राशि, ढेर

दामन×पु० लहँगा, अँगरखेका निचला भाग

जामन-स्त्री० जम्बु-वृक्ष-फल

चिलमन-स्त्री० झरोकेदार पर्दा जो तीलियोंका बनाया जाता है

परन-पु० प्रण। तालभेद स्त्री०

कतरन-स्त्री० किसी व्यौंतसे बचे हुए छोटे टुकड़े

उतरन-स्त्री० उतारे हुए वस्त्र जो दूसरेको दे दिये जाएं

अटेरन-पु० सूतकी अट्टी बनानेका आला

अजीरन-पु० बदहज़मी

छीलन-उ० स

मालन×स्त्री० मालीकी स्त्री, हिन्दीमें मालिन

बेलन-पु० पूरी रोटी आदि बेलनेका आला

जलन-स्त्री० सोज़िश

चलन-पु० स

आन्दोलन-पु० तलाश, बारबार हरकत

सावन-पु० श्रावण महीना

चितवन-स्त्री० नज़र, निगाह, त्यौरी

दर्शन-पु० दीदार, देखना, शास्त्र

जोशन×पु० भुजाओंपर बांधनेका ज़ेवर

रोशन×उ० प्रकाशित

गुल्शन×पु० बाग़

स्टेशन×पु० स Station
अनशन-पु० न खाना, उपवास
अनुशासन-पु० आज्ञा, हुक्म, हुकूमत
आसन-पु० स
वासन-पु० स
सिंहासन-पु० राजगद्दी, तख्त
सन-पु० रस्सी वनानेका द्रव्य
वेसन-पु० चनेकी दालका आटा
आरोहन-पु० चढ़ना
मोहन-पु० नाम, मोहनेवाला
सोहन-पु० नाम, खूवसूरत
दुलहन-स्त्री० तुरतकी विवाहिता स्त्री नववधु
दहन×पु० मुंः
पैरहन×पु० लिवास
आवाहन-पु० वुलाना
आन-स्त्री० छव, शान, अदा, अनवट, ढव, सौगन्द, निषेध-जैसे उनके घर काली चुनरीकी आन है। हट। आवरू
कुरआन-पु० इसलामी धर्म पुस्तक
कान-पु० कर्ण खानि×स्त्री०
मकान-पु० स
दुकान-स्त्री० स
लगान-पु० ज़मीनका महसूल
गान-पु० सङ्गीत
पहचान-स्त्री० स
मचान-पु० ऊंचा आसन
नीचान-पु० नीचाई
ऊँचान-पु० ऊँचाई
छान-पु०छप्पर। छाननेकी आज्ञा
जान×स्त्री० रूह, जिन्दगी
अनजान-उ० ना-वाक़िफ़
अनुष्ठान-पु०वेदविहित शुभ कर्म
पठान-पु० एक मुसलमान जाति
तान-स्त्री० गानेमें एक क्रिया
सन्तान-स्त्री० औलाद, वास्तवमें पुल्लिंग है परन्तु हिन्दी वोल चालमें स्त्री० है
आनतान-स्त्री०इज़्ज़त, हट, नख़रा
दास्तान-स्त्री० कहानी

हिन्दुस्तान-पु० भारतवर्ष
सुलतान-पु० राजा, बादशाह
मुलतान-पु० एक नगर
थान-पु० पशुवोंके बाँधने की जगह। कपड़ेका ताक़ा
स्थान-पु० मुक़ाम, जगह
दान-पु० पुण्य, ख़ैरात, धर्मार्थ देना
निदान-पु० रोगका जांचना
नादान×पु० अज्ञानी
मैदान×पु० स
धान-पु० छिलकों सहित चावल
निधान-पु० निधि, ख़ज़ाना
अनुसन्धान-पु० तलाश करना
अन्तर्द्धान-पु० छुपना, ग़ायब होना
अपिधान-पु० ढकना
अवधान-पु० सावधानी
उपधान-पु० तकिया
पान-पु०ताम्बूल। पीना
सोपान-पु० सीढ़ी
धानपान-उ० नाज़ुक, सुकोमल
अनुपान-पु० जिसके साथ दवा खिलाई जाय जैसे शहद पानी दूध, वद्रक़ा
आपान-पु० कलालख़ाना, मयकदा
उफान-पु० जोश
तूफ़ान×पु० पानीकी रौ, आँधी, अतिवृष्टि, कोलाहल
बान-स्त्री० आदत, बाण-पु०
ज़बान×स्त्री० जिह्वा
सायवान×पु० छप्पर
महरवान×उ० दयालु
बाग़वान×पु० बाग़का रक्षक माली
पासवान×पु० पहरेवाला
मान-पु० इज़्ज़त। रूठना
अभिमान-पु० गुरूर
दिनमान-पु० दिनका माप
श्रीमान्-पु० प्रतिष्ठा युक्त सम्बोधन, दौलत मन्द
मेहमान×पु० पावना जो किसी के घर जाय

मेज़बान×पु० जिसके घर मेह्-
मान आवे
उपमान-पु० जिससे समानता
दी जाय, मुशब्बावेह
जैसे "फूल से गाल"
में फूल
विमान-पु० हवाई जहाज़
सामान×पु० असवाव
कमान-स्त्री० स
मुसलमान×पु० मुहम्मदी मज़ह-
वका मान्नेवाला
अरमान×पु० अभिलाषा
लुक़मान×पु० प्रसिद्ध विद्वान
हकीम
यान-पु० सवारी
पयान-पु० रुख़सत, रवानगी
वयान×पु० कहना
व्याख्यान-पु० लेक्चर, उपदेश
ध्यान-पु० स
उद्यान-पु० वाग़ीचा
उपाख्यान-पु० क़िस्सा, कहानी
रान×स्त्री० जङ्घा

ज़ाफ़रान×स्त्री० केसर
हयरान×उ० परीशान, दुखी,
आश्चर्य युत्
हयवान×पु० पशु
विद्वान-पु० विद्या वाला, पंडित
ज़वान×उ० युवक
पहलवान×पु० मल्ल
पकवान-पु० पूरी कचौरी आदि
० घीमें उतरा हुआ
भोजन
शान×स्त्री० शोभा, इज़्ज़त
निशान×पु० चिह्न। झण्डा,
ध्वजा
सान-स्त्री० कुरंडका वना हुआ
गोल पत्थर जिसपर
उस्तरे चाकू आदि
तेज़ करते हैं, संगे
सैक़ल
अवसान-पु० समाप्त, ख़त्म,
अन्त
किसान-पु० काश्तकार, कृषि
कार

इन्सान×पु० मनुष्य
अहसान×पु० उपकार
आसान-उ० सुगम
नुक़सान×पु० हानि, टोटा
सनसान-पु० निर्जन
औसान-पु० होशो हवास
जहान×पु० संसार, दुन्या
इमतिहान×पु० परीक्षा
ज्ञान-पु० समझ, इल्म, वाक़फ़ियत
किन-उ० किसने
गिन-उ० गिन्नेकी आज्ञा
इन-उ० इसने
दिन-पु० दिवस
मुमकिन×उ० सम्भव
छिन-पु० क्षण
भिनभिन-स्त्री०मक्खी या मच्छर आदिके उड़नेकी आवाज़
जिन-उ० जिसने । निषेधवाचक
ज़ामिन×पु० ज़िम्मेदार
राहिन×पु० अपनी वस्तु दूसरेके पास रुपया लेकर गिरवी रखनेवाला
मुर्तहिन×पु० रुपया देकर दूसरे की चीज़ अपने पास गिरवी रखलेनेवाला
साकिन×पु० रहनेवाला, नस्वर व्यंजन और दीर्घ स्वरका अन्तिमांश
मौमिन×पु० ईमानदार
मोःसिन×पु० अहसान करने वाला
मुमतहिन×पु० परीक्षक
सिन×पु० आयु
बिन-अ० बिना, बग़ैर
कठिन-उ० सख्त, कठोर
मारकीन-स्त्री० एक कपड़ा
मीन-स्त्री० मछली
हीन-उ० रहित
दीन-०उ० दरिद्र, आजिज़
बीन-स्त्री० वीणा
नवीन-उ० नया

चीन-पु० प्रसिद्ध देश
छीन-उ० क्षीण, छीन्ना
ज़ीन×पु० एक कपड़ा, घोड़े पर
कसनेकी ऊनी काठी
टीन×पु० मशहूर धातु पत्र
कमीन-पु० सेवक गण
पराधीन-उ० पराये वसमें
लीन-उ० मिला हुआ
तल्लीन-उ० उसीमें मिला हुआ,
मह्व
महीन-उ० वारीक
पोस्तीन×पु मेषादिके चर्मका
वस्त्र
दूरबीन×स्त्री० दूरकी चीज़ देख-
नेका आला
तसकीन×स्त्री० दिलका ठहरना,
तसल्ली, संतोष
तौहीन×स्त्री० वेइज़्ज़ती
रंगीन×उ० रंग वाला
संगीन×पु० हथयारों वाला, मज़
वूत, वन्दूककी नाल
पर लगी हुई लम्वी
छुरी, पत्थरका, जुर्म
घोर अपराध
ज़मीन×स्त्री० पृथ्वी
हसीन×उ० ख़ूवसूरत
यक़ीन×पु० विश्वास
आस्तीन×स्त्री० कपड़े में वाहों
का भाग
ज़हीन×उ० प्रतिभाशाली
प्राचीन-उ० पुराना
अर्वाचीन-उ० नया
आत्मनीन-उ० अपना, ख़ेश
आत्माधीन-उ० अपने वसमें
उदासीन-उ० रागद्वेष रहित,
तटस्थ
कानीन-पु० कन्या पुत्र
कौपीन-पु० लंगोटा
चुन-उ० संग्रह कर
घुन-पु० एक जन्तु जो प्रायः
लकड़ी और पुस्तकों
को खाजाता है
सुन-उ० स
वुन-उ० स

शकुन-पु० शगून

हुन-स्त्री० अशरफ़ियोंका मेंह अर्थात् अन्धाधुन्द धन मिल जाना

गुन-पु० गुण, द्रव्यके आश्रय रहने वाला पदार्थ सत, रज, तम आदि

अर्जुन-पु० पांच पाण्डवोंमें मिंझला भाई

पिशुन-पु० चुग़लख़ोर

धुन-स्त्री० किसी कामके करने की सयत्न प्रतिज्ञा, बराबर कहना

नाख़ुन×पु० नख

सख़ुन×पु० बात

ख़ून×पु० रक्त

ऊन-स्त्री० स

रंगून-पु० नगर विशेष

चून-पु० चूर्ण, आटा

जून-पु० अङ्गरेजी छठा महीना

दून-स्त्री० शेखी

जुनून×पु० पागलपन

मज़मून×पु० लेख, विषय

साबून×पु० साबन

भून-उ० भूननेकी आज्ञा

ट्यून×स्त्री० ध्वनि Tune

गवरून-स्त्री० एक कपड़ा

बेलून×स्त्री० हवामें उड़नेका गुबारा Baloon

अफ़यून×स्त्री० अफ़ीम

ताऊन×पु० प्लेग, Plague महामारी रोग

अनून-पु० सम्पूर्ण, पूरा

आद्यून-पु० बहुत खाने वाला, हमेशा खानेहीकी चेष्टा करनेवाला

पकारान्त

तप-पु० योगके दूसरे अङ्ग "नियम"में तीसरा साधन, शीतोष्ण सुख दुःखा दिद्वन्दोंका सहन करना और हितकारक नपा तुला भोजन करना, शास्त्रानुसार व्यवहार

जप-पु० किसी पाठका कार्य सिद्धिके लिये बराबर पढ़ना
ग़प-स्त्री० झूटी बातें
टप×पु० पानीका अंडाकार पात्र Tub
धप-स्त्री० धौल
नप–उ० नपनेकी आज्ञा
तड़प–स्त्री० स
गलख़प-स्त्री० गप्पाष्टक
झड़प-स्त्री० जल्दीसे। लड़ाई, हमला
कच्छप-पु० कछुवा
कर्णजप-पु० चुग़लख़ोर
आप-पु० स्वयं, मध्यमपुरुष
चाप-स्त्री० पैछड़, पाऊंकी आवाज़ जो चलनेमें होती है। आहट धनुष-पु०
छाप-स्त्री० स
जाप-पु० जप
टाप-स्त्री० घोड़ेका सुम,

ताप-पु० तीन ताप—आत्मिक, भौतिक, दैविक
संताप-पु० गर्मी, दुःख
थाप-स्त्री० तबले या पखावज पर हाथ मारना
पाप-पु० दुष्कर्म
बाप-पु० पिता
भाप-स्त्री० वाष्प, स्टीम
माप-पु० लम्बाई चौड़ाई आदि
अलाप-पु० रागका आरंभ
कलाप-पु० समूह, मोरपंख
विलाप-पु० रोना
मिलाप-पु० मिलना, संयोग
शाप-पु० बद दुआ, कोसना
अनापशनाप-उ० अँधाधुन्द
अनुताप-पु० पचताना
पश्चात्ताप-पु० पचताना
अनुलाप-पु० बारबार कहना
अपलाप-पु० सत्यको छुपाना,
काँप-उ० स
हाँप-उ० स
ढाँप-उ० स

माँप-उ० स
साँप-पु० सर्प
झाँप-स्त्री० मुर्ग़ियोंके बन्द करनेका लम्बा टोकरा
दीप-पु० दीपक
टीप-स्त्री० तीसरी सप्तक, ईंटों-की मग़ज़बन्दी
समीप-पु० नज़दीक, पास
दलीप-पु० एक राजाका नाम
सींप-स्त्री० सदफ़ जिसमें मोती पैदा होता है।
पीप-पु० लकड़ीका ढोल जिसमें कुछ माल भरते हैं Cask
छीप-स्त्री० वदनके सफ़ेद दाग़,
द्वीप-पु० जज़ीरा
गुपचुप-उ० पोशीदा तौर से
छुप-उ० छुपनेकी आज्ञा
अनुष्टुप्-पु० पिंगल का वह छन्द् जिसमें ३२ वर्ण हों, आठ आठ का एक चरण, लघु गुरुका नियम नहीं किन्तु पांचवां अक्षर प्रत्येक पादमें लघु हो, सम चरणमें सातवाँ लघु हो, छठा अक्षर सब चरणोंमें गुरु हो उ० दो चरण छन्दकी रचना करो प्रास-पुञ्ज निहारके
कूप-पु० कुँआँ
पूप-पु० पूड़ा, पुआ
अनूप-उ० जिसका उपमान नहो
रूप-पु० तेज द्रव्यका गुण
भूप-पु० राजा
स्तूप-पु० खम्भा, स्तम्भ
धूप-स्त्री० सूर्यातप। सुगन्धित द्रव्य
वहरूप-पु० भेस वदलना
सूप-पु० शूर्प, छाज
अनुरूप-उ० समान रूप वाला
अपूप-पु० पूड़ा, पुआ
लेप-पु० स
खेप-स्त्री० स
आक्षेप-पु० कलंक लगाना, ताना, एतराज़

अनुलेप-पु० चन्दनादिका मलना
कोप-पु० गुस्सा, क्रोध
गोप-पु० ग्वाल
लोप-उ० छुपना
पोप-पु० पंडित का तुच्छकार-युक्त नाम
आरोप-पु० अन्यमें अन्य धर्म प्रतीत होना, इलज़ाम
टोप-पु० स
तोप-स्त्री० शतघ्नी
थोष-उ० सर चपेकना
कनटोप-पु० स
आटोप-पु० अहङ्कार, वेग,. जोश
कम्प-पु० काँपना
लम्प×पु० स
झम्प-स्त्री० एक ताल का नाम

फकारान्त

कफ़×पु० थूक, झग
ग़फ़×उ० मोटी, पुरकार
रफ़×उ० कम साफ़ Rough
दफ़×पु० ढप, चंग बाजा
सफ़×स्त्री० क़तार, पंक्ति
तरफ़×अ० ओर
बरतरफ़×उ० मौक़ूफ़, नौकरी से अलग होना
ख़लफ़×पु० बेटा
साफ़×उ० शुद्ध, सुथरा
नाफ़×स्त्री० नाभि
मुआफ़×उ० क्षमा
तवाफ़×पु० परिक्रमा
ग़िलाफ़×पु० कपड़े का ढकना, खोल
लिहाफ़×पु० मोटी, रज़ाई
शिगाफ़×पु० चीरा, दराड़, झिरी क़लमके बीचका चिराव
सर्राफ़×पु० चाँदी सोना परखने-वाला, नक़्दीका तवा-दला करदेने वाला, मनी चेंजर (Money-changer)
अशराफ़×पु० शरीफ़, कुलीन भलामानस
औसाफ़×पु० गुण (बहुवचन)
इन्साफ़×पु० न्याय

इख़्तलाफ़×पु० विरोध

लामकाफ़×पु० बुरा भला कहना

शालबाफ़×पु० शालबुन्ने वाला

अलिफ़×पु० उर्दू लिपिमें पहला अक्षर। अलिफ़ उर्दू-लिपिका वास्तवमें पहला अक्षर नहीं है, पहला अमज़ा है अलिफ़ नस्वर (साकिन) होनेसे हमेशा शब्दके मध्य या अन्तमें आता है शुरुमें कभी नहीं

मुन्सिफ़×पु० न्यायी

मुसन्निफ़×पु० प्रणेता

मुख़ालिफ़×उ० विरोधी

वाक़िफ़×उ० जान्नेवाला

ज़ईफ़×पु० बुड्ढा

ख़फ़ीफ़×उ० हलका, शर्मिन्दा, उर्दू का एक छन्द

शरीफ़×पु० कुलीन, भलामानस

ख़रीफ़×स्त्री० सावनी की फ़स्ल जिसमें मकी ज्वार पैदा होती है

हरीफ़×पु० शत्रु

ज़रीफ़×पु० मसख़रा, विदूषक

रदीफ़×स्त्री० देखो इसी किताब में महाप्रास का बयान (पृष्ठ ६)

लतीफ़×उ० सूक्ष्म

कसीफ़×उ० स्थूल

तारीफ़×स्त्री० प्रशंसा, लक्षण

तसनीफ़×स्त्री० रचना

तकलीफ़×स्त्री० कष्ट, दुःख

तालीफ़×स्त्री० दो चीजोंको मिलाना, अनेक ग्रन्थोंसे बातें चुन चुन कर नया ग्रन्थ बनाना। तसनीफ़ और तालीफ़में यह अन्तर है कि तसनीफ़ अपनी कविता या रचना होती है, तालीफ़ दूसरों का कलाम जमा कर लिया जाता है

तवक्कुफ़×पु० ठहरना, वक़्फ़ा देना

तकल्लुफ़×पु० शिष्टाचार, तकलीफ़ उठाना, बनावट सजावट। ठनगन

तुफ़×उ० लानत, धिक्कार

उफ़×अ० पीड़ा और आश्चर्य सूचक शब्द

बेवुक़ूफ़×पु० मूर्ख

सुफ़ूफ़×पु० चूर्ण, पौडर

हुरूफ़-पु० अक्षर (बहु बचन)

मारूफ़×उ० मशहूर

मौसूफ़×उ० प्रशंसित

मौक़ूफ़×उ० निर्भर

मसरूफ़×उ० काममें लगा हुआ

बकारान्त

अब-अ० स

कब-अ० स

जब-अ० स

तब-अ० स

ढब-पु० ढंग, तरीक़ा

छब-स्त्री० छवि

सब-अ० सर्व

ग़ज़ब×पु० क्रोध, अन्याय

अदब×पु० सभ्यता। साहित्य। सत्कार

लब×पु० ओष्ठ, होंट

सबब×पु० कारण

लक़ब×पु० उपाधि

अजब×उ० विचित्र

अरब×पु० देश विशेष

मतलब×पु० प्रयोजन

मज़हब×पु० मत, धर्म

मकतब×पु० पाठशाला

लबालब×उ० मुचामुच भरा हुआ

करतब×पु० स

आब×उ० पानी, चमक, सफ़ाई, तलवार की तेज़ी

रकाब×स्त्री० लोहेका वह हलक़ा जो चढ़नेके लिये घोड़े की काठीमें लटकता रहता है

नक़ाब×उ० घूंघट, परदा

कमख़ाब-स्त्री० एक बढ़िया कपड़ा

डाव-पु० मूंज—ज़िसके वान बटे जाते हैं
तावxस्त्री० शक्ति, मजाल
किताबxस्त्री० पुस्तक
बावxपु० दर्वाज़ा, अध्याय, परिच्छेद
राब-स्त्री० शीरा अलग न होने तक खाँड़ का नाम
शराबxस्त्री० मदिरा
जुल्लाबxपु० मुसहिल, रेचक औषधि, इसहाल, दस्तोंका आना
जवाबxपु० उत्तर
नव्वाबxपु० रईस, राणा
जुर्राबxउ० मोज़े
हिसाबxपु० स
शबाबxपु० योवनावस्था
गुलाबxपु० पुष्प विशेष फूलोंकाअर्क़
ख़िज़ाबxपु० बाल रंगनेका कल्प
लुब्बेलुबाबxपु० सारांश
असबाबxपु० सामान, सबबका बहुवचन

उन्नाबxपु० एक दवा
महराबxस्त्री० दर्वाज़ेपर गोल चुनाई
मिज़राबxस्त्री० सितार बजाने-कालोहेका छल्ला
नायाबxउ० निर्लभ, जो चीज़ मिलती न हो
पायाबxउ० नदी या तालाब का इतना पानी जो टख़नों तक आय
पेशाबxपु० मूत्र
वाजिबxउ० उचित
मुनासिबxउ० उचित
ग़ालिबxउ० दबालेने वाला। प्रसिद्ध कविवर असदुल्लाहखां नौशा देहलवी का तख़ल्लुस
तालिबxपु० चाहनेवाला, माँगने वाला
क़ालिबxपु० शरीर
तरकीबxस्त्री० मिलावट, विधि
क़रीबxउ० पास

तबीव×पु० वैद्य
अजीव×उ० विचित्र
ग़रीव×पु० रंक, श्रेष्ठ, नादिर
जरीव×स्त्री० ५५ गज़ लम्बाई
नसीव×पु० क़िस्मत, भाग्यं
सलीव×स्त्री० क्रास—ईसाइयों-
का मज़हबी निशान
Cross
तहज़ीव×स्त्री० सभ्यता
कुब-पु० पीठ का ख़म, कोज़,
कुब्ज
तअज्जुव×पु० अचम्भा, आश्चर्य
ख़ूव×उ० अच्छा
दूव-स्त्री० घास
महवूव×पु० प्रेम पात्र
जेव-स्त्री० स
सेब-पु० मशहूर फल
फ़रेव×पु० धोका, दग़ा
औरेव×उ० आड़ा
सुदेव×उ० सीधा
आसेव×पु० प्रेतादिक वहमी
हस्ती
नशेव×पु० गढ़ा
पाज़ेव×स्त्री० स्त्रियोंका पाऊंका
ज़ेवर
तनज़ेव×स्त्री० वढ़िया मलमल
जैसा कपड़ा
चोव×स्त्री लकड़ी, नक़्क़ारा
वजानेकी लकड़ियां
शोव×उ० घुलाई
धोव-पु० घुलाई
डोव-पु० ग़ोता
ज़दोकोव×स्त्री० मारपीट
अम्ब-स्त्री० अम्बा का संक्षिप्त-
माता
कदम्ब-पु० समूह। एक वृक्ष

भकारान्त

दुर्लभ-उ० मुश्किलसे मिलने-
वाला
सुलभ-उ० आसानीसे मिलने-
वाला
कलभ-पु० हाथीका वच्चा
(५ वर्षतक का)

करभ-पु० हाथीका बच्चा, ऊँटका बच्चा

लाभ-पु० फ़ायदा

शुभ-पु० मुबारक, अच्छा

अशुभ-पु० नहस, बुरा

कुकुभ-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके हर चरणमें ३० मात्रा हों १६+१४ पर यति, अन्तमें दो गुरु हों, उदाहरण

प्रास-पुञ्जका कर अवलोकन,
फिर कविता होगी नीकी

लोभ-पु० लालच

क्षोभ-पु० घबराहट, हलचल

मकारान्त

तौअम-उ० दो बच्चे जो एक साथ पैदा होतेहैं, जूढ़ियान, जौह्ले

कम-अ० न्यून

रक़म×स्त्री० धन, रुपये, पूंजी। लिखना

शिकम×पु० पेट, उदर

ख़म×पु० टेढ़, झुकाव, कुश्तीमें भुजदंडोंपर हाथ मारने और लड़ने पर आमादगी ज़ाहिर करने को ख़म ठोकना कहते हैं

ग़म×पु० रंज, शोक

सुगम-उ० आसान

अगम-पु० जहां पहुंच न हो

सरगम-स्त्री० सप्तस्वरोंका संक्षिप्त नाम

बलग़म-पु० कफ़

बेगम-स्त्री० रानी

सङ्गम-पु० दोका मिलाप, दो नदियोंके मिलनेका स्थान

पञ्चम-पु० स्वरोंमें पांचवां स्वर, पांचवाँ

छमछम-स्त्री० नाचते या ज़ेवर पहन कर चलनेकी आवाज़

अजम-पु० ईरान तूरान आदि मुल्क

शलजम-स्त्री० मूलीकी तरहका एक शाक
लेज़म-स्त्री० एक कमान जिस पर प्रत्यञ्चा कांटे और झांझ वाली ज़ंजीरकी चढ़ाते हैं
टमटम-स्त्री० एक सवारी
तम-पु० अन्धकार, एक गुण जो तीनोंमें निकृष्ट है
सितम×पु० जुल्म, अत्याचार
रुस्तम×पु० एक मशहूर पहलवानका नाम शाहनामे का नायक
मातम×पु० किसी स्नेहीकी याद में रोना सर पीटना
अनुत्तम-पु० जिससे कोई उत्तम न हो
थम-उ० रुक
दम-पु० जान, सांस, आराम, धोका, ख़ून, चावलोंकी आख़िरी कनी गलाना, क्षण, शक्ति, झाड़ फूंक, तलवारकी धार, घूंट, हुक़्केका कश,
दमादम-उ० एकके बाद एक मुसलसल, लड़ीवन्द
हरदम×अ० हर समय
क़दम×पु० पाऊं, डग
अदम×पु० नेस्ती, अभाव
मुक़द्दम×उ० पहले
हमदम×पु० मित्र
आदम×पु० आदमी, मुसलमानी अक़ीदेसे ईश्वरका बनाया हुआ सबसे पहला आदमी बाबा आदम
धम-अ० कूदनेकी आवाज़
अधम-पु० नीच
नम×उ० गीला, तर
सनम×पु० माशूक़, पत्थरकी मूर्ति
शबनम×स्त्री० ओस
जहन्नम-पु० नरक, दोज़ख़
यम-पु० यम देव, यमराजके दूत अष्टाङ्गयोगमें पहला

मरियम-स्त्री० हज़रत ईसा मसी-
हकी माताका नाम

रम-उ० रमण करना, रम रहना
भागना×

इरम-पु० 'आद'का नक़ली स्वर्ग
जो शद्दादने मुल्के शाम
में वनाया था

मुहर्रम-पु० एक इसलामी महीना

अलम्-अ० वस, इतनाही काफी है

अलम×पु० ग़म, रंज

क़लम×पु० लेखिनी

वलम-पु० पति

आलम×पु० संसार

नीलम×पु० नीलारत्न

वंशस्थविलम्-पु० पिंगलका वह
छन्द जिसके एक चर-
णमें १२ वर्ण इस क्रम
से हों:—

।ऽ। + ऽऽ। + ।ऽ। + ऽ।ऽ
ज + त + ज + र

पदान्त में यति, उ०
तुकान्त देखो इस प्रास
पुंजमें

शम्-पु० कल्याण, शान्ति

रेशम-पु० स

सम-पु० गाने और तालमें आवु-
र्दी समाप्त होनेकी जगह

क़सम×स्त्री० सौगन्द

हम-उ० उत्तम पुरुष वहुवचन
वाचक

अहम्-उ० उत्तम पुरुष एकवचन
संस्कृतमें, हिन्दीमें अह-
ङ्कार

अहम×पु० दुशवार

मरहम×पु० घाव पर लगानेकी
दवा

वाहम×उ० आपसमें, परस्पर

वहम×उ० " "

आम-पु० आम्रफल, अपक्व,
अजीर्ण

आम×उ० साधारण, विशेषके
विरुद्ध

इनआम×पु० पुरस्कार

काम-पु० काम देव, कार्य, काम
ना, मक़सद ×

ज़ुकाम×पु० नज़ला रोग
निष्काम-उ० बेग़रज़
मुक़ाम×पु० पड़ाव, ठहरना
इन्तक़ाम×पु० बुरा बदला
हुक्काम×पु० हाकिमका बहुवचन
अहकाम×पु० आज्ञाका बहुवचन
अकाम-पु० विना इच्छा
आप्तकाम-उ० कामयाब, जिसने अपनी इच्छा पूरी करलीहो
ख़ाम×उ० कच्चा
गाम×पु० क़दम
लगाम×स्त्री० दन्तालिका
पैग़ाम×पु० संदेसा
घाम-स्त्री० धूप
चाम-पु० चमड़ा
जाम×पु० प्याला
अंजाम×पु० परिणाम
निज़ाम×पु० प्रबन्ध
इन्तज़ाम×पु० ,,
हज्जाम×पु० नाई
थाम-उ० पकड़
रोकथाम-स्त्री० स
दाम-पु० क़ीमत, पैसे, रस्सी जाल×पु०
बादाम-पु० मशहूर मेवा
मोतियदाम-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके हरचरणमें १२ वर्ण इस क्रमसे हों
|S| + |S| + |S| + |S|
ज + ज + ज + ज
न शोभत छन्द तुकान्त विहीन
धाम-पु० मुक़ाम
धूमधाम-स्त्री० स
नाम-पु० स
गुमनाम×पु० जिसका नाम नहो
दुशनाम×स्त्री० गाली, यह शब्द फ़ार्सी है परन्तु तरकीब संस्कृतही प्रतीत होती है दुष-बुरा + नाम = दुष्नाम
फ़ाम×पु० रंग
बाम×पु०कोठा, बालाख़ाना,छत

तमाम×अ० सर्व
हम्माम×पु० स्नानालय
याम-पु० पहर, ३ घंटेका समय
क़याम×पु० ठहराव
नयाम×पु० तलवार या खड्गा-
दिका म्यान
पयाम×पु० संदेसा
राम-पु० प्रत्येक पदार्थमें रमा
हुआ होनेसे ईश्वर, दश-
रथ पुत्र श्रीराम चन्द्र
जी। तावेदार
हराम×उ० अग्राह्य, अखाद्य,
नारवा, निषिद्ध। वज़ु.र्ग
रामराम-स्त्री० आधुनिक प्रणाम,
नफ़रत घृणा सूचक शब्द
आराम-पु० बाग़, शान्ति, चैन,
विश्राम
बहराम×पु० नाम
दिलाराम×उ० दिलको आराम
देने वाला माशूक, प्रेम
पात्री
कुहराम×पु० रोनेका शोर

अतितराम-अ० बहुत ही
अभिराम-उ० सुन्दर, मनोहर
ललाम-पु० सुन्दर, घोटक
लाम×पु० उर्दू लिपिका एक
अक्षर जो "ल"के स्थान
में आता है। लड़ाई।
लगातार
कलाम×पु० वचन, तसनीफ़,
कविता। एतराज़
सलाम×पु० प्रणाम
गु.लाम×पु० मोल लिया हुआ
दास सेवक
इसलाम×पु० मुहम्मदी मज़हब
नीलाम×पु० बोली बोल कर
माल बेचना
वाम-पु० उलटा। पिंगलका वह
छन्द जिसके प्रत्येक
चरणमें २४ वर्ण हों
७ जगण + १ यगण
ISI + ISI + ISI + ISI
ISI + ISI + ISI + ISS
यह छन्द मत्तगयन्दके

आरम्भमें एक लघु बढ़ा-
नेसे बन जायगा, देखो
मत्तगयन्द पृ० १६८ उ०
विचार विचार धरो पद
प्रास तुकान्त बिना नहिं
छन्द बनाओ

श्याम-पु० काला। कृष्णजीका
लक़ब

साम-पु० चारवेदोंमें एक वेद,
गान विद्या

समसाम×स्त्री० तलवार
(दोनों स्वाद हैं)

सरसाम×पु० एक रोग जिसमें
आदमी बकने लगता है
सन्निपात

रिमझिम-उ० वर्षाकी धीमी
आवाज़

हाकिम×पु० हुकूमत करनेवाला

मुलाज़िम×पु० नौकर

लाज़िम×उ० उचित

मुजरिम×पु० अपराधी

मुतरज़िम×पु० अनुवादक

अंतिम-उ० आख़िरी

हकीम×पु० वैद्य, विद्वान

यतीम×पु० अनाथ बालक

क़दीम×उ० पुराना, सनातन

नीम-पु० वृक्ष विशेष, पिचुमर्द

मुनीम-पु० हिसाब किताब
रखने वाला

भीम-पु० पांच पांडवोंमें एक,
ज़बर दस्त, बड़े शरीर
वाला

जसीम×पु० भीमकाय

बीम×स्त्री० दहशत

सीम×स्त्री० चांदी

मुक़ीम×उ० ठहरा हुआ

तसलीम×स्त्री० प्रणाम। मान्ना,
स्वीकार करना

ताज़ीम×स्त्री० सत्कार

तरमीम×स्त्री० दुरुस्ती, संशोधन
रद्दोबदल

तालीम×स्त्री० शिक्षा

तक़वीम×स्त्री० जंत्री, पंचाङ्ग

तक़सीम×स्त्री० बटवारा,

अक़लीम×स्त्री० वलायत, देश
गुम-उ० लोप
कुङ्कुम-स्त्री० रोली, केसर
छुमछुम-स्त्री० घूंगरूकी आवाज़
तुम-उ० मध्यम पुरुषका वहु वचन सम्मानार्थ एक वचनमें भी
दुम×स्त्री० पूंछ
सुम×पु० घोड़ेके पाऊंका निचला भाग
कज़दुम×पु० विच्छू
खु़म×पु० घड़ा
मर्दुम×पु० मनुष्य
अनजुम×पु० सितारे, नक्षत्र
गन्दुम×पु० गेहूं
धूम-स्त्री० शोहरत, शोर
मालूम-उ० ज्ञेय, जाना
शूम×पु० कंजूस
रूम×पु० एक देश
घूम-स्त्री० चुन्नटें, चक्कर, फिरना
चूम-उ० चुम्बन
हुजूम×पु० भीड़

झूम-उ० स
टूम-स्त्री० ज़ेवर, गहना
तूमतूम-उ० विचूरना, रूआं रुआं अलग करना
मरहूम×पु० रहमत पाया हुआ, मराहुआ
महरूम×उ० वंचित
मज़लूम×पु० जिसपर जुल्म हुआ हो
मासूम×पु० निर्दोष
मफ़हूम×पु० भावार्थ
नुजूम×पु० ज्योतिष
रुसूम×स्त्री० रस्में
बूम×पु० उल्लू
ओ३म्-पु० प्रणव, ईश्वरका सर्वोत्तम नाम
रोम-पु० रोमांच,
लोम-पु० „
स्तोम-पु० समूह, बड़ाई
होम-पु० हवन
डोम-पु० एक जाति
अग्निष्टोम-पु० यज्ञ विशेष
अनुलोम-पु० सिलसिलेवार

यकारान्त

हय-पु० घोड़ा
गय-पु० असुर, वानर
जय-स्त्री० फ़तह, यह पुल्लिंग भी स्त्री० ही बोला जाता है
क्षय-पु० रोगविशेष, तपेदिक़। घटना
पय-पु० दूध, पानी
नय-पु० लेजाना
हृदय-पु० स
भय-पु० डर
मय-पु० एक राक्षस जिसने पांडवों का मकान बनाया था। शराब
लय-उ० मिलजाना, समाजाना। गाने बजानेकी रफ़तार
महाशय-पु० बड़े आशयवाला, जनाब, सम्बोधन
आशय-पु० मतलब
विनय-स्त्री० अर्ज़
अभय-उ० निडर
अपव्यय-पु० फ़ुज़ूलखर्ची
आय-स्त्री० आमदनी
काय-स्त्री० काया-यहनपुंसक लिंगहै पुल्लिंगके समान होना चाहिये परन्तु कायाके आधार पर स्त्रीलिं० बोलतेहैं
गाय-स्त्री० गो
खाय-उ० खानेका एक रूप
चाय-स्त्री० प्रसिद्ध पीनेकी चीज़ Tea
छाय-स्त्री० मट्ठा, तक्र
जाय-उ० जानेका रूप
अध्याय-स्त्री० बाब, सर्ग, परिच्छेद Chapter
न्याय-पु० इन्साफ़
उपाय-पु० इलाज, तदबीर
व्यवसाय-पु० धन्दा
धाय-स्त्री० दाई, दूध पिलाई
अथाय-उ० अगाध
सम्वाय-पु० अटूट सम्बन्ध
राय×स्त्री० अक्ल, सम्मति
राय-पु० ब्राह्मणोंका एक भेद ब्रह्मभट्ट

हाय-स्त्री० दुःख जनक आवाज़
अकाय-पु० जिसके जिस्म नहो ईश्वरका एक नाम
अभिप्राय-पु० मतलब
कषाय-पु० कसैला रस, गेरुवा रंग
तिय-स्त्री० स्त्री
जिय-पु० जीव
पिय-पु० पति
हिय-पु० हृदय
सिय-स्त्री० सीती
माननीय-पु० सत्कारके योग्य
पूजनीय-पु० पूजने योग्य
अन्तरीय-पु० जज़ीरा
ज्ञेय-उ० जानने योग्य
पेय-उ० पीने योग्य
धेय-उ० धारण करने योग्य
हेय-उ० छोड़ने योग्य
स्तेय-पु० चोरी
श्रेय-पु० कल्याण
सारमेय-पु० कुत्ता
अजेय-पु० जिसे जीत न सकें

रकारान्त

कर-पु०हाथ। महसूल, ख़िराज
आकर-पु०खानि, धातु निकलने का स्थान
निकर-पु० समूह
किंकर-पु० नौकर, सेवक
दिवाकर-पु० सूरज
शकर×स्त्री० खांड
शक्कर×स्त्री० ,,
टक्कर-स्त्री० स
चक्कर-पु० स
चाकर-पु० नौकर
लशकर-पु० फ़ौज, सेना
खर-पु० गधा
शिखर-स्त्री० चोटी
निखर-उ० उजलापन
गर×पु० करनेवाला जैसे जादूगर कारीगर कीमियागर। अगरका संक्षिप्त, आजकल मतरूक है
सागर-पु० समुद्र
गागर-स्त्री० घड़ा

नागर-पु० शहरी

जिगर-पु० यकृत, छातीके दक्षिण भागमें मांस पिंड

नगर-पु० शहर

लंगर-पु० कमर लंगोट कसनेका लम्बा पतला कपड़ा, पंजाबी—भोजनालय, जहाज़का ठहरना

तवंगर×पु० दौलतमन्द

झींगर-पु० एक जन्तु

घर-पु० मकान

चर-पु० चलने वाला

निश्चर-पु० रात्रिमें विचरनेवाला, राक्षस

जलचर-पु० जलके जीव

थलचर-पु० स्थलके जीव

नभचर-पु० पक्षी

ढचर-पु० ढांचा

लचर-उ० पोच, तुच्छ

खच्चर-पु० घोड़ीमें गधेसे उत्पन्न जाति सङ्कर चौपाया

शनिश्चर-पु० धीरे धीरे चलने वाला नवग्रहमें एक ग्रह

अचर-पु० जड़ पदार्थ

जर-पु० बुढ़ापा

अजर-पु० जिसे कभी बुढ़ापा न आय

कुंजर-पु० हाथी

पिंजर-पु० हड्डियोंकी ठठरी

झज्झर-स्त्री० सुराही

गजर-पु० घण्टा बजनेमें बहुत सी ज़र्बें जो ४-८-१२ पर बजाते हैं गाँववाले अन्तमें 'दम' लगा कर प्रातः कालको कहते हैं

नज़र-स्त्री० दृष्टि

ख़ंजर-पु० छुरा

गजर-स्त्री० एक कन्द शाक

कट्टर-पु० पक्का

मटर-पु० एक अन्न

सटरपटर-स्त्री० स

खटरखटर-स्त्री० स

चटरपटर-स्त्री० स

डर-पु० भय

निडर-उ० निर्भय

पौडर×पु० चूर्ण Powder
तर×उ० नम, ज़ियादा
क़तर-उ० स
छतर-पु० छत्र
कबूतर-पु० पक्षी विशेष, कपोत
तित्तरबित्तर-उ० बिखरा हुआ
बिस्तर-पु० स
दफ़तर-पु० आफ़िस Office
पत्थर-पु० स
दर×पु० दर्वाज़ा
अन्दर×अ० स
बन्दर-पु० कपि
क़लन्दर×पु० बन्दर नचानेवाला
मुछन्दर×पु० बड़ी मूंछोवाला
चुक़न्दर×एक शाक
सुन्दर-उ० ख़ूबसूरत
चादर-स्त्री० स
नौसादर-पु० एक खार
सिकन्दर-पु० एक बादशाहका नाम
समन्दर-पु० समुद्र, आगके सहारे रहने वाला एक कीड़ा

अनादर-पु० बेइज़्ज़ती
अधर-पु० होट, लब
इधर-अ० इस तरफ़
उधर-अ० उस तरफ़
किधर-अ० किस तरफ़
जिधर-अ० जिस तरफ़
जलधर-पु० मेघ, बादल
पयोधर-पु० मेघ। स्तन
विद्याधर-पु० विद्वान
भूधर-पु० पहाड़
सुधाधर-पु० चन्द्र
नर-पु० मनुष्य, हर जातिके जोड़ेमें पुरुष
किन्नर-पु० सुनते हैं कि एक विचित्र स्टष्टि है जिस का मुख मनुष्यका और शरीर घोड़ेका है। देवताओंका गवैया
वानर-पु० वनमें रहनेवाली एक जाति
हुनर-पु० कला
पर-पु० पक्ष

छप्पर-पु० फूंसका सायबान
ऊपर-अ० स
सफ़र-पु० यात्रा
बर-उ० बग़ल। सीना। फल। ऊपर। अर्ज़, चौड़ाई
खबर×स्त्री० स
दिगम्बर-पु० नंगा
अम्बर-पु० कपड़ा, आकाश
बराबर-अ० सम
सितम्बर, अक्तूबर, नवम्बर, दिसम्बर } पु० अंग्रेज़ी महीने
आडम्बर-पु० झूटी शान
विश्वंभर-पु० संसारका पोषण करनेवाला
दूभर-उ० मुशकिल
समर-पु० लड़ाई, मयदाने जंग
कमर-स्त्री० कटि
अमर-पु० जो कभी न मरे
पामर-पु० नीच, मूर्ख
कामर-स्त्री० वह बँहगी जिसमें देवपूजार्थ तीर्थों से जल लाते हैं
चामर-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके हरचरणमें १५ वर्ण इस क्रमसे हों कि गुरु, लघु, गुरु, लघु अन्ततक, अन्तमें यति
ऽ।ऽ + ।ऽ। + ऽ।ऽ + ।ऽ। + ऽ।ऽ
र + ज + र + ज + र
आस पास हैं अनेक प्रास, प्रास पुंजमें
भ्रमर-पु० भौंरा
तोमर-पु० १२ मात्राके चरण का छन्द अन्तमें ऽ। उ० रच छन्द नित्य सप्रास
कायर-पु० डरपोक, बुज़ दिल
वर-पु० श्रेष्ठ। पति
स्वयम्बर-पु० स्वयं पति पसन्द करनेकी क्रिया
रघुबर-पु० राम चन्द्र
चँवर-पु० स
जानवर-पु० पशु पक्षी

ज़ेवर-पु० गहना, आभूषण
घेवर-पु० एक मिठाई
शर-पु० वाण, तीर
अक्षर-पु० हर्फ़
सर-पु० तालाब, सिर-शिर ×
अवसर-पु० समय
असर×पु० प्रभाव
टसर-स्त्री० एक कपड़ा
अकसर×अ० प्रायः
अफ़सर×पु० सर्दार
क़ैसर×पु० बादशाह, जर्मन नरेशका लक़ब
चौसर-स्त्री० खेलनेकी बिसात
केसर-स्त्री० ज़ाफ़रान
हर-पु० महादेव, शिव
गौहर×पु० मोती
जौहर×पु० सत्व, सार
शौहर×पु० पति
बाहर-अ० स
आर×स्त्री० शर्म, संकोच
ओंकार-पु० ईश्वर, परमात्मा
इंकार×पु० अस्वीकार

अहङ्कार-पु० गुरूर
आकार-पु० सूरत, शक्ल, जिस्म
साकार-पु० आकार सहित
निराकार-पु० आकार रहित
मक्कार×पु० मक्र करने वाला, फ़रेबी
खकार-स्त्री० बलग़म युक्त थूक, 'ख' अक्षर पु०
डकार-स्त्री० स
कुम्भकार-पु० कुम्हार
ग्रन्थकार-पु० ग्रन्थ बनानेवाला
स्वर्णकार-पु० सुनार
अंगीकार-उ० कुबूल
अधिकार-पु० स्वामित्व, सत्व, हक़, क़ब्ज़ा
उपकार-पु० अहसान
अपकार-पु० बुराई, उपकारके विरुद्ध
अयस्कार-पु० लुहार
अलंकार-पु० ज़ेवर, उपमा उत्प्रेक्षादि साहित्यका अंग
शिकार-पु० आखेट

पुकार-स्त्री० स

पैकार-पु० थोकबन्द सौदा खरीदनेवाला

सरकार-स्त्री० यह शब्द पुरुषके लिये भी स्त्रीलिंग क्रियाओंमें बोला जाता है जैसे "सरकार आ गई"

खुश रहो तुमको अगर
क़द्र पुरानोंकी नहीं।
ढूंढलेंगे अजी हम भी
कोई सरकार नई॥
(नासिख़)

दरकार-स्त्री० आवश्यकता, इच्छा, परवा

फुंकार-स्त्री० सांपकी आवाज़

ललकार-स्त्री० क्रोधमय आवाज़

फटकार-स्त्री० " "

मालाकार-पु० माली *

खार-पु० सज्जी रेय आदि शोर पदार्थ

निखार-पु० उजलापन, जोबन

बुख़ार×पु० ज्वर

आगार-पु० भंडार, समूह

बेगार×स्त्री० ज़िमींदार लोगजो मज़दूरोंसे काम लेते हैं और पूरी उजरत नहीं देते

रोज़गार×पु० व्यवसाय, धन्दा। ज़माना

गुनहगार×पु० पापी, अपराधी

सितमगार×पु० सितम करने वाला

यादगार×स्त्री० स्मारक चिह्न

अंगार-पु० आग

ज़ंगार-पु० एकरंग

तलबगार-पु० चाहनेवाला, मांगनेवाला

शृंगार-पु० सजावट, एकरस

उद्गार-पु० वमन, उलटी, क़य, Vomit मनमें भरा हुआ गु़बार

कारागार-पु० जेलख़ाना Jail

---

* इसके उपरान्त, वस्तुके बाद "कार" शब्द लगानेसे जो निमित्त-कारण बनते हैं वो सब

हारसिंगार-पु० एकवृक्ष और
उसके फूल
वघार-पु दाल आदिमें छौंक
चार-पु० जासूस, संख्या ४
आचार-पु० चालचलन
व्यभिचार-पु० ज़िना
विचार-पु० ख़ियाल, इरादा
दुराचार-पु० बदचलनी
अनाचार-पु० बदचलनी
अचार-पु० स
अत्याचार-पु० ज़ुल्म
बौछार-स्त्री० मेंहके छींटे, भरन
लगातार किसी बातका
होना
जार-पु० व्यभिचारी, ज़ानी
हज़ार×उ० १०००, बुल बुल
आज़ार×पु० रोग
पैज़ार×स्त्री० जूती
इज़ार×स्त्री० पजामा
बाज़ार×पु० स
औज़ार×पु० स
गुलज़ार×पु० बाग़

कटार-स्त्री० कटारी
कुठार-पु० कुल्हाड़ा
कोठार पु० सामान रखने
का मकान
भण्डार-पु० ख़ज़ाना,
तार-पु० तन्तु, टेलीग्राम
Telegram
सितार-पु० मशहूर बाजा
अत्तार-पु० दवाफ़रोश, इत्र-
फ़रोश
विस्तार-पु० फैलाव
उतार-पु० तोड़, नीचान
प्रस्तार-पु० फैलाव
अवतार-पु० उतरना, सनातन
धर्म मतानुसार अज
और अकाय ईश्वरका
किसी शरीरमें आना
लगातार-उ० सिलसिलेवार
चौकीदार-पु० पहरा देनेवाला
तहसीलदार-पु०एक ओहदा जो
रुपये की रक्षासे सम्ब-
न्धितहै

थानेदार-पु० कोतवाल
सरदार-पु० स
केदार-पु० ब्रह्मभट्ट जातिका वह विद्वान जिसने वृतरत्नाकर नामक ग्रन्थ रचाहै
उदार-पु० सख़ी, बड़े हौसिलेवाला
मिक़दार×स्त्री० परिमाण
ख़रीदार×पु० ग्राहक
सुधार-पु० इसलाह
उधार-पु० ऋण, क़र्ज़
धार-स्त्री० बाड़, नदीकामध्य। किसी पतली चीज़की तिल्ली बँधजाना
नार-स्त्री० नारीका संक्षिप्त
सुनार-पु० स्वर्णकार
अनार-पु० दाड़िम
ज्यौनार स्त्री० दावत, भोजन–करनेको पंक्तिका बैठना
दीनार×स्त्री० अशरफ़ी
अपार-उ० जिसकी हद न हो
व्यापार-पु० तिजारत
बारबार-उ० कईदफ़े, हरदफ़े
बार×पु० बोझ, फल
अख़बार×पु० समाचार पत्र
एतबार×पु० यक़ीन, विश्वास
कारोबार पु० स
दरबार-पु० कचहरी
घरबार-पु० स
भार-पु० बोझ
आभार-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें इस तरह २४ वर्ण हों
ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।
ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।+ऽ ऽ ।
आठ तगण, अन्त यति
उ० लालित्यका मूल साहित्यका प्राण बेताब है प्रास भी छन्द श्रृङ्गार, अन्तके दो वर्ण कम करनेसे "मन्दार माला" हो जाता है
देखो मन्दारमाला पृ० ७१
मार-पु० काम देव

चमार-पु० चर्मकार
कुम्हार-पु० कुम्भकार
खुमार×पु० नशा, तन्द्रा
कुमार-पु० बेटा। तोता
बीमार×पु० रोगी
यार×पु० मित्र
तय्यार×उ० स
स्यार-पु० गीदड़
होशयार×उ० बुद्धिमान
प्यार-पु० स
न्यार-पु० पशुवोंका चारा
हथियार-पु० शस्त्र
रार-स्त्री० राड़, तकरार
तकरार-स्त्री० स
इक़रार-पु० वादा, वचन देना, कुबूलकरना
वेक़रार-उ० बेचैन
इसरार-० आग्रह
लार-स्त्री० क़तार, पंक्ति
सालार×पु० सरदार
मलार-पु० एक रागका नाम
वार-पु० दिन, हमला, नदीका इस तरफ़का किनारा, ज़र्व
सवार-पु० स
गंवार-पु० स
घीग्वार-पु० वलायती सनके रूपका एक वृक्ष
सँवार-स्त्री० सँभाल, मार जैसे तुझ पर खुदाकी सँवार
ज्वार-स्त्री० एक अन्न
तलवार-स्त्री० स
कलवार-पु० एक जाति
शलवार-स्त्री० पेशावरी पजामा
परिवार-पु० कुटुम्ब
हमवार-उ० बराबर जो ऊंचा नीचा न हो
द्वार-पु० दर्वाज़ा
नागवार-उ० असह्य
सोगवार-उ० शोकातुर
दीवार-स्त्री० भीत
सार-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके प्रत्येक पादमें २८ मात्रा हों १६-१२

यति, अन्तमें दो गुरु हों, उ०

वह कविता सविता सम चमके, जिसमें प्रास विराजे

कासार-पु० तालाव

संसार-पु० जगत्

असार-उ० सार रहित

विसार-उ० भूल

इक्षुसार-पु० गुड़, गन्ने का रस

हार-उ० गलेका भूषण पु० जीतके विरुद्ध स्त्री०

कहार-पु० धींवर

वहार-स्त्री० सुन्दरता, वसन्त ऋतु

विहार-पु० खेल, किलोल, भ्रमण

व्यवहार-पु० स

सहार-उ० स

निहार-उ० देखना

तिहार-उ० तुम्हारे

मनिहार-पु० चूड़ियां वेचनेवाला

संहार-पु० क़त्ल, नाश

लुहार-पु० स

जुहार-स्त्री० किसी किसी जातिमें प्रणाम और राम रामके स्थान पर वोली जाती है

आहार-पु० भोजन

उपहार-पु० इन्आम, भेट

त्यौहार-पु० स

शिर-पु० सर

गिर-पु० गिरनेकी आज्ञा

चिर-अ० दीर्घ, देर

स्थिर-उ० क़ायम

मन्दिर-पु० मकान

रुधिर-पु० ख़ून, रक्त

फिर-अ० स

मुख़विर-पु० ख़बर देने वाला

आख़िर×अ० अन्तमें, ख़त्म

हाज़िर×उ० उपस्थित, मौजूद

ख़ातिर×स्त्री० शुश्रूषा, आवभगत, तवीअत, मिज़ाज, ध्यान पक्ष करके

ज़ाहिर×उ० रोशन, प्रत्यक्ष, खुल जाना

शाइर×पु० कवि
नादिर×उ० उम्दा, अच्छा
काफ़िर×पु० नास्तिक
मुसाफ़िर×पु० पथिक
ताजिर×पु० सौदागर
मुहर्रिर×पु० क्लर्क Clerk
अचिर-पु० थोड़े समय रहने वाला
कीर-पु० शुक, तोता
लकीर-स्त्री० रेखा, ख़त
फ़क़ीर×पु० भिक्षुक
हक़ीर×उ० तुच्छ, ज़लील
तौक़ीर×स्त्री० इज़्ज़त
खीर-स्त्री० दूध चावलसे बना हुआ एक भोजन
तबख़ीर×स्त्री० अवख़रा, भाप, उफान
अख़ीर×उ० अन्तिम
ताख़ीर×स्त्री० ढील, देर
दामनगीर×उ० दामन पकड़ने वाला
दस्तगीर×पु० मददगार

जागीर×स्त्री० जायदाद, मिल्क
चीर-पु० कपड़ा, चीरनेकी आज्ञा-उ०
ज़ंजीर×स्त्री० शृङ्खला
अंजीर-पु० गूलरके रूपका एक फल
मंजीर-पु० नूपुर, झांझन
वज़ीर×पु० सचिव, मंत्री
कुटीर-स्त्री० झोंपड़ी, कुटी
कांडीर-पु० करेला शाक
तीर-पु० किनारा, × शर
शहतीर-पु० बड़ी मोटी कड़ी गाडर
कस्तीर-पु० रांग
तक़दीर×स्त्री० भाग्य
धीर-स्त्री० धैर्य, धीरजवाला पु०
रणधीर-पु० लड़ाईमें धैर्य रखने-वाला
नीर-पु० जल
पनीर-पु० दुग्ध विकार
पीर-स्त्री० पीड़ा। पीर×सोमवार गुरु पु०

तदबीर-स्त्री० यत्न
अबीर-पु० कुटा हुआ अबरक
कबीर-पु० एक महात्मा कविका नाम
गंभीर-पु० गहरा, जो छिछोरा न हो
अभीर-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके हर चरणमें ११ मात्रा, अन्त जगण हो, उ०
कविता रचो सप्रास।
कशमीर-पु० देश विशेष
अमीर-पु० धनाढ्य
समीर-पु० पवन
तामीर-स्त्री० इमारत बनाना
ख़मीर-पु० मैदा घोलकर सड़ाना, आटा गूँदकर सड़ाना, या और कोई चीज़ जो गर्मीसे फूलजाय, मिलावट, मिज़ाज, मिट्टी
हमीर-पु० एक राग का नाम
वीर-पु० बहादुर
तस्वीर×स्त्री० चित्र
हीर-पु० हीरा। सिंह। सर्प
अहीर-पु० एक जाति
तक़सीर×स्त्री० ख़ता, कुसूर, अपराध
तासीर×स्त्री० असर, प्रभाव
बवासीर-स्त्री० गुदाका एक रोग
अकसीर×स्त्री० अति लाभ दायक, कीमियाकी कामयाबी
तबाशीर×पु० बंसलोचन
शमशीर×स्त्री० तलवार
तहरीर×स्त्री० लेख
तक़रीर×स्त्री० व्याख्यान
शरीर-पु० जिस्म, ×बदमआशा चुलबुला
करीर×पु० कीकर, बबूल
उर-पु० हृदय
अंकुर-पु० बीजसे वृक्ष उत्पन्न होनेमें जो सबसे पहले अनीसी फूटती है
खुर-पु० पशुवोंके पांऊँ

चतुर-उ० बुद्धिमान, होशयार
विदुर-पु० धृतराष्ट्र और पांडुका भाई
मधुर-उ० मीठा
पुर-पु० नगर
नूपुर-पु० स्त्रियोंका पग भूषण
सुर-पु० देवता
असुर-पु० राक्षस
आतुर-पु० सताया हुआ, व्याकुल, जल्दबाज़
लंगूर-पु० स
घूर-पु० कड़ी या प्रेमकी निगाह से देखना
चूर-स्त्री० टूटन फूटन, चूर्णका अपभ्रंश
मंजूर×उ० स्वीकार
तूर-पु० बारीक तिनके, तुष
दूर-उ० स
सिंदूर-पु० एक लाल पदार्थ जिसका टीका लगाते हैं औरतें मांगमें भरती हैं
क्रूर-पु० सख्त मिज़ाज, दुष्ट
शूर-पु० वीर बहादुर
नासूर-पु० कुघाव
भरपूर-उ० खूब भरा हुआ
बूर-स्त्री० आटेकी छनस, भूसी, सुबूस
मयूर-पु० मोर
बिल्लूर-पु० एक पारदर्शक पत्थर जिसके चश्मे और झाड़ बनते हैं
जुरूर-अ० अवश्य
शऊर-पु०सलीक़ा, तमीज़, ज्ञान
फ़ुतूर-पु० ख़लल, विघ्न, उपद्रव
कुसूर-पु० अपराध
नूर-पु० तेज
मज़दूर-पु० कुली
ग़ुरूर-पु० घमण्ड
अंगूर-पु० मशहूर मेवा। ज़ख़्म भरते समय झिल्ली का आना
कपूर-पु० काफ़ूर
काफ़ूर×पु० कपूर। भागना, ग़ायब होना

मजबूर×उ० लाचार
मक़दूर×पु० शक्ति
मशहूर×उ० प्रसिद्ध
दस्तूर×पु० रिवाज, क़ायदा।
वज़ीर
अमचूर-पु० खटाई,-जो आमका गूदा सुखालेते हैं
चकनाचूर-उ० रेज़ा रेज़ा, खंड-खंड,
विसूर-उ० रोनेके आरंभमें होंट निकालना
मसूर-स्त्री० एक अन्न जिसकी दाल बनती है, अदस
कर्णपूर-पु० करन फूल
केयूर-पु० बाज़ूबन्द
घेर-पु० अहाता, घेरनेकी आज्ञा। दौर
देर-स्त्री० स
टेर „ पुकार
सेर-पु० १६ छटांक, अघाया। तृप्त
सवेर-स्त्री० स

सुमेर-पु० एक पर्वत, मालामें वह दाना जिसमें तागे के दोनोंसिरे पिरोये जातेहैं, इमाम
अन्धेर-पु० स
बेर-पु० बदरी फल
कमेर-स्त्री० कमाई
बखेर स्त्री० बखेरना
मुंडेर-स्त्री० छतसेज़राऊंचा दीवार का भाग
शेर-पु० सिंह
फेर-पु० स
ढेर-पु० राशि
बटेर-स्त्री० एकपक्षी, वर्त्तक
कनेर-स्त्री० एक वृक्ष
अजमेर-उ० एकनगर
बीकानेर-पु० „ „
तैर×पु० पक्षीका बहुवचन। तैरना
खैर×स्त्री० भलाई, शान्ति, अस्तु
ग़ैर×उ० बेगाना, अन्य
सैर×स्त्री० स

पैर-पु० पग
ओर-स्त्री० तरफ़
कोर-स्त्री० किनारा
गोर-स्त्री० क़ब्र
घोर-उ० भयानक, सख्त
चोर-पु० स
ओरछोर-पु० दोनोंसिरे
ज़ोर×पु० बल
डोर स्त्री० रस्सी । लगन
ढोर-पु० पशु
पतोर-स्त्री० घास पत्ती
पोरपोर-स्त्री० पोरुवा पोरुवा गांठगांठ, हरजोड़
बोर-उ० डुबाना, ग़ोता
भोर-स्त्री० प्रातःकाल
मोर-पु० मयूरपक्षी
चकोर-स्त्री० वह पक्षी जो चन्द्रमा पर आशिक माना जाताहै
चकोर-पु० पिंगल छन्द, यदि मत्त गयन्दके अन्तिम गुरु अक्षर को लघुकरदेंतो चकोर हो जाताहै देखो "मत्तगयन्द" पृ० १६८
हिलोर स्त्री० लहर
शोर-पु० ग़ुल, कोलाहल
किशोर-पु० नव युवक, १०से १५ वर्षकी अवस्था
टकोर-स्त्री० आवाज़
बागडोर-स्त्री० लगाम
कठोर-उ० सख़्त, कठिन
दौर×पु० चक्कर, घेर
ग़ौर×पु० विचार
गौर-उ० गोरा, सफ़ेद
तौर-पु० ढंग, आंखोंकी बीनाई
और-अ० स
लाहौर-पु० प्रसिद्ध नगर पंजाब की राजधानी

लकारान्त

कल-स्त्री० गुज़राहुआदिन, आनेवाला दिन । मात्रा । क़रार, चैन, मशीन । रुख़ । कलकल

°जोड़जोड़,
सकल-उ० सर्व, सम्पूर्ण
विकल-उ० व्याकुल
निकल-उ० स
उत्कल-पु० देश जगन्नाथप्रान्तमें, बोझ उठानेवाला
पुष्कल-उ० बहुत
आजकल उ० इनदिनों,—करना-टालना
अटकल-स्त्री० अनुमान, अन्दाज़ा
खल-पु० दुष्ट
कनखल-पु० हरिद्वारके पास एक नगर
गल-पु० गला
जंगल-पु० स
मंगल-पु० शुभ, कल्याण
दंगल-पु० अखाड़ा
पिंगल-पु० छन्द-शास्त्र, इल्मे अरूज़
पागल-पु० दीवाना
छागल-स्त्री० पानी भरनेकी थैली
बग़ल-स्त्री० स
निगल-उ० अपमान युक्त खाने की आज्ञा
चल-उ० स
चंचल-उ० चुलबुला
कुचल-उ० स
अचल-पु० क़ायम, स्थिर
मचल-उ० स
अंचल-पु० स
छल-पु० दग़ा, धोका
उछल-उ० उछलना
मोरछल-पु० मोरके परोंकाचंवर
जल-पु० पानी
काजल-पु० स्याही सुर्मा कज्जल
सजल-उ० जल सहित
अजल×स्त्री० मौत
ग़ज़ल×स्त्री० उर्दू कवितामें एक भेद
करकाजल-पु० ओला
झल-स्त्री० जलन, लपटें
ओझल-स्त्री० आड़
बोझल-उ० बोझवाला, भारी

टल-उ० जा
अटल-उ० नहीं टलने वाला
ज़टल-स्त्री० ग़प्प
मंडल-पु० ज़िला, दायरा; समूह
कमंडल-पु० साधुवोंका जल-
पात्र
तल-पु० तला, नीचे
खड़तल-पु० वेलाग कहने वाला
पीतल-पु० मशहूर धातु
वेतल-पु० झटकेका उड़ाया हुआ
माल, चोरीकामाल
वोतल-स्त्री० स
कोतल-पु० वह घोड़ा जिस पर
ज़ीन कसा हो परन्तु
कोई सवार न हो
स्थल-पु० मुक़ाम- ज़मीन, खुश्क
जगह
दल-पु० झुंड, परत
सन्दल×पु० चन्दन
पैदल-पु० स
बादल-पु० मेघ, अब्र
बदल-पु० बदला, तोड़

नल-पु० एक राजाका नाम
अनल-पु० आग
पल-पु० घड़ी का साठवां भाज
चपल-उ० चञ्चल
कोंपल-स्त्री० कोमल पत्ते जो
अभी निकले हों
पीपल-उ० मशहूर वृक्ष-पु०
एकद्वा-स्त्री०
फल-पु० नतीजा । सेव अमरूद
आदि । काटनेवाला
हथियार दस्ता छोड़ कर
सफल-पु० कामयाव
विफल-पु० नाकाम
रफ़ल-स्त्री० एक कपड़ा तन-
ज़ेवसा
बल-पु० ज़ोर, शक्ति
कम्बल-पु० प्रसिद्ध ऊनी वस्त्र
दुर्बल-उ० कमज़ोर
निबल-उ० ,, घटिया
सबल-उ० बलवान
मल-पु० मैल
अमल-उ० मलसे रहित

कोमल-उ० मुलाइम, नर्म
विमल-उ० पाक, शुद्ध, सुथरा
कमल-पु० पुष्प विशेष
खटमल-पु० इन्हें कौन नहीं जानता
परमल-पु० खास रीतिसे भुना हुआ अन्न
निर्मल-उ० मल रहित
हमल×पु० गर्भ। मेष राशि
रमल×पु० ज्योतिषकी रीतिका पाँसा
यल×पु० पहलवान
चटियल×पु० साफ़ मयदानका विशेषण
सड़ियल-उ० सड़ा हुआ, गन्दा
अड़ियल-उ० अड़ जानेवाला
मरियल-उ० कमज़ोर मुर्दार सा
नरियल-पु० श्रीफल
कोयल-स्त्री० पिक
हरियल-पु० एक पक्षी
खरल-स्त्री० दवा पीसनेकी ओखली

गरल-पु० विष
सरल-उ० सीधा, साफ़
ख़लल×पु० विघ्न
क़लल-पु० जरायु, ज़ेल, गर्भके ढकनेकी झिल्ली
चावल-पु० स
भुसावल-पु० एक नगर
केवल-अ० सिर्फ़
धवल-पु० श्वेत रंग, ज़बरदस्त
पंडरावल-पु० एक कस्बा
कृषीवल-पु० काश्तकार
असल×पु० शहद, मधु
कवल-पु० ग्रास, लुक़मा,
कुशल-पु० क्षेम, आनन्द (विशे० में० उ०)
मूसल-पु० स
हल-पु० खेत जोतनेका आला
कुतूहल-पु० अचम्भा, गड़बड़
कोलाहल-पु० हंगामा, शोर
आल-स्त्री० नमी
काल-पु० समय
निकाल-उ० स

तत्काल-अ० उसी वक्त
प्रातः काल-पु० सुवह, फ़जर
इन्तक़ाल-पु० मृत्यु, बदलना
खाल-स्त्री० चमड़ा
पखाल-स्त्री० खालके बड़े बड़े थैले ज़िनमें पानी भर कर बैल पर लादले जाते हैं
गाल-पु० स
श्रृगाल-पु० गीदड़
उगाल-पु मुंःसे उगला हुआ पान आदि
बंगाल-पु० देश विशेष
कंगाल-पु० रंक
चाल-स्त्री० रफ़तार। फ़रेब। चलन
भूचाल-पु० भूकम्प, ज़लज़ला
पांचाल-पु० देश विशेष
बोलचाल-स्त्री० स
छाल-स्त्री० पोस्त, वृक्षोंका छिलका
उछाल-उ० स
ज़ाल-पु० स
जञ्जाल-पु० झमेला
मजाल-स्त्री० शक्ति, ताक़त
झाल-पु० टूटे वर्तन पर टांका लगाना। बड़ा टोकरा, स्त्री०। नदीमें ऊंचेसे नीचे स्थानमें पानी गिरनेकी जगह-स्त्री०
टाल-स्त्री० लकड़ियोंकी दूकान, टालना
ठाल-स्त्री० बेकारी
डाल-स्त्री० डाली, शाखा डाल नेकी आज्ञा
चिण्डाल-पु० भंगी, दुष्ट चांडाल
पिंडाल-पु० मंडप
ढाल-स्त्री० तलवार रोकनेका आला। उतरान-पु०
चालढाल-स्त्री० चाल चलन
निढाल-उ० रंजीदा, सुस्त
ताल-स्त्री० गाने बजानेका अंग
बेताल-पु० प्रेतादि कल्पित यौनि
पाताल-पु० नीचेका लोक

करताल-स्त्री० लकड़ी या धातु के दो टुकड़ोंका बाजा जिन्हें एक हाथमें लेकर बजाते हैं

हड़ताल-स्त्री० एक पीली दवा। सबका मिलकर काम छोड़ देना Strike

नैनीताल-पु० नगर विशेष

थाल-पु० बड़ी थाली

दाल-स्त्री० स

कुदाल×स्त्री० फावड़ी

नाल-स्त्री० नली। जुआ खिलानेवालेका हिस्सा

मुनाल-स्त्री० हुक्केकी नयके मुंःपर जो धातुकी नली लगाते हैं

करनाल-पु० एक नगर

पाल-स्त्री० आमोंको परिपक्व करनेका फूंस

सुखपाल-पु० पालकी नुमा एक सवारी

भूपाल-पु० राजा

नैपाल-पु० देश विशेष

वाल-पु० केश, ज्वार बाजरेके गुच्छे जो पेड़में लगते हैं। छोटा

ववाल×पु० वबा, बला

इक़बाल×पु० तेज, रौब, नसीब

इस्तक़बाल×पु० अगवानी, पेशवाई, भविष्य

आलबाल-पु० पौदेके चारों तरफ़ गोल बरहा कुंड, थांवला

भाल-पु० मस्तक, पेशानी

सँभाल-स्त्री० सँभालना, रक्षा

देखभाल-स्त्री० „ „

माल-पु० स

कमाल×पु० निपुणता

जमाल×पु० सौन्दर्य

रेगमाल×पु० वह काग़ज़ जिसपर कांचके ज़र्रेजमे रहते हैं, पालिशपेपर

रम्माल×पु० रमल फेंकनेवाला

पामाल×उ० पद दलित

रूमाल×पु० अंगोछा
इस्तेमाल×पु० बर्तना, प्रयोग
मालामाल×उ० धन सम्पन्न
धम्माल-स्त्री० मार
व्याल-पु० साँप । पवन
ख़ियाल×पु० विचार, ध्यान
घड़ियाल-० एक जलका जीव
राल-स्त्री० एक दवा । बहता हुआ थूक
मराल-पु० हंस
कराल-उ० कठोर
ससुराल-स्त्री० स
अन्तराल-पु० मध्य, बीच
लाल-पु० बेटा । एक चिड़िया एक रत्न । सुर्ख़-उ०
कलाल-पु० शराब बेचनेवाला
हलाल×पु० हरामके विरुद्ध जायज़, मारना
गुलाल-पु० एक लाल चूर्ण जो होलीमें मुंः से मलते हैं
मलाल×पु० रंज, ग़म
हिलाल×पु० दूजका चन्द्रमा
दल्लाल-पु० आढ़ती, सौदा करानेवाला
सवाल-पु० प्रश्न
कोतवाल-पु० दारोग़ा, कोटपाल
शाल-पु० दुशाला
विशाल-उ० बड़ा, विस्तीर्ण
साल-पु० वर्ष । सूराख़, एक इमारती लकड़ी,
पौसाल-स्त्री० प्याऊ, सबील
मिसाल-स्त्री० उदाहरण, उपमा
टकसाल-स्त्री० सिक्का बननेकी जगह mint
पनसाल-स्त्री० लेवल, जमीनकी नीचाइ ऊँचाई जाँचना
हाल×पु० समाचार, दशा, अवस्था × वर्तमान काल, हिलना
बहाल-पु० फिर नौकरी परलग जाना, खुश, तन्दुरुस्त
सुहाल-पु० मठरी
निहाल×पु० पौदा, बहुत बख़शिशसे दरिद्र दूर होना

मुशकिल×स्त्री० दुशवारी
दाख़िल×उ० घुसना, शामिल होना
मंज़िल×स्त्री० स
कुटिल-पु० टेढ़ा, लुच्चा
तिल-पु० जिस्म पर छोटाकाला दाग़, ख़ाल, एक प्रकार का द्रव्य जिसमें तेल निकलता है
बातिल×उ० झूटा
दिल×पु० मन
आदिल×पु० न्यायी
अनिल-पु० पवन
कपिल-पु० सांख्यकार मुनि
महफ़िल×स्त्री० स
ग़ाफ़िल×पु० अचेत
क़ाबिल×पु० योग्य
शामिल×उ० शरीक
बिस्मिल×पु० अधमुआ, आधा गलाकटा हुआ, आशिक
कामिल×उ० पूर्ण
आमिल×पु० अमल करनेवाला

दुर्मिल-पु० पिंगलका वह छन्द जिसके प्रत्येक चरणमें २४ वर्ण अर्थात् ८ सगण हों

॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ
॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ + ॥ऽ

उ०

कविता कविकी अति रोचक हो यदि प्रास निवास करे पदमें ।

इसके अन्तमें एक गुरु वर्ण बढ़ानेसे सुन्दरी छन्द बन जाता है देखो सुन्दरी पृ० १०७

सलिल-पु० जल
हासिल×उ० प्राप्त
मुसहिल×उ० दस्तावर
काहिल×पु० सुस्त, अलस
जाहिल×पु० मूर्ख
कील-स्त्री० लोहेकी बारीक खूंटी
खील-स्त्री० लाजा, भुने हुएधान
चील-स्त्री० एक पक्षी, ज़ग़न

छील-उ० स

इंजील-स्त्री० ईसाइयोंकी धर्म पुस्तक

झील-स्त्री० खाड़ी, पानीका स्थान

ढील-स्त्री० सुस्ती, देर

क़न्दील×पु० काग़ज़ी फानूस

नील-पु० नीला रंग

अबाबील-स्त्री० वीरां-पसन्द जानवर

सबील×स्त्री० रास्ता, तरीक़ा, पानीकी प्याऊ

ज़ंबील×स्त्री० झोली

भील-पु० शबर

मील-पु० १७६० गज़ दूरी

रील-स्त्री० तागोंकी गिट्टक, तागे

करील-पु० कीकर, बबूल

अश्लील-उ० बीभत्स

ज़लील-उ० लज्जित, शर्मिन्दा नीच

जलील×पु० बज़ुर्ग, बड़ा

वकील-पु० प्लीडर, क़ानूनी हिमायती

अपील-स्त्री० फ़र्याद

शील-पु० स्वभाव, अच्छा चलन

सुशील-पु० अच्छे चाल चलन वाला

दलील×स्त्री० हेतु

बख़ील×पु० कंजूस

सक़ील×उ० भारी भोजन जो देरमें हज़्म हो

अलील×उ० बीमार

असील×पु० जो वर्ण सङ्कर न हो, शुद्ध क्षेत्र और वीर्य से उत्पन्न

मंदील×पु० एक प्रकारकी पगड़ी

तामील×स्त्री० आज्ञा पालन

तहसील×स्त्री० उघाना, प्राप्त करना, तहसीलदारका दफ़्तर

तफ़सील×स्त्री० व्यौरेवार

तातील×स्त्री० छुट्टी

तबदील×उ० बदलना

पतील-उ० पतला

डील-पु० जिस्म

कुल-पु० ख़ानदान, गुरोह, जमाअत × तमाम
व्याकुल-उ० बेक़रार
आकुल-उ० „
नकुल-पु० पाण्डवोंमें एक। न्यौला, रासू
गुल×पु० फूल। जली हुई बत्ती, चिराग़का बुझना
गुल×पु० शोर
खुल-उ० स
घुल-उ० स
ज़ुल-पु० धोका
मंजुल-उ० पवित्र, कोमल
अतुल-उ० जिसकी तोल न हो।
मातुल-पु० मामा, मामूं
पुल-पु० स
तुमुल-पु० कुशती, युद्धार्थ मुठभेड़
काबुल-पु० देश विशेष
बुलबुल-स्त्री० वह पक्षी जिसे उर्दू कवि फूल पर आशिक मानते हैं
तअम्मुल-पु० ग़ौर, ठहरना
चुल-स्त्री० खुजली
अंगुल-स्त्री० उङ्गलीकी चौड़ाई बराबर जगह
कूल-पु० किनारा
अनुकूल-उ० मुआफ़िक़
दुकूल-पु० वस्त्र
प्रतिकूल-पु० नामुआफ़िक़
लांगूल-पु० पूंछ
चूल-स्त्री० जिस पर किवाड़ घूमती है। जोड़। चारपाईमेंपायोंके सूराख़
फ़ुज़ूल-उ० व्यर्थ
झूल-स्त्री० झूलनेकी रस्सी। पशुवोंको उढ़ानेका कपड़ा
टूल-स्त्री० एक लाल कपड़ा। स्टूलका अपभ्रंश
चंडूल-पु० मनहूस पक्षी
तूल×पु० लम्बाई
स्थूल-पु० कसीफ़, मोटा
ऊलजुलूल-उ० बेहूदा बकवास
शूल-पु० कांटा

त्रिशूल-पु० तिधारा
कुबूल×उ० मंज़ूर
हूल-स्त्री० नोककी मार
ताम्बूल-पु० पान
वुसूल×उ० उघाना, लेना
उसूल×पु० जड़ें, सिद्धान्त
मक़बूल×उ० मान्य
माक़ूल×उ० अक़्लके मुताबिक, उचित
नकेल-स्त्री० नाककी रस्सी
खेल-पु० स
जेल-स्त्री० जरायु, कारागार
झेल-उ० सहन
उँडेल-उ० गिराना
तेल-पु० स
धकेल-उ० स
मेल-पु० मिलाप
झमेल-स्त्री० झगड़ा
पेल-उ० डँड और तिलोंसे सम्बन्ध रखने वाली क्रिया
बेल-स्त्री० वेलि, फल फूलका वह वृक्ष जो जमीन पर पड़ा रहता है या टट्टी छपर दीवारों पर चढ़ाया जाता है। कोर
रेल-स्त्री० स
हेल-स्त्री० गोवरका भरा हुआ टोकरा
फुलेल-पु० खुशबूदार तेल
दाग़बेल×स्त्री० सड़क बनाने या मकान चुन्नेके लिये ज़मीन पर निशान लगाना
क्रमेल-पु० ऊँट
मैल-पु० मल
बैल-पु० वृषभ, नरगाव
चुड़ैल-स्त्री० कुरूपा कराला स्त्री
दबैल-उ० दबा हुआ
खपरैल-स्त्री० Tile, खपरा
झकोल-उ० स
खोल-उ० स
गोल-उ० स
घोल-उ० स

छोल-पु० छिलके
मेलजोल-पु० मिलाप, आपसमें मिलना जुलना
झोल-पु० ब्याँत। सिलवट, रेंच। मुलम्मा
टटोल-स्त्री० तलाश
ठिठोल-स्त्री० मज़ाक़
डोल-पु० पानी खींचनेका पात्र
ढोल-पु० बड़ी ढोलक
तोल-स्त्री० वज़न
कचकोल-पु० भिक्षा पात्र
रमझोल-पु० पगभूषण
बग़लोल-पु० कूढ़, मूढ़, अहमक़
उल्लोल-पु० तरङ्ग, लहर
कल्लोल-पु० ,, ,,
कोल-पु० सूकर, सूअर
क़ौल×पु० बचन
बौल×स्त्री० गेंद Ball
कौल-पु० वह मुट्ठी भर अन्न जो चक्कीके मुंः में डाला जाय
पिस्तौल×स्त्री० तमंचा, Pistol
डीलडौल-पु० स
धौल-स्त्री० चपत
लाहौल×स्त्री० घृणा और धिक्कार सूचक शब्द

वकारान्त

जव-पु० जौ अन्न विशेष
लव-पु० ज़रासा
शव-पु० मुर्दा, लाश
रव-पु० आवाज़, शोर
नव-उ० नया, ६
भव-पु० संसार
अवयव-पु० शरीरके टुकड़े, हिस्से, आज़ा
उत्सव-पु० खुशीका जल्सा
उद्भव-पु० पैदा होना
पल्लव-पु० पत्ते
कितव-पु० ज्वारी, धूर्त
बनाव-पु० सजावट, श्रृङ्गार
दाव-पु० मौक़ा, घात, खेलमें नम्बर,हारजीतका संकेत
राव-पु० एक पदवी, राजा
दिखाव-पु० दर्शन

हाव-पु० संयोग शृङ्गारमें जो चेष्टा होती है वह साहित्यानुसार हाव १२ प्रकारके होते हैं

भाव-पु० रसास्वाद अनुभव करनेकी क्रिया जो मुख्य तीन प्रकारकी है सात्विक, कायिक और मानसिक। निर्ख। मतलब

नाव-स्त्री० किश्ती

घाव-पु० ज़ख्म

चाव-पु० उमंग, शौक़

ताव-पु० जोश, तपाना, गुस्सा

बहाव-पु० स

बचाव-पु० स

लगाव-पु० स

भराव-पु० स

लदाव-पु० बग़ैर कड़ियोंके छत को पाटना

पड़ाव-पु० गाड़ियोंके ठहरनेकी जगह, सफ़रमें मुक़ाम

अलाव-पु० वह अग्निकुंड जो गांववाले कुछ कूड़ा करकट जमा करके जमाते और उसकेसहारे थोड़ी देर गुंजारते हैं

पुलाव-पु० एक मुसलमानी खाना

अटकाव-पु० स

पाव-उ० चौथाई

नानपाव×पु० डबल रोटी

चलचलाव-पु० स

हिवाव-पु० हिम्मत, हौसिला, दिल

कटाव-पु० स

बढाव-पु० स

घटाव-पु० स

जमाव-पु० स

ठैराव-पु० स

वर्ताव-पु० स

रखरखाव-पु० स

चढ़ाव-पु० स

दबाव-पु० स

अभाव-पु० नेस्ती, न होना

इव-अ० मानिन्द
शिव-पु० महादेव
सचिव-पु० वजीर, मंत्री
जीव-पु० आत्मा, जीवात्मा, रूह Soul
क्लीव-पु० नपुंसक, हीजड़ा
अतीव-अ० बहुतही

शकारान्त

कलश-पु० धातुका घड़ा
विवश-उ० लाचार
वश-पु० क़ाबू, वस
यश-पु० जस, कीर्ति
दश-उ० दस, १०
सरकश×पु० बाग़ी, नाफ़र्मान, फिरा हुआ
तरकश×पु० निषङ्ग
कर्कश-पु० कलहप्रिय
ग़श×पु० बेहोशी, मूर्छा
आश-स्त्री० आस
प्रकाश-पु० उजाला
अवकाश-पु० फ़ुर्सत, ख़ाली जगह
विनाश-पु० नाश
हताश-उ० नाउम्मीद, निराश
लाश×स्त्री० शव, मुर्दा-जिस्म
तालाश×स्त्री० ढूँढना, टोह, अन्वेषण
पाशपाश×उ० टुकड़े टुकड़े
तराश×स्त्री० काट
तराशख़राश-स्त्री० काट छाँट, बनाव सिगांर
फ़ाश-पु० खुल जाना, जैसे राज़ फाश हो गया भेद खुल गया
काश×अ० अभिलाषाका शब्द है, "इश्वर करे यूं हो" के स्थानमें बोलते हैं "काश यूं हो"
मआश×स्त्री० रोज़गार, धन्दा, आमदनीका ज़रीआ
क़िमाश×उ० जौहर, आदत, कुल, यह शब्द क़ुमाश

है परन्तु आम तौर पर क़िमाश बोला जाता है
ऐयाश×उ० रजोगुणी, आनन्दी, तमाश-बीन, बदकार, रण्डीबाज़
बश्शाश×उ० खुश, प्रफुल्लित
ख़शख़ाश×स्त्री० ख़शख़श नाम की दवा
परख़ाश×स्त्री० अनबन, द्वेष
बूदोबाश×स्त्री० रहायश, सुकूनत
शाबाश×अ० यह प्रशंसा और आशीर्वादका शब्द है धन्य हो, अस्लमें "शादबाश" था जिसका अर्थ है "खुश रहो" अब शाबाश रह गया है
दिलख़राश×उ० दिलको दुखाने वाला, हृदय वेधक
क़लमतराश×पु० चाकू
ओबाश×पु० लुच्चा, गुंडा
ताश-पु० खेलनेके पत्ते।

तागोंका टिकट।
माश×पु० उर्द, यह संस्कृतका 'माष' ही तो है
गुलाब पाश×पु० गुलाब छिड़कनेका पात्र
कोशिश×स्त्री० प्रयत्न
पालिश×स्त्री० Polish चमकानेकी क्रिया और वस्तु
दानिश×स्त्री० अक्ल, बुद्धि
ताबिश×स्त्री० चमक, धूप
नालिश×स्त्री फ़र्याद, दावा
मालिश×स्त्री० मलना, मलाई
बारनिश×स्त्री० चमक पैदा करनेवाला रोग़न
साज़िश×स्त्री० बनावट, घात, मेल
नवाज़िश×स्त्री० महरबानी
ख़ाहिश×स्त्री० इच्छा
आसाइश×स्त्री० आराम
आराइश×स्त्री० सजावट
आज़माइश×स्त्री० परीक्षा
फ़रमाइश×स्त्री० आज्ञा, किसी

चीज़कें मंगाने या बनानेका हुक्म
बारिश×स्त्री० वर्षा
ख़ारिश×स्त्री० खुजली
जवारिश×स्त्री० पाककी सूरतमें औषधि
ख़लिश×स्त्री० खटक, चुभन, झगड़ा
कशिश×स्त्री० खींच, आकर्षण
पोशिश×स्त्री० पहनावा
तपिश×स्त्री० धूपकी तेज़ी, तड़प
जुंबिश×स्त्री० हिलना
सोज़िश×स्त्री० जलन
रंजिश×स्त्री० रंज
गुलाम गर्दिश×स्त्री० बरामदा, महलके चारों तरफ़का बरामदा जिसमें नौकर चाकर दासादि हाज़िर रहते हैं
किशमिश×स्त्री० मशहूर मेवा द्राक्षा
कुलिश-पु० बज्र
ईश-पु० ईश्वर, मालिक
महीश-पु० राजा
कपीश-×पु० सुग्रीव
कवीश-पु० कवियोंका राजा, मलिकुश्शोरा
जगदीश-पु० जगत्का मालिक, ईश्वर
तशवीश×स्त्री० चिन्ता
तफ़तीश×स्त्री० तहक़ीक़ात, छानबीन
कुश-पु० घास, तिनके
अंकुश-पु० स
धनेश-पु० धनका मालिक,कुवेर
गणेश-पु० गजानन-गणपति
महेश-पु० शिवजी
सुरेश-पु० इन्द्र
दानवेश-पु० राक्षसोंका राजा, रावण
क्लेश-पु० दुःख
केश-पु० बाल, अलक
लवलेश-पु० ज़रासा

लेश-पु० थोड़ा
नरेश-पु० राजा
खगेश-पु० गरुड़
प्रवेश-पु० दाख़िला
पेश×पु० ऊपर, आगे
बेश×पु० अधिक
ख़ेश×पु० अपना, सगा
दूरअन्देश×पु० दूर दर्शी
दरवेश×पु० फ़क़ीर
उपदेश-पु० नसीहत
अपदेश-पु० वहाना, भेस बदलना
आवेश-पु० अहंकार, गुस्सा, जोश
उद्देश-पु० मक़सद
कोश-पु० ख़ज़ाना, लुग़तकी किताब डिक्शनरी Dictionary
होश×पु० अक़्ल, औसान
ख़ामोश×उ० चुप
ख़रगोश×पु० खरहा, शश
जोश×पु० उबाल, आवेश
आग़ोश×स्त्री० बग़ल
फ़रामोश×स्त्री० भूलना।
बेहोश×उ० मूर्छित, मदान्ध
रूपोश-उ० मुंः छुपानेवाला
फ़रोश×पु० यह किसी पदार्थके साथ लगाकरही बोला जाता है जैस इत्र फ़रोश बूट-फ़रोश, पार्चा फ़रोश, कुतुब फ़रोश, बेचनेवाला
सुबुकदोश-पु० उऋण, बोझ उतरजाना
अपक्रोश-पु० निन्दा
अंश-पु० हिस्सा, जुज़
वंश-पु० ख़ानदान
उपदंश-पु० सुज़ाक-आतशक। गज़क चाट जो मद्यपान के बाद अच्छी मालूम होती है
अपभ्रंश-पु० बिगड़ा हुआ शब्द

षकारान्त

कल्मष-पु० पाप, मैला, पापी

पक्ष-पु० पर, पन्द्रहदिन, तरफ़-दारी, शास्त्रार्थमें बयान
दक्ष-पु० कुशल, चतुर, निपुण
रक्ष-उ० रक्षण
लक्ष-पु० लाख
प्रत्यक्ष-पु० ज़ाहिर, प्रमाणोंमें से एक
भक्ष-उ० भक्षण
अक्ष-पु० खेलनेका पासा, धुरी
वक्ष-पु० हृदय,
यक्ष-पु० देव यौनि भेद
अभिलाष-पु० आशा, ख़ाहिश
माष-पु० उर्द
कल्माष-उ० पाप, मैला
विष-पु० ज़हर
आमिष-पु० मांस
करीष-पु० सूखा गोबर
पुरीष-पु० विष्ठा, मल, गू
पुरुष-पु० नर
तुष-पु० धानका छिलका, भूसी
ऊष-पु० गन्ना
पीयूष,पु० अमृत, सुधा

मेष-पु० मेंढा
शेष-पु० बाक़ी
घोष-पु० पुकार
रोष-पु० गुस्सा
सन्तोष-पु० सब्र
आत्मघोष-पु० कुत्ता। कव्वा
आशुतोष-पु० शीघ्र प्रसन्न होने-वाला
ओष-पु० जलन, दाह
मोक्ष-स्त्री० मुक्ति
परोक्ष-पु० ग़ायब

सकारान्त

कस-पु० सार, कसना
बस-पु० क़ाबू, वश
रस-पु० मज़ा। शृङ्गार आदि ६ खट्टा मीठा आदि ६
नस-स्त्री० रग
अलस-पु० आलसू, काहिल, सुस्त
भुरकस-पु० चूरा
तरस-पु० रहम, डर

बरस-पु० साल, वर्षा
ठस-पु० ग़बी, कुन्द ज़हन,सुस्त
डस-पु० साँपके काटनेकी अपूर्ण क्रिया, तराजूके पलड़ोंकी रस्सी
बनारस-पु० काशी
ढारस-स्त्री० तसल्ली
पारस-पु० वह पत्थर जो लोहेको सोना बनाता है
सारस-पु० हंसके आकारवाला पक्षी
जरस×पु० घंटा
क़फ़स×पु० पिंजरा
मगस×स्त्री० मक्खी
हवस×स्त्री० तृष्णा
नफ़स×पु० दम, सांस
अदस×स्त्री० मसूर
दस–उ० दश १०
अतलस×स्त्री० एक रेशमी कपड़ा
मुक़द्दस×उ० वज़ुर्ग, पवित्र
चरस-पु० एक नशा—सुलफ़ा, चमड़ेका बहुतही बड़ा डोल जिससे काश्तके वास्ते बैलों द्वारा पानी निकालते हैं
बुढ़भस-स्त्री० बुढ़ापेमें संयोगकी इच्छा
फप्पस-पु० फूले हुए जिस्मका पुरुषार्थ हीन
आपस-उ० वाहम, परस्पर
असमंजस-पु० असंगत, जो युक्तियुक्त न हो, पसोपेश, द्विविधा; आगा पीछा, चेंकुनम
विकास-पु० इर्तक़ा, एवोल्यूशन सिलसिलेसे बढ़ना Evolution.
निकास-पु० स
कास-स्त्री० खांसी
ख़ास×उ० विशेष
ग्रास-पु० गस्सा, लुक़मा, निवाला
घास-स्त्री० स
उड़ंचास-उ० ४६

पचास-उ० ५०
खटास-स्त्री० खट्टापन
मिठास-स्त्री० मीठापन
सिंडास-पु० पख़ाना
भड़ास-स्त्री० हसरत, रुकी हुई इच्छा
अमलतास-पु० एक दस्तावर दवा
दास-पु० सेवक, गुलाम
उदास-उ० सुस्त, मांद
सूरदास-पु० सूरसागर और साहित्य लहरीके रच-यिता ब्रह्मभट्ट जातिके महाकवि
सत्यानास-पु० नाश
अनन्नास-पु० एक फल
लिबास-पु० पोशाक, ड्रेस
आभास-पु० प्रतिबिम्ब, वह न हो परन्तु वैसामालूम हो
रमास-पु० एक वृक्ष
समास-पु० मेल, कई शब्दोंका मिलकर एक होना
अलमास×एक रत्न
बारहमास-उ० हमेशा
अधिमास-पु० लौंदका महीना
प्यास-स्त्री० तृषा
क़यास-पु० अनुमान, अन्दाज़ा
अनायास-उ० यकायक
अभ्यास-पु० मश्क़, रब्त
आयास-पु० तकलीफ़
उपन्यास-पु० नाविल, कहानी
ह्रास-पु० घटना, नाश
प्रास-पु० क़ाफ़िया, तुक
अनुप्रास-पु० एक अलंकार
महाप्रास-पु० रदीफ़, देखो इसी किताबका पृष्ठ ६
रास-पु० देव कथाके नामसे नाच गाना
मद्रास-पु० एक नगर
त्रास-पु० डर
चपरास-स्त्री० कपड़े या चमड़े-की पेटी जिसमें धातु-पत्रपर मालिकका नाम खुदा रहता है

विलास-पु० आनन्द,खेल,क्रीड़ा, ऐश
उल्लास-पु० हर्ष। अध्याय
हुलास-पु० खुशी, सूँघने योग्य तम्बाकू
इजलास-पु० दर्बार, कचहरी
गिलास-पु० प्याला, जाम
कैलास-पु० शिवजीका निवास स्थान पर्वत
कड़वास-स्त्री० कड़वापन
निवास-पु० रहना
श्वास-पु० सांस
विश्वास-पु० यक़ीन
वास-पु० रहना
प्रवास-पु० परदेसमें रहना
हवास×पु० ज्ञानेन्द्रिय, औसान
उपवास-पु० न खाना, व्रत
सास-स्त्री० सुसरकी स्त्री
मसास-पु० स्त्री संगमके समय कामोत्तेजक क्रिया
अट्टहास-पु० क़हक़हा मारकर हँसना

इतिहास-पु० तारीख़ History
बांस-पु० स
फांस-स्त्री० स
सांस-उ० स
धांस-स्त्री० चूलको सख्त करने-के लिये पच्चर ठोकना। खांसी
मांस-पु० गोश्त
डांस-पु० मच्छर
कांस-पु० एक घास
इस-उ० स
किस-उ० स
घिस-उ० स
घिसघिस-स्त्री० झमेला
माचिस-स्त्री० दियासलाई, दीप-शलाका matches
जिस-उ० स
तिस-उ० स
पिस-उ० स
रिस-उ० गुस्सा
पुलिस-स्त्री० मशहूर महकमा
सर्विस-स्त्री० नोकरी Service

मिस-पु० वहाना
मुदर्रिस-पु० अध्यापक
मजलिस-स्त्री० सभा
ढिसमिस-उ० ख़त्म, ख़ारिज, Dismiss
रीस-स्त्री० हिर्स
सीस-पु० सर
अतीस-पु० एक दवा
पीस-उ० स
फीस×स्त्री० उजरत, वदला, महनताना Fee
१६से लेकर ४८ तक गिन्तीके शब्द-उ०
असीस-पु० आशीर्वाद, दुआ
कसीस-पु० एक दवा
ख़सीस-पु० कंजूस
रईस-पु० रियासतदार, अमीर
नफ़ीस-उ० उत्तम, स्वच्छ, अच्छा
खुशनवीस-पु० अच्छा लेखक, जिसके अक्षर उत्तम हों
मक़नातीस-पु० चुम्बक, पत्थर
टीस-स्त्री० दर्द, चुभन, खटक। जिल्दबन्दीमें एक सिलाई
घुस-उ० स
भुस-पु० भूसा
उस-उ० स
खुसपुस-स्त्री० काना फूसी
फ़ानूस-पु० दीपक पर कपड़े या कांचका ढकना जो रोशनीका बाधक न हो और जन्तुओंको दीपक पर गिरनेसे बचाय
जुलूस×पु० सवारी,शानोशौकत और भीड़ भड़क्केके साथ किसीका निकलना
आवनूस×पु० एक काली लकड़ी, काला
रूस-पु० एक देश
पूस-पु० हिन्दी महीना, पौष
कारतूस-पु० बन्दूकमें भरनेकी चीज़ Cartridge
नाक़ूस×पु० शङ्ख
मनहूस-पु० बदनसीब, असेना

दक़ियानूस-पु० एक पुराना हकीम, इसी वजहसे पुराने—को दक़ियानूसी कहते हैं
जासूस-पु० गुप्तचर Spy
फुलूस-पु० पैसा
खेस-पु० ख़ास बुनावटका चादरा
ठेस-स्त्री० ठोकर, झटका, सदमा, नुक़सान, खटक, चुभन
रेस-स्त्री० घुड़ दौड़ Race
देस-पु० देश, एक रागका नाम
भेस-पु० रूप
सँदेस-पु० पयाम, ख़बर
ड्रेस×पु० लिबास Dress.
परदेस-उ० पराया मुल्क
ओस-स्त्री० शबनम
कोस-पु० क्रोश, लगभग १½ मील फासिला
ठोस-पु० भरा हुआ जो थोता न हो
भरोस-पु० भरोसा
अफ़सोस-पु० शोक, पचतावा
मसोस-उ० स
परोस-उ० खानेके लिये सामने रखना
पड़ोस-पु० हमसाया, पासवाले
अवतंस-पु० मुकुट
कंस-पु० श्रीकृष्णका मामा
हंस-पु० एक पक्षी
विध्वंस-पु० नाश
शंस-पु० तारीफ
अंस-पु० काँधा

हकारान्त

कह, रह, सह, दह, वह, गह } उ० स

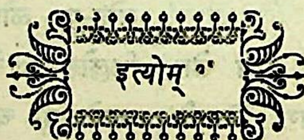
कलह-पु० झगड़ा, लड़ाई
विरह-पु० वियोग, हिज्र

शह×पु० राजा
आह×स्त्री० कराहनेकी आवाज़, सब्र
काह×स्त्री० घास
चाह×स्त्री० चाहत, × कुंआं
जाह×पु० मर्तबा, शान
थाह-स्त्री० तह
पनाह×स्त्री० शरण
नाह-पु० पति, मालिक
सिपाह×स्त्री० फ़ौज, सेना
तबाह×उ० बरबाद
माह×पु० महीना, चन्द्र
विवाह-पु० स
निर्वाह-पु० निभाव, निबाह
उत्साह-पु० उमंग, खुशी
ख़ामख़ाह-अ० व्यर्थ, अपनेआप, अकारण
गाहबगाह-उ० कभी कभी
राह×स्त्री० रास्ता
शाह×पु० बादशाह, राजा
मल्लाह×पु० किश्तीवान—यह निकाह+सलाह+ फ़ला-हका क़ाफ़िया है गवाह+शाह+कुलाहका नहीं दोनों'हे' अलग हैं, देखो प्रासकेदोष पृ० २० में "इकफ़ा"
डाह-स्त्री० हसद, ईर्ष्या, जलन, शत्रुता
सोतियाडाह-पु० सौतनका जलन
गवाह×पु० साक्षी, शाहिद
वाह-स्त्री० प्रशंसाका शब्द है और तानेमें भी बोला जाता है
गुनाह×पु० पाप, अपराध
निगाह×स्त्री० दृष्टि
सियाह×उ० काला
कुलाह×स्त्री० टोपी, मुकुट
अल्लाह×पु० ईश्वर, ख़ुदा
हमराह×पु० साथ
तन्ख़ाह-स्त्री० मासिक वेतन
अफ़वाह-स्त्री० शोहरत, उड़ती ख़बर

गुमराह-उ० भटकाहुआ, रास्ता भूला हुआ
रोबाह-स्त्री० लौमड़ी
बदख़ाह-पु० अशुभ चिन्तक
अन्तर्दाह-पु० दिलका जलना, अन्दरूनी जलन
अवगाह-पु० स्नानालय, ग़ुसल ख़ाना
कटाह-पु० भैंसका बच्चा। कड़ाही। नरक
गेह-पु० घर, मकान
देह-स्त्री० शरीर, जिस्म, वास्तवमें पुल्लिंग है परन्तु स्त्री० ही वर्ता जाता है
स्नेह-पु० प्यार, प्रेम
नेह-पु० स्नेहका संक्षिप्त
मेह-पु० वर्षा
प्रमेह-पु० जिरियान रोग सेह उ०—जानवर जिसके वदन पर तकले जैसे कांटे होते हैं फ़ारसी ख़ारपुश्त ; ख़ारपुश्त उस पंजेको भी० कहते हैं जो लकड़ी सींग धातु का कमर खुजानेके लिये वना लेते हैं
ओह-स्त्री० आश्चर्य, वे परवाई आदि अनेक मनोविकार प्रकाश करनेमें बोलते हैं
कोह-पु० पहाड़
गोह-स्त्री० गोधा, चन्दनगोह
टोह-स्त्री० तलाश
अन्दोह×पु० ग़म, रञ्ज
अम्बोह×पु० मजमा, बहुतसे आदमियोंका झुण्ड
मोह-पु० कामादि पंच विकारोंमें का एक,
गुरोह-पु० टोला, समूह
लोह-पु० लोहा
लिल्लोह-उ० बे लाग, साफ़
आरोह-पु० चढ़ना
अवरोह-पु० उतरना
द्रोह-पु० विग्रह, फूट, रंजिश लड़ाई

त्रान्त

अत्र-अ० इसमें, यहां
एकत्र-अ० एक जगह, इकट्ठा
छत्र-पु० राजा या देवताकी छत्री
यत्र-अ० जहां
तत्र-अ० वहां
पत्र-पु० समाचार पत्र, ख़त, चिट्ठी, वरक़
कलत्र-पु० अपनी स्त्री
पात्र-पु० वर्तन, योग्य
गात्र-पु० अंग, शरीर
मात्र-उ० समस्त, सिर्फ़, केवल
छात्र-पु० विद्यार्थी
जामात्र-पु० दामाद, जमाई
मित्र-पु० दोस्त
पवित्र-उ० पाक, शुद्ध
विचित्र-उ० अजीब
चरित्र-पु० जीवन वृत्तान्त
चित्र-पु० तस्वीर, फ़ोटो
पुत्र-पु० बेटा
सूत्र-पु० धागा, नियम
मूत्र-पु० पेशाब
नेत्र-पु० आंख
क्षेत्र-पु० खेत, मैदान
गोत्र-पु० वंश की तफ़सील
श्रोत्र-पु० कान
मंत्र-पु० स
तंत्र-पु० हितोपदेशादि ग्रन्थोंका प्रकार
यंत्र-पु० कल, मशीन



हिन्दी पुस्तक एजेन्सीमाला

अबतक निम्नलिखित १२ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं

नाम पुस्तक	लेखक	मूल्य
१ सप्तसरोज	"प्रेमचन्द"	॥)
२ महात्मा शेखसादी	"	।≤)
३ धनकुबेरताता	म० द्वि० ग० बी० ए०	।)
४ विवेकवचनावली	श्रीयशोदानन्दजी अखौरी	≡)
५ ब्रजभाषा बनामखड़ी बोली	"वि०" "प०"	=)
६ सेवासदन	"प्रेमचन्द"	२॥)
७ कर्मवीर गान्धीके महत्व-पूर्ण लेख और व्याख्यान	"गान्धी भक्त"	१)
८ संस्कृत कवियोंकी अनोखी सूझ	पं० जनार्द्दनभट्ट एम० ए०	।≤)
९ लोकरहस्य	एक हिन्दी रसिक	॥≤)
१० खाद	श्रीमुख्तारसिंह वकील	१)
११ प्रेम-पूर्णिमा	"प्रेमचन्द"	२)
१२ आरोग्यसाधन	महात्मा गान्धी	।-)

सब प्रकारकी पुस्तकें मिलनेका पता—

हिन्दी पुस्तक एजेन्सी

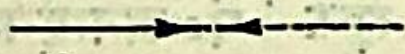
१२६, हरिसन रोड, कलकत्ता

घोषणा पत्र



कवि वंशियोंका गौरव काव्य कलाहीसे रहा है—काव्यके लिये पिंगल विद्याका जानना अत्यावश्यक है इसी लिये पिंगल विद्याका प्रचार आरंभ कर दिया है मैं इस कार्यमें श्रीमान् पं० राम रक्खामलजी "रामकवि" चौडियाला ज़िला अम्बाला निवासीका अहसानमन्द हूं कि पिंगल-पाठ तैयार करनेमें उनसे पूरी पूरी मदद मिल रही है। वणिक् प्रेस कलकत्ताका भी कृतज्ञ हूं कि वह इस विद्या प्रचारके निमित्त छपाईके दाम कुछ नहीं लेता जिसकी कृपासे इस समय १३७ विद्यार्थी भारतवर्षके हर एक कौनेमें घर बैठे पिंगल सीख रहे हैं। पाठ छाप छाप कर डाक द्वारा भेजे जाते हैं। छपाई या डाक व्ययके निमित्त एक पाईभी किसीसे नहीं ली जाती। उदार पुरुष "विद्यादान उस पर टिकट दक्षिणा" से घबराकर यदि कुछ भेज देते हैं तो उनका संकोच दूरकरनेके लिये ग्रहण कर लिया जाता है।

जिन महाशयोंको पिंगल विद्यासे प्रेम हो वो चाहे किसी वर्ण वाले हों निम्न पते पर प्रार्थना पत्र भेजकर विद्यार्थियोंमें शामिल हो सकते हैं



नारायण शतक

हमने नीतिके नवीन १०० दोहे निर्माण करके कार्ड साइज़ ६४ पृष्ठ पर छापे हैं। आधे दोहेमें नीतिका उपदेश, आधेमें उसका दृष्टान्त दिया है।

निम्न पते पर =)॥ के टिकट भेजनेसे मिलेगा।

नारायणप्रसाद "बेताब"
नं० ७, मार्कस स्कायर, कलकत्ता

स्थायी ग्राहक होनेके लाभ

१—एजेन्सीसे प्रकाशित कोई भी पुस्तक आप २५) सैकड़ा कमीशन काटकर पा सकते हैं।

२—अबतक प्रकाशित या आगे प्रकाशित होनेवाली पुस्तकोंका लेना न लेना आपकी इच्छा पर निर्भर है। नयी पुस्तक निकलने पर कार्ड द्वारा सूचना देकर १० दिनके बाद पुस्तक वी० पी० से भेजी जायगी। पुस्तक लेनेकी इच्छा न होनेपर सूचित कर देना चाहिए अन्यथा पुस्तक भेजनेके डाकव्ययकी हानि ग्राहकके जिम्मे होगी।

नियम

१—आठ आना प्रवेश फी भेज देने और इसके साथका फार्म भरकर भेज देनेसे आप हिन्दी पुस्तक एजेन्सीमालाके स्थायी ग्राहक बना लिये जायंगे। ॥) आना प्रवेश फी मनीआर्डरसे भेजें या पुस्तकोंके वी० पी० के साथ वसूल करनेकी आज्ञा दें।

पत्र व्यवहारका पता—

हिन्दी पुस्तक एजेन्सी
१२६, हरिसन रोड, कलकत्ता

प्रबन्धकर्त्ता,

हिन्दी पुस्तक एजेन्सी
१२६, हरिसन रोड, कलकत्ता

प्रिय महाशय,

मैं *हिन्दी-पुस्तक-एजेन्सीमाला*का स्थायी ग्राहक बनना चाहता हूं। कृपया मेरा नाम स्थायी ग्राहकोंकी श्रेणीमें लिखकर कृतार्थ करें। मैंने सूचीपत्रमें स्थायीग्राहक सम्बन्धी नियम पढ़ लिये हैं, मुझे सब स्वीकार हैं। ॥) प्रवेश फी भेज रहा हूं। एजेन्सी द्वारा अबतक प्रकाशित पुस्तकोंमें से निम्न लिखित पुस्तकें नियमानुसार कमीशन काटकर भेजनेकी कृपा करें।

भवदीय—

नाम ....

पता ....

तारीख ....